राज
कॉमिक्स विशेषांक
संख्या 2560

संयुक्त संस्करण

खूनी खानदान

RAJ COMICS राज कॉमिक्स BY MANOJ GUPTA

सुपर कमांडो ध्रुव

संस्थापक श्रद्धांजलि वर्ष 2021

SPECIAL COLLECTOR'S EDITION

राज

कॉमिक्स विशेषांक

मूल्य 20.00 संख्या 100

खूनी खानदान

सुपर कमांडो ध्रुव

आकर्षक स्टीकर मुफ्त

by अनुपम

एक रोमांचक विशेषांक

जब कभी अतीत की आंधी चलती है तो जिन्दगी की किताब के वे पन्ने भी खुल जाते हैं, जिनको इंसान ने शायद पहले न तो कभी पढ़ा होता है, और न ही पढ़ना चाहता है–

आज ध्रुव के सामने भी ऐसी ही एक स्थिति मुंह खोलकर खड़ी हो गई है। एक ऐसा रहस्य, ध्रुव के कानों में सीसा घोल रहा है, जो उसकी जिन्दगी को बदलकर रख देने वाला है–
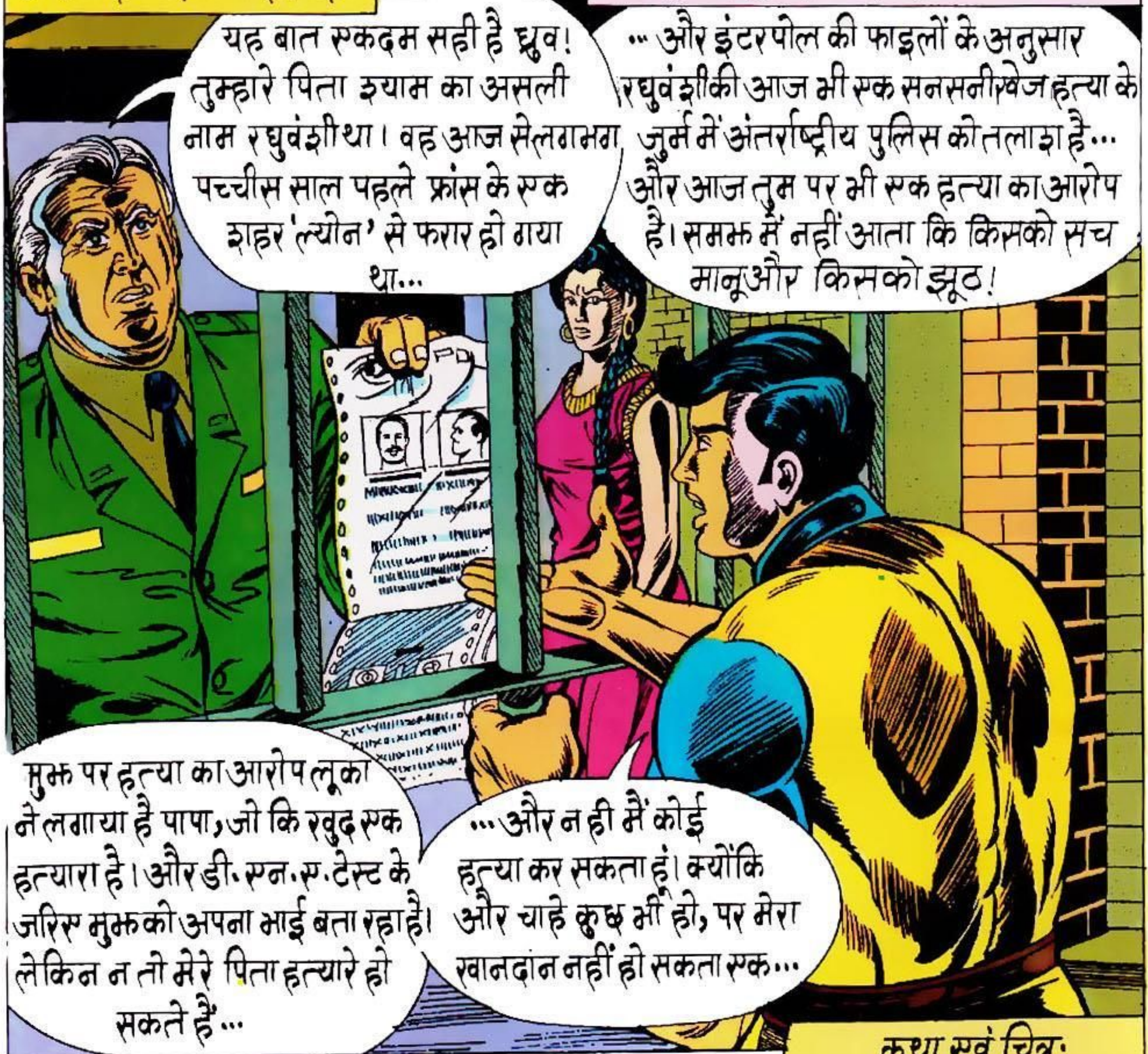
यह बात एकदम सही है ध्रुव! तुम्हारे पिता श्याम का असली नाम रघुवंशी था। वह आज से लगभग पच्चीस साल पहले फ्रांस के एक शहर 'ल्योन' से फरार हो गया था...

... और इंटरपोल की फाइलों के अनुसार रघुवंशी की आज भी एक सनसनीखेज हत्या के जुर्म में अंतर्राष्ट्रीय पुलिस को तलाश है... और आज तुम पर भी एक हत्या का आरोप है। समझ में नहीं आता कि किसको सच मानूं और किसको झूठ!

मुझ पर हत्या का आरोप लूका ने लगाया है पापा, जो कि खुद एक हत्यारा है। और डी.एन.ए. टेस्ट के जरिए मुझको अपना भाई बता रहा है। लेकिन न तो मेरे पिता हत्यारे हो सकते हैं...

...और न ही मैं कोई हत्या कर सकता हूं। क्योंकि और चाहे कुछ भी हो, पर मेरा खानदान नहीं हो सकता एक...

खूनी खानदान

कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा

इंकिंग : विट्ठल कांबले

सुलेख व रंग: सुनील पाण्डेय

सम्पादक : मनीष गुप्ता

राजनगर- एक ऐसा महानगर, जिसकी जड़ों में अपना फन फैलाए छिपा रहता है अपराध का काला नाग! लेकिन यह नाग अपना फन बहुत सोच-समझकर उठाता है। क्योंकि सब जानते हैं कि यह फन उठाते ही कुचल दिया जाएगा। और उसको कुचलने वाला पैर होगा...

...सुपर कमांडो ध्रुव का! राजनगर के उस रखवाले का, जिसको आज तक अपराध का यह नाग लाख चाहने पर भी डस नहीं पाया-

इसीलिए राजनगर में जो भी अपराध का प्लान बनाया जाता है, वह सिर्फ एक ही शख्स को ध्यान में रखकर बनाया जाता है...

...सुपर कमांडो ध्रुव को-

CAPACITY

उस दुष्ट का ध्यान बंटाने का यह फर्स्ट क्लास रास्ता है!...
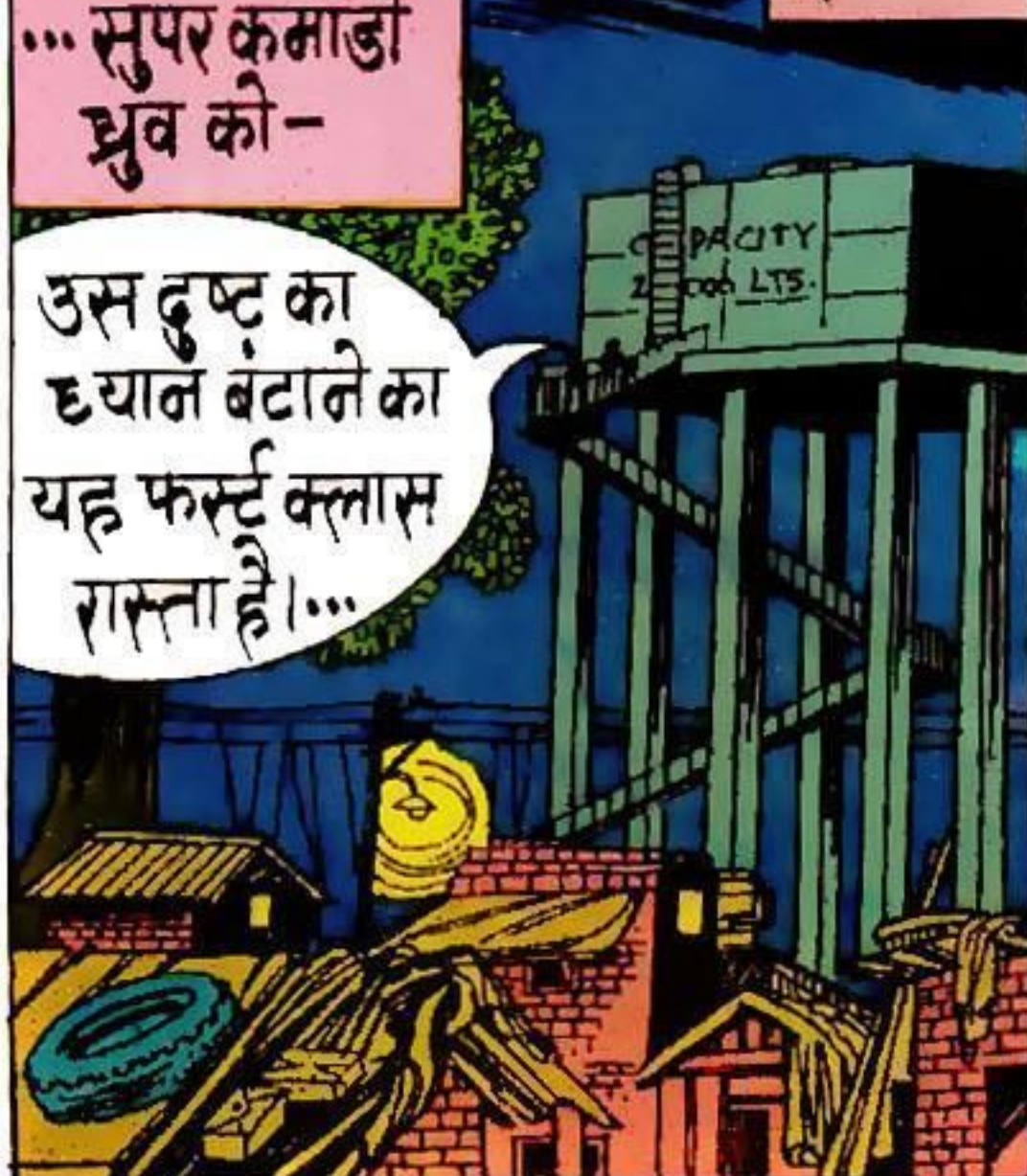
...हम टंकी में टाइम बम फिट कर देते हैं। बम फटेगा! पानी 'नियाग्रा-फॉल' की स्पीड से नीचे झुग्गियों पर गिरेगा। इस तबाही की खबर पाकर सुपर कमांडो ध्रुव इधर भागेगा...

...और उधर हमारी टीम नंबर दो 'हजारा लाल ज्वेलर्स' का स्टील शटर बम से उड़ाकर करोड़ों रुपए के गहने और रत्न उड़ा लाएंगे!

टक टक

हफ! अबे ध्यान ही बंटाना था, हफ, तो टंकी में नीचे ही बम लगा देता। इतनी ऊपर चढ़ने की क्या जरूरत थी?

नीचे बम लगाने से पूरी टंकी ही गिर जाती टीकू! नीचे कई झुग्गी वाले दबकर मर जाते। हम सिर्फ ध्यान बंटाना चाहते हैं, खामख्वाह जानें लेकर मुसीबत में पड़ना नहीं!

तो ठीक है! काम हो गया न! अब जल्दी से नीचे उतर ले, बंसी...

... वर्ना बम पांच मिनट में फट...

अबे, टीकू! बंसी! बचा ... बचा ले! हमें बचा ले!

टिक टॉक

टिक
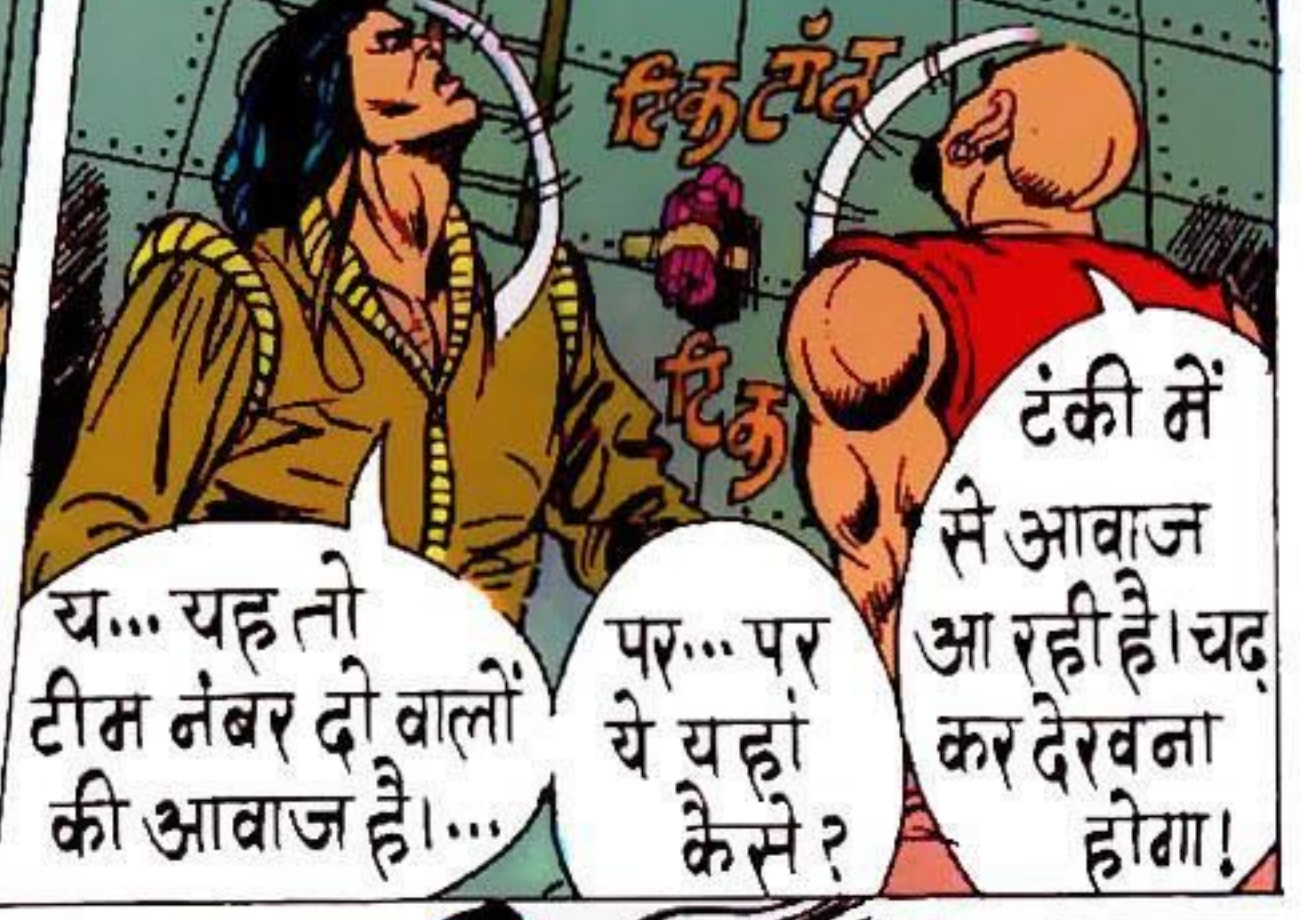
य... यह तो टीम नंबर दो वालों की आवाज है।...

पर... पर ये यहां कैसे?

टंकी में से आवाज आ रही है। चढ़ कर देखना होगा!

ऊपर चढ़कर झांकते ही दोनों के होश फाख्ता हो गए-

अरे! अरे! टीम नंबर दो वाले तो टंकी में गोता लगा रहे हैं। पर... पर ये यहां कैसे पहुंचे?

ये तो मना कर रहे थे। मैं जबरदस्ती उठा कर ले आया!

सुपर कमांडो ध्रुव!

य... यहां?

जब स्कीमें बनाया करो, तो ऊपर जरूर देख लिया करो कि कहीं कोई चिड़िया तो नहीं उड़ रही है!★

★ध्रुव कई पशु-पक्षियों से बातें कर सकता है।

ले... लेकिन इनके पास वाला बम कहां है?

तुमने ऊपर आते वक्त शायद ध्यान नहीं दिया...

... वह बम मैंने टंकी की सीढ़ियों पर लगा दिया है। अब कुछ ही सेकंडों बाद वह...

... बम फटेगा, और नीचे जाने का रास्ता टूट जाएगा। पर घबराओ मत! यह टंकी नहीं टूटेगी, क्योंकि मैंने बम की कुछ विस्फोटक छड़ें निकालकर उसकी तीव्रता कम कर दी है।

पर... पर... ह... हमारे लगाए बम को फटने में सिर्फ डेढ़ मिनट ही बाकी है!...

... नीचे उतर कर बम हटाना होगा!

तब तो मैं तुमको यह बम फेंकने नहीं दूंगा।

जरा इस टंकी के साथ-साथ आज तुमको भी पता चल जाए कि धमाके से जब चिथड़े उड़ते हैं तो कैसा लगता है।

ब... बम फेंक दो! फ... फट जाएगा! हम सब मर जाएंगे।

छपाक

बहुत डर लगता है मरने से? तब ये डर कहाँ था जब तू टंकी को उड़ाकर पानी से गरीबों के घर तबाह करने जा रहा था?

म... माफ कर दे भाई? माफ कर दे!

ले, मैं खुद ही टंकी में कूद गया!
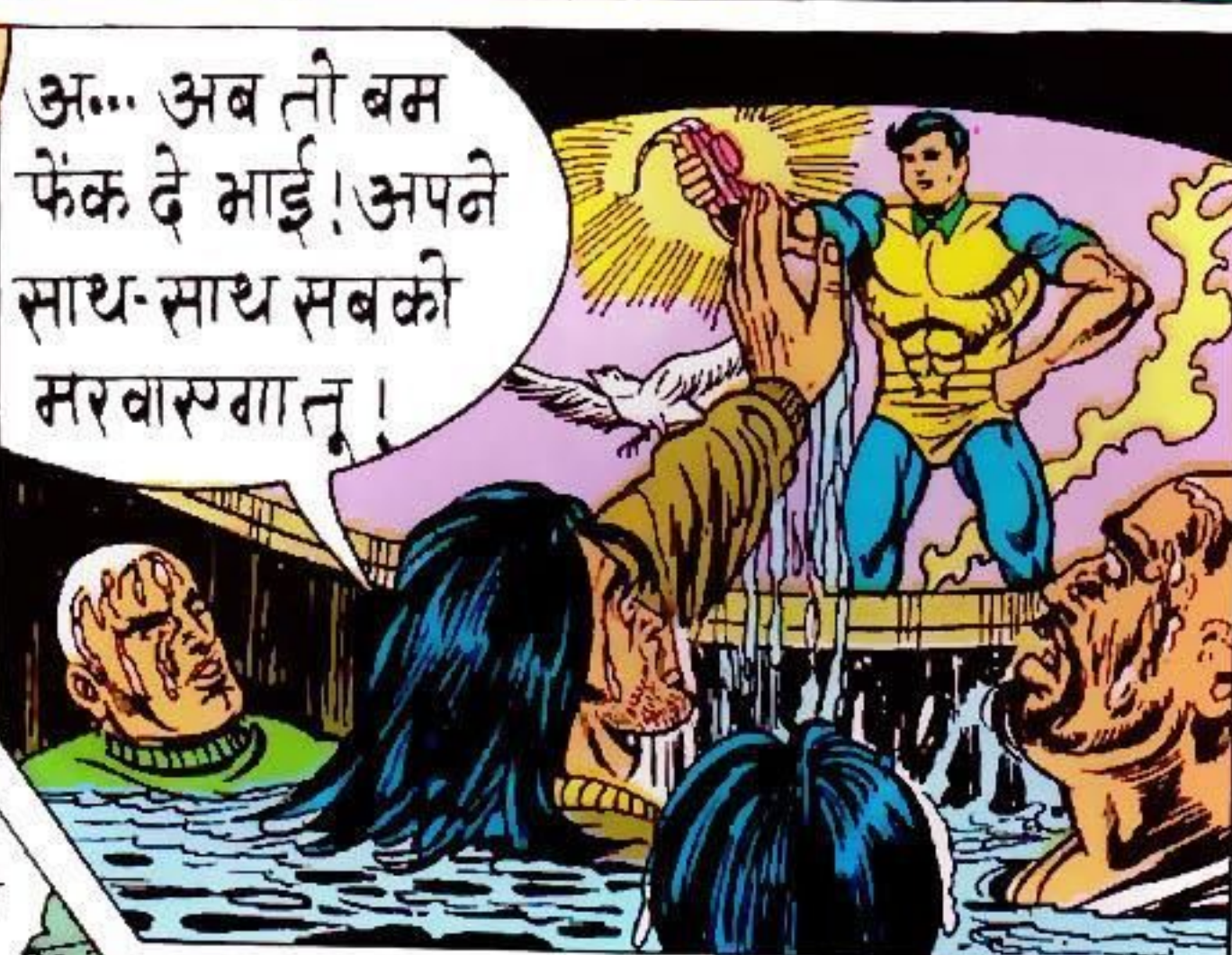
अ... अब तो बम फेंक दे भाई! अपने साथ-साथ सबको मरवाएगा तू!

लो! मैं बम तुमको ही दे देता हूं।

ईई sssss मार डाला रे! मार डाला!

चिल्ला मत! अब ये बम नहीं फटेगा। पानी में भीगकर इसके सर्किट खराब होकर बन्द हो जाएंगे...

...अब तुम लोग पानी में गोता खाओ, जब तक पुलिस आकर तुमको निकाल न ले!

जब ध्रुव, स्टारलाइन की मदद से नीचे उतरा तो नीचे धमाके की आवाज सुनकर झुग्गी वालों की भीड़ पहले ही जमा हो चुकी थी-

ध्रुव भइया की जय होए!

आज तो ध्रुव भइया ने हम गरीबन की झोपड़ियों और बच्चन लोगों को बचाकर बड़ा उपकार किया है।

आप लोग सचमुच मुझे शर्मिन्दा कर रहे हैं। मैंने ऐसा कोई काम नहीं किया है।...

...जो जय-जयकार के लायक हो!

ध... ध्रुव जी... आ... आपसे मुझे... मुझे...

हां, हां! कहिए! कौन हैं आप? मुझसे क्या चाहती हैं?

म...मैं कैसे कहूं? आप इतने बड़े आदमी हैं, और मैं झुग्गियों की एक मामूली...

सब बेकार बातें हैं। अपने-आप को कभी मामूली नहीं समझना चाहिए। आप कहिए! आपका काम मैं हर कीमत पर पूरा करूंगा!

सच! म... मैं वैशाली हूं। कुछ ही महीने हुए, गांव से राजनगर आई हूं। यहां मेरे रिश्तेदार रहते हैं। मैं पत्रकार बनना चाहती हूं, ताकि मैं इन झुग्गी वालों के अधिकारों के लिए प्रशासन से लड़ सकूं...

...मैंने अभी यहां हुई घटना को अपनी आंखों से देखा है। इस पर मैं रिपोर्ट लिखूंगी। लेकिन अगर आप मुझे इंटरव्यू दें तो...

मैं समझ गया, वैशाली! मेरे इंटरव्यू देने से तुम्हारे आर्टिकल की कीमत काफी बढ़ जाएगी। और कोई भी बड़ा समाचार पत्र तुम्हारे आर्टिकल को छापने को तैयार हो जाएगा।

हां, हां! अगर आप ऐसा कर सकें तो मुझे पत्रकारिता के क्षेत्र में जमने में काफी आसानी हो सकती है!

ठीक है, वैशाली! मैं तुमको ऐसा इंटरव्यू दूंगा, जैसा मैंने आज तक शायद किसी को भी नहीं दिया होगा। तुम्हारे जरिए दुनिया को मैं ध्रुव की कहानी सुनाऊंगा... जो शुरू होगी मेरे जन्म स्थान 'जुपिटर सर्कस' से!

पर मेरी एक शर्त माननी होगी तुम्हें!

श... शर्त! कैसी शर्त?

वह ये कि तुम मुझे 'तुम' बुलाओगी। आप कह कर शर्मिन्दा नहीं करोगी।

हा हा हा! मुझे आपकी... ओ... तुम्हारी शर्त मंजूर है।

इधर ध्रुव जुपिटर सर्कस की यादों को कुरेदने जा रहा था...

...और वहां से दूर- बहुत दूर फ्रांस के एक शहर 'ल्योन' के एक पार्क में भी जुपिटर सर्कस का ही जिक्र छिड़ने जा रहा था-

वह आ रही है, काकातुआ! और दूसरी तरफ से उसका पार्टनर भी आ रहा है।

अब इनके बीच में जो बातें होंगी, वह सुनने से हमारा कुछ भला जरूर होगा।
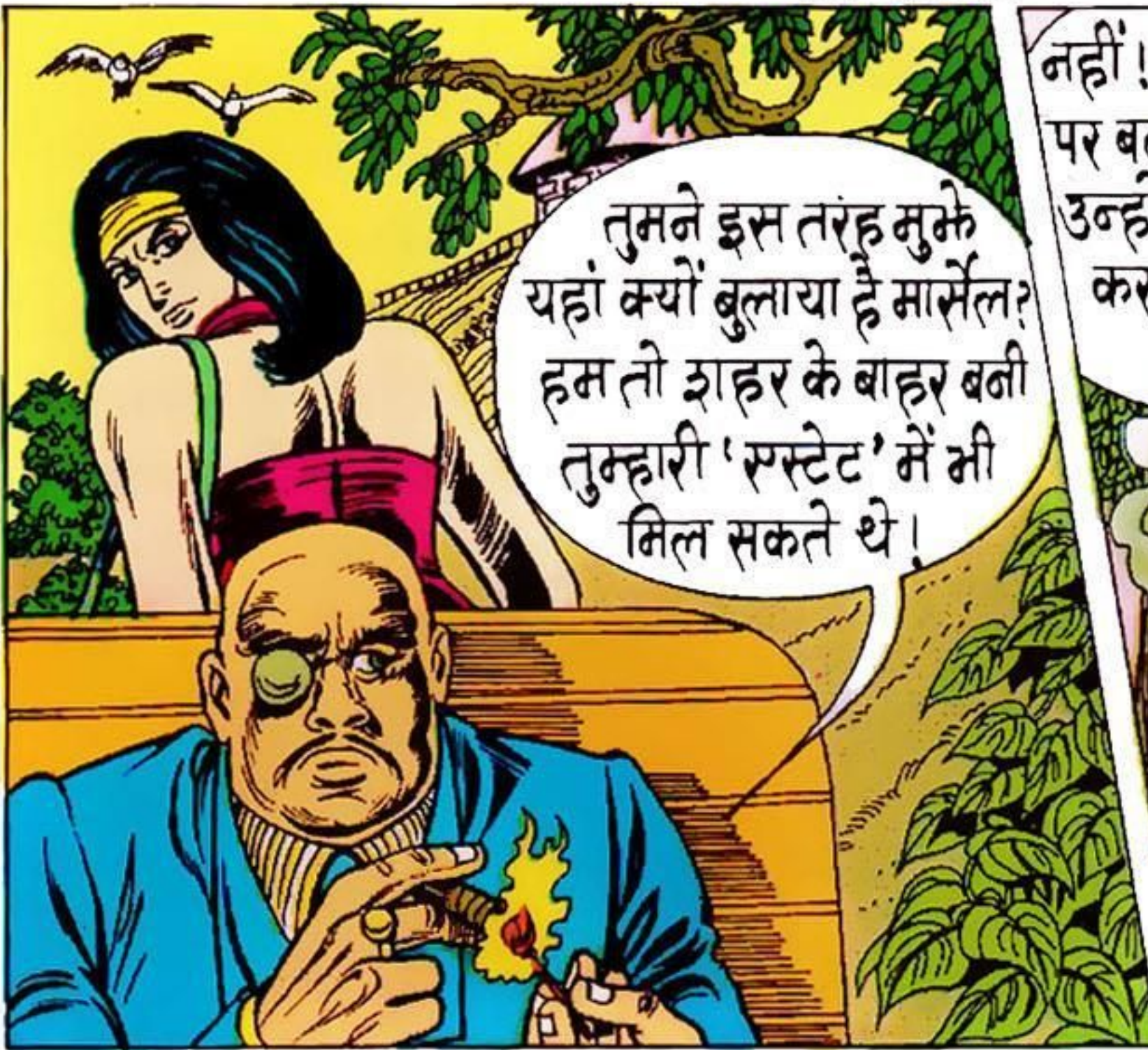
तुमने इस तरह मुझे यहां क्यों बुलाया है मार्सेल? हम तो शहर के बाहर बनी तुम्हारी 'एस्टेट' में भी मिल सकते थे।
नहीं! पुलिस का शक हम पर बढ़ता ही जा रहा है। अब उन्होंने एस्टेट की निगरानी करनी भी शुरू कर दी है सात्रे!...
...और हम नहीं चाहते हैं कि अभी यह राज खुले कि हमारा-तुम्हारा आपस में कोई संबंध है।
संबंध तो है ही! आखिर हम तुम बिजनेस पार्टनर हैं।
मार्सेल को पूरा यकीन था कि इस स्थान पर पुलिस उन पर निगरानी नहीं रख सकती है-
उसका ख्याल सही भी था और गलत भी-
गलत इसलिए क्योंकि उनकी निगरानी तो हो रही थी-
और सही इसलिए क्योंकि उनकी निगरानी करने वाला कोई पुलिस वाला नहीं था-
जा काकातुआ! सुन कि ये क्या बात कर रहे हैं, और फिर आकर मुझे बता!
हां, हमको-तुमको तो बिजनेस पार्टनर तो होना ही था। हमारा काम दुनिया भर की 'डिफेंस रिसर्च लैबों' से नई-नई तकनीकों को चुराकर डेवलप करना है...

...और हमारा काम उस तकनीक से बने नए- नए विध्वंसात्मक हथियारों को चोरी-छिपे पूरी दुनिया में बेचना है। काम की बात करो मार्सेल! जो मैं जानता हूं उसको दोहरा कर मेरा समय मत खराब करो!
तो सुनो! 'जिवसा' ने तय किया है कि अब हम इस पूरी सम्पत्ति को बेच कर किसी और देश में अपना ऑपरेशन शुरू करेंगे। क्योंकि अब यहां पर पुलिस के दबाव की वजह से काम करना संभव नहीं रहा।
तो फिर बेच दो। तुमलोग जहां रहोगे, मैं वहीं से अपना भी बिजनेस चला लूंगा।
इतना आसान नहीं है। वह मेरा बूढ़ा ससुर, जो इस समय लकवे से अपाहिज पड़ा है, लकवा मारने से पहले वसीयत लिख चुका था।...
..और उसके अनुसार जब तक मेरा देवर रघुवंशी भी 'सेल-डीड' यानी बिक्री के कागज पर दस्तखत न कर दे तब तक ये प्रापर्टी बिक नहीं सकती।
लेकिन... लेकिन रघुवंशी तो पच्चीस साल पहले ही फरार हो चुका है। पुलिस को अभी भी उसकी तलाश है।
तुम्हारी मूर्खता के कारण। तुम्हारे ही आदमी ने उस पर गोली चलाई थी। लेकिन वह सिर्फ घायल होकर रह गया।
गोली तो सिर में लगी थी उसके। लेकिन फिर भी न जाने कैसे वह गायब हो गया...
... वर्ना पुलिस को उसकी लाश ही मिलती।
खैर छोड़ो! इतने सालों की मेहनत के बाद हमने उसको तलाश कर ही लिया है। वह अबसे कुछ साल पहले तक जुपिटर सर्कस में श्याम नाम से काम कर रहा था।
कुछ साल पहले तक? तो अब वह कहां है?
ऊपर! वहीं जहां पर हम उसे भेजना चाहते थे।
तो फिर अब समस्या क्या है?

समस्या बहुत टेढ़ी है सात्रे! कोर्ट में यह साबित करने के लिए कि श्याम मर चुका है, मुझे भारत से उसके मरने की पूरी रिपोर्ट मंगानी होगी। और उस रिपोर्ट में यह भी लिखा होगा कि श्याम के एक बेटा है, जिसका नाम... ध्रुव है।

ओह! यानी अब जब तक वह 'ध्रुव' साइन नहीं करे, तब तक तुम्हारी जायदाद नहीं बिक सकती!

जल्दी समझ जाते हो सारी बात! अब सिर्फ दो ही रास्ते बचते हैं। या तो वह ध्रुव दो-चार लाख डॉलर लेकर दस्तखत कर दे... और या...

...और या फिर यह बात खुलने से पहले उसको भी वहीं भेज दिया जाए जहां पर उसका बाप पहले ही पहुंच चुका है।

मैंने कहा न तुम बहुत जल्दी समझ जाते हो!

तो पहले दूसरा रास्ता अपनाते हैं मार्सेल! मुझे लोगों को रास्ते से पूरी तरह से हटाने में महारत हासिल है...

वैसे तो एक घटिया इंडियन को मारने से ज्यादा मुश्किल एक फ्रांसीसी चूहे को पकड़ना है...

...लेकिन फिर भी काम पक्का करने के लिए मैं 'बुलआई' और 'बी-यर्ड' को भेज दूंगा।

मेरा बेटा लूका भी उनके साथ जाएगा... और टीम का लीडर भी वही रहेगा।

तुमको मेरे आदमियों पर भरोसा नहीं है? क्यों?

तुम्हारे आदमी एक बार बाप को मारने में चूक चुके हैं। मैं नहीं चाहती कि वही कहानी बेटे के साथ भी दोहराई जाए!

ठीक है, जैसी तुम्हारी मर्जी! वैसे भी यह तुम्हारा काम है, मेरा नहीं। तुम लूका को भेजने की तैयारी करो, मैं अपने आदमियों को भेजने की तैयारी करता हूं।

मार्सेल और सात्रे के अपने-अपने रास्तों पर जाते ही-

काकातुआ, अपने मालिक के पास जा पहुंचा-

टांय। जैकी! गड़बड़... गड़बड़!... टांय! ये लोग राजनगर जा रहे हैं। ध्रुव को मारने। टांय!

ध्रुव को मारने? क्यों? पूरी बात बता, काका!...

काकातुआ, जैकी को पूरी बात बताता चला गया-

और जैकी के दिमाग में धमाके होने लगे-

चल! समय बिल्कुल नहीं है काका! हमको तुरन्त राजनगर के लिए रवाना होना पड़ेगा।

इधर एक कुटिल योजना के तानों-बानों को बड़ी चतुराई से बुना जा रहा था-

और वहां से बहुत दूर- जिसके लिए जाल बुना जा रहा था, वह खुद अपनी अतीत की परछाइयों में घिरा हुआ था-

श्याम और राधा

क्या बात है मम्मी? भइया आज इतना चुपचुप और उदास क्यों है? आज तो मेरी उसको छेड़ने की हिम्मत भी नहीं पड़ रही है। ऐसा क्या हो गया आज?

आज का दिन तू नहीं जानती श्वेता! क्योंकि आज से पहले हर साल इस समय तू स्कूल में होती थी। इसी लिए तूने ध्रुव का यह रूप कभी नहीं देखा।

लेकिन आज है क्या?

आज ध्रुव के माता-पिता की बरसी है बेटा! आज के ही दिन जुपिटर सर्कस आग की लपटों में स्वाहा हो गया था। और साथ ही साथ भस्म हो गए थे ध्रुव के माता-पिता राधा और श्याम।

ध्रुव तो अपने माता-पिता का क्रियाकर्म भी नहीं कर पाया था। क्योंकि वहां पर मरे हुओं की पहचान कर पाना असंभव था!

ओह! तो ये है भइया के दुःख का कारण!...

...तब तो मैं, तुम और पापा हम सब अपने काम में फेल हो गए मम्मी!...

...हमारा प्यार भइया को उसका दुःख भुला नहीं सका।

अगर मैं अपनी जान देकर भी भइया का दुःख दूर कर पाती तो जान भी दे देती!

श्वेता! खबरदार जो तूने आइन्दा ऐसी बात कभी सोची भी तो!...

... भाई तो बहनों पर अपनी जान न्योछावर करते हैं। बहनों की आड़ में छुपकर अपनी जान बचाते नहीं।

तो फिर तुम ही बताओ कि मैं ऐसा क्या करूं जिससे कि तुम अपना दुःख भूल सको। अगर तुम नहीं हंसोगे तो मैं कैसे हंस सकती हूं ?

तुझे कुछ करने की जरूरत नहीं पगली! अरे इस घर में जो मुझे मिला है, वह तो इन्द्र की स्वर्ग में भी नहीं मिल सकता।...

... भगवान ने एक हाथ से मेरी खुशियां छीनीं, तो दो हाथों से वापस कर दीं। पर इन यादों का क्या करूं ? जो अनचाहे ही दिलो-दिमाग में घुसती चली आती हैं।

श्वेता तो बच्ची है, ध्रुव ! दिल का ज्यादा इस्तेमाल करती है और दिमाग का कम...

... लेकिन मैंने और पापा ने तो तुमको हमेशा यही सिखाया है कि अपने माता-पिता को कभी मत भूलना। यही उनके प्रति तुम्हारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पर जब भी उनको याद करो तो गर्व के साथ। उदास होकर नहीं।

गलती हो गई मम्मी!

कान पकड़ता हूं!

हां! मम्मियां तो होती ही हैं माफी देने के लिए...

...और बेटे होते ही हैं परेशान करने के लिए! बोलो, सुबह से सबको परेशान क्यों कर रहे हो ?

आऊफ! अच्छा बाबा, आज तू भी मुझको पीट लेना, पर बाद में। अभी किसी का फोन आ रहा है...

ट्रिंगगगगग

इस घंटी से ध्रुव की जिन्दगी में एक तूफान सा उठने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी–

हैलो! ध्रुव हियर!

ओहो! ध्रुव! मुझे तुमसे ही बात करनी थी। और चांस की बात देखो फोन तुमने ही उठाया। तुम्हारी बहन, मां या पिता ने नहीं।

ओह! यानी आपको मेरे परिवार के बारे में पूरी जानकारी है। कौन हैं आप?

यह तो समझाने वाली बात है, जो फोन पर समझानी जरा मुश्किल है...

...फिलहाल तो मैं पेरिस से आया हूं। काफी खोजबीन के बाद तुम्हारा पता ढूंढा है।...

... मैं यहां पर तुम्हारे पिता रघुवंशी से मिलने आया था। हम दोनों पेरिस में साथ ही थे।...

...यहां आकर पता चला कि वह नहीं रहा।...

... इसीलिए तुमसे मिलकर उसकी मौत का अफसोस जाहिर करना चाहता हूं।

आपने या तो गलत नम्बर मिलाया है और या फिर नशा किया हुआ है। क्योंकि मेरे पिता का नाम रघुवंशी नहीं था, और जहां तक मैं जानता हूं वह भारत से बाहर कभी नहीं गए।

... और आज से पच्चीस साल पहले वह फ्रांस से फरार हो गया था!

प...पर क्यों?

तुम जो कुछ जानते हो वह तुम्हारे पैदा होने के बाद की बात है। मैं उससे पहले की बात कर रहा हूं... तुम जिसको श्याम नाम से जानते हो उसका नाम रघुवंशी था...

सारी बातें फोन पर नहीं हो सकती बच्चे! आकर मिलो तो आराम से बातें होंगी। मैं बताता हूं कि तुमको कहां आना है। पर अकेले आना!...

...क्योंकि मैं नहीं चाहता कि तुम्हारे बाप के बारे में कोई और भी जाने और तुम्हारा सिर शर्म से नीचा हो जाए!

अब सुनो कि तुमको कब और कहां पर आना है।

इधर शिकारी शिकार करने के लिए तैयार हो रहा था...

...और पास में ही शिकारी का शिकार करने की तैयारी हो रही थी-

शाबाश काका! हम सही समय पर राजनगर पहुंच भी गए और तेरी इन षड्यंत्रकारियों को ढूंढने की मेहनत भी सफल हो गई।

लेकिन अब मामला जरा टेढ़ा हो रहा है।...

... यह गंजा जो फोन कर रहा है जरूर लूका ही होगा। क्योंकि बाकी दोनों को हम ल्योन में देख ही चुके हैं...

...और यह फोन भी ध्रुव को ही कर रहा है। क्योंकि यहां पर यह किसको फोन करेगा? मेरी छठी इन्द्रिय कह रही है कि हमको किंग की जरूरत पड़ सकती है...

... तुम इन पर नजर रखो। मैं किंग को लेकर आता हूं।

उधर- ध्रुव के दिमाग में विचारों की आंधियां चल रही थीं-

क्या हुआ ध्रुव? किसका फोन था? कौन था जो तुम्हारे पिता का नाम रघुवंशी बता रहा था?

यह तो मुझे भी पता करना है मम्मी! मुझे आभास हो रहा है कि मुझे बदनाम करने के लिए षड्यंत्र रचाया जा रहा है...

... लेकिन मैं कुछ होने से पहले ही इनको बेनकाब कर दूंगा।

ध्रुव के लिए अगला स्टॉप था कमांडो फोर्स का हैडक्वार्टर-

वेलकम केप्टेन! भई मान गए! तुममें तो है ही, आज पता चला कि तुम्हारे पुतले में भी काफी दम है!
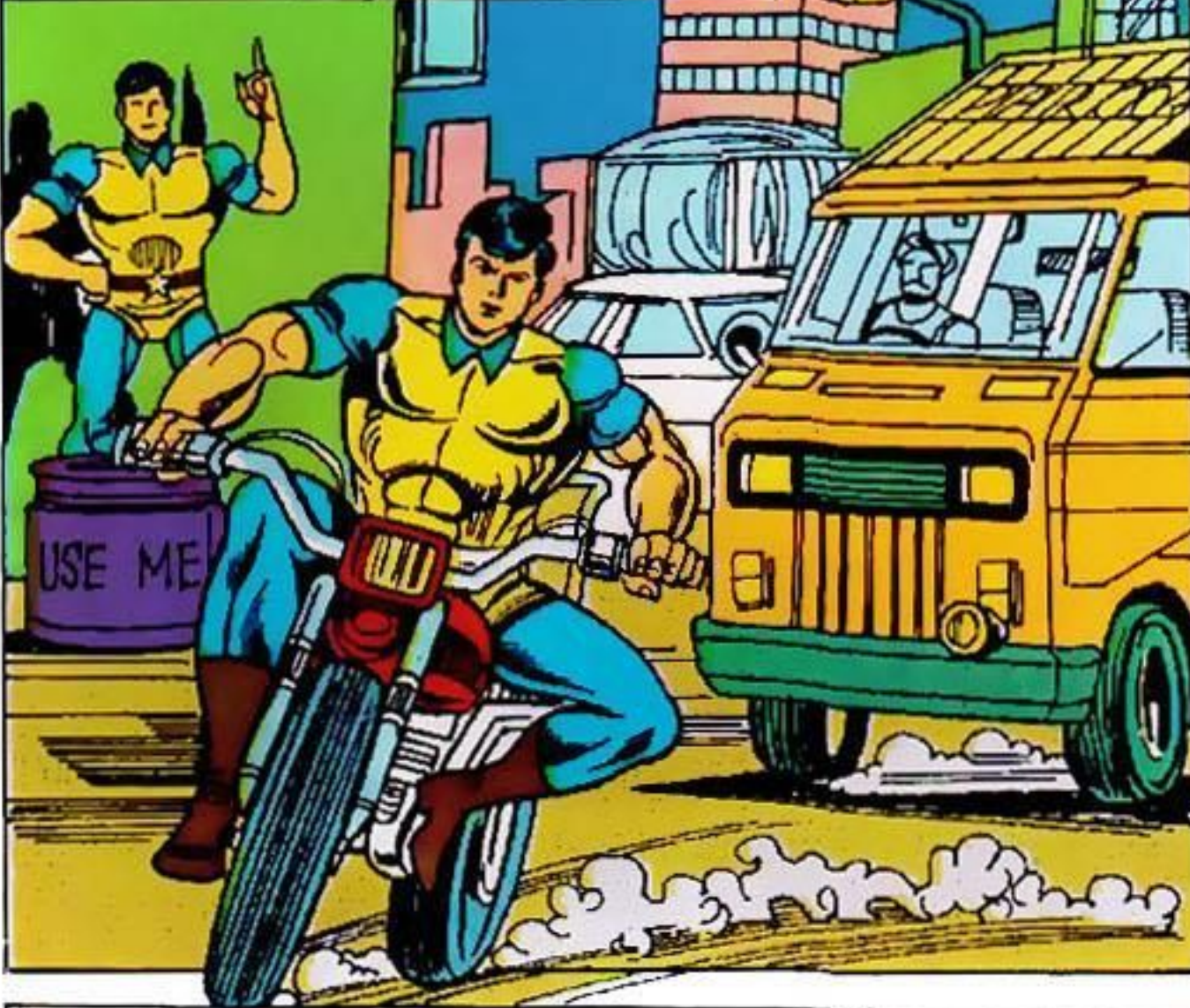
यानी?

सारे शहर में तुम्हारे आदमकद कटआउट लगे हुए हैं। मगर... चू-चू-चू, कूड़ों के डिब्बों के साथ। पर गन्दगी न फैलाने की तुम्हारी अपील को राजनगर वालों ने काफी सीरियसली लिया है। चाहे कितनी दूर चलना पड़े, पर सभी लोग कूड़ा डिब्बे में ही डाल रहे हैं...

चलो! कम से कम राज-नगर वालों ने मेरी इतनी इज्जत तो रख ली रेणु!...

...अच्छा करीम! तुम्हारे लिए एक काम है, जरा अपने 'क्रिमिनल रिकार्ड' में चेक करना कि उसमें रघुवंशी नाम का कोई अपराधी है या नहीं!...

...पुराने रिकार्डों को ही चेक करना। कम से कम पंद्रह साल पुराने।

और अगर अपने रिकार्ड में न मिले तो अंतर्राष्ट्रीय-अपराधियों की फाइल चेक करना।

कहानी 19 वें पृष्ठ से जारी

पीटर, तुम यह क्या ले आए?

तुम्हारे लिए एक 'सरप्राइज गिफ्ट' है। कमांडो फोर्स के मिले-जुले प्रयासों का नतीजा!

आखिर ये है क्या?...

...ओह, बेल्ट! काफी खूबसूरत बेल्ट है।

सिर्फ खूबसूरत ही नहीं, काफी काम की भी है यह बेल्ट! इसकी चमड़ों की तह के बीच में लचकदार फाइबर ग्लास की लाइनिंग है...

...तुम्हारी पुरानी बेल्ट में सिर्फ 'स्टार ब्लेड' और 'स्टार लाइन' रखने की जगह है। और वह भी थोड़ी सी।

जबकि इस बेल्ट में बारह से भी ज्यादा 'पाऊच' है। और वह भी एयर टाइट और वाटर प्रूफ!...

...इसमें तुम्हारे 'स्टार-ब्लेड' और 'स्टार लाइन' के साथ और भी ऐसी कई चीजें रखी हैं, जो वक्त पर तुम्हारे काम आ सकती हैं।...

...इसमें 'नर्व-कैप्सूलों' के साथ-साथ डॉर्ट 'सिग्नल प्लेयर' फ्लैश बम और कुछ जीवनदायी दवाइयां भी हैं। यहां तक कि इसमें 'फर्स्ट-एड का सामान भी है।

वंडर फुल! तुम लोगों की इस 'गिफ्ट' ने मेरी ताकत और उत्साह को सौ गुना बढ़ा दिया है...

...और मुझे आभास हो रहा है कि यह बेल्ट जल्दी ही मेरे काम आने वाली है।

अब समय नहीं है। मुझे जल्दी से जल्दी वहां पहुंचना होगा।

जहां पर उस रहस्यमय फोन करने वाले ने मुझे बुलाया था। राजनगर के नवीनतम टूरिस्ट आकर्षण 'आर्टिफीशियल वॉटर फॉल' पर। बुलाने वाले ने ऐसी जगह क्यों चुनी है? ...

... इस वक्त तो यह जगह एकदम सुनसान होगी। क्योंकि शाम पांच बजे के बाद इस 'वॉटर फॉल' को दर्शकों के लिए बन्द कर दिया जाता है। ...

... यानी यह व्यक्ति जो भी है मुझसे एकदम अकेले में बात करना चाहता है। पता नहीं मेरी भलाई के लिए या मेरी बुराई के लिए।

KEEP YOUR CITY CLEAN

वेलकम, ध्रुव! मुझे पता था कि तुम जरूर आओगे। और अकेले आओगे।

और मैं आ गया ... अब बताइए कि आप कौन हैं और मेरे पिता और मेरे वंश पर कीचड़ क्यों उछाल रहे हैं?

तुम्हारे वंश पर कीचड़ उछालना तो अपने-आप पर कीचड़ उछालने जैसा है। पर क्या करूं। सच्चाई तो सच्चाई है। और सच्चाई जानना चाहते हो तो सुनो...
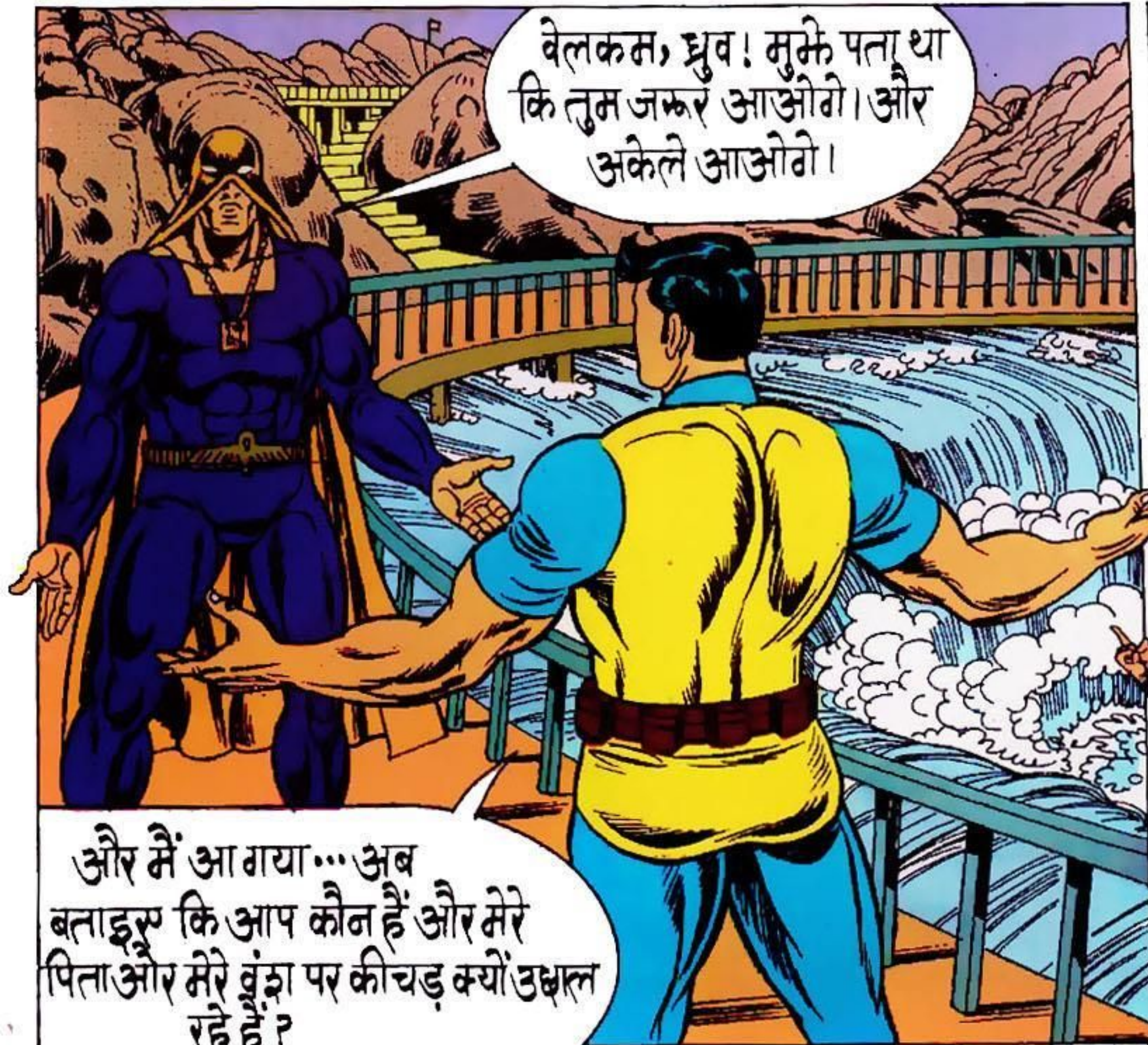
लेकिन कोई यह नहीं चाहता था कि ध्रुव कोई भी बात सुने-

लूका, नकाब पहनकर ध्रुव को बातों में उलझा रहा है ताकि उस पर पीछे से वार किया जा सके।

शायद वह भी जानता है कि ध्रुव पर वार कर पाना बच्चों का खेल नहीं है।...

...लेकिन मैं इसके प्लान को सफल नहीं होने दूंगा। किंग अपना काम शुरू कर दो।

और अगले ही पल-

अरे! ऊपर से चट्टानें लुढ़क रही हैं...

...यानी ऊपर कोई और भी है।

मतलब धोखा! ध्रुव किसी और को साथ लेकर आया है। इसको शायद हमारे इरादों का आभास हो गया था।...

... बुल्स आई! आ जाओ!

ओह! यानी इतनी मेहनत मुझे मारने के लिए की गई थी? लेकिन मुझे मार पाना तुम जैसों के बस की बात नहीं है, मिस्टर नकाबपोश!

लेकिन ऊपर से पत्थर कौन लुढ़का रहा है। मेरे साथ तो कोई भी नहीं आया।

यह 'बुल्स आई' है ध्रुव! मामूली भाड़े का हत्यारा नहीं है। इसमें एक पूरी बटालियन से मुकाबला कर सकने की शक्ति है।...

...इसकी एक आंख की जगह इन्फ्रा रेड टेलिस्कोप फिट है। और दूसरी आंख की जगह मिनी रायफल।

और एक 'टेलिस्कोपिक आई' इसके पीछे भी लगी है। ताकि यह एक ही समय में हर तरफ नजर रख सके...

और इतना तो तुम भी समझते ही होगे कि हाथ का निशाना तो एक बार चूक सकता है...

... पर आंख का निशाना कभी नहीं चूकता।

हे भगवान! यह तो सचमुच बहुत खतरनाक हथियार से लैस है...

मेरा आदेश याद रखना बुल! निशाना इस पर नहीं, इसके आस-पास लगाओ। इसको जलप्रपात में धकेलने की कोशिश करो।...

... हमारी स्कीम के लिए यह बहुत जरूरी है कि इसकी मौत एक हादसा लगे, हत्या नहीं।

और इससे पहले कि ध्रुव लूका की चाल को भांप पाता-

उसके पैरों के नीचे का प्लेटफार्म चकनाचूर हो गया-

लेकिन गिरते ही ध्रुव के दिमाग ने काम करना शुरू कर दिया था-

स्टार लाइन बेल्ट से निकलकर उसके हाथ में आ चुकी थी-

और एक जोरदार झटके से 'स्टार लाइन' चट्टानों की तरफ उछल गई-

अगले ही पल- ध्रुव का नीचे गिरता हुआ बदन हवा में ही रुक गया-

कमाल का लड़का है। सामने दिखती मौत को भी टाल दिया।

लेकिन सिर्फ कुछ पलों के लिए। मेरी अगली गोली इस रस्सी के ही चिथड़े उड़ा देगी।

उसके होशो-हवास गुम हो गए-

और साथ ही साथ लूका के भी-

य... यह गुरिल्ला कहां से आ गया?...

...क... क्या ध्रुव इसी को लेकर आया था?

लेकिन इससे पहले कि 'बुल्स आई' अपनी 'आंख दबा पाता-

नहीं लूका! इसको मैं लेकर आया हूं। तुम्हारा खेल खत्म करने के लिए।

लूका? तुम मुझे कैसे जानते हो? ओह! याद आया। मैंने तो तुमको फ्रांस में देखा था...

...अपनी एस्टेट के आस-पास चक्कर काटते हुए।

तुम यहां तक भी पहुंच गए? यानी तुम मेरा पीछा कर रहे हो! पर क्यों? मेरी तुमसे क्या दुश्मनी है? मैं तो तुम्हें जानता तक नहीं!

लेकिन तुम ध्रुव को नुकसान पहुंचाना तो चाहते हो न? तुम ध्रुव को खत्म करने का इरादा छोड़ दो, मैं तुम्हारा पीछा करना छोड़ दूंगा लूका!

ओह! यानी तुम हमारे बारे में काफी कुछ जानते हो। और यह हमारे लिए काफी खतरनाक हो सकता है। और अगर तुम समझते हो कि यह गुरिल्ला मुझे रोक सकता है तो यह तुम्हारी भूल है। देखो! यह कैप्सूल।

इसमें भरा 'हाई पॉवर स्टेरायड' मुझे तुरन्त 'सुपर पॉवर' दे सकता है। और तब मेरी शक्ति इस गुरिल्ले के बराबर ही हो जाएगी।

तड़ाक

तब तो मुझे भी इस लड़ाई में कूदना...

टांए...टांए...(जैकी, ध्रुव लगभग ऊपर तक आ चुका है!)

ओह! तब तो यहां रुकना ठीक नहीं है। अभी मैं उसके सामने आना नहीं चाहता...

...क्योंकि अगर मैं उसके सामने पड़ गया तो मुझे अपना रहस्य खोलना पड़ सकता है। और यह मैं बिलकुल नहीं चाहता।

ध्रुव के ऊपर पहुंचने तक 'जैकी' चट्टानों में गायब हो चुका था-

य... यह क्या? यह गुरिल्ला कहां से आ गया? खैर, जो भी हो। यह मेरी मदद ही कर रहा है!

लेकिन वह 'बुल्स आई' कहां चला गया?

मैं इधर हूं बच्चे! इस गुरिल्ले ने मुझ पर अचानक हमला करके मुझे कुछ देर के लिए बेहोश कर दिया था। लेकिन अब मैं तुझे परलोक पहुंचाने के लिए होश में आ गया हूं।

ओह! इस गुरिल्ले को नकाबपोश के बजाए इस 'बुल्स आई' पर हमला करना चाहिए था। क्योंकि यह ज्यादा खतरनाक है।...

... खैर! अब मुझे ही इस पर काबू पाने का कोई तरीका सोचना होगा!

ओह! तू उछल-उछलकर मेरी कीमती गोलियों को बरबाद कर रहा है। अब मुझे परिस्थिति को अपनी शक्तियों के अनुसार बदलना होगा...

... इन रोशनी उगलती सर्च लाइटों को तोड़कर। क्योंकि तू अंधेरे में तब मुझे नहीं देख पाएगा...
तड़ाक
दूं नाक
... लेकिन मैं अपनी 'इन्फ्रा-रेड नाइट विजन' की मदद से तुझे अंधेरे में भी देख लूंगा। तब देखूंगा कि तू बच-कर कहां जाएगा?
इधर लूका और किंग में अंधेरे में ही घमासान युद्ध चल रहा था-
जो दोनों को ही थकान के कगार पर लिए जा रहा था-
और दूसरी तरफ ध्रुव अपनी उस जान को बचाने की कोशिश कर रहा था जो किसी भी वक्त परलोक के लिए रवाना हो सकती थी-
ओह! अब दिक्कत यह है कि इसकी पोजीशन मुझे तभी मालूम हो पा रही है, जब यह मुझ पर वार करता है। और उस वक्त मैं बचने में व्यस्त रहता हूं।...

... लेकिन यह मुझको 'नाइट विजन' की मदद से लगातार देख सकता है। मुझे इसका ध्यान बंटाना होगा... ताकि मुझे इस पर वार करने का मौका मिल सके।... ... और इसका ध्यान बंटाने का एक श्योर शॉट आइडिया मेरे दिमाग में आ रहा है...

... अंधेरे में गायब हो गया–

अरे! कहां गया वह लड़का? भाग गया क्या? पर मुझे तो बताया गया था कि ध्रुव कभी पीठ दिखाकर नहीं भागता... नहीं... वह भागा नहीं है। वह यहीं कहीं छिपा है।

'बुल्स आई' की नाइट विजन अगले एक मिनट तक ध्रुव को अंधेरे में तलाश करती रहीं–

अगले ही पल– ध्रुव का शरीर एक तरफ लपककर...

अगले ही पल एक गोली ने ध्रुव के 'शरीर' के चिथड़े उड़ा दिए–

और उससे अगले पल में– 'बुल्स आई' की एक 'आंख' पत्थर की बलि चढ़ गई–

और उसका जुटे रहना आखिरकार सफल हो ही गया–

मैं इधर हूं, 'सांड की आंख'।

वो रहा!

अब इसकी मौत हादसा लगे या न लगे, मैं तो इसे मार ही दूंगा।

तड़!

ओह!

मेरी ऑटोमेटिक रायफल आई!

किसने की मुझ पर वार करने की जुर्रत ? ... तुम ? ध्रुव ! ... पर मैंने तो अभी-अभी ...

मेरे आदमकद 'कटआऊट' को तोड़ा है, जो तुमको सिर्फ एक आंख से देखने की वजह से दो आयामी के बजाय तीन आयामी लग रहा था। ... और जिसे मैं अभी-अभी नीचे से उठाकर लाया था।

धाड़,

तो तू समझ रहा है कि तूने मेरी रायफल आई को तोड़कर मुझे बेबस कर दिया है ? ...

... लेकिन ये तेरी भूल है। क्योंकि मेरी 'टेलिस्कोपिक आई' अंधेरे में देखने के साथ-साथ तीव्र विकिरण भी छोड़ सकती है। ...

... और यह विकिरण तुझे तीस सेकंड के अंदर-अंदर मार सकता है।

मैं जानता हूं कि तुम अभी आधे बेबस हो गए हो। इसीलिए मेरा तुमको अब पूरा बेबस करने का इरादा है। ...

... अब जिस 'नाइट विजन' को तुम अपनी ताकत समझ रहे हो वही तुम्हारी दुश्मन बन जाएगी ! ...

... क्योंकि जब ये 'फ्लैश बम' फटेगा तो हल्की रोशनी में देख रही तुम्हारी आंख पर सामान्य से कई गुना ज्यादा असर करेगा।

आऽऽऽह ! मेरी आंख ! ...

इस चमक ने मुझे अंधा सा कर दिया है !

फटटाक

और अब मैं तुमको अंधे के साथ-साथ बेहोश भी कर दूंगा।...

तड़ाक

...अब इसको अपने साथ ले जाकर आराम से पूछताछ की जा सकती है... लेकिन इसको ले जाने के लिए मुझे मदद चाहिए।...

...मुझे 'सिगनल-फ्लेयर' की मदद लेनी होगी। क्योंकि मेरी इस नई बेल्ट में ट्रांसमीटर फिट नहीं हुआ है।

इसको देखकर कोई न कोई तो यहां तक पहुंच ही जाएगा!

'सिगनल-फ्लेयर' ने अंधेरे को फिर से रोशनी से भर दिया- और ध्रुव को नजर आ गया नीचे झांकता हुआ जैकी-

अरे! ऊपर कोई खड़ा हुआ है। यह कहीं इनका ही साथी तो नहीं है जो इन पर नजर रखने को आया हो?

वैसे भी गुरिल्ला और नकाबपोश अभी तक आपस में उलझे हुए हैं।

इस लड़ाई का फैसला होने तक तो मुझे रुकना ही होगा!

अभी इसको पकड़कर सच्चाई का पता लगा लेता हूं।

ध्रुव, ऊपर की तरफ लपका-

लेकिन उसके ऊपर तक पहुंचने से पहले ही जैकी और काकातुआ, दोनों ही गायब हो चुके थे-
अरे! वह हैटकोट धारी कहां गायब हो गया? इतनी जल्दी चट्टानों पर से कूदकर भाग जाने का काम तो कोई कुशल कलाबाज ही कर सकता है। शायद वह भागा नहीं है। यहीं कहीं पर छिपा है। मुझे 'सिग्नल फ्लेयर' की चमक खत्म होने से पहले ही उसको ढूंढ़ निकालना होगा।
ध्रुव, कुछ देर तक चट्टानों के बीच में जैकी की तलाश करता रहा, लेकिन-
वह यहां पर नहीं है। समय नष्ट करने से कोई फायदा नहीं है। मुझे नीचे जाकर गुरिल्ले की मदद करनी चाहिए।
लेकिन नीचे पहुंचकर ध्रुव को एक बार फिर चकित हो जाना पड़ा-
अरे! यहां... यहां पर तो घायल गुरिल्ले के अलावा और कोई नहीं है। यानी... उस नकाबपोश ने गुरिल्ले को भी पछाड़ दिया। और उसके बाद बुल्स आई को भी लाद ले गया।...
और वह हैटधारी कौन था? दुश्मन या दोस्त। क्योंकि अब मुझे लग रहा है कि इस गुरिल्ले को लेकर वही आया होगा!
... कमाल की शक्ति रही होगी उसमें। पर वह था कौन? और मुझे मारना क्यों चाहता था?
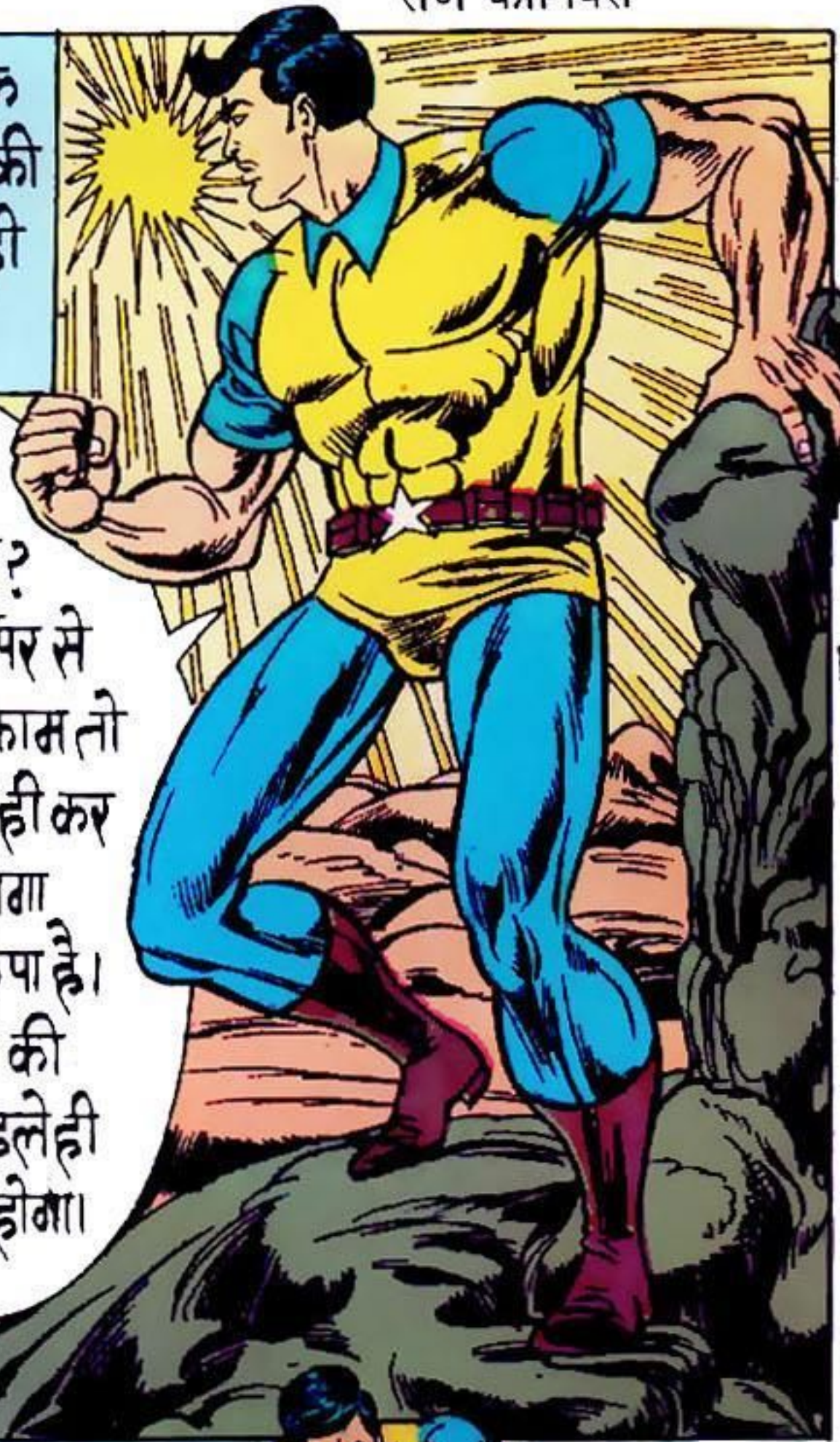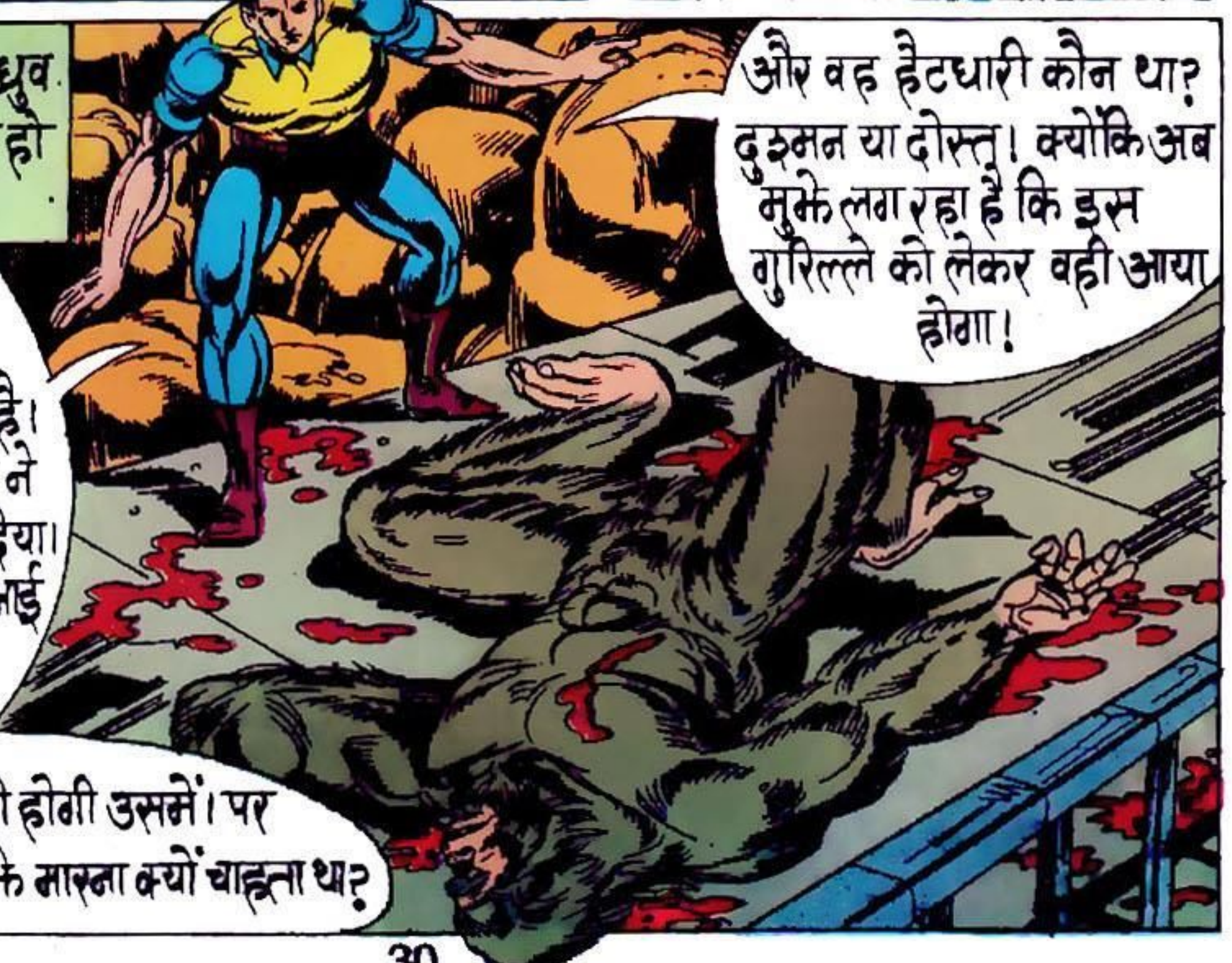
और न जाने क्यों यह गुरिल्ला भी मुझे कुछ पहचाना हुआ सा लग रहा है... कहानी कुछ उलझती हुई सी लग रही है...

...एक तरफ मारने वाले हैं और एक तरफ शायद बचाने वाला। और दोनों के ही बारे में मैं कुछ नहीं जानता!

थोड़ी ही देर बाद उस सुनसान जगह पर भीड़ सी जमा हो गई थी–

लगता है जैसे इसकी किसी ट्रक से टक्कर हुई हो ध्रुव... इसको तो जानवरों के नहीं आदमियों के अस्पताल में भेजना होगा!

किंग के जाने के बाद–

यहां के दोनों चौकीदारों को हमने ढूंढ निकाला है ध्रुव। दोनों ही नीचे बने गार्ड्स रूम में बंधे पड़े थे।

लेकिन ये दोनों थे कौन? तुमको यहां बुलाकर मारना क्यों चाहते थे?

कुछ पता नहीं इंस्पेक्टर! क्योंकि न तो मैं उनको पकड़ पाया और न ही उनकी सूरतें देख पाया।

खैर! रिपोर्ट तो मैं दर्ज कर लूंगा। तुम कभी भी आकर आवश्यक खानापूरी कर देना!

ठीक है इंस्पेक्टर!

एंड थैंक्यू!

वापस लौटते समय ध्रुव के दिमाग में विचारों की आंधियां चल रही थीं–

वे दोनों शक्ल और बोली के लहजे से विदेशी लग रहे थे... क्या सचमुच उनकी बात में कोई सच्चाई है?

मेरे स्वर्गीय पिता श्याम ने कभी भी मुझसे अपनी पिछली जिन्दगी का जिक्र नहीं किया और न ही मैंने कभी इस बात पर गौर किया। अब जुपिटर सर्कस का कोई कलाकार जीवित भी तो नहीं बचा है, जिससे मैं इस बात को पूछ सकूं। ...

...अब मेरी एकमात्र उम्मीद करीम बचा है! शायद वही इस गुत्थी को सुलझा सके ...

कमांडो हेडक्वार्टर जाकर देखता हूं।

और फिर-

कुछ बात बनी करीम?

हां, कैप्टेन! अभी-अभी बनी है। पच्चीस साल पुरानी अन्तर्राष्ट्रीय अपराधियों की फाइल में इंफार्मेशन मिली है। देखो! यह रही रघुवंशी की फोटो!
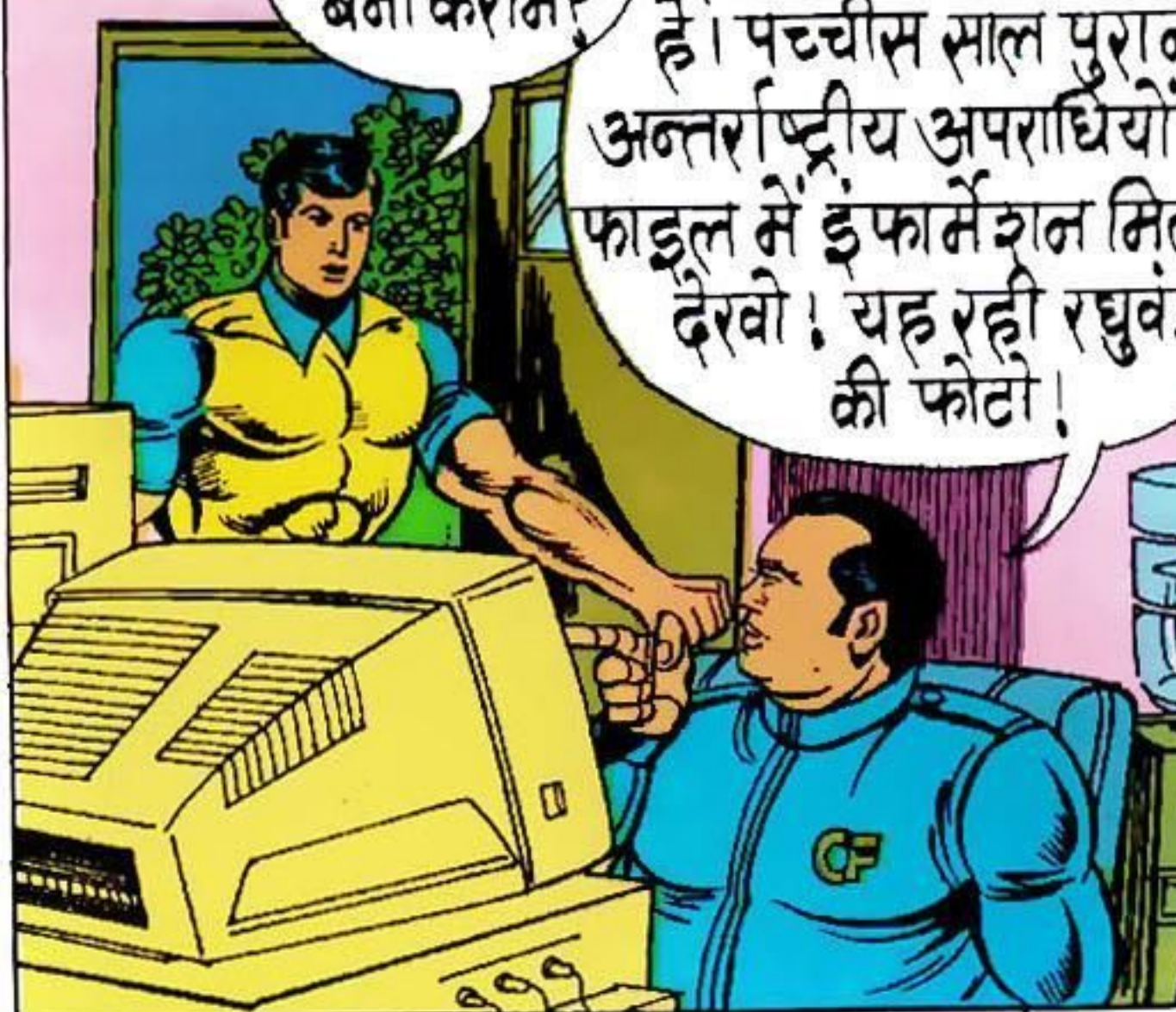
ध्रुव ने फोटो पर नजर डाली और सीने के पिंजरे की सलाखों से उसका दिल धाड़-धाड़ टकराने लगा-

यह फोटो! ... हालांकि काफी पुरानी फोटो है, फिर भी या तो यह पिताजी की फोटो है और या फिर उनके किसी जुड़वां हमशक्ल की!

बैकग्राउंड में दिख रही एफिल टॉवर से यह भी साफ जाहिर है कि फोटो पेरिस में ही खींची गई थी।...

... लेकिन यह कैसे साबित होगा कि यह फोटो मेरे पिता श्याम की ही है? उनके किसी हमशक्ल की नहीं!

किस सोच में पड़ गए कैप्टेन? किसकी फोटो है ये?

हुम! कोई खास नहीं! इसकी 'क्राइम फाइल' कहां है?

नो फाइल कैप्टेन! यह इंटरपोल की सूचना है।

इसके साथ सिर्फ कुछ 'पहचान चिन्ह' हैं। और कुछ नहीं!

हां! इतना जरूर पता है कि रघुवंशी पर एक नृशंस हत्या का आरोप है। विस्तृत जानकारी मंगाने के लिए तुमको अपने पापा कमिश्नर राजन के पास जाना पड़ेगा...

...उनके लिखित अनुरोध के बगैर इंटरपोल और कोई जानकारी नहीं देगा।

ध्रुव के लिए यह नई मुसीबत खड़ी हो रही थी-

क्योंकि-

पापा से जानकारी मंगाने के लिए कहूं तो कैसे? क्योंकि पापा यह जरूर पूछेंगे कि मुझे यह जानकारी क्यों चाहिए? कौन है रघुवंशी? और फिर मैं झूठ नहीं बोल पाऊंगा!

यह जानने के लिए कोई और रास्ता निकालना पड़ेगा कि श्याम और रघुवंशी दो अलग-अलग व्यक्ति हैं या एक ही व्यक्ति के दो अलग-अलग नाम!

ध्रुव न चाहते हुए भी एक जाल में जकड़ा जा रहा था-

ध्रुव!

पापा! आप अभी तक जाग रहे हैं?

हां! मैं तुम्हारा ही इन्तजार कर रहा था। लाल चौक थाने के इंस्पेक्टर ने बताया कि उसने तुम्हारी तरफ से एक रिपोर्ट दर्ज की है!...

...'आर्टीफीशियल वॉटर-फाल' पर कुछ लोगों ने तुम्हारी जान लेने की कोशिश की...

...और तुम्हारी मम्मी मुझे बता रही थी कि सुबह किसी का फोन आया था... तुम्हारे पिता का नाम श्याम नहीं, कुछ और बता रहा था! शायद उसी ने तुमको जलप्रपात पर बुलाया था।

हां, पापा! लेकिन मामला सुलझने के बजाय और उलझ ही गया! पता नहीं क्या सच है और क्या झूठ?

किस सच और झूठ की बात कर रहे हो तुम?

कुछ नहीं पापा! यूं ही!

गुडनाइट पापा!

?
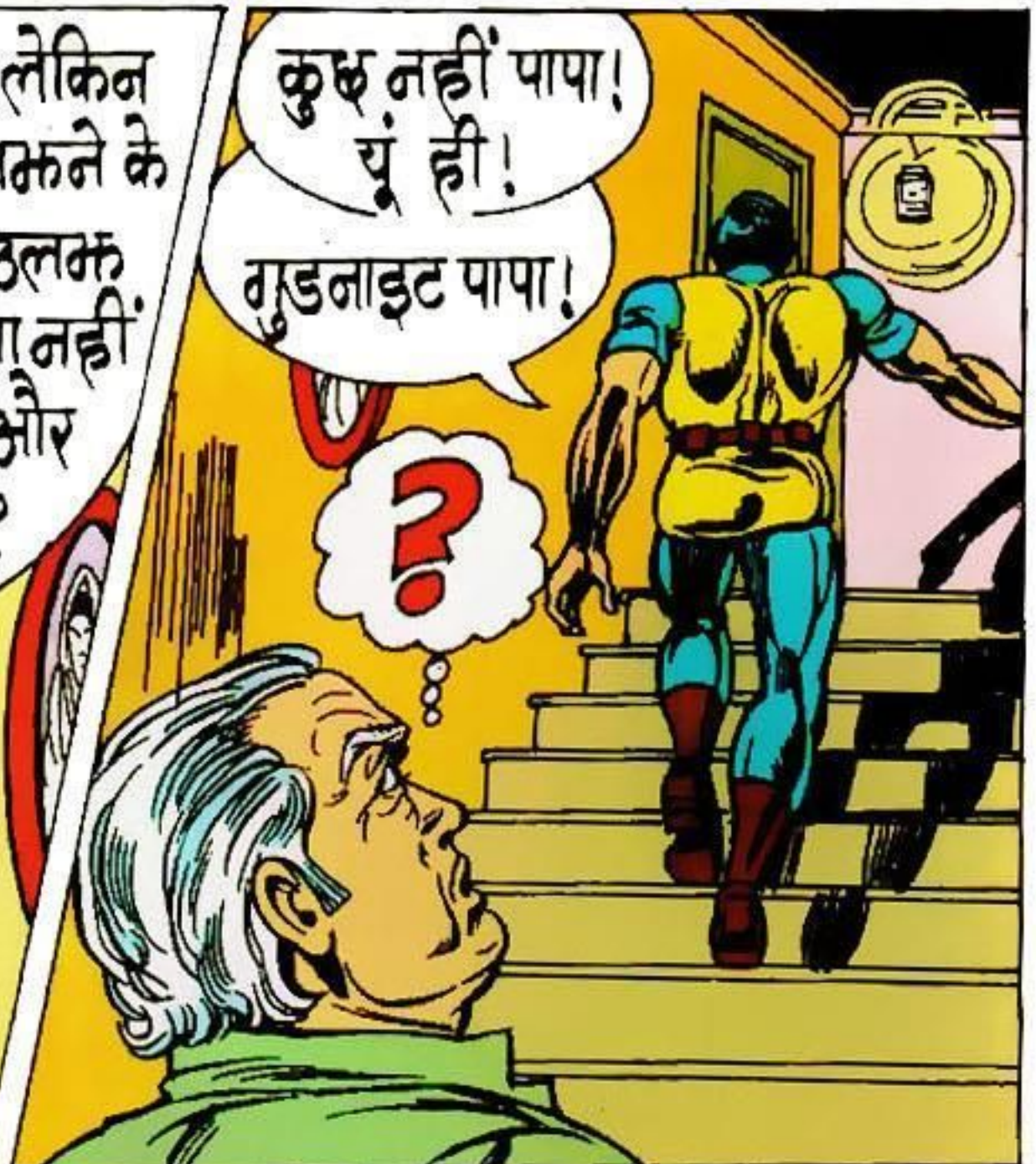
राजन मेहरा की भवें सिकुड़ती चली गईं! ध्रुव उनके सवाल को बड़ी सफाई से टाल गया था। आज पहली बार ध्रुव ने राजन मेहरा से किसी बात को छिपाया था–

उस रात ध्रुव की आंखों में तो नींद नहीं थी–

लेकिन राजनगर में ही किसी और स्थान पर कई और आंखें भी जाग रही थीं–

आज रात को ध्रुव खत्म हो जाता और हमारा काम पूरा हो जाता! लेकिन उस जले चेहरे वाले ने हमारा काम बिगाड़ दिया!

लेकिन वह था कौन लूका? गुरिल्ला साथ में लेकर कम से कम आम आदमी तो नहीं घूमते।...

...और फिर उसका इस मामले से क्या संबंध है?

यह तो मुझे भी नहीं पता, बी- यर्ड ! लेकिन इतना जरूर जानता हूं कि उस आदमी की वजह से मैं ध्रुव को नहीं मार सका ! ...

... उस गुरिल्ले से हुई लड़ाई से अगर मैं बुरी तरह से थक न गया होता तो 'बुल्स आई' को लादकर लाने के बजाय मैं ध्रुव को दो टुकड़ों में चीर रहा होता।

तब तो वह आदमी शायद हमारे बारे में काफी- कुछ जानकारी रखता है। इसीलिए मेरा सुझाव तो यह है कि पहले उस जले चेहरे वाले को खत्म किया जाए। कहीं वह ध्रुव को सब-कुछ बता न दे !

इस ख्याल से तो पहले मुझे भी डर लगा था...

... लेकिन बाद में मुझे पता चला कि न जाने क्यों वह आदमी खुद भी ध्रुव के सामने आना नहीं चाहता।

तब तो काम बन गया ! उसका गुरिल्ला 'सिटी- हॉस्पीटल' में भर्ती है। वह उस गुरिल्ले को देखने वहां पर जरूर जाएगा। और वहीं पर हम उसका काम तमाम कर देंगे !

ठीक है ! जब तक यह काम पूरा नहीं हो जाता, तब तक हम ध्रुव को मारने का कार्यक्रम स्थगित कर देते हैं।

खतरा ध्रुव के सिर से हटकर कहीं और मंडराने लगा था-

अगले दिन सुबह-

मेरे सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि मेरे पास मेरे पिता श्याम के न तो उंगलियों के निशान हैं और न ही कोई और पहचान चिन्ह, जिसकी मदद से मैं 'रघुवंशी' के पहचान चिन्हों से उनका मिलान कर सकूं !

भइया! तुमसे कोई वैशाली नाम की लड़की मिलने आई है।

वैशाली! वह रिपोर्टर! बैठाओ उसको, श्वेता! मैं अभी आता हूं।

कुछ ही देर बाद-

कहो वैशाली! कैसे आना हुआ?

आप... मेरा मतलब... तुम्हारा धन्यवाद अदा करना था ध्रुव! मेरा पानी की टंकी वाला आर्टिकल छप गया!

वैरी गुड!

अब तो तुम्हारा रिपोर्टर बनने का रास्ता खुल गया।

हां! तुमको याद है मैं तुम पर भी एक आर्टिकल लिख रही थी!

हां! ताकि समाज का हर वर्ग मेरी जिन्दगी से कुछ प्रेरणा ले सके! पता नहीं लेगा या नहीं?

जरूर लेगा! शुरुआत मैंने जुपिटर सर्कस से की है। बड़ी मुश्किल से ढूंढ-ढूंढकर कुछ जानकारियां जुटाई हैं।...

...पता है? इस चक्कर में मैं कहां-कहां घूमी? मैंने सोचा कि जुपिटर सर्कस के कलाकारों को अगर मेडिकल प्रॉब्लम होती होगी तो वे उस एरिया के डॉक्टर के पास जरूर जाते होंगे...

...बस! मैंने डॉक्टरों के चक्कर काटने शुरू कर दिए। एक दांतों के डॉक्टर से पता चला कि एक बार श्याम नाम का कलाबाज अपना दांत दिखवाने आया था।

उसने मुझे श्याम यानी तुम्हारे पिता के 'डेंटल प्रिंट' यानी दांतों की छाप भी दी। पर उससे मेरा क्या काम बनता। फोटो होती तो कुछ बात भी थी। अगर तुम्हारे पिता या जुपिटर सर्कस की कोई भी फोटो होती तो...

डेंटल प्रिंट! तुम्हारे पास इस वक्त वे प्रिंट हैं या नहीं?

हैं तो! पर उसका तुम क्या करोगे?

लो! ये रहे वे प्रिन्ट!

थैंक्यू वैशाली! अभी मुझे कुछ बहुत जरूरी काम है। तुमसे मैं बाद में मिलूंगा।

कमांडो हैडक्वार्टर की तरफ बढ़ते हुए ध्रुव का दिमाग बहुत तेजी से काम कर रहा था-

बड़ी किस्मत से यह सुबूत हाथ लगा है। जैसे किसी आदमी के 'फिंगर प्रिंट्स' का मिलान करके उसको ढूंढ निकाला जा सकता है वैसे ही 'डेंटल प्रिंट्स' का मिलान करके भी उसको पकड़ा जा सकता है! क्योंकि हर व्यक्ति के दांतों के निशान भी अलग-अलग होते हैं।

और फिर- आखिरकार वह बम फट ही गया, जो इतनी देर से सिर्फ सुलग रहा था-

क्या पता चला करीम?

एकदम परफेक्ट मैच है ध्रुव! किसके हैं यह दांतों के निशान? और तुमको कहां से मिले?

ध्रुव कोई जवाब न दे सका। क्योंकि उसके दिमाग में लगातार धमाके होते जा रहे थे-

नहीं! यह नहीं हो सकता! मेरे पिता एक भगोड़े कातिल नहीं हो सकते। नहीं!

कहां खो गए ध्रुव? तुम्हारे लिए फोन है। लाल चौक थाने के इंस्पेक्टर का! सिटी हॉस्पीटल से!

ध्रुव! मैं इंस्पेक्टर खत्री! उस गुरिल्ले की हालत में काफी सुधार है।... ...और साथ ही साथ हमको उसके बदन पर एक चिन्ह भी मिला है!

चिन्ह?

हां ! एक गोले के अंदर 'J' का चिन्ह बना हुआ !

गोले के अंदर 'J' का चिन्ह !

PUBLIC PHONE

J war

यह तो 'जुपिटर सर्कस' का वह निशान है, जो हर जानवर पर लगा होता था। यानी वह 'गुरिल्ला' जुपिटर सर्कस का जानवर है...

...तभी मैं सोच रहा था कि वह इतना पहचाना हुआ सा क्यों लग रहा है। वह जरूर किंग होगा...

अ... हां, खत्री साहब। मैं सिटी हॉस्पीटल जा रहा हूं। अगर कोई उस गुरिल्ले को देखने आए तो उसे रोककर रखिएगा!

इस पूरे घटनाक्रम में जुपिटर सर्कस का नाम बार-बार उभरकर सामने आ रहा है। लेकिन इस नई जानकारी से एक बात तो साफ हो गई है कि उस गुरिल्ले को वॉटर फॉल पर साथ लाने वाला जरूर कोई जुपिटर सर्कस का ही आदमी है...

...परन्तु अगर वह हैटकोट-धारी आदमी जुपिटर सर्कस का ही था, तो मुझे देखकर भागा क्यों?

शायद अस्पताल में उससे मेरी दुबारा मुलाकात हो जाए।

ध्रुव का अंधेरे का यह तीर निशाने पर लगा था-

किंग इसी कमरे में है। मैं सामने से अंदर जाना नहीं चाहता...

...इसलिए इस रास्ते से अंदर जाकर उसकी हालत देख आऊंगा।

...और इससे पहले कि कोई मुझे देख पाए मैं वापस भी चला जाऊंगा।

लेकिन 'जैकी' का यह ख्याल गलत था-

क्योंकि उसको तलाश करने वाली नजरें उसको ढूंढ चुकी थीं-

बी-यर्ड! वह देखो! वह रहा। गुरिल्ले के कमरे में खिड़की से घुस रहा है!

तो फिर उसको ऊपर जाकर ही दाब लेते हैं...

सबसे पहले अस्पताल की सिक्योरिटी का इंतजाम करते हैं। मेरी दाढ़ी बनी मक्खियां ये काम बड़ी आसानी से कर देंगी।...

... क्योंकि जैसा कि तुम जानते ही हो, इनके डंकों को ऐसे जहर में बुझाया गया है जिसकी जरा सी मात्रा इंसान को लकवाग्रस्त कर देती है। और थोड़ी ज्यादा मात्रा उनको खत्म कर सकती है।

X-RAY LAB

वैसे तो मैंने इन मधुमक्खियों को ध्रुव पर हमला करने के लिए ट्रेंड किया था, लेकिन फिलहाल अगर कुछ मक्खियां इस अस्पताल में भगदड़ मचवा सकें तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।...

मधुमक्खियों के झुंड ने अस्पताल में सचमुच तहलका मचा दिया-

PATHOLOGY

और ऊपर-किंग के कमरे में-

टांय। टांय! (जैकी, लूका आ रहा है मक्खियां लेकर...

... तुमको मारने!)

मुझे मारने? ओह! दोनों खिड़की से मक्खियां आ रही हैं।

मैं खिड़कियों से बाहर नहीं जा सकता।

दरवाज़े से ही बाहर निकलना...

लेकिन दरवाज़े से बाहर निकलते ही जैकी का सामना बी-यर्ड से हो गया-

आह! भाग रहा था? पर अब तू बी-यर्ड से बचकर भाग नहीं सकता!

मेरी मधुमक्खियों के दस-बारह जहरीले डंक तेरा काम तमाम कर देंगे!

तड़ाक

मेरा सारा शरीर ढका हुआ है बी-यर्ड! सिर्फ आंखों का ज़रा सा हिस्सा खुला है...

...इसलिए तेरी मक्खियों के डंकों को मुझ तक पहुंचने में समय लगेगा!

ओहो! यह ख्याल तो मेरे दिमाग में भी आया था। इसलिए मैं यह 'डार्ट गन' भी साथ लेता आया था। इसके नुकीले सिरे तेरे शरीर में घुस भी सकते हैं। और इन पर भी वही जहर लगा है जो मधुमक्खियों के डंक पर है।

डार्ट, शरीर में घुसते ही जैकी चीख मारकर गिर पड़ा-

आह! मेरे हाथ-पैर सुन्न हो रहे हैं। मुझ पर लकवे का सा असर हो रहा है।

ठीक समझा तू! अब तू हिल नहीं पाएगा, और मेरे डार्ट आराम से तेरे प्राण हर लेंगे।

डार्ट, जैकी के शरीर तक पहुंचने के लिए चले तो ज़रूर...

लेकिन 'जैकी' के शरीर तक पहुंचे नहीं। एक चादर हवा में उड़ती हुई जैकी और डार्टों के बीच में आ गिरी-

और अगले ही पल-एक मजबूत हाथ ने जैकी के लगभग लकवाग्रस्त शरीर को स्टोररूम में खींच लिया-

रूम

यह क्या? कौन... कौन है अन्दर?

मैं हूं। और अब तुम बताओ कि तुम कौन हो?

स्टोर रूम

धड़ाम!

सुपर कमांडो ध्रुव! ... मैं? मैं हूं तुम्हारी मौत!...

...ये मधुमक्खियां मैं तुम्हारे लिए ही लेकर आया था। और किस्मत देखो कि तुम खुद यहीं आ गए।

अब मैं सिर्फ एक सीटी बजाऊंगा और पूरे अस्पताल में फैली मधु-मक्खियां सीधी यहीं पर आकर तुम पर टूट पड़ेंगी। क्योंकि इनको तुम पर ही हमला करने के लिए सधाया गया है!

ओह! चारों तरफ से मधुमक्खियां मेरी तरफ आ रही हैं। कुछ ही पलों में ये मुझ तक पहुंच जाएंगी।...

... मुझे भागना पड़ सकता है। लेकिन उससे पहले मैं ऐसा इंतजाम कर दूं कि तुम भाग नहीं पाओ!

अब तक मधुमक्खियां ध्रुव के काफी पास आ चुकी थीं-

और ध्रुव के पास भी स्टोर रूम में घुसने के अलावा और कोई चारा नहीं था-

ओफ! बाल- बाल बचा! पर... तुम कौन हो? इतना तो मैं समझ गया हूं कि तुम जुपिटर सर्कस के ही हो। पर तुम मुझसे छिपना क्यों चाहते हो?

इसको पहचानते हो ध्रुव?

य... ये तो हार्लिक की मीठी वाली लॉली पॉप है। मेरी फेवरिट! अब तो मिलती ही नहीं है।...

... बचपन में ये मुझको अंकल जैकब लाकर दिया करते थे। जुपिटर सर्कस के मालिक अंकल जैकब! ...

... उनकी जेब में हमेशा कम से कम दस लॉली पॉप... ओ गॉड! कहीं आप... आप...

... अंकल जैकब तो नहीं?
हां ध्रुव! मैं जैकब ही हूं। तुम्हारा अंकल जैकब!
अंकल जैकब! आप... आप जुपिटर सर्कस की आग से कैसे बच गए?
और अगर जिन्दा थे तो अब तक मुझसे मिले क्यों नहीं? अभी भी मुझसे बचकर क्यों भाग रहे थे?
ये जिन्दा रहना भी कोई जिन्दगी है बेटे! जुपिटर सर्कस के आग ने मेरी दुनिया ही जलाकर रख दी। रिश्तेदारों से भी बढ़कर मेरे सारे साथी कलाकार और बच्चों जैसे सारे प्यारे जानवर उसी आग में राख बन गए। बचता तो मैं भी नहीं। लेकिन शायद मेरी जीवन रेखा की थोड़ी सी लम्बाई अभी बची हुई थी...
... इसीलिए तो जब मैं आग में घिर चुका था। मदद के लिए चिल्ला रहा था और लपटों के शोर में और आग से डरकर अपना पिंजरा तोड़कर भागते हुए जानवरों की चीख पुकार में मेरी आवाज कोई नहीं सुन रहा था...
... उसी वक्त आग की लपटों को चीरता हुआ किंग मेरे पास तक आ पहुंचा...
... और मुझे जलती आग से निकालकर समुद्र की तरफ दौड़ पड़ा। शायद उसको मुझे आग से बचाने का यही एक रास्ता समझ में आया था-

समुद्र तट पर मछुआरों की कुछ नावें बंधी हुई थीं। किंग ने उनमें से एक नौका को खोलकर उसमें मुझे लिटा दिया और खुद भी उसी नाव में बैठ गया। तब तक मैं दर्द से बेहोश हो चुका था। और नाव ज्वार के कारण समुद्र में तैरती चली गई-

जब मुझे होश आया तो पता नहीं कितना समय निकल चुका था। शायद दोपहर हो चुकी थी। लेकिन नाव में एक यात्री बढ़ गया था। काकातुआ भी अपने पिंजरे से आजाद होकर मुझे ढूंढ़ता हुआ नाव पर आ बैठा था। उस वक्त अगर काकातुआ न आता तो मैं जिन्दा नहीं बचता-

क्योंकि उस वक्त काकातुआ ने उड़कर पास से गुजरते एक जहाज को ढूंढ निकाला। किस्मत की बात यह थी कि वह जहाज मॉरिशस जा रहा था। मेरे वतन मॉरिशस-

मैं मॉरिशस का ही रहने वाला हूं। कई दस्तावेजों पर मेरा स्थायी पता मॉरिशस का ही है। वहां पर मेरा भाई रहता है। इस तरह किस्मत ने मुझे बचा भी लिया और मुझे अपने घर तक पहुंचा भी दिया-

मेरे भाई को समाचार-माध्यमों के जरिए से जुपिटर सर्कस की तबाही का सारा किस्सा और कारण तो मालूम हो गया था, लेकिन फिर भी उसको यह शक बना रहा कि कहीं यह सब कांड मेरी हत्या के लिए ही न रचा गया हो। इसीलिए उसने किसी को भी मेरे जिन्दा बचने की सूचना नहीं दी ...
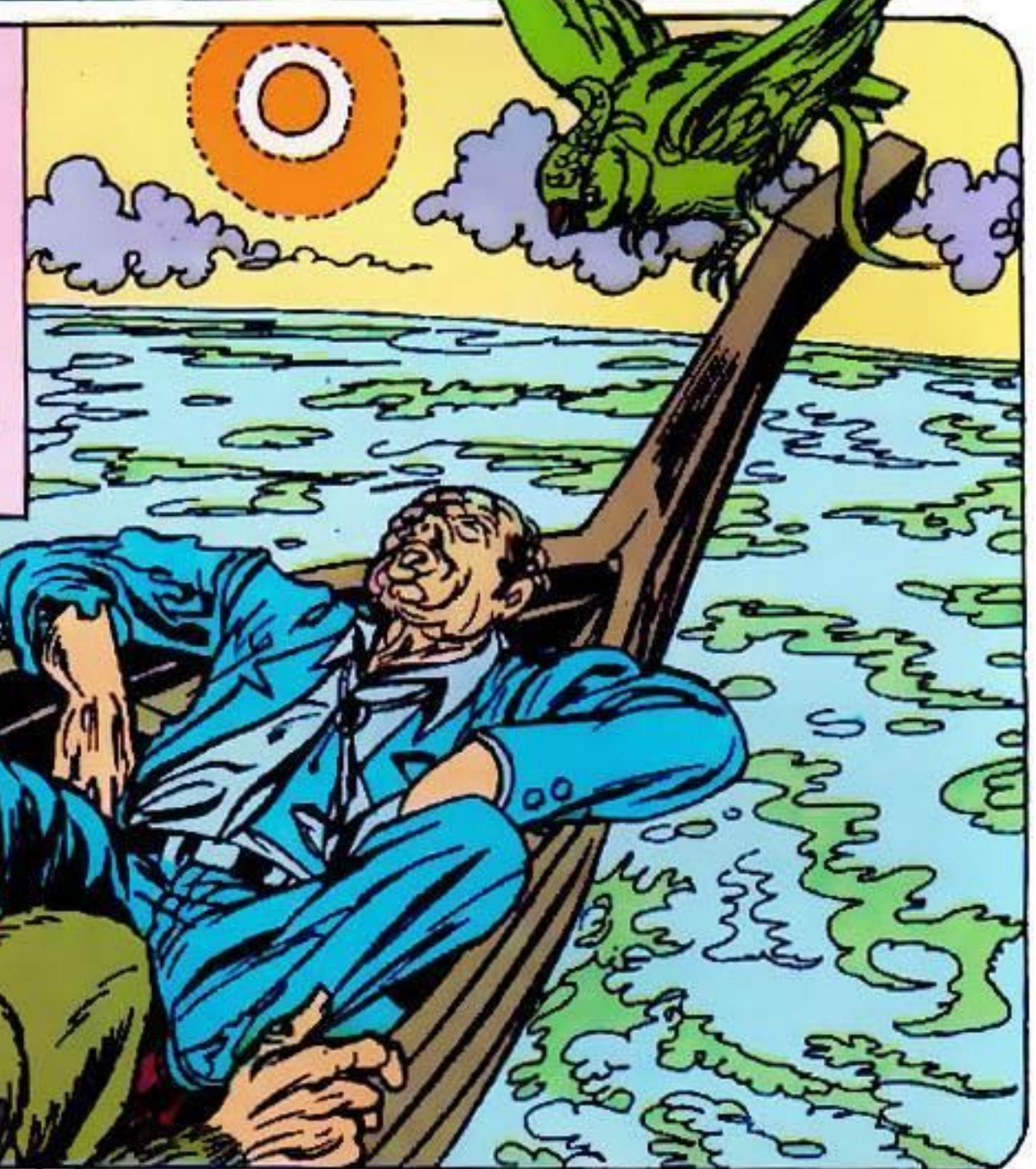
... मेरी हालत बहुत खराब थी। मेरा पूरा दायां अंग बुरी तरह आग में झुलस गया था। मेरे बूढ़े शरीर को पूरी तरह से ठीक होने में दो साल से भी ज्यादा का समय लग गया। और ताकत वापस आने में एक साल और... इस दौरान मुझे तुम्हारी खबर समाचारों के जरिए मिलती रही। तुम्हारा हर कारनामा मेरे सीने को और चौड़ा कर देता था। मैं तुमसे मिलने का प्रोग्राम बना ही रहा था-

कि तभी, क्षितिज पर एक नया तूफान मंडराने लगा-

जब मेरे भाई ने मुझे वह सामान दिखाया जो सर्कस के जले मलबे से निकला था। और जिसे भारतीय अधिकारियों ने मेरे स्थायी पते पर यानी मेरे भाई के पास भिजवा दिया था-

उसी सामान में था वह छोटा सा बक्सा, जो श्याम के हाथों में उस वक्त था, जिस वक्त वह मुझे घायल अवस्था में मिला था-

और जिसे मैंने कभी खोलकर इसलिए नहीं देखा था क्योंकि उसके बारे में भूल चुका था।...

बक्सा? पिताजी का बक्सा! क्या था उस बक्से में? और... और पापा आपको घायल अवस्था में कहां पर मिले थे? किसने घायल किया था उनको?

लेकिन इससे पहले कि जैकब कोई जवाब दे पाता, बाहर से आती चीखों की आवाज ने ध्रुव का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया—
ओह! मेरे छिप जाने के कारण मधुमक्खियों ने बाहर लोगों पर हमला करना शुरू कर दिया है। मुझे जाना होगा अंकल!...
...वर्ना मेरे कारण कई लोगों की जान खतरे में पड़ जाएगी। इन मक्खियों को नष्ट करना होगा। लेकिन मैं इनको नष्ट कैसे...
मुझे आपसे थोड़ी सी मदद चाहिए अंकल जैकब। आपके दस्ताने हैट और ओवरकोट!
ले जाओ ध्रुव! वैसे भी मेरे हाथ पैरों में अभी इतनी ताकत वापस नहीं आ पाई है कि मैं अपने-आप यहां से हिल भी सकूं।
...वह अस्पताल... के बाहर बनी कैंटीन!...
यहीं पर मक्खियों को ले जाना होगा!
और जब ध्रुव स्टोर रूम से बाहर निकला तो वह भी मक्खियों के लिए तैयार था—
और मक्खियां भी उसके लिए तैयार थीं—

अब मेरा पहला काम आस-पास फैली मक्खियों को अपने पीछे लगाना है। और यह काम मुश्किल नहीं होना चाहिए। क्योंकि इन मक्खियों को मुझ पर हमला करने के लिए ही सधाया गया है।...

... मुश्किल काम तो इन मक्खियों को डंक मारने से रोकना है। इसमें ओवरकोट और हैट मेरी मदद तो करेंगे...

246

... लेकिन फिर भी मुझे इस रेस में मक्खियों से आगे ही रहना है!

धप
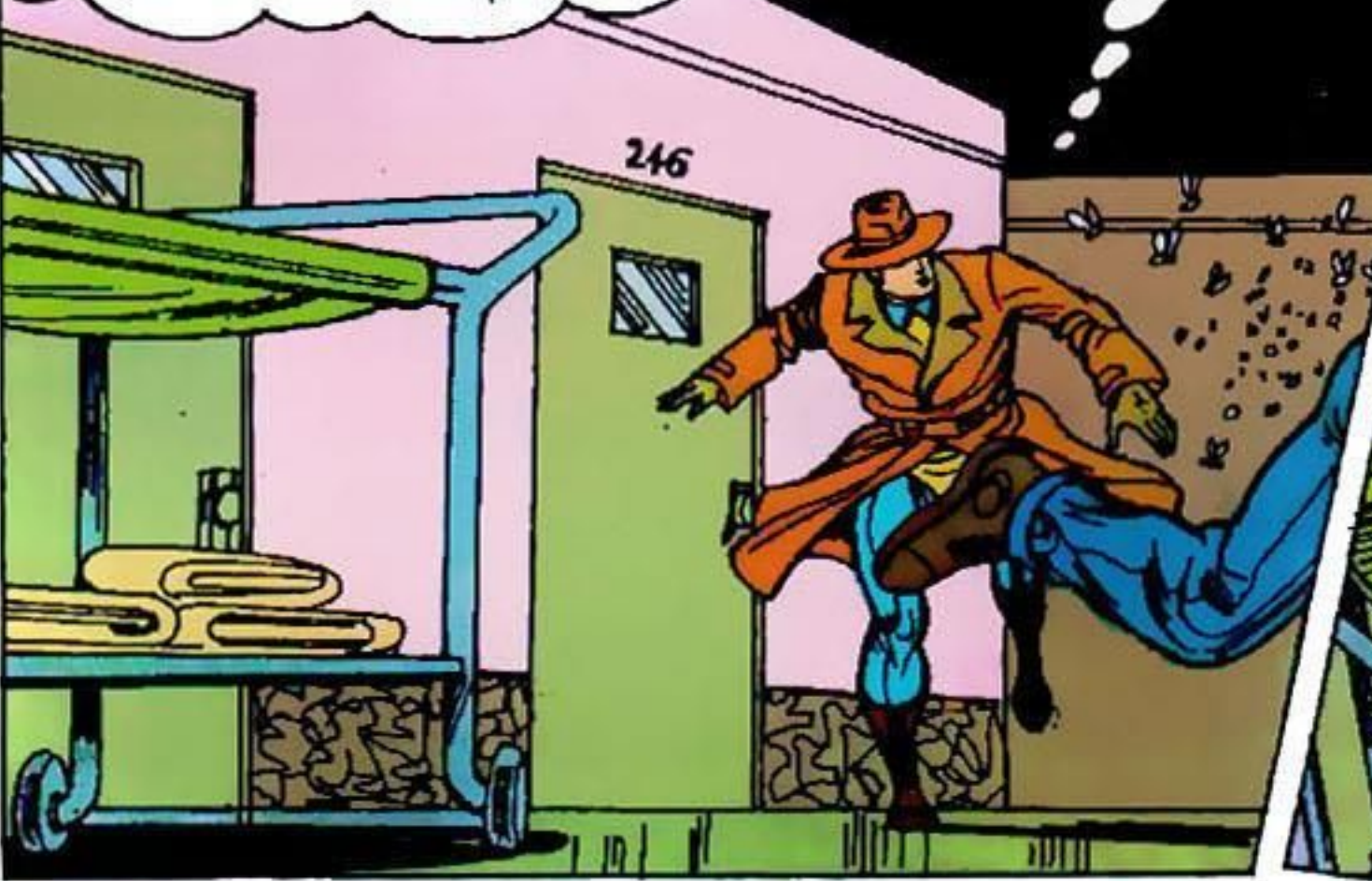
और इस काम के लिए इस स्ट्रेचर की मदद ली जा सकती है।

मरीजों को उतारने के लिए बने 'रैम्प' पर स्ट्रेचर तेजी से नीचे फिसलने लगा-

ओह! स्ट्रेचर की गति तो बहुत तेज हो गई है।...

... मैं अगले मोड़ पर स्ट्रेचर को मोड़ नहीं पाऊंगा।...

कैंटीन

... स्ट्रेचर रेलिंग से टकराएगा और मैं हवा में उड़ता हुआ नीचे पहुंच जाऊंगा!

स्टार लाइन फेंक पाने का वक्त ही नहीं है। क्योंकि ऊंचाई काफी नहीं है!

कैंटीन

अब 'स्ट्रेचर' से गिरी ये चादर ही मुझे बचा सकती है। इसके चारों कोनों को पकड़कर इसको पैराशूट का सा रूप दिया जा सकता है...

...और इसकी मदद से आराम से नीचे उतरा जा सकता है... मैं कैंटीन के सामने ही उतरा हूं। और फिलहाल सारी मक्खियां अभी थोड़ी पीछे रह गई हैं।...

...अब यहीं पर उन मक्खियों की चिता बनेगी। शहद इकट्ठा करने वाले तो धुआं करके मक्खियों को भगाते हैं...

...यहां पर शायद धुआं करने का इन्तजाम न हो पर आग का इन्तजाम जरूर होगा।...

KITCHEN

...वाह! कैंटीन खाली है। सभी मक्खियों से डर कर भाग चुके हैं। मेरा काम काफी आसान हो गया!

ध्रुव ने सबसे पहले कैंटीन के किचन में घुसकर गैस चूल्हों के बर्नरों को पूरा खोल दिया-

ईस्स

किचन में ज्वलनशील गैस तेजी से भरने लगी-

मुझे मक्खियों को किचन में ही रोककर रखना है। इसलिए तब तक मुझे भी यहां रुकना होगा...

...और इसमें पानी से भरा यह ड्रम मेरी मदद करेगा। इसमें घुसना पड़ेगा!

और मधुमक्खियों के किचन में आने तक ध्रुव खिड़कियां भी बन्द कर चुका था-

हाथ में गैस लाइटर लेकर ध्रुव पानी से भरे ड्रम में घुस गया-

कुछ ही सेकंडों में किचन मधुमक्खियों से पूरी तरह से भर गया था-

लगभग पचास सेकंड हो चुके हैं। अब तक किचन में कुकिंग गैस पूरी तरह से भर चुकी होगी, और सिलेंडर खाली हो गया होगा। यानी आग लगाने पर कोई विस्फोट नहीं होगा।...

... अब आग लगाने का समय आ गया है। गैस लाइटर जलाते ही चिंगारी फूटेगी...

... और पूरा किचन आग की लपटों से भर जाएगा। मक्खियों को मरने में एक पल से ज्यादा समय नहीं लगेगा...

...और इससे पहले कि आग की लपटें मेरे शरीर को आंच पहुंचा पाएं...

... मेरा गीला शरीर कांच तोड़ता हुआ, सुरक्षित बाहर आ गिरेगा!

चलो! मधुमक्खियों का आतंक तो खत्म हुआ। अब अंकल जैकब की खैरियत पूछी जाए! कहीं वह 'बी-यर्ड' होश में न आ गया हो...

लेकिन स्टोर रूम के बाहर पहुंचकर ध्रुव आश्चर्य-चकित रह गया-

अरे! बी-यर्ड तो यहां से गायब है। इतनी जल्दी उसे होश कैसे आ गया?...

... कहीं उसने असहाय अंकल जैकब को...

... लेकिन स्टोर रूम में घुसते ही ध्रुव की जान में जान आ गई-

ओह! आप ठीक हैं अंकल! मैं तो समझा कि उस बी-यर्ड ने होश में आकर आपको...

... खैर छोड़िए। आइए मैं आपको यहां से ले चलता हूं। अब खतरा खत्म हो चुका है।

नहीं ध्रुव! खतरा अभी भी मौजूद है। और यह सब मुझे मारने के लिए है ताकि मैं तुमको कुछ भी न बता सकूं।

अभी तक तो मैं तुमसे इसलिए छिप रहा था कि कहीं अपने पिता श्याम के बारे में सच्चाई जानकर तुमको आघात नहीं पहुंचे। और मैं लूका को भी यही बताने से रोकना चाहता था। पर अब अगर मैं तुमको कुछ भी बताए बगैर मर गया तो फिर सच्चाई तुमको कहीं से भी पता नहीं चल पाएगी।

पिताजी के बारे में सच्चाई?

आप... आप जानते थे? क्या उनका नाम रघुवंशी था? श्याम नहीं!

सुनो! मैं तुमको सारी बात सिलसिले से सुनाता हूं... पच्चीस साल पहले की बात है। उस वक्त जुपिटर सर्कस के शो कई देशों में होते थे... और उस बार हमारा सर्कस फ्रांस के एक शहर ल्योन में चल रहा था...

मेरा एक बहुत प्यारा घोड़ा था, सीजर। हर सुबह उस पर बैठकर मैं सैर के लिए जाता था। दोनों की वर्जिश हो जाती थी...

उस दिन सुबह जब मैं सीजर को नदी से पानी पिला रहा था एकाएक नदी का पानी लाल होने लगा-

सीजर! कोई घायल बहता हुआ इधर ही आ रहा है। जिन्दा है या मर गया है?

मैंने उस व्यक्ति को नदी से बाहर खींच लिया-

ये तो जिन्दा है। और यह तो भारतीय लग रहा है। लेकिन कोई गोली इसके सिर को छूती हुई निकली है। अगर इसको तुरंत डॉक्टरी सहायता न मिली तो ये मर जाएगा!

आह! मैंने कुछ नहीं किया। वे मुझे मार डालेंगे... बचा लो...

इतना बोलते-बोलते वह जवान बेहोश हो गया-

मैंने उसको तुरन्त सीजर पर लाद दिया-

ताकि मैं उसको डॉक्टरी सहायता पहुंचाकर उसकी जान बचा सकूं-

उसके हाथ में थमी सन्दूकची भी मैंने सीजर पर ही बांध दी-

मैं उसको लेकर वहां से चलने ही वाला था कि तभी झाड़ियों के पीछे से मुझे कुछ लोगों के बातें करने की आवाजें सुनाई पड़ीं-

तुमने ही तो कहा था कि वह हमको दिखे या पुलिस को, जिसे पहले दिखे, वही उसे गोली से उड़ा दे।

उस समय मुझे यह नहीं पता था कि तुम्हारा निशाना इतना कच्चा है...

...अब अगर वह बच गया तो सतर्क हो जाएगा! और उसको पकड़ना और मुश्किल हो जाएगा।

एक पुलिस इंस्पेक्टर कुछ अपराधी टाइप लोगों से बातें कर रहा था। बातचीत फ्रेंच में हो रही थी, लेकिन फ्रेंच भाषा मुझे आती है। इसलिए मैं उनकी बातें समझ रहा था-

मुझे आभास हो गया कि इस घायल भारतीय युवक के खिलाफ अपराधी और पुलिस ने मिलकर कोई षड्यंत्र रचा है। और अगर यह युवक इनके हाथों में आ गया तो तुरन्त मार डाला जाएगा। अब मेरे सामने एक समस्या खड़ी हो रही थी।...

... क्योंकि उसी शाम, जुपिटर सर्कस को फ्रांस के जहाज द्वारा भारत रवाना हो जाना था। उस युवक को फ्रांस में छोड़ जाने का अर्थ था, उसकी शर्तिया मौत। मैंने उसको भारत ले जाने का फैसला कर लिया। ताकि जब वह ठीक हो जाए तो मुझे अपनी कहानी सुना सके। और फिर मैं उसी के अनुसार काम कर सकूं।

लेकिन वह दिन कभी नहीं आया-

क्योंकि अपने जहाज में छिपाकर मैं उस युवक को भारत तक तो ले आया था, और समय के साथ-साथ उसका घाव भी ठीक हो गया। पर सिर में गोली लगने के कारण उसकी याददाश्त जाती रही थी। वह अपना असली नाम मुझे कभी नहीं बता पाया। उसको मैंने एक नया नाम दिया-श्याम और वह एक महान कलाबाज बन गया-

वह जिया भी जुपिटर सर्कस के लिए और मरा भी जुपिटर सर्कस के लिए-

इस दौरान कई सारी परेशानियों के कारण उस बक्से के बारे में मैं एकदम भूल गया जो श्याम के हाथों में था। और यही बक्सा भारतीय अधिकारियों ने मॉरिशस मेरे भाई के पास भेजा था-

क्या था, उस बक्से में अंकल?

उस बक्से में कुछ कपड़े थे। थोड़े फ्रांसीसी पैसे यानी फ्रैंक और एक फोटो!

फोटो?

हां! एक फोटो! जिसमें 'श्याम' एक लगभग 30 वर्ष के आदमी और 25 वर्ष की महिला के साथ खड़ा हुआ था। आगे व्हील चेयर पर एक पचास साल का आदमी भी बैठा हुआ था। पीछे बैकग्राउंड में एक विशाल और भव्य घर भी था।...
ONE
Rx
ROTOCYCLI
... मैं समझ गया कि ये जरूर श्याम के संबंधी होंगे। पच्चीस वर्ष पहले हुई घटना मेरे दिमाग में एक बार फिर कुलबुलाने लगी। साथ ही साथ श्याम के संबंधियों को यह बताने की कोई इच्छा भी हुई कि श्याम के एक बेटा भी है... मैं तुरन्त 'ल्यौन' के लिए रवाना हो गया... एक खरीदी हुई शिप पर!
वहां पर श्याम के साथ हुए हादसे को ध्यान में रखते हुए मैं किंग और काकातुआ को भी साथ में ले गया। काकातुआ को मैंने फ्रांस में ही खरीदा था। क्योंकि वह अंग्रेजी के साथ-साथ फ्रांसीसी भी समझ लेता था। उससे मुझे काफी मदद मिलने की उम्मीद थी।...
... मेरे पास श्याम के संबंधियों को ढूंढ़ने के लिए सिर्फ एक सूत्र था...
... वह आलीशान मकान! ल्यौन पहुंचकर उस मकान को ढूंढ़ने में मुझे कोई दिक्कत नहीं हुई...
... लेकिन इससे पहले कि मैं उस एस्टेट नुमा मकान में घुसता, मेरी नजर उन्हीं दोनों व्यक्तियों पर पड़ी, जो पुलिस के साथ पिस्तौल लिए श्याम का पीछा कर रहे थे। इतने सालों बाद भी मैं उनको पहचान गया।...
... उनको एस्टेट के अन्दर खुलेआम घूमते देखकर मेरा माथा ठनक गया। मैंने भी कुछ कहने से पहले सुनने की की ठान ली, और काकातुआ को सारी बातें सुनने के लिए एस्टेट के अन्दर भेज दिया...

... और उसी से मुझे पता चला उस योजना का, जो तुमको मारने के लिए बनाई जा रही थी।

कैसी योजना? और मुझे मारने के लिए क्यों?

बस! जितना बोलना था, वह तू बोल चुका बूढ़े! ... और मुझे तेरे बारे में जितना जानना था वह मैं जान चुका!

अब तू कभी नहीं बोलेगा!

लूका!

लूका! यानी वही नकाबपोश! पर... पर यह स्टोररूम में छिपा क्या कर रहा था? और... यह लूका आखिर है कौन?

इससे पहले कि जैकब कोई जवाब दे पाता, लूका के एक ही अमानवीय शक्ति से भरे वार ने उसके होशोहवास छीन लिए–

अंकल जैकब!

तूने अंकल जैकब पर हाथ उठाया? इसका हर्जाना तुमको अपना मुंह तुड़वाकर चुकाना होगा!

इतनी हिन्दी तो मैं भी समझ लेता हूं कि तेरी धमकी का मतलब समझ लूं।...

...लेकिन मैं यहां पर अपना मुंह तुड़वाने नहीं, तेरा मुंह बन्द करने आया हूं।

ध्रुव को लूका की अमानवीय शक्ति का पूरा अन्दाजा था-

इसने गुरिल्ले किंग तक को पीट-पीटकर घायल कर दिया था। मुझे इसके वारों से बचना होगा, वर्ना मेरे लिए तो इसके एक-दो वार ही बहुत होंगे!

ध्रुव, लूका के वारों से बच तो रहा था, लेकिन सामानों से भरे स्टोररूम में बचने के लिए जगह बहुत कम थी-

ध्रुव एक कार्टन से टकराकर गिरा-

और लूका का शिकन्जा उसकी गर्दन पर आ कसा-

टनाक

लेकिन इससे पहले कि लूका का घूंसा, ध्रुव की खोपड़ी के टुकड़े कर देता-

जैकब के वार ने लूका के हाथ रोक लिए-
ओह! बड़ी सख्त जान है तू बूढ़े। बड़ी जल्दी होश में आ गया!
लेकिन मैं तुम दोनों को एक साथ संभाल सकता हूं।
लूका के हाथ में एक लम्बा खंजर चमक उठा-
और जैकब के कुछ समझ पाने से पहले ही खंजर उसके पेट में धंस चुका था-
खचाक
इस दृश्य ने, ध्रुव से उसके सोचने-समझने की ताकत छीन ली-
आऽऽऽह!
अब तू हत्यारा बन गया है लूका! और हत्यारों को ध्रुव कभी नहीं छोड़ता...
अब ध्रुव, लूका पर भारी पड़ रहा था-
लूका की कैप्सूल खाने के कारण आई अमानवीय शक्ति भी उसकी कोई मदद नहीं कर पा रही थी-
ओह! इस वक्त इसको मारने की बात तो दूर, मैं अपनी जान ही बचा लूं तो काफी होगा।...
...इससे दुबारा निपट लूंगा। यह जैकब को घायल देखकर पागल सा हो गया है।...

फिलहाल यहां से भाग निकलना ही इस समस्या का एकमात्र हल है।

लूका उसी रोशनदान के रास्ते बाहर निकल गया, जिससे वह अंदर आया था-

ध्रुव, लूका के पीछे नहीं जा सका। क्योंकि उसको जैकब का हाल देखना था-

घबराइए मत अंकल! चाकू मैंने निकाल दिया है। आप अस्पताल में ही हैं। मदद मिलने में देर नहीं लगेगी।

लेकिन इससे पहले कि ध्रुव मदद के लिए किसी को बुला पाता, स्टोर का दरवाजा अपने-आप खुल गया-

यहां क्या गड़बड़...?

य... यह क्या?...

...तु... तुमने इस आदमी को मार डाला ध्रुव?

मैंने इस आदमी को मारा नहीं बचाया है! और इसको तुरन्त खून की जरूरत है।...

...मुझसे सवाल करने के बजाय इसको डॉक्टर तक पहुंचाओ!

वह तो हम करेंगे ही! लेकिन हाथ में खून सना चाकू, फर्श पर एक घायल बूढ़ा और कमरे में किसी और का न होना, यह सारे सुबूत तुम्हारे खिलाफ हैं। आई एम सॉरी, पर मुझे तुमको हिरासत में लेना होगा।

कमिश्नर राजन को भी सिटी हॉस्पीटल पहुंचने में देर नहीं लगी-

... और मेरे हाथ में चाकू देखकर इंस्पेक्टर ने मुझे ही मुजरिम समझ लिया पापा!

हुम! तो ये है सारी कहानी! इस पूरी कहानी में मुझे एक ही बात समझ नहीं आई। अगर लूका ने जैकब को मारा है तो इसके पीछे उसका मकसद क्या था?

मुझे नहीं पता!

उसके पास मकसद हो या न हो, पर तुम्हारे पास जैकब को खत्म करने के लिए एक बहुत बड़ा मकसद है ध्रुव! ...

... जैकब ने जुपिटर सर्कस के बीमे में तुमको बेनेफीशियरी बनाया था। यानी अगर जैकब नहीं रहता तो बीमे का पैसा तुमको मिलता। और ऐसा हुआ भी। जैकब को मरा मानकर बीमे का सारा पैसा तुमको मिला!★

और अब जब जैकब जिन्दा होकर वापस आ गया तो जाहिर था कि उस पैसे का पहला हकदार वही था। तुमने इस डर से जैकब को मार डाला कि कहीं वह तुमसे करोड़ों की सम्पत्ति वापस न मांग ले!

यह झूठ है पापा! मुझे आश्चर्य है कि आप मेरी बात का यकीन नहीं कर रहे हैं!

जो मैं आज कह रहा हूं, वही कल सरकारी वकील अदालत में कहेगा! और इस वक्त मैं तुम्हारा पापा नहीं पुलिस कमिश्नर हूं!

पुलिस सुबूतों पर चलती है! अगर तुम लूका के स्टोर रूम में होने का सुबूत दे सको तो शायद मैं तुम्हारी बात को सच मान लूं!

★विस्तारपूर्वक जानने के लिए पढ़ें 'प्रतिशोध की ज्वाला' सुपर कमांडो ध्रुव की पहली कॉमिक।

कैसा सुबूत मांग रहे हैं, कमिश्नर साहब?

कुछ नहीं डॉक्टर! आप बताइए कैसी तबियत है उस घायल बूढ़े की?

... कमरे में अन्दर आते वक्त आपलोगों की बातें मेरे कान में पड़ ही गईं! ध्रुव कातिल नहीं हो सकता! अभी कुछ ही देर पहले इसने अपनी जान पर खेलकर कई लोगों को मधुमक्खियों से बचाया है... और इसकी बे-गुनाही का सुबूत मैं लेकर आया हूं!

कुछ कहा नहीं जा सकता। खून काफी बह चुका था। यूं समझ लीजिए कि अभी भी वह जिन्दगी और मौत के बीच में झूल रहा है। पर माफ कीजिएगा...

उस घायल व्यक्ति के बारे हाथ के नाखून के नीचे हमको एक त्वचा का टुकड़ा मिला था। जिसको, जाहिर है उसने शायद तभी नोचा होगा, जब उसको चाकू लगा...★

...वह त्वचा उस बूढ़े की नहीं थी। लेकिन हम ने उस त्वचा से डी.एन.ए. प्रिंट निकालकर उसको ध्रुव के खून के डी.एन.ए. प्रिंट से मैच किया था...

... और दोनों डी.एन.ए. प्रिंट मैच नहीं हुए। यानी वह त्वचा का टुकड़ा, ध्रुव और उस बूढ़े के अलावा किसी तीसरे व्यक्ति का है, जो उस वक्त स्टोर रूम में मौजूद था!

ओ थैंक गॉड!

पर एक आश्चर्यजनक बात और पता चली है...

... हालांकि डी.एन.ए. प्रिंट की पूरी मैचिंग में हफ्तों लगते हैं, लेकिन शुरुआती मैचिंग से एक बात यह स्पष्ट होती है...

...कि वे दोनों प्रिंट अलग होते हुए भी एक दूसरे से काफी मिलते-जुलते हैं। और ऐसा तभी होता है जब दोनों डी.एन.ए. वाले आपस में रिश्तेदार हों। यानी एक ही वंश के हों!

★देखिए पेज 56 का पहला फ्रेम।

यानी...लूका मेरा रिश्तेदार है। नहीं!... यह नहीं हो सकता। कभी नहीं!

हुम! मामला और चक्करदार होता जा रहा है। अगर लूका ध्रुव का रिश्तेदार है तो उसने ध्रुव को मारने की कोशिश क्यों की?...

...और रघुवंशी पर एक हत्या का आरोप होने के बावजूद भी उस पर कातिलाना हमला क्यों किया गया? उसको अगर पुलिस पकड़ लेती तो उसको वैसे ही फांसी या लम्बी कैद हो जाती।...
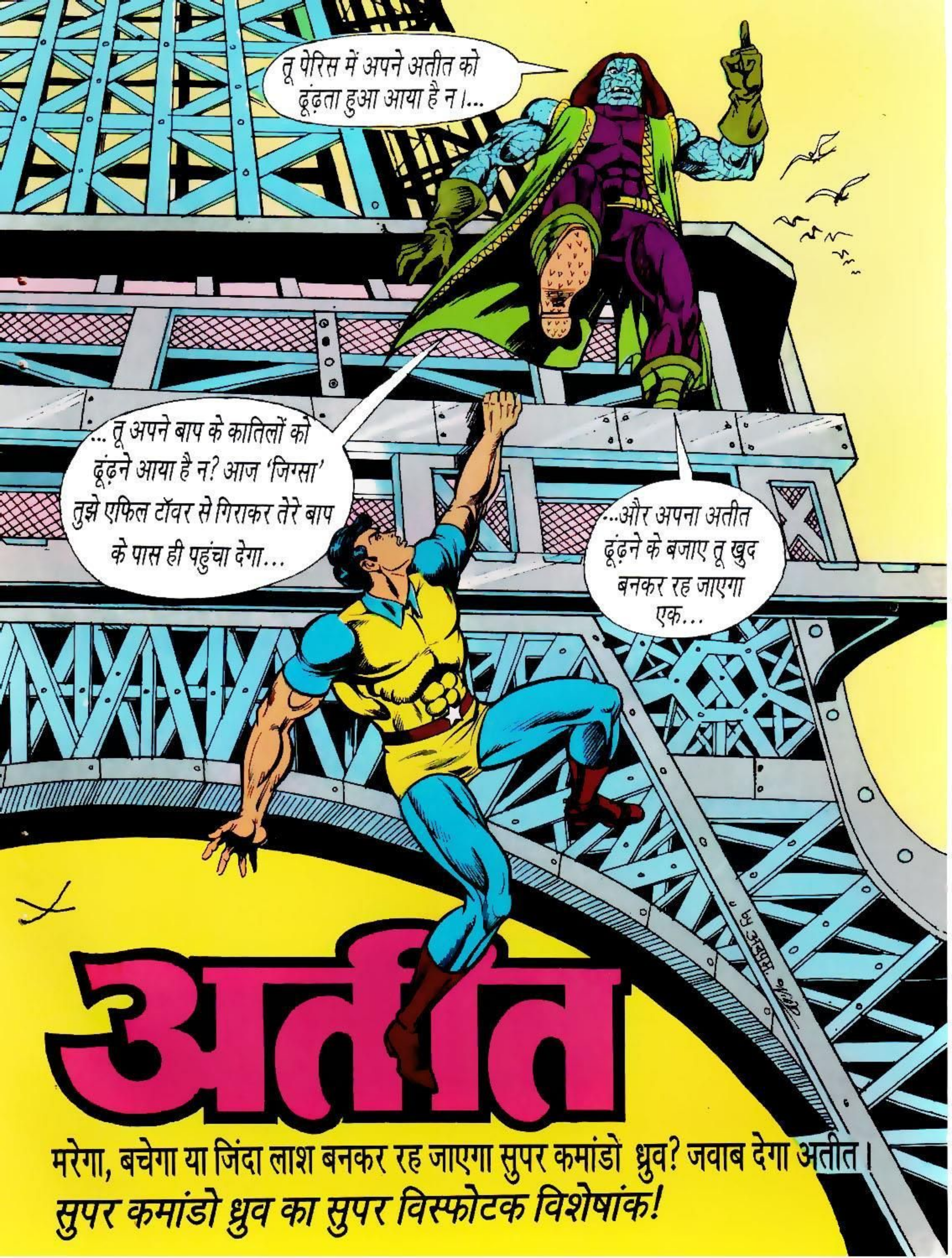
कहीं पर कोई गहरी साजिश रची जा रही है पापा! इसी साजिश में मेरे पिता को खूनी बनाया गया, और फिर मुझे मारने की कोशिशें की गईं।...

...इस साजिश ने कई सवालों को पैदा कर दिया है। और अगर उनका जवाब पाना है तो मुझे जाना ही होगा... 'फ्रांस'!...

...और उसके शहर ल्योन में या तो मिलेंगे मुझे सारे जवाब...

...और या मिलेगी... मौत!

समाप्त.

तू पेरिस में अपने अतीत को ढूंढ़ता हुआ आया है न।...

... तू अपने बाप के कातिलों को ढूंढ़ने आया है न? आज 'जिग्सा' तुझे एफिल टॉवर से गिराकर तेरे बाप के पास ही पहुंचा देगा...

...और अपना अतीत ढूंढ़ने के बजाए तू खुद बनकर रह जाएगा एक...

अतीत

मरेगा, बचेगा या जिंदा लाश बनकर रह जाएगा सुपर कमांडो ध्रुव? जवाब देगा अतीत।

सुपर कमांडो ध्रुव का सुपर विस्फोटक विशेषांक!

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 105

अतीत

सुपर कमांडो ध्रुव

हर इंसान, समाज से अपने परिवार और खानदान द्वारा जुड़ा रहता है। इसीलिए उसका भूतकाल यानी अतीत भी दो प्रकार का होता है। एक तो उसका अपना व्यक्तिगत अतीत और दूसरा उसके खानदान का अतीत। अपने अतीत के बारे में तो हर शख्स जानता है, परन्तु अपने खानदान के अतीत के बारे में वह काफी कुछ नहीं जानता। और कभी-कभी उसका खानदानी अतीत, उसके व्यक्तिगत अतीत पर हावी हो जाता है, और उस व्यक्ति को भुगतना पड़ता है उसके अपने खानदान की गलतियों का नतीजा-

मिस्टर ध्रुव, क्या यह सच है कि आपने उसी व्यक्ति जैकब की हत्या का प्रयास किया, जिसकी वजह से आपको लाखों का बीमा-क्लेम मिला ?

हमको पता चला है कि आपके पिता भी एक वांछित अपराधी थे! क्या यह सच है ?

मेरे पिता को भी उसी तरह फंसाया गया था, जिस तरह मुझे!

और आपके सवालों के सही जवाब तभी मिल पाएंगे, जब मैं ढूंढ़ लूंगा अपना...

अतीत

कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा
सुलेख व रंग: सुनील पाण्डेय
सम्पादक: मनीष गुप्ता

संचार- क्रान्ति के इस युग में, यह खबर जंगल की आग की तरह फैल गई-

लूका, बुल्स आई और बी-यर्ड तक भी खबर पहुंचते देर नहीं लगी-

सुपर कमांडो ध्रुव एक सनसनीखेज हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार हो गया है। उसके शिकार मिस्टर जैकब की हालत गंभीर मगर स्थिर है।...

... वह सिटी अस्पताल में जिन्दगी और मौत से जूझ रहा है।

चलो! कोई अच्छी खबर सुनने को तो मिली। सुपर कमांडो ध्रुव अपने- आप जेल पहुंच गया!

लेकिन हमारा मकसद तो अधूरा रह गया, बुल्स आई! जब तक ये हादसे वाली मौत मरेगा नहीं, तब तक हम जायदाद बेच नहीं पाएंगे ...

अब इसको मारना और भी मुश्किल हो गया है लूका! क्योंकि अब यह पुलिस हिरासत में है।

एक ही रास्ता है। अगर जैकब मर जाए तो ध्रुव फांसी पर लटक जाएगा, और हमारा रास्ता साफ हो जाएगा।

लेकिन हम तो यहां से जा रहे हैं! अंतर्राष्ट्रीय समुद्र में खड़ा जहाज हमारा इन्तजार कर रहा होगा। वैसे भी हमारा सिटी हॉस्पिटल जाकर जैकब को मारना अब खतरे से खाली नहीं है।
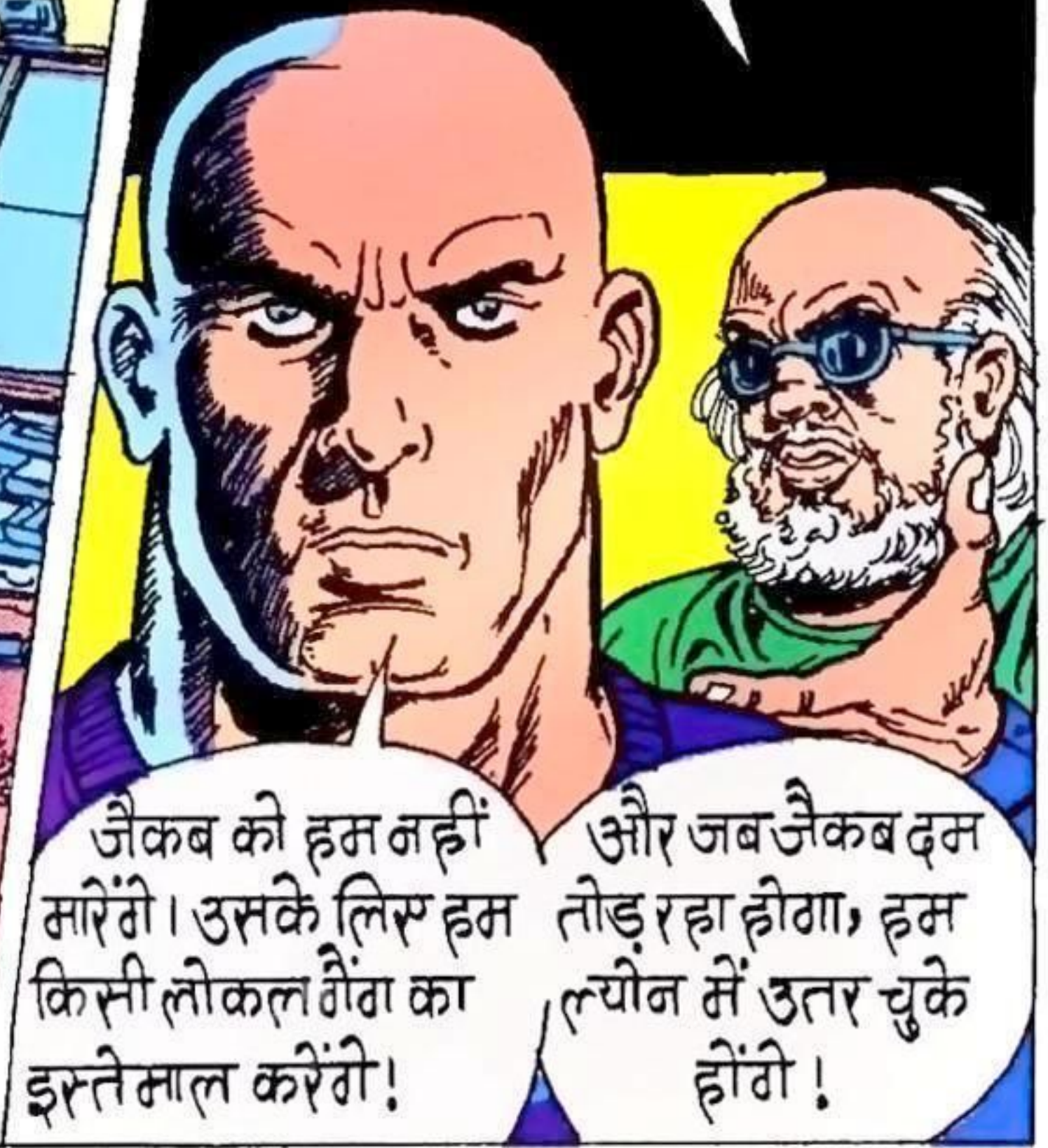
जैकब को हम नहीं मारेंगे। उसके लिए हम किसी लोकल गैंग का इस्तेमाल करेंगे!

और जब जैकब दम तोड़ रहा होगा, हम प्लेन में उतर चुके होंगे!

और ध्रुव, जैकब या अपने-आपको बचाने के लिए कुछ नहीं कर पाएगा। क्योंकि वह सलाखों के पीछे अपनी जमानत होने का इन्तजार कर रहा होगा... जो कभी नहीं होगी!

षड्यंत्र का जाल बुना जा चुका था-

अब सिर्फ आखिरी टांका मारने की जरूरत थी-

न जाने जैकब पर कब तक पहरा देना पड़ेगा? ऐसन-ऐसन मरीज आवत हैं कि दिमाग खराब हुई जाए।

बीड़ी भी नहीं पी सकते यहां पर...

...और लो! एक और स्ट्रेचर पर लदकर आए रहा है...

...बंदूकें पीछे कर लयो...

...कहीं कोई टकरा गया तो बंदूक दगी जाएगी।

लेकिन बंदूक दगने की नौबत नहीं आई-

धाड़

क्योंकि असावधान पुलिस वाले...

...गुंडों की चाल का शिकार हो चुके थे-

तड़ाक

बिना एक भी शब्द बोले तीनों जैकब के कमरे में प्रवेश कर गए–

चांद की रोशनी में जैकब का पीला पड़ चुका चेहरा चमक रहा था–

हथियारों की जरूरत नहीं है।

इसके बदन पर लगी ट्यूबें नोच लो। यह ऐसे ही मर जाएगा!

ट्यूबें नोच ली गईं–

और जैकब का पीला चेहरा, पत्थर सा सख्त पड़ गया–

सांस नहीं आ रही है। मर गया बुड्ढा!

अब निकल लो! काम हो गया...

... अरे! लाइट किसने जलाई?

कट

मैंने!

स... सुपर कमांडो ध्रुव?

मगर तुम तो जेल में?...

वह खबर सिर्फ इसलिए फैलाई गई थी, ताकि तुम लोग रास्ता साफ समझकर जैकब पर हमला करने की मूर्खता करो! ...

... वैसे मैं तो यहां किसी और का इन्तजार कर रहा था ... तुम जैसे मामूली गुंडों का नहीं!

मामूली गुंडे? हाहाहा! तेरे सामने ही हमने जैकब को मार दिया और तू कुछ नहीं कर पाया!

जैकब को मारने की मेहनत तो तुमने बेकार ही की! ...

... क्योंकि उनका गला तो पहले से ही कटा हुआ था।

य... यह क्या?

यह तो... यह तो मोम का बना हुआ सिर है।

मोम का? यानी यह हमको फंसाने की चाल थी। हमारा पहले से ही इन्तजार किया जा रहा था, बादशाह!

हां, मूर्खो! अंकल जैकब तो दूसरे कमरे में सुरक्षित हैं। इस कमरे के बाहर सिक्योरिटी इसीलिए बैठाई गई थी ताकि तुम लोग इसी कमरे को अपनी मंजिल समझकर अपने-आप जाल में चले आओ!

अब तुम लोग मुझे बताओगे कि तुम लोगों को यहां पर भेजने वाला कौन था, और इस वक्त वह कहां पर है ?

वो चाहे जहां हो, ध्रुव... लेकिन अगले पल तू जरूर...

धड़ांक

... नर्क में होगा... आऽऽऽह !

नर्क में तो तुम लोग पहुंचोगे। जेल की अंधेरी कालकोठरी के नर्क में।

तड़.

बता ! वर्ना वहां पहुंचने लायक भी नहीं छोड़ूंगा...

... यहीं अस्पताल में परमानेन्ट भर्ती करा दूंगा।

आईईईई

कहां फंसा दिया बादशाह ? ध्रुव से पिटकर मुझे हड्डियां नहीं तुड़वानी... हमको एक लम्बे- चौड़े गंजे ने इस जैकब को मारने के लिए पचास हजार रुपए दिए थे। वह... वह विदेशी लहजे में बात कर रहा था !

विदेशी लहजे में ? वह जरूर लूका होगा।...

... उसके साथ कोई और भी था क्या ?

हां! दो लोग और थे। एक सिर पर टोप पहने था, और आंखों पर अजीब-अजीब चीजें लगाए था, और दूसरा मोटा सा था। कंधे पर एक छोटा सा लबादा पहने हुए।

मैं समझ गया वे लोग कौन थे! कहां पर मिले थे ये लोग तुमसे?

बन्दरगाह में एक प्राइवेट शिप पर। वे लोग कहीं बाहर जा रहे थे!

ओह! यानी चिड़िया उड़ गई!

ध्रुव साहब! अब गिरफ्तार कर लेईं इन तीनों का?

हां! मेरा काम तो हो गया!

तु... तुम लोग भी बेहोश नहीं हुए थे?

नाहीं, भईया! हम सोचा कि ध्रुव भईया का नाटक में हमहू छोटा-मोटा रोल कर लें। ठीक है न? अब चलो!

तुमका बड़े घर घुमाय लाएं।

तीनों गुंडों के जाने के बाद-

तुम्हारा प्लान कामयाब रहा, ध्रुव!...

...तीनों हत्यारे अपने-आप जाल में फंस गए!

लेकिन ये तीन वे नहीं हैं पापा, जिनकी मुझे तलाश थी। वे तो शायद भारत छोड़कर जा चुके हैं!...

लेकिन तुम्हारा काम तो पूरा हो गया ध्रुव ! इस हमले से यह साबित हो गया है कि जैकब की जान लेने की कोशिश करने वाले कोई और लोग हैं। तुम नहीं !

और इसकी गवाही हम सब पुलिस वाले भी देंगे !

इससे तो मैं बरी हो जाऊंगा पापा ! वैसे भी जैकब होश में आने पर मेरे हक में ही बयान देते !

लेकिन अब शायद मैं लूका से यह कभी नहीं जान पाऊंगा कि मेरे पिता श्याम को नाम बदलने पर मजबूर क्यों होना पड़ा। और उन्होंने आखिर किया क्या था ?

तुम्हारे बताए अनुसार यह बात तो शायद जैकब को भी नहीं मालूम है ! इसीलिए उसके होश में आने का इन्तजार करने की जरूरत नहीं है।...

... वैसे भी तुम पहले ही कह चुके हो कि तुम्हारे सवालों का जवाब फ्रांस में मौजूद है। और जब तक तुम अपने अतीत को जान नहीं लेते, तब तक तुम चैन से नहीं बैठ पाओगे।...

... इसलिए तुम तुरन्त फ्रांस के लिए रवाना हो जाओ। मैं आधिकारिक रूप से तो नहीं पर व्यक्तिगत रूप से तुम्हारी काफी मदद कर सकता हूं।...

... मेरे कुछ मित्र वहां पर पुलिस अधिकारी हैं। वे तुम्हारी सहायता करेंगे।...

... तुम कल ही अपना वीसा बनवाकर फ्रांस रवाना हो जाओ !

थैंक्यू, पापा ! थैंक्यू ! पर जाने के पहले मैं आपको बताना चाहता हूं कि चाहे मैं अपना अतीत ढूंढ पाऊं या नहीं, मेरे लिए मेरे पिता की जगह पर हमेशा आप ही रहेंगे !

मैं जानता हूं बेटे, मैं जानता हूं।

इधर ध्रुव के जाने की तैयारी हो रही थी...
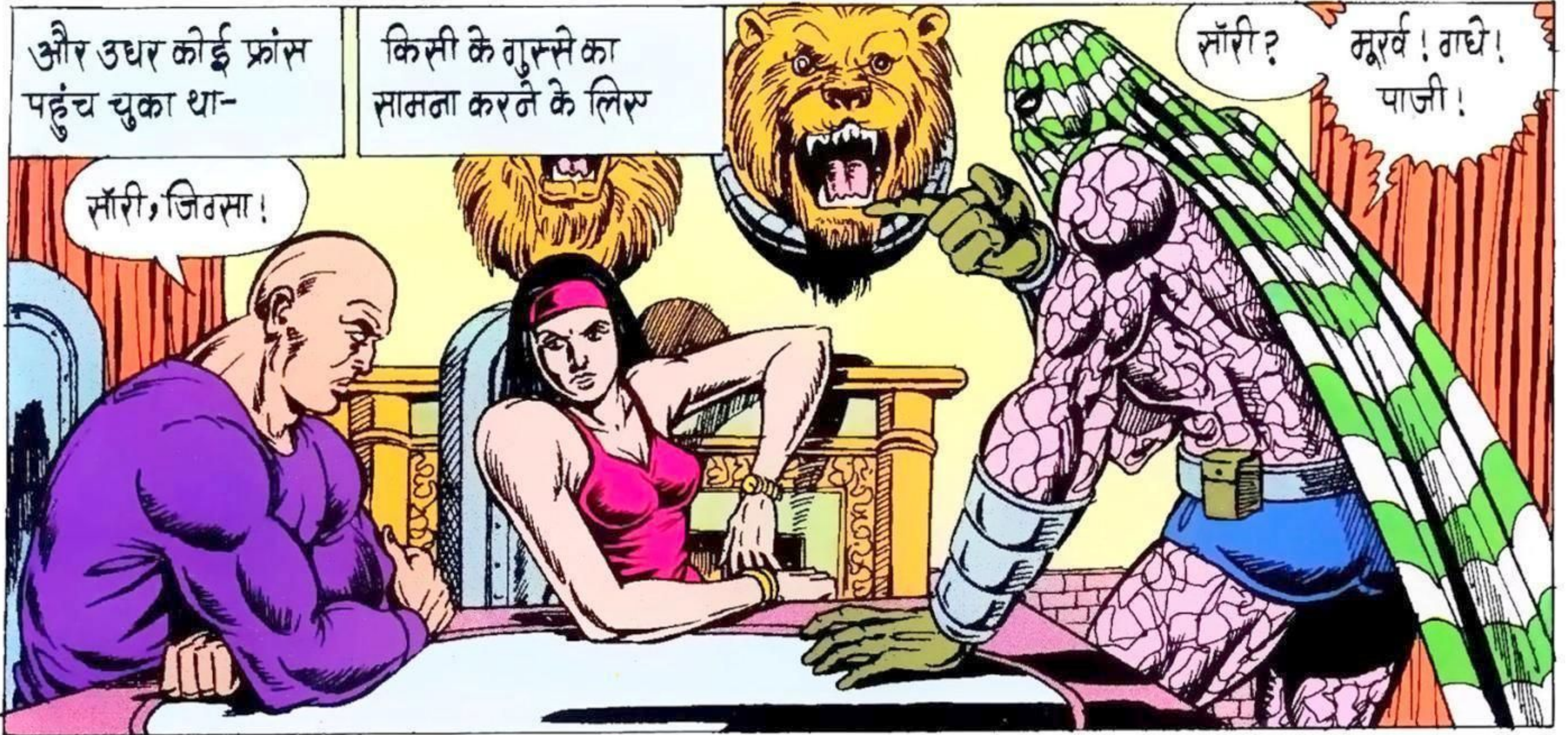
और उधर कोई फ्रांस पहुंच चुका था-

किसी के गुस्से का सामना करने के लिए

सॉरी, जिगसा!

सॉरी? मूर्ख! गधे! पाजी!
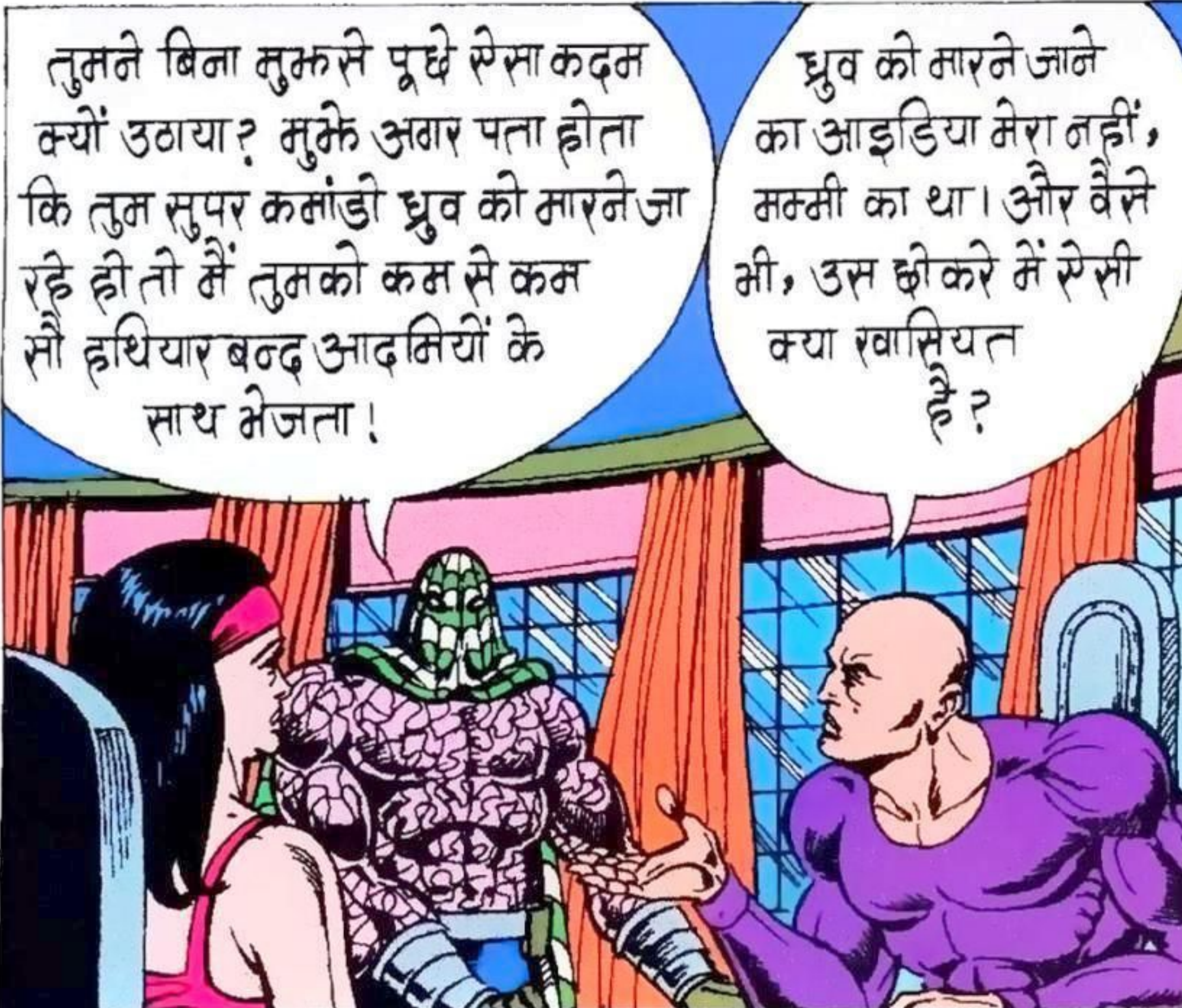
तुमने बिना मुझसे पूछे ऐसा कदम क्यों उठाया? मुझे अगर पता होता कि तुम सुपर कमांडो ध्रुव को मारने जा रहे हो तो मैं तुमको कम से कम सौ हथियारबन्द आदमियों के साथ भेजता!

ध्रुव को मारने जाने का आइडिया मेरा नहीं, मम्मी का था। और वैसे भी, उस छोकरे में ऐसी क्या खासियत है?

वह 'छोकरा' नहीं है, हमारे लिए शैतान का अवतार है। तबाही का दूत!

पहले भी वह हमको धंधे में काफी नुकसान पहुंचा चुका है!

हमको धंधे में नुकसान? वह कैसे जिगसा?

वह हमें, या हम उसे तो जानते तक नहीं थे!

ग्रैंडमास्टर रोबो को तो जानते हो न? कुछ साल पहले तक वह हमारा सबसे बड़ा ग्राहक हुआ करता था। करोड़ों का मुनाफा कमाते थे उससे। लेकिन ध्रुव ने रोबो के साम्राज्य को ऐसा तहस-नहस किया कि कुछ दिनों तक उसके पास एक बंदूक खरीदने तक के पैसे नहीं थे!

और तुम उसी ध्रुव को मारने चले गए, जिसे रोबो जैसा आतंकवादी भी एक घाव तक नहीं लगा सका।...

...तुमने बर्रे के छत्ते को छेड़ दिया है लूका। अब वह तुमको ढूंढता हुआ यहां तक जरूर आएगा...

... और देर-सबेर हमको ढूंढ़ ही निकालेगा। और इस वक्त हम ध्रुव को यहां पर किसी भी कीमत पर नहीं चाहते। क्योंकि हम अपनी जिन्दगी का सबसे बड़ा कारनामा करने जा रहे हैं।

कैसा कारनामा जिगसा? मेरे पीछे से आपने कौन सा प्लान बनाया है?

फ्रांस सरकार की 'नेशनल डिफेंस रिसर्च लेबोरेट्री' में एक नया आविष्कार विकास के अन्तिम चरण में है!

हमें उसको वहां से उड़ाकर उसे अपनी लेबोरेट्री में डेवलप करना है। और अगर यह ऑपरेशन सफल हो गया, तो हमको शायद इतने पैसे मिल जाएंगे कि इस एस्टेट को बेचने की जरूरत भी न पड़े।

इसीलिए मैं इस ऑपरेशन के दौरान किसी भी किस्म की गड़बड़ी नहीं चाहता!

ध्रुव नाम की गड़बड़ तो बिल्कुल भी नहीं।

उसकी चिन्ता छोड़ दो जिगसा...

... वह तो इस वक्त जेल में सड़ रहा है। और जल्दी ही वह फांसी पर भी लटक जाएगा।

तुम जैकब की तरफ इशारा कर रहे हो न लूका? मेरे पास सारी रिपोर्ट आ चुकी है। जैकब नहीं मरा है। ध्रुव भी आजाद घूम रहा है। और उसने वीसा के लिए भारत के फ्रेंच दूतावास में एप्लाई भी कर दिया है।

यानी... यानी वह फ्रांस आ रहा है।...

... तब तो मैं उसकी चिता यहीं पर जलाऊंगा!

अपनों के खून से हाथ नहीं रंगते लूका! वैसे भी हम लोग आने वाले दिनों में काफी व्यस्त रहने वाले हैं!

ध्रुव को खत्म करने का काम सात्रे को सौंपते हैं। उसके आदमी ये काम करेंगे!

क्र
ड.
ड.ड.ड.ड.

उसको सिर्फ इतना बता देना कि अगर ध्रुव फ्रांस तक जिन्दा पहुंच गया तो सात्रे अपने घर मरा पहुंचेगा!

ध्रुव के अतीत के विषैले सर्पों ने फन फैलाना शुरू कर दिया था। और किसी को यह आभास नहीं था कि ये सर्प ध्रुव को कब और कैसे डसेंगे-

इस फ्लाइट पर आप सबका स्वागत है। पेरिस तक की यह दूरी हम नौ घंटे दस मिनट में तय करेंगे!

आप क्या लेंगे ध्रुव सर? वाइन या व्हिस्की?

सिर्फ एक पेप्सी, प्लीज!

पेप्सी की चुस्कियों के साथ ध्रुव के दिमाग में वह सारा घटनाक्रम ताजा होने लगा, जिसके कारण उसे पेरिस का सफर करना पड़ रहा था-

यह सारी गड़बड़ उस फोन कॉल से शुरू हुई थी, जो ध्रुव के पास एक विदेशी लहजे में बात करने वाले अंजान आदमी ने की थी-

क्या बकवास कर रहे हैं आप? मेरे पिता का नाम श्याम नहीं रघुवंशी था, और वे फ्रांस की पुलिस से भागे हुए एक मुजरिम थे?...

...ठीक है। मैं आर्टीफीशियल वॉटर-फॉल पर पहुंचता हूं!

आर्टीफीशियल वॉटर फॉल पर ध्रुव की मुलाकात एक नकाबपोश और बुल्स आई नाम के हत्यारे से हुई-

'बुल्स आई' को ध्रुव ने दिमाग और अपने 'कट आउट' की मदद से परास्त कर दिया-

और इससे पहले कि वह रहस्यमय नकाबपोश भी इस लड़ाई में 'बुल्स आई' की मदद कर पाता...
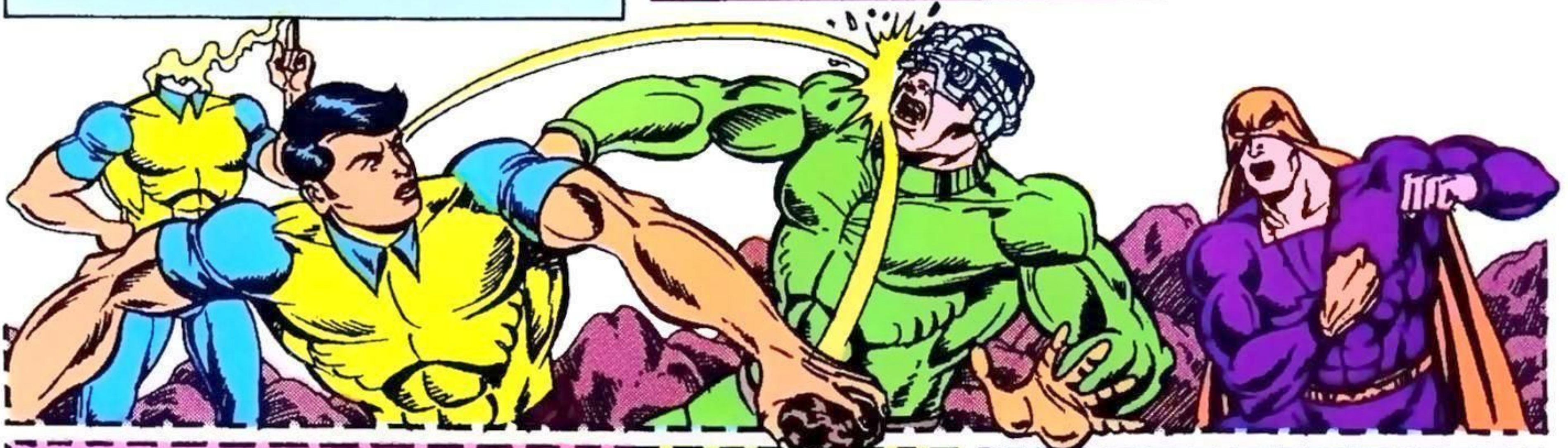
... न जाने कहां से एक गुरिल्ला, ध्रुव की मदद के लिए घटनास्थल पर आकर नकाबपोश से टकरा गया-

पर नकाबपोश में भी अमानवीय शक्ति थी-

वह गुरिल्ले का बराबरी से जमकर कड़ा मुकाबला कर रहा था-

इसी दौरान ध्रुव ने एक रहस्यमय कोट-हैट धारी को जल प्रपात के ऊपर खड़े देखा। वह उसे ढूंढने के लिए ऊपर लपका-

लेकिन वह शख्स वहां से गायब हो चुका था।

उधर वह नकाबपोश, गुरिल्ले को बेहोश करके और बुल्स आई को वहां से लेकर फरार हो चुका था-

ध्रुव ने गुरिल्ले को अस्पताल में भर्ती करा दिया-

आह!

...?

और कमांडो हैडक्वार्टर पहुंचकर करीम को रघुवंशी नाम के अपराधी की फाइल की तलाश करने को कहा-

'बुल्स आई' और नकाबपोश से लड़ाई के दौरान, ध्रुव को उन दोनों के ही विदेशी होने का पता लग गया था। इसीलिए उसे अपने पिता श्याम उर्फ रघुवंशी के फ्रांस का फरार अपराधी होने की बातों में सच्चाई नजर आ रही थी। और करीम ने जल्दी ही इस सच्चाई को ध्रुव के सामने ला दिया-

ये रही रघुवंशी की फोटो ध्रुव! पच्चीस साल पुरानी इंटरपोल की फाइल में मिली है। हत्या का आरोप है इस पर।

ओ गॉड! ये तो मेरे पिता श्याम की फोटो है।

और पीछे दिख रही एफिल टॉवर से साफ पता चल रहा है कि यह तस्वीर फ्रांस की राजधानी पेरिस में खींची गई थी! ...

... और जहां तक मैं जानता हूं, मेरे पिता श्याम कभी हिन्दुस्तान से बाहर नहीं गए। ...

INTERPOL FILE

... इस फाइल के साथ रघुवंशी के कुछ पहचान चिन्ह भी हैं। ...

... अब अगर कहीं से पिताजी के पहचान-चिन्ह मिल सके तो दोनों का मिलान किया जा सकता है!

ध्रुव की यह परेशानी दूर कर दी वैशाली नाम की एक रिपोर्टर ने। जुपिटर सर्कस पर आर्टिकल लिखते-लिखते उसके हाथ, श्याम के 'डेंटल प्रिंटस' यानी दांतों की प्रतिलिपि लग गई थी-

और तब ध्रुव पर गिरी वह बिजली। जब करीम ने रघुवंशी और श्याम के दांतों के निशान का मिलान करके यह बताया कि -

ये दोनों निशान एक ही आदमी के हैं ध्रुव!

यानी... मेरे पिता श्याम ही रघुवंशी हैं। एक फरार हत्यारे! नहीं! यह नहीं हो सकता। मेरे पिता हत्यारे नहीं हो सकते!

तभी ध्रुव को एक और चौंका देने वाली खबर मिली-

मैं इंस्पेक्टर खत्री बोल रहा हूं, ध्रुव! सिटी हॉस्पीटल से। जहां पर वह गुरिल्ला भर्ती है। उसके शरीर पर हमको एक निशान मिला है। गोले में बना 'जे' का निशान!

ओह! यह निशान तो जुपिटर सर्कस के जानवरों पर लगा होता था!

मैं अभी हॉस्पीटल पहुंचता हूं इंस्पेक्टर खत्री!

अस्पताल में ध्रुव की मुलाकात एक बार फिर उस रहस्यमय हैटकोटधारी से हुई, जिसे ध्रुव ने वॉटर फॉल पर देखा था-

वह भी शायद गुरिल्ले से ही मिलने आया था, और मुसीबत में था-

क्योंकि उसके सामने बी-यर्ड नाम का एक ऐसा कातिल था, जिसकी दाढ़ी के ऊपर जहरीले डंक वाली मक्खियां चिपकी हुई थीं। और उन मक्खियों को उसने पूरे हॉस्पीटल में फैला रखा था-

आहा! मैं तो यहां पर तेरे ही लिए आया था ध्रुव!

ORE
OOM

ध्रुव ने बी-यर्ड को बेहोश तो कर दिया, लेकिन बेहोश होते-होते बी-यर्ड ने एक खास सीटी बजाकर सारी मक्खियों को ध्रुव के पीछे लगा दिया-

ध्रुव, उस हैटकोटधारी के साथ बगल में ही बने स्टोररूम में घुस गया। और यहीं पर उसे मिला एक सुखद आश्चर्य-

आप... आप अंकल जैकब हैं। जुपिटर सर्कस के मालिक जैकब!

मैं तुरन्त वापस भारत भागा। तुम्हारे पास आने के लिए।

क्या था वह षड्यंत्र अंकल जैकब ? किसने रचा था ?

इससे पहले कि जैकब कुछ बोल पाता...

...उसकी जुबान खामोश हो गई-

लूका!

अब और आगे तू नहीं बोल पाएगा बुड्ढे!

जैकब के पेट में चाकू आ धंसा-

और इस दृश्य ने ध्रुव को पागल कर दिया। वह लूका पर टूट पड़ा। और लूका को भाग निकलने पर मजबूर हो जाना पड़ा-

धड़ाक

ध्रुव ने जैकब के पेट से चाकू निकाला-

पर उसी वक्त पुलिस के घटनास्थल पर पहुंच जाने के कारण उसे ही हत्यारा मान लिया गया-

और तब उसे बचाने का सबूत लेकर आए डॉक्टर-

यह त्वचा का टुकड़ा जैकब के नाखून में फंसा था। और यह न ध्रुव की त्वचा है और न ही जैकब की!

यानी लड़ाई के वक्त तीसरा आदमी भी स्टोर रूम में मौजूद था।...

...और हां। एक बात और!

हमने हर त्वचा के सेम्पलों की 'डी. एन. ए.' टेस्टिंग करी है, और उससे यह पता चला है...

...कि जिस व्यक्ति की त्वचा का यह टुकड़ा है वह ध्रुव का नजदीकी रिश्तेदार है!

रहस्यों के साए गहराते जा रहे थे। और इन पर रोशनी डाल सकने का सिर्फ एक ही रास्ता था ध्रुव के सामने-

कहानी 19 वें पृष्ठ से जारी

फ्रांस जाकर या तो अपने पिता को बेगुनाह साबित करने का-

और या इस सच्चाई को स्वीकार करने का कि उसकी रगों में एक हत्यारे का खून है-

ध्रुव, ख्यालों में इतना गहरा डूब गया था-

कि उसको ख्यालों से निकालने के लिए वह चीख जरूरी थी-

बचाओ!

जो उस एयर-होस्टेस के गले से निकली थी, जिस की गर्दन पर बन्दूक की नाल आराम कर रही थी-

खबरदार, जो कोई अपनी जगह से हिला। सभी चुपचाप बैठे रहो। सिर्फ एक मुसाफिर अपनी सीट से खड़ा हो जाए। सुपर कमांडो ध्रुव! सामने आओ! मैं तीन तक गिनूंगा।... एक...

ओह! यानी मेरे दुश्मनों की घुसपैठ काफी गहरी है। उसको न केवल यह मालूम है कि मैं कहां और कैसे जा रहा हूं, बल्कि उन्होंने एक जल्लाद भी सफर पर साथ में भेज दिया।

...दो!

पॉप

ती...

गला मत फाड़ो! मैं सामने आ गया हूं। मैं ही हूं सुपर कमांडो ध्रुव!

ओह! मैं पहचान गया। हां, तू ही है कमांडो ध्रुव! लेकिन ये तेरे हाथ में क्या है? फेंक दे इसे नीचे!...

...मुझे बताया गया है कि तू बहुत खतरनाक है!

खतरनाक? हो सकता है। वैसे इस बोतल में पेप्सी है। और कुछ नहीं।

हां! डॉक्टर जरूर कहते हैं कि ये सेहत के लिए खतरनाक होती है। क्योंकि इसमें गैस भरी होती है। देखो! बोतल को हिलाओ तो गैस निकलने लगती है।

फच फच फच फच

और अगर इस वक्त बोतल का मुंह खोल दिया जाए तो पेप्सी की धार प्रेशर से बाहर निकलती है। देखो ऐसे।

फचाक

डॉक्टर सही कहते हैं। पेप्सी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। दांत जल्दी गिर जाते हैं।

धड़ाक

चलो! दुश्मनों का एक षड्यंत्र तो विफल हुआ।

इतनी जल्दी नहीं...

ध्रुव तेजी से आवाज की दिशा में घूमा-

जैसा कि तुम देख रहे हो, हम ऐसी स्थिति के लिए भी पहले से ही तैयार थे।

उठ जॉर्जी!

अब बताओ सुपर कमांडो ध्रुव!

अगर हम तुमको गोलिओं से भून दें तो तुम क्या कर पाओगे?
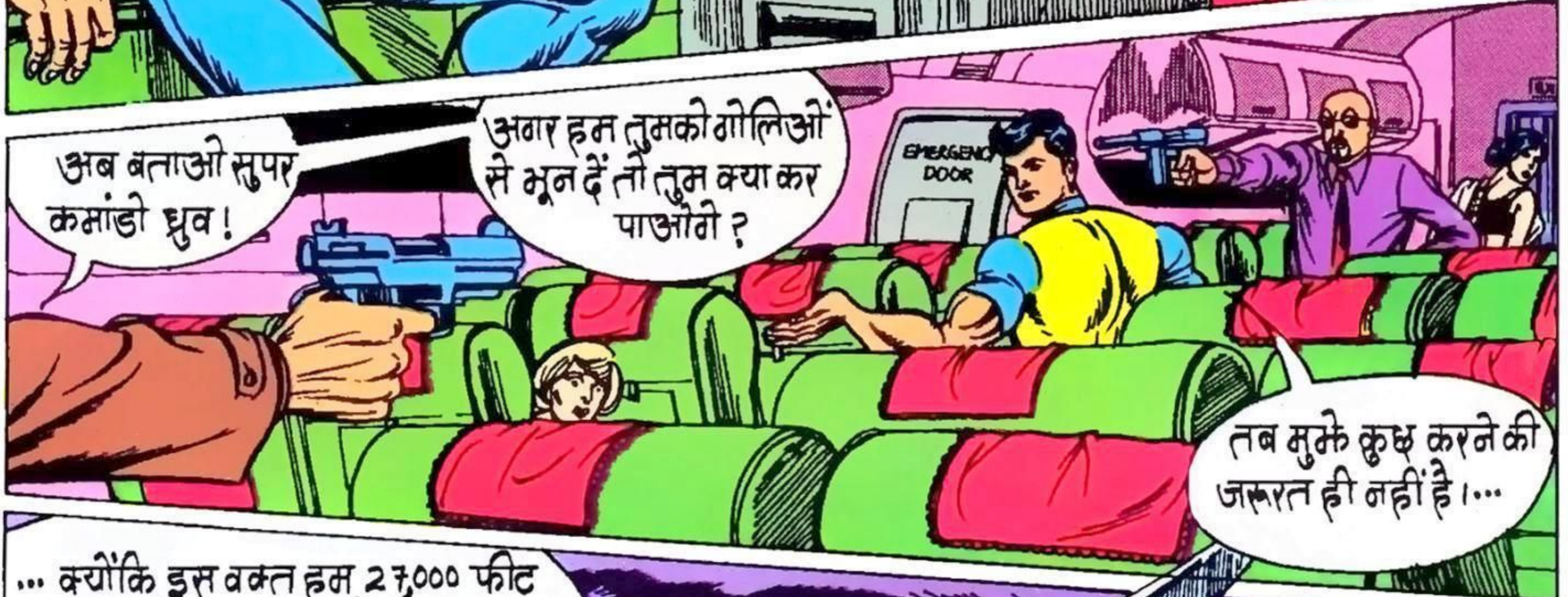
तब मुझे कुछ करने की जरूरत ही नहीं है।...

... क्योंकि इस वक्त हम 27,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे हैं। बाहर की हवा एकदम पतली है, और प्लेन के अन्दर वायु-दबाव बनाया गया है।...

... अगर मैं तुम्हारी गोलियों से उछलकर बच गया, और तुम्हारी गोलियों ने प्लेन की दीवारों में छेद कर दिया तो यह प्लेन गुब्बारे की तरह फट पड़ेगा!

तू सच कह रहा है! ऐसा हो सकता है।... ... अब हम तुझको गोलियों से नहीं मारेंगे।...

... एयर होस्टेस! कैप्टन को बुलाओ!

यह क्या तमाशा है? हथियार डाल दो। वर्ना एक अन्तर्राष्ट्रीय प्लेन को हाईजेक करने की सजा तो जानते ही होगे तुम!

भाषण नहीं, कैप्टेन! काम करो। प्लेन को इतनी नीचे ले चलो, जहां पर इमर्जेन्सी डोर खोलने से कोई फर्क न पड़े!

इमर्जेन्सी डोर खोलना है!

पर क्यों?

क्योंकि मिस्टर ध्रुव को आत्महत्या करनी है।

इनको उड़ते प्लेन से बिना पैराशूट के कूदना है।

भला मैं ऐसा क्यों करूंगा?

इन यात्रियों की जान बचाने के लिए। अगर तू दरवाजा खोलकर न कूदा, तो मैं हर तीस सेकंड में एक यात्री की मारता जाऊंगा।

नहीं! कैप्टेन, प्लेन को नीचे ले चलो।... मैं कूदूंगा!

पागल हो गए हो ध्रुव? जानबूझ कर मौत के मुंह में कूदना चाहते हो?

मैं अपनी जान को किसी दूसरी जान की आड़ में नहीं छिपा सकता कैप्टेन!

अगर मौत ऐसे ही आनी है, तो ऐसे ही सही!

कैप्टेन भी मजबूर था, और ध्रुव भी। प्लेन लगभग चार हजार फीट की ऊंचाई पर उतर आया-

दरवाजा खोलो!

पहले से ही डरे लोग एकदम स्तब्ध हो गए-

ध्रुव सचमुच प्लेन से कूदने जा रहा था-

DOOR.

वे सचमुच बहादुर होते हैं, जो दूसरों की तरफ बढ़ती मौत को ललकार कर अपनी तरफ बुला लेते हैं-

हवा में गिरता ध्रुव का शरीर, तेजी से सभी की निगाहों से ओझल हो गया-

हा हा हा! कामयाबी! कामयाबी! खत्म हो गया सुपर कमांडो ध्रुव। अब जब उसका शरीर जमीन से टकराएगा, तो यह पता नहीं चलेगा कि हाथ कहां गिरा है और पैर कहां?

बाल-बाल बचे! सात्रे ने साफ कह दिया था कि या तो ध्रुव बचेगा या हम लोग!

कैप्टेन, हमारा जहाज को हाईजैक करने का कोई इरादा नहीं है। तुम जहाज को 'फॉल्कन आईलेंड' की तरफ ले चलो। वहां की प्राइवेट हवाई पट्टी पर यह जहाज उतर सकता है। हम वहां पर जहाज से उतर जाएंगे!

उसके बाद हम अपने रास्ते और तुम अपने रास्ते!

कम ऑन! हरी अप!

भरी हुई बन्दूकों के सामने बहस नहीं की जाती। पश्चिम दिशा की तरफ जा रहा प्लेन अपना रास्ता बदलकर पूर्वी दिशा की तरफ फिर से बढ़ने लगा-

अरब सागर में स्थित 'फॉल्कन आईलेंड' की तरफ-

लेकिन ध्रुव की मौत के साथ, अपहरणकर्ताओं के लिए मुसीबतों का दौर खत्म नहीं हुआ था–
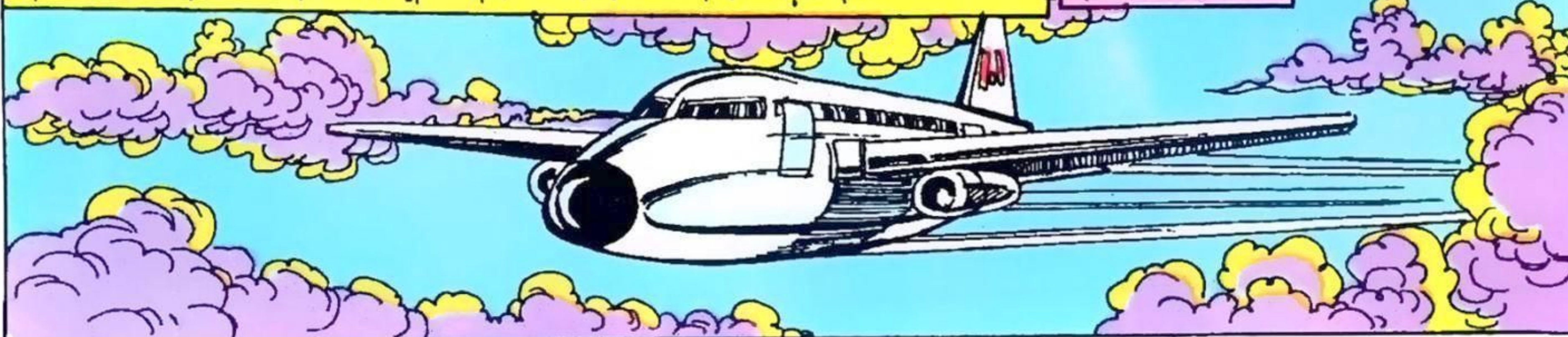
जीरो, कुछ गड़बड़ लगती है!

अभी ये पहाड़ी उस तरफ दिख रही थी। अब इस तरफ आ गई है।

ठीक कह रहा है तू! जरा कैप्टेन के पास जाकर पता तो कर कि कहीं वह किसी दूसरी दिशा में तो नहीं जा रहा!

अगर जरा भी चालाकी की तो उसका दायां कान काट देना। फिर भी न माने तो बायां! अब जा!

जॉर्जी, कॉकपिट में घुस गया–

और कुछ ही मिनटों बाद 'फूड ट्रॉली' लेकर एयर होस्टेस बाहर निकली–

ऐ! तू कहां आ रही है? जॉर्जी कहां है?

वे कैप्टेन के पास खड़े हैं! उन्होंने कहा है कि आपको शैम्पेन दे आऊं!

ये काम तो उसने बड़ा अच्छा किया। लेकिन ये कोई चाल तो नहीं है तुम्हारी! पहले जॉर्जी को बुलाओ!

कुछ ही पलों बाद जॉर्जी दरवाजे पर खड़ा था–

आहा! वो रहा जॉर्जी! एकदम ठीक ठाक! ले आ शैम्पेन!

जोशी को इतना तो याद था कि उसने बोतल की तरफ हाथ बढ़ाया था-

लेकिन उसके बाद क्या हुआ, यह उसको समझ में नहीं आया। पहले तो ट्राली की ट्रे उड़कर उसके मुंह से टकराई-

और फिर एक तेज घूंसे ने उसके होशोहवास उड़ा दिए-

और जब उसकी आंखों के आगे सितारे नाचने खत्म हुए-

धड़ाक
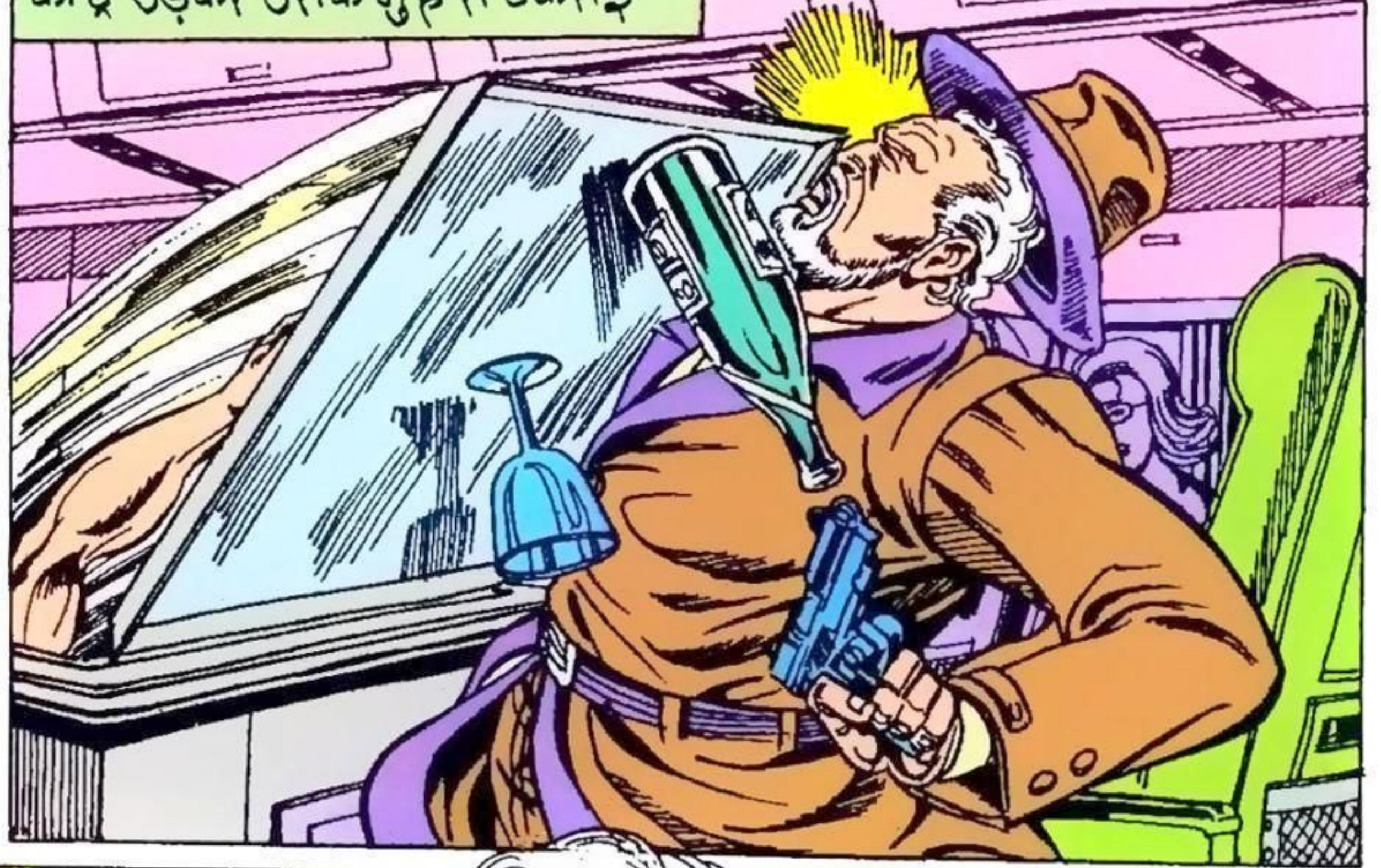
तो उसने वह दृश्य देखा जिसकी उम्मीद उसने कम से कम इस जन्म में तो नहीं की थी-

सु... सु...सुपर कमांडो ध्रुव! पर... तुम तो कूद गए थे। मर गए थे। तुम ट्रॉली में कैसे आ गए?

ये जादू है! तू जादू जानता है!

इस जादू को दिमाग कहते हैं जोशी! जिसे हिम्मत के घोल में रखा जाता है।

अब बेहोश जॉर्जी का कॉलर छोड़ दो कैप्टेन!

ये लो! अब तो मेरे भी हाथ दुखने लगे थे!
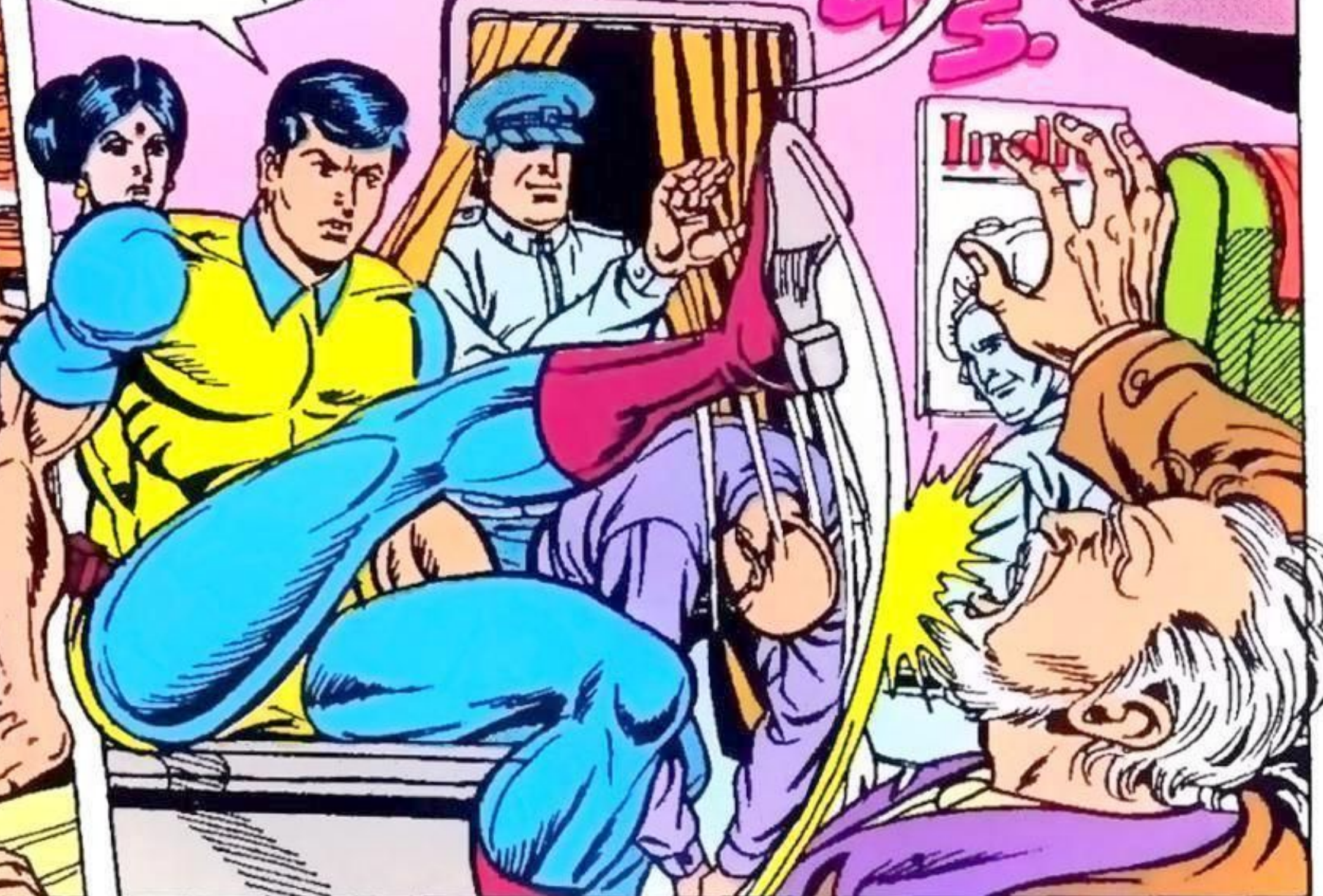
धाड़

वाह! ऐसा जादू तो मैंने भी पहले कभी नहीं देखा! मैंने तो तुमको विंड स्क्रीन को खटखटाते देखा।...

...और लपककर अपने सहचालक से कॉकपिट का दरवाजा खुलवा दिया। पर तुम नीचे कूदने के बाद विंड स्क्रीन तक पहुंचे कैसे?

मैं नीचे कूदा जरूर था कैप्टेन, पर गिरा नहीं था। गिरने से पहले मैंने स्टार लाइन का स्टार प्लेन के अन्दर ही अटका दिया था।...

...मैं जब प्लेन से लटका हवा में झूल रहा था...

...तब मैंने अपनी स्टार बेल्ट में रखे, 'सक्शन कैप' के सैट को निकालकर अपने हाथ और जूतों पर पहन लिया—

और फिर स्टार लाइन के सहारे ऊपर चढ़कर 'सक्शन कैपों' की मदद से प्लेन की सतह से चिपक गया—

और इसी तरह से चिपक-चिपककर आगे बढ़ते हुए...

...मैं कॉकपिट तक पहुंच गया। और इसके आगे की दास्तान तो आप जानते ही हैं। पहले मैंने कॉकपिट के अन्दर घुसते ही जॉर्जी को बेहोश कर दिया, और फिर ट्रॉली में घुसकर जोशी तक पहुंच गया।

EXIT

कमाल की हिम्मत दिखाई तुमने! पर ये सक्शन कैप? मैंने तो सुना था कि तुम किसी भी तरह के उपकरणों का प्रयोग नहीं करते!

सिवाय स्टार लाइन और स्टार ब्लेड के।

अब करने पर मजबूर हो गया हूं कैप्टेन! क्योंकि आज के अपराधी अपराध करने के लिए बहुत तेजी से नई-नई तकनीकें अपनाते जा रहे हैं।

ऐसे में उनका सामना करने में एक भी चूक का अर्थ है अपनी और हजारों निर्दोषों की मौत।

और उस एक चूक को रोकने के लिए कभी-कभी इन उपकरणों का प्रयोग करना जरूरी हो जाता है।

लगभग उसी वक्त- पेरिस के 'डिगॉल इंटरनेशनल एयरपोर्ट' पर-

क्या सोच रहे हो सात्रे? यही न कि तुम्हारे आदमी सफल हुए होंगे या नहीं?
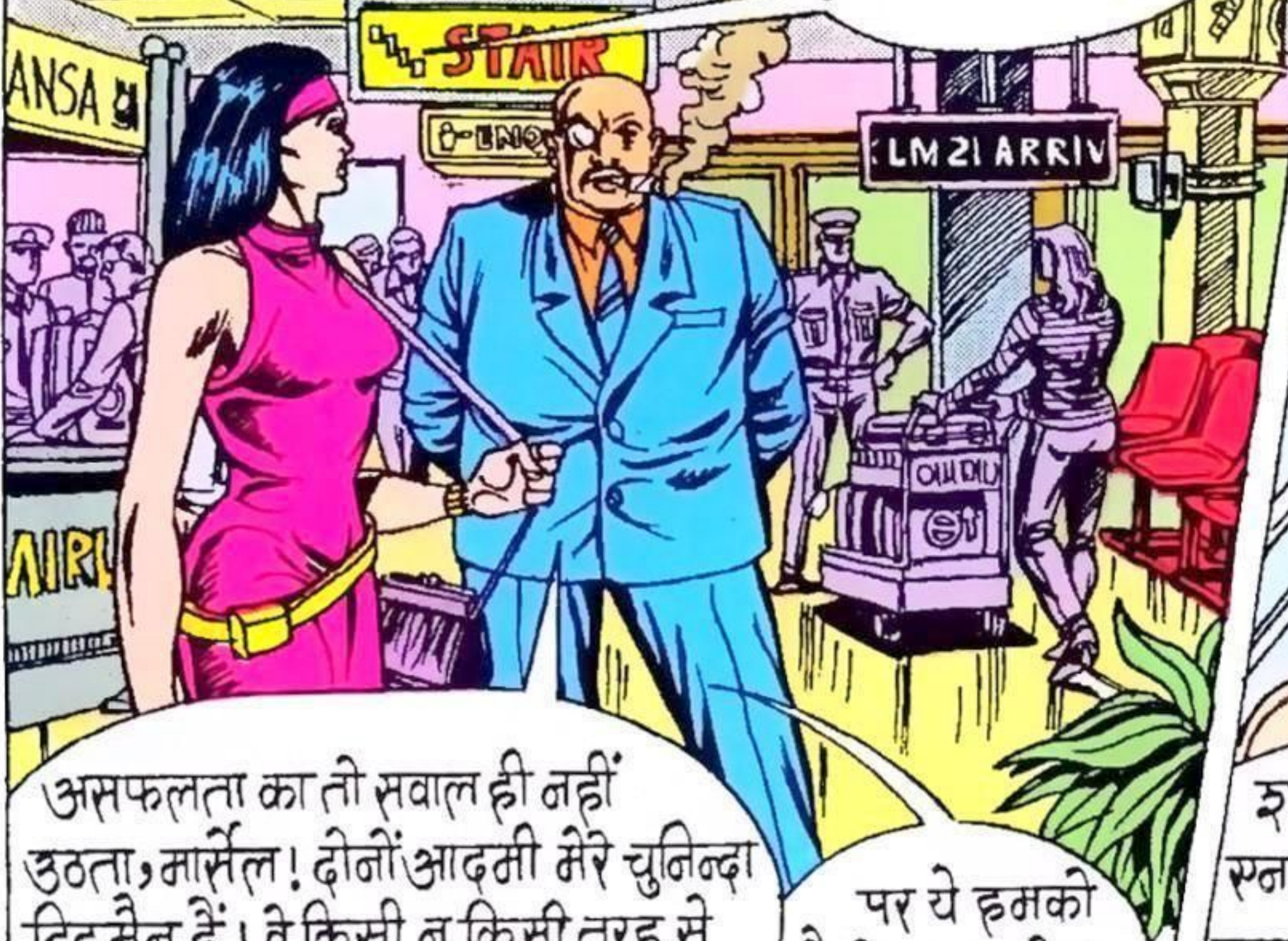
असफलता का तो सवाल ही नहीं उठता, मार्सेल! दोनों आदमी मेरे चुनिन्दा हिटमैन हैं। वे किसी न किसी तरह से ध्रुव को खत्म कर ही देंगे!

पर ये हमको कैसे पता चलेगा सात्रे!

सीधी सी बात है। ध्रुव को मारने के बाद मेरे आदमी प्लेन को 'फॉल्कन आइलेंड' ले जाएंगे। अगर थोड़ी ही देर में यह खबर मिले कि प्लेन ने अपना रास्ता बदल लिया है तो समझना कि उन्होंने अपना काम...

शशश! कुछ एनाउंसमेंट हो रहा है!

एटेंशन प्लीज... भारत राजनगर से आने वाली हमारी फ्लाइट नंबर KL 409...

अपहृत हो गई। बोलो! बोलो!

...अपने पूर्व निर्धारित समय से आ रही है। फ्लाइट गेट नंबर 25 पर आएगी!

ये... ये कैसे?

मूर्ख! तुमसे एक काम भी सही तरीके से नहीं हो सकता! अब तेरे आदमी पुलिस की हिरासत में सब-कुछ उगल देंगे!

चटाक

मैं तेरा नौकर नहीं हूं मूर्ख औरत कि तू मुझ पर हाथ उठाए। सात्रे पर आइन्दा हाथ उठाया तो हाथ तोड़कर रख दूंगा। अब सुन मेरी बात।...

...ये आदमी किसी को कुछ नहीं बता पाएंगे!

ईयाऽऽ

इस अभियान पर जाने से पहले मैंने अपने आदमियों को एक ऐसा जहरीला कैप्सूल, विटामिन बताकर खिला दिया था जिसके जहर का असर ३० घंटों बाद होता है!

अगर मेरे आदमी सफल होकर वापस आते तो मैं उनको उस जहर की काट खिला देता। लेकिन अब वे पुलिस हिरासत में हैं!

और छत्तीस घंटे पूरे होने में सिर्फ तीन घंटों का समय बाकी है। जहर का असर होना शुरू हो जाएगा। तुम देखती रहो!

प्लेन के उतरते ही, फ्रेंच पुलिस ने हाई जैकरों को हिरासत में ले लिया था-

आपने इन हाईजैकरों को जिन्दा पकड़कर एक कमाल कर दिखाया है मिस्टर ध्रुव! इन्होंने आपको तो कुछ नहीं बताया, पर हमारे पास जुबान खुलवाने के कुछ नायाब तरीके हैं!...

... हम इनसे उगलवा... अरे! इन... इनको क्या हुआ?

खों... खों!

इनके मुंह से तो खून आ रहा है!

अब ये दोनों नहीं बचेंगे। तीन घंटे के अन्दर-अन्दर ये मृत हो जाएंगे।

कहीं पुलिस डॉक्टर ने इनको बचा लिया तो?

इस जहर की काट दुनिया का कोई डॉक्टर नहीं जानता।...

...इनको मरने से सिर्फ मैं ही बचा सकता हूं। और यह मैं करूंगा नहीं!

चलो, ये समस्या तो सुलझ गई। लेकिन असली समस्या तो वहीं की वहीं है। ध्रुव अभी भी जिन्दा है, और फ्रांस तक पहुंच गया है!

जल्दी ही वह ल्योन भी पहुंच जाएगा। फिर हमारे सामने उसका स्वागत करने के सिवाय और कोई रास्ता नहीं बचेगा!

और जब वह अपने बाप रघुवंशी के बारे में पूछेगा तो क्या जवाब दोगी?

लूका की हरकत का क्या कारण बताओगी? नहीं, ध्रुव को मरना ही होगा!

और इस बार मैं खुद उसको मारने का इंतजाम करूंगा।

व्यक्तिगत रूप से!

ठीक है। इस वक्त तो वैसे भी हम कुछ नहीं कर सकते। क्योंकि ध्रुव पुलिस के साथ है!

अब मुझे भी वह काम करने जाना है, जिसके लिए मैं और जिग्सा खासतौर से पेरिस आए हैं!

पेरिस स्थित 'डिफेंस एंड रिसर्च लैब' से एक नायाब आविष्कार उड़ाने के लिए!

ध्रुव इस बात से अन्जान था कि इस षड्यंत्र के सूत्रधार उसके बगल में ही थे, और वहां से सरकने वाले थे-

आपको हमारे साथ पुलिस हैडक्वार्टर तक चलना होगा मिस्टर ध्रुव! हम आपका बयान लेना चाहते हैं!

चलिए! मैं तो वैसे भी फ्रांस आया ही हूं, पुलिस की मदद लेने के लिए!

और फिर- पेरिस स्थित फ्रेंच पुलिस के हैडक्वार्टर में-

और इस तरह से आपने उन दोनों अपहरणकर्ताओं को काबू में कर लिया।

लेकिन ये दोनों आपको मारना क्यों चाहते थे मिस्टर ध्रुव?

POLICIA

यह तो फिलहाल मैं खुद भी नहीं जानता इंस्पेक्टर!

लेकिन अगर मैं आपके कमिश्नर से मिल सकूं तो काफी कुछ जान सकता हूं...

...मिस?

वेरा! मेरा नाम वेरा विसेट है!

और अभी-अभी मेरे कंप्यूटर पर मैसेज आया है कि कमिश्नर साहब खुद आपसे मिलना चाहते हैं!

आइए! मैं खुद आपको उनके पास ले चलती हूं!

पेरिस पुलिस कमिश्नर ध्रुव का ही इन्तजार कर रहे थे-

वेलकम, ध्रुव!

कमिश्नर राजन मेहरा मेरे पुराने दोस्त हैं। उनका बेटा, मेरे बेटे जैसा ही है। वेलकम। वेलकम!

मैं फ्रॉस्वा हूं! तुम्हारे बाप जैसा।

यानी आपको पापा का मैसेज मिल गया। तब तो आपको यह भी पता चल गया होगा कि मैं फ्रांस क्यों आया हूं!

हां बेटे! पता तो चल गया है। और मैंने थोड़ा बहुत चेक भी किया है। पर मुझे अफसोस है कि मैं तुम्हारी ज्यादा मदद नहीं कर पाऊंगा!

PARIS

ऐसा क्यों अंकल?

आप लोगों के पास तो रघुवंशी पर सारी जानकारी होगी!

थी! पर है नहीं! मैंने मैसेज मिलते ही रघुवंशी की फाइल चेक की थी। लेकिन न जाने कैसे कंप्यूटर पर से उस केस की पूरी फाइल गायब हो चुकी है।

हमारे क्राइम-रजिस्टर में से भी उस केस के पन्ने किसी ने फाड़ लिए हैं!

FILE 19E62
DELETED

ओह! किसका हो सकता है यह काम?

FILE 19E62
DELETED

कहना मुश्किल है। पर हम पूरी जांच करवा रहे हैं। वैसे पच्चीस साल पहले मैं भी ल्योन में ही था। मुझे इतना जरूर याद है कि रघुवंशी ल्योन की एक एस्टेट में रहता था और वहीं पर उसने एक पुलिस वाले की नृशंस हत्या कर दी थी!
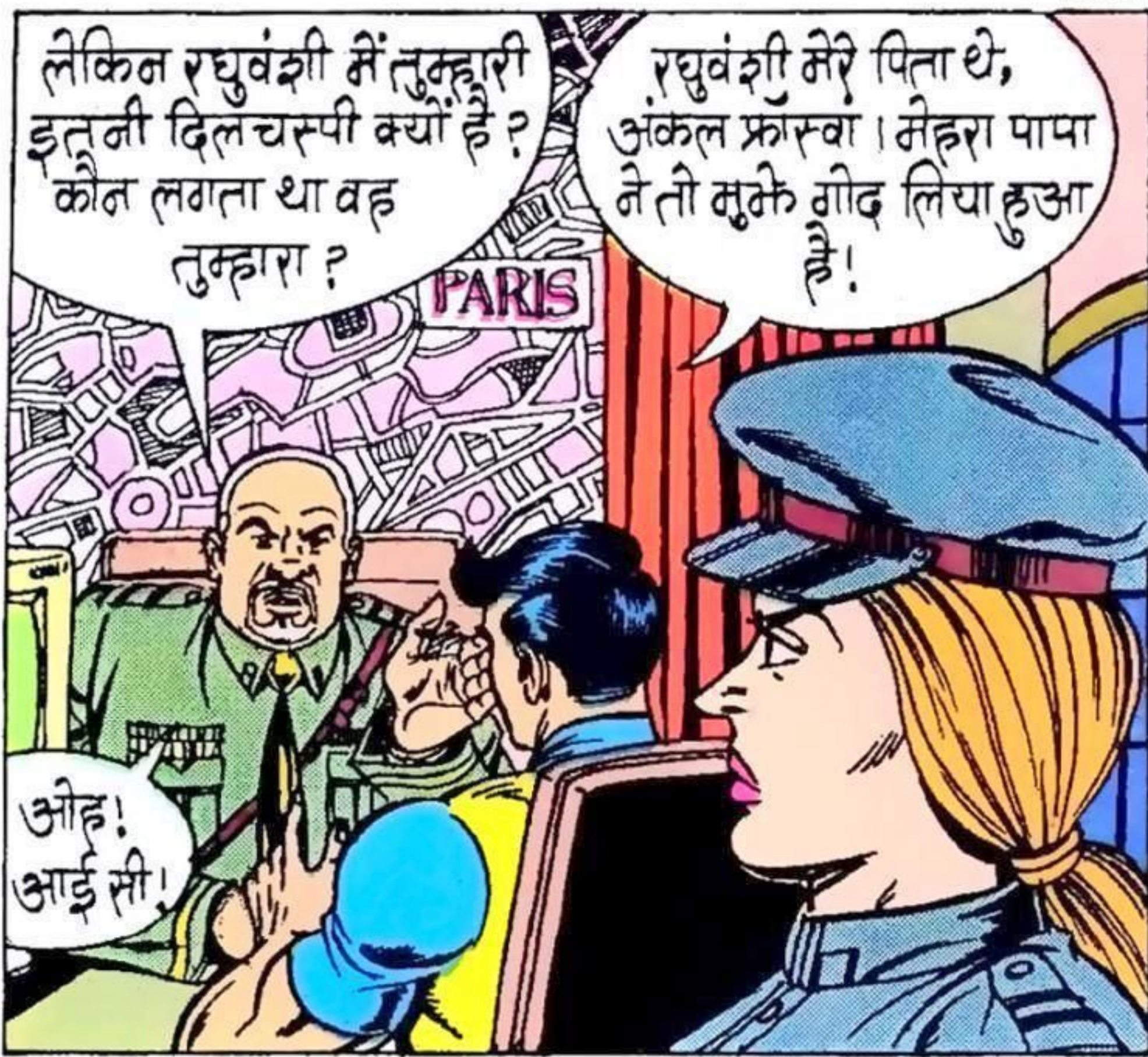
लेकिन रघुवंशी में तुम्हारी इतनी दिलचस्पी क्यों है ? कौन लगता था वह तुम्हारा ?
रघुवंशी मेरे पिता थे, अंकल फ्रांस्वा। मेहरा पापा ने तो मुझे गोद लिया हुआ है!
PARIS
ओह! आई सी।
अगर तुम यहां पर अपने पिता को निर्दोष साबित करने आए हो तो इसका ख्याल छोड़ दो! उसके खिलाफ सुबूत काफी पक्के थे!
बाकी मैं ल्योन में रघुवंशी की एस्टेट को ढूंढ़ने की कोशिश कर रहा हूं। यह काम मुश्किल इसलिए है, क्योंकि वह इलाका ऐसी एस्टेटों से भरा हुआ है!
इसमें न जाने कितने दिन लग जाएं!
तब तक तुम यहां पर रुककर क्या करोगे? मेरे ख्याल से तो तुम भारत वापस जाकर हमारे मैसेज का इन्तजार करो!
मैं बिना जवाब लिए यहां से वापस नहीं जाऊंगा। या तो मैं अपने पिता को निर्दोष साबित करूंगा और या उनके हत्यारा होने का कारण जानूंगा... चाहे इसमें आप मेरी मदद करें या न करें!
ऐसा क्यों सोचते हो बेटे? अगर तुम्हारा इरादा पक्का है तो मैं हर कदम पर तुम्हारे साथ हूं!
थैंक्यू अंकल! मैं एक-दो दिनों तक रिट्ज होटल में ठहरता हूं!
अगर आपको रघुवंशी का पता या उस केस के बारे में कोई भी जानकारी मिले तो मुझे वहीं पर संपर्क कर लें!
ओ० के० ध्रुव!
इसी वक्त- पेरिस में कहीं-
ओह! यानी ध्रुव पेरिस में है। और हमको भी अपना काम आज रात पेरिस में ही करना है। अगर कहीं कुछ रुकावट आई तो...
रुकावट नहीं आएगी जिगसा!
उधर आप अपना काम कीजिए, इधर मैं ध्रुव का काम तमाम करता हूं!...
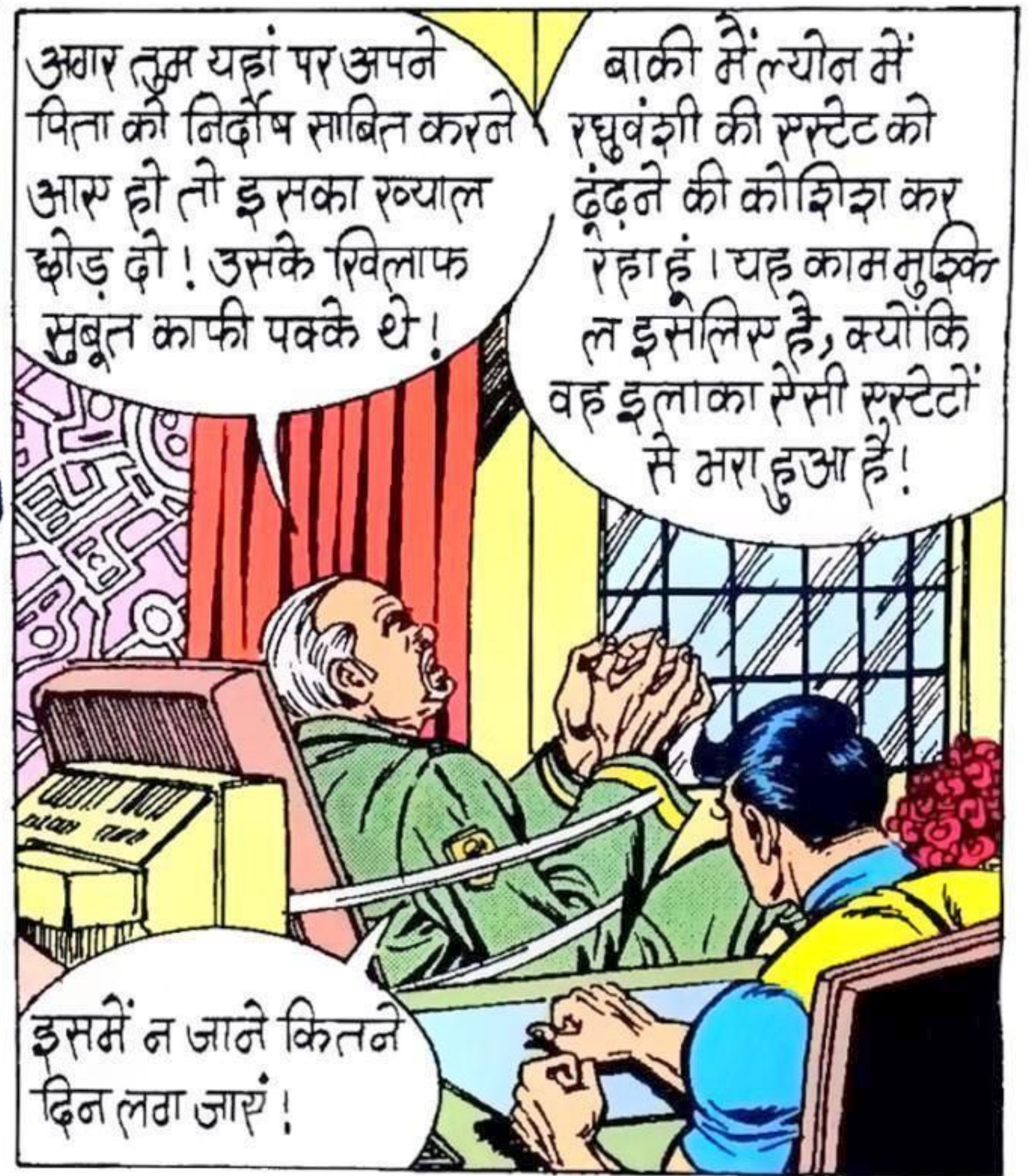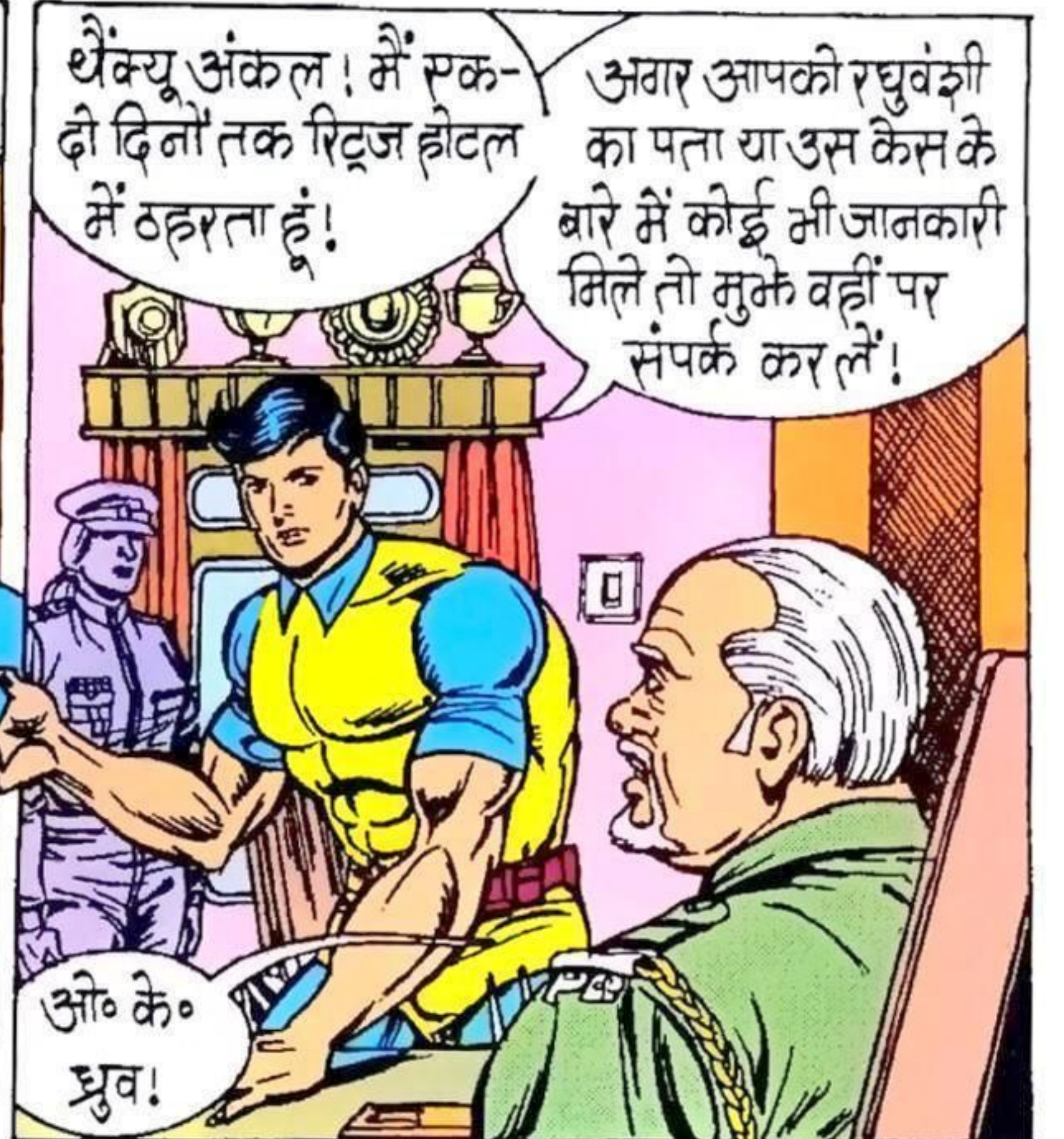
... ध्रुव 'बुल्स आई' और 'बीयर्ड' के हमले से बच गया। यानी वह गोला-बारूद और जहरीली मक्खियों जैसे जैविक हथियारों से निपट सकता है। हमने उसको प्लेन में ही मार देने की स्कीम बनाई, लेकिन वह स्कीम भी उसने विफल कर दी!★...

... अब हमको इन सबसे हटकर योजना बनानी होगी। और वह योजना मैंने बना ली है।... आज रात ध्रुव की मुलाकात अपनी मौत से होगी!

और उस शाम- ध्रुव के पास फिर एक सूचना आई-

आपके लिए कोई एक लैटर छोड़ गया है, सर!

ओह! यह सन्देश मेरे लिए मेरा एकमात्र क्लू भी हो सकता है, और मुझे फंसाने के लिए चारा भी! पर कुछ भी हो, मुझे इस पते पर जाना तो होगा ही!

अगर रघुवंशी के बारे में जानना चाहते हो तो 'रॉन्देवू डेन' केवियर स्ट्रीट पर आकर क्रशर से मिलो!

COME TO RENDEZVOUS DEN (CAVIER STREET) AND ASK FOR CRUSHER IF YOU WANT TO KNOW ABOUT RAGHUVAN

'रॉन्देवू डेन'। एक ऐसी जगह जहां पर कई 'फाइटिंग कैरियर' बनते थे, और कई जिन्दगियां मिटती थीं-

और इस जिन्दगी और मौत के संघर्ष पर लाखों फ्रैंक का सट्टा लगता था। आज भी 'रॉन्देवू डेन' में हड्डियों के चटकने की आवाजें गूंज रही थीं-

★ यह सब जानने के लिए पढ़ें: 'खूनी खानदान'
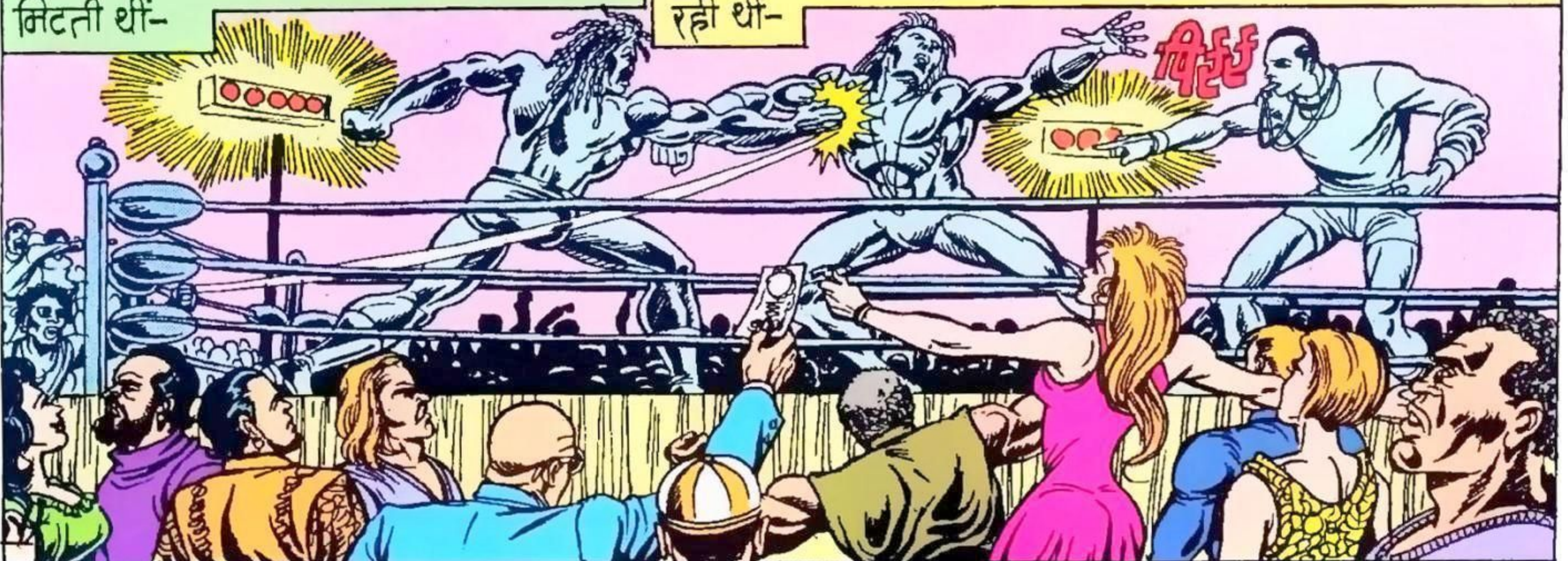
और आज भी इस लड़ाई का फैसला मौत से ही होना था-

ये तो गया! खैर हर फाइटर से हम इस बात का फार्म तो भरवा ही लेते हैं कि हम इस हादसे के जिम्मेदार न माने जाएं!
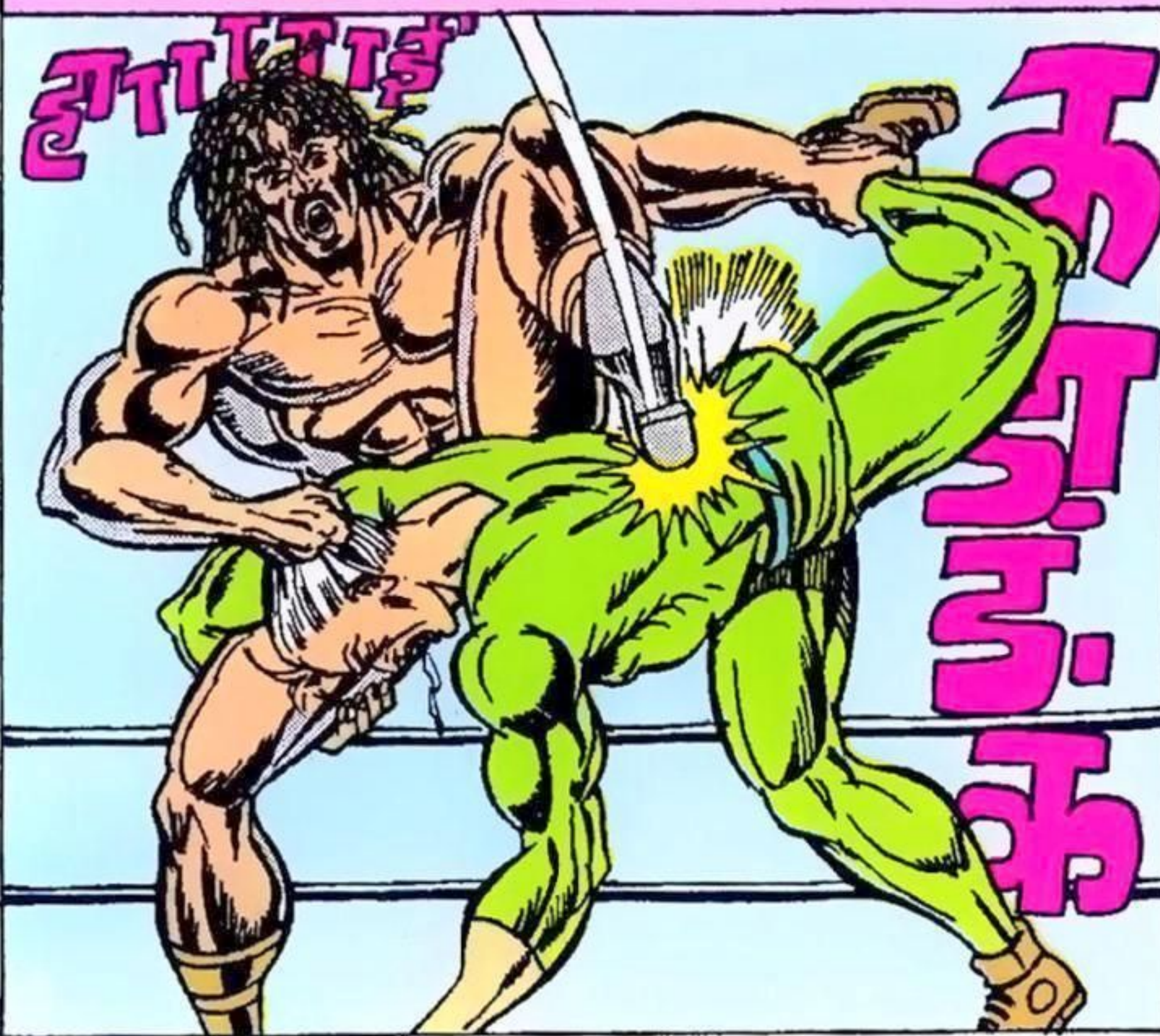
विनर इज।... क्रशर! 106 वीं जीत! और कोई हार नहीं!

आज दर्शकों में एक खास दर्शक भी मौजूद था-

क्रशर, मुझे तुमसे कुछ जरूरी बात करनी है। जरा नीचे आ जाओ!
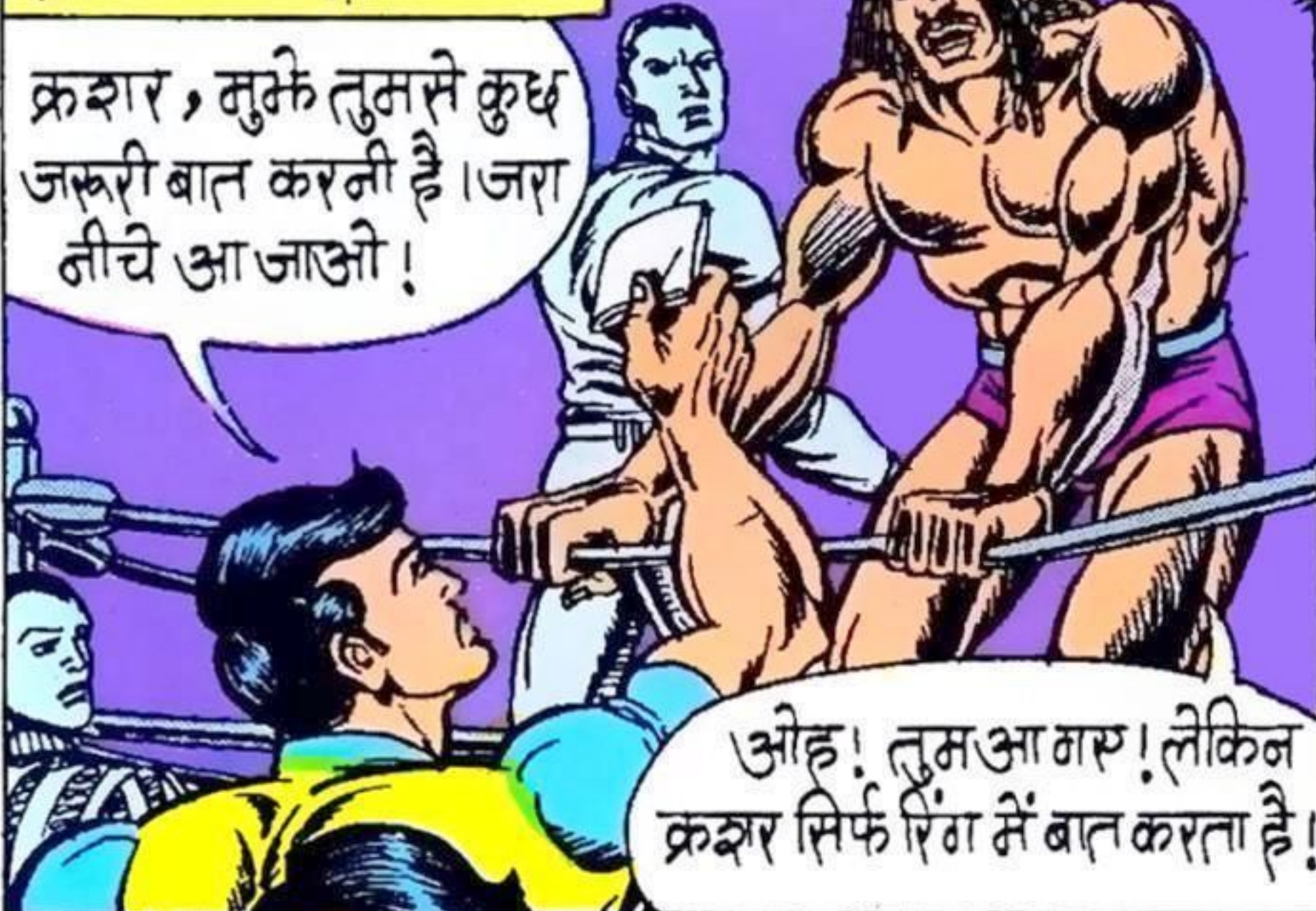
ओह! तुम आ गए! लेकिन क्रशर सिर्फ रिंग में बात करता है!

मतलब?

ध्रुव के रिंग में चढ़ते ही सन्नाटा छा गया-

सब समझ रहे थे कि कोई नया फाइटर रिंग में आ गया है-

ये मैसेज तुमने भेजा था?

यही समझ लो!
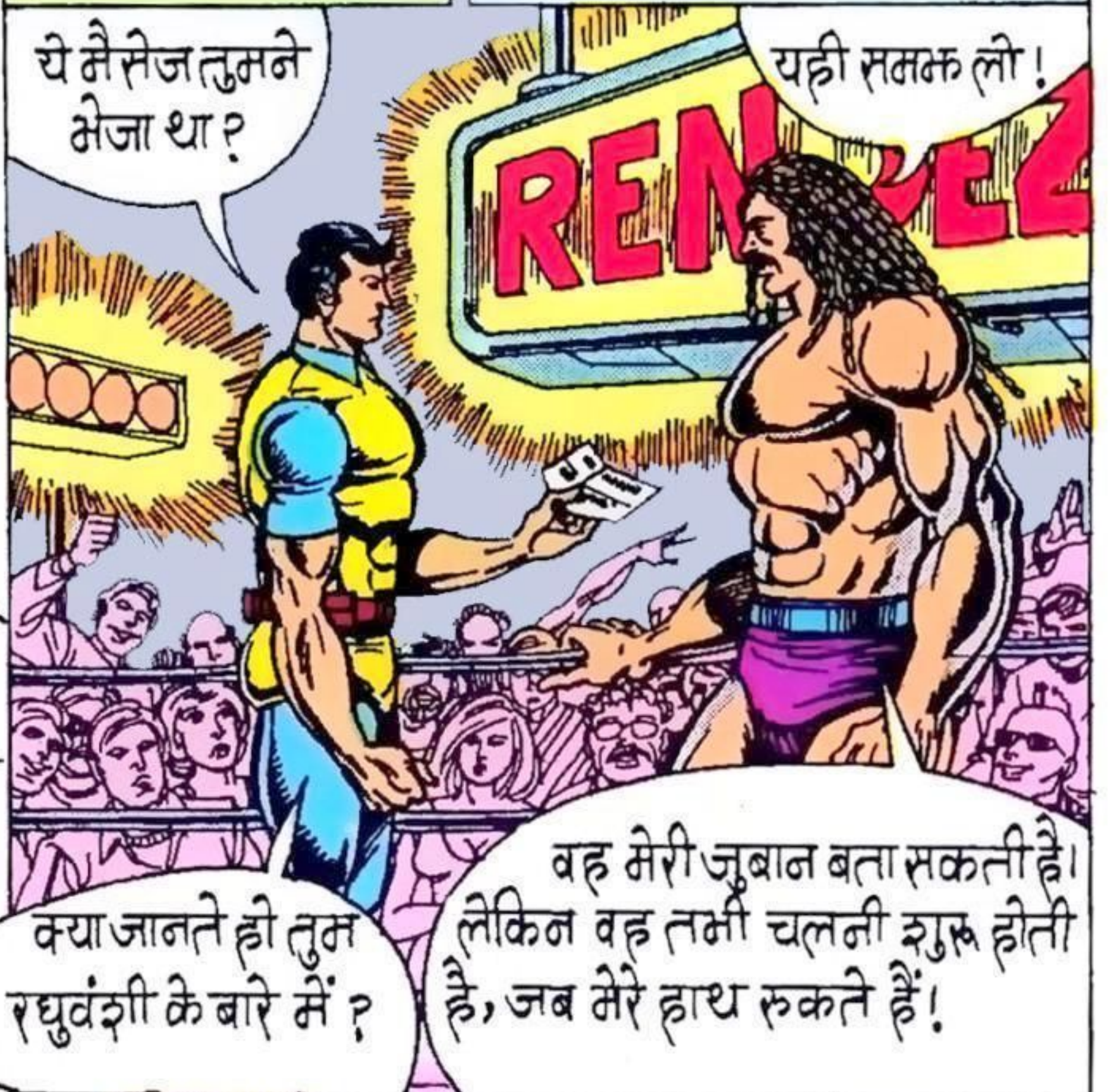
क्या जानते हो तुम रघुवंशी के बारे में?

वह मेरी जुबान बता सकती है। लेकिन वह तभी चलनी शुरू होती है, जब मेरे हाथ रुकते हैं!

फाइट मी! अगर तुमने मुझे हरा दिया, तो तुम वह सब-कुछ जान सकोगे जो तुम जानना चाहते हो...
...अगर नहीं, तो भारत वापस लौट जाओगे!

ओह! तो ये है दुश्मन की चाल! इस चाल की तारीफ तो मुझको भी करनी पड़ेगी। क्योंकि अब मैं इस क्रशर से लड़ने पर बाध्य हो गया हूं। यही मेरा एकमात्र सूत्र है!

और अगर इसने मुझे रिंग में खत्म कर दिया तो दुश्मनों का काम भी हो जाएगा, और इस पर कोई केस भी नहीं बनेगा!

इस फॉर्म पर दस्तखत कर दीजिए मिस्टर ध्रुव!

यह दृश्य देखकर किसी के होठों पर मुस्कान खेल गई–

हा हा हा! सुपर कमांडो ध्रुव, तू अपने मौत के परवाने पर दस्तखत कर रहा है।

रेफरी की सीटी बजी–

पिर्र्र

और फाइट शुरू हो गई–

मुझे कोई भी वार करने से पहले इसकी फाइटिंग-स्टाइल समझनी होगी।

ताकि ये...
आऽऽऽह !
ध्रुव ने किक का वार तो बचा लिया, लेकिन अपनी तरफ बढ़ते घूंसे को वह नहीं देख पाया–
वार जोरदार था–

इस बार ध्रुव ने अपना ध्यान क्रशर के बढ़ते घूंसों पर रखा–
तड़ाक
और एक तेज किक उसके जबड़े से आ टकराई–

ओह! मैं समझ गया। क्रशर, 'सवाटे' स्टाइल से लड़ता है। एक पुरानी फ्रेंच फाइटिंग स्टाइल, जिसमें घूंसों और किकों का बराबर मात्रा में इस्तेमाल किया जाता है। ...

...और इस स्टाइल का काट मुझे नहीं आता!
ध्रुव की किक तो जोरदार थी–
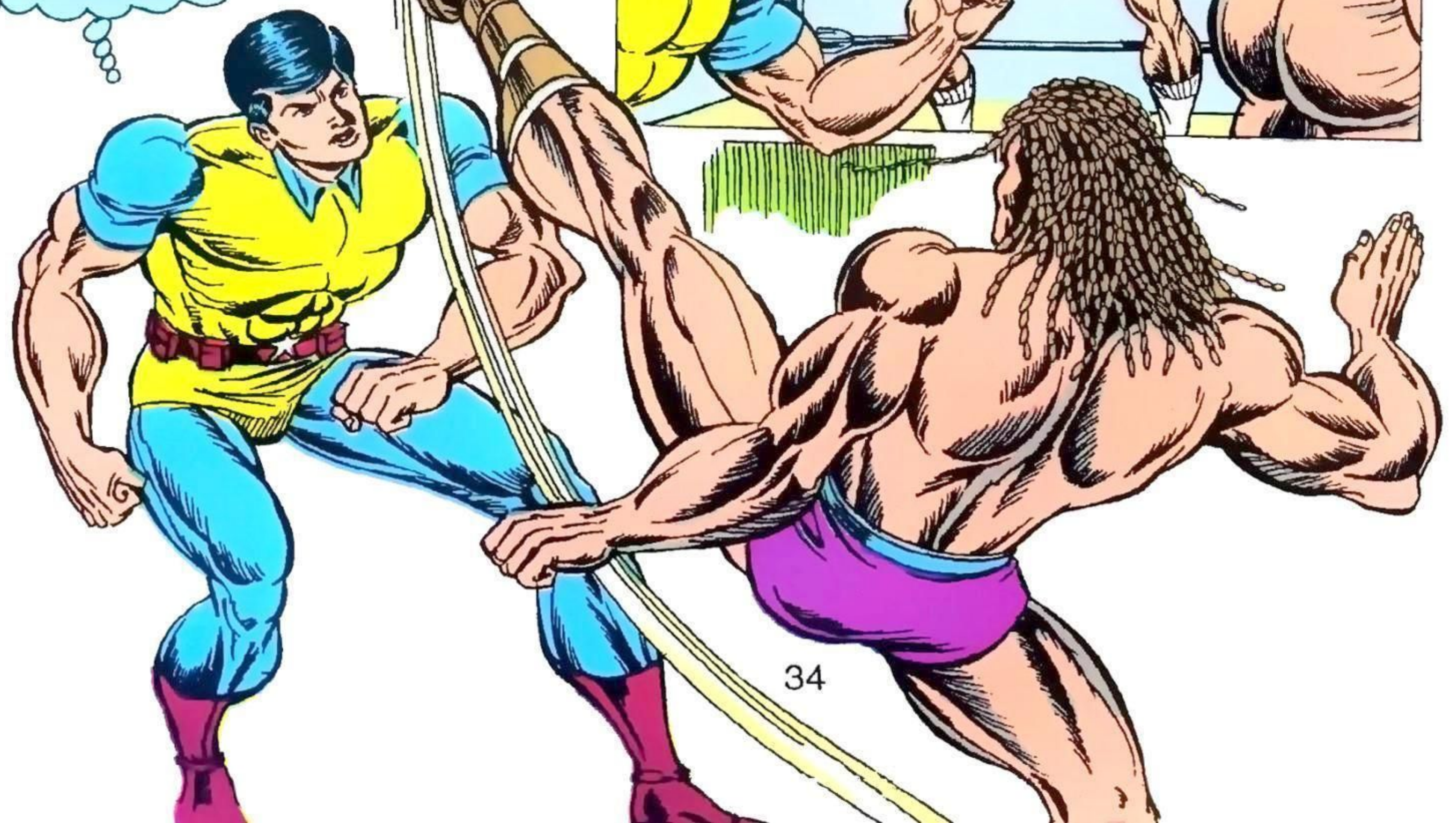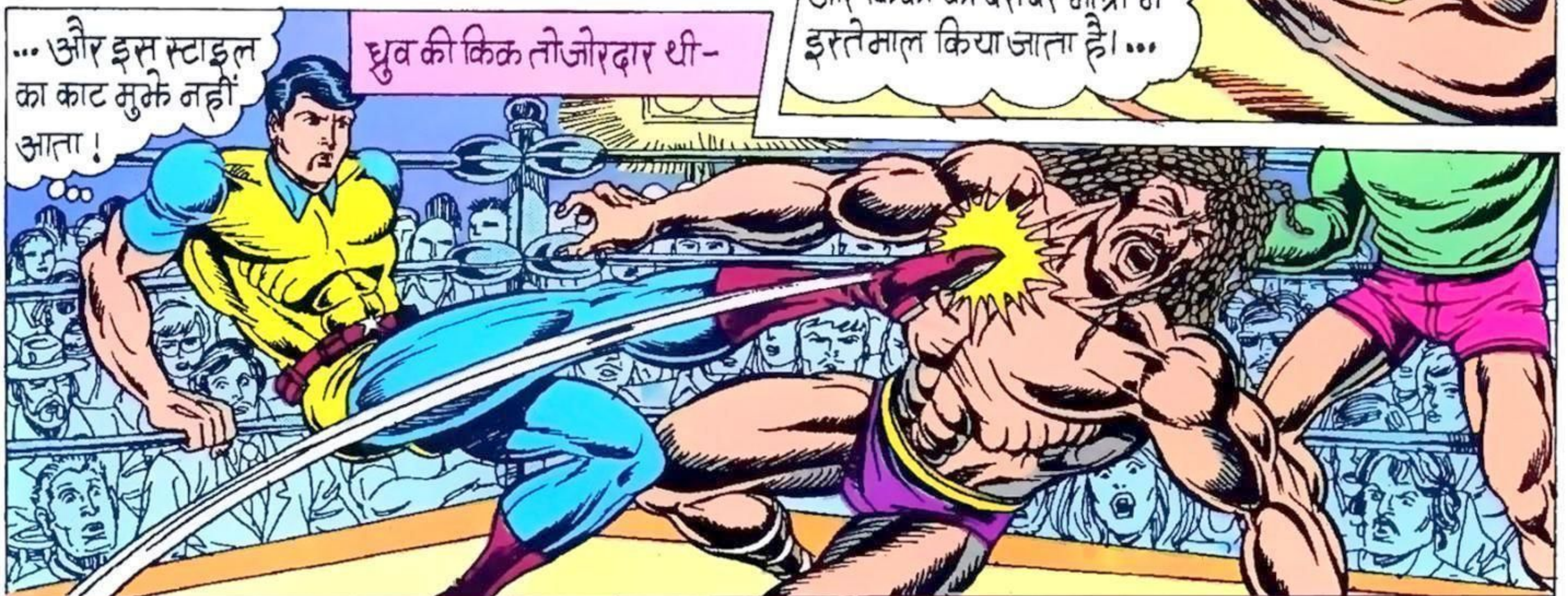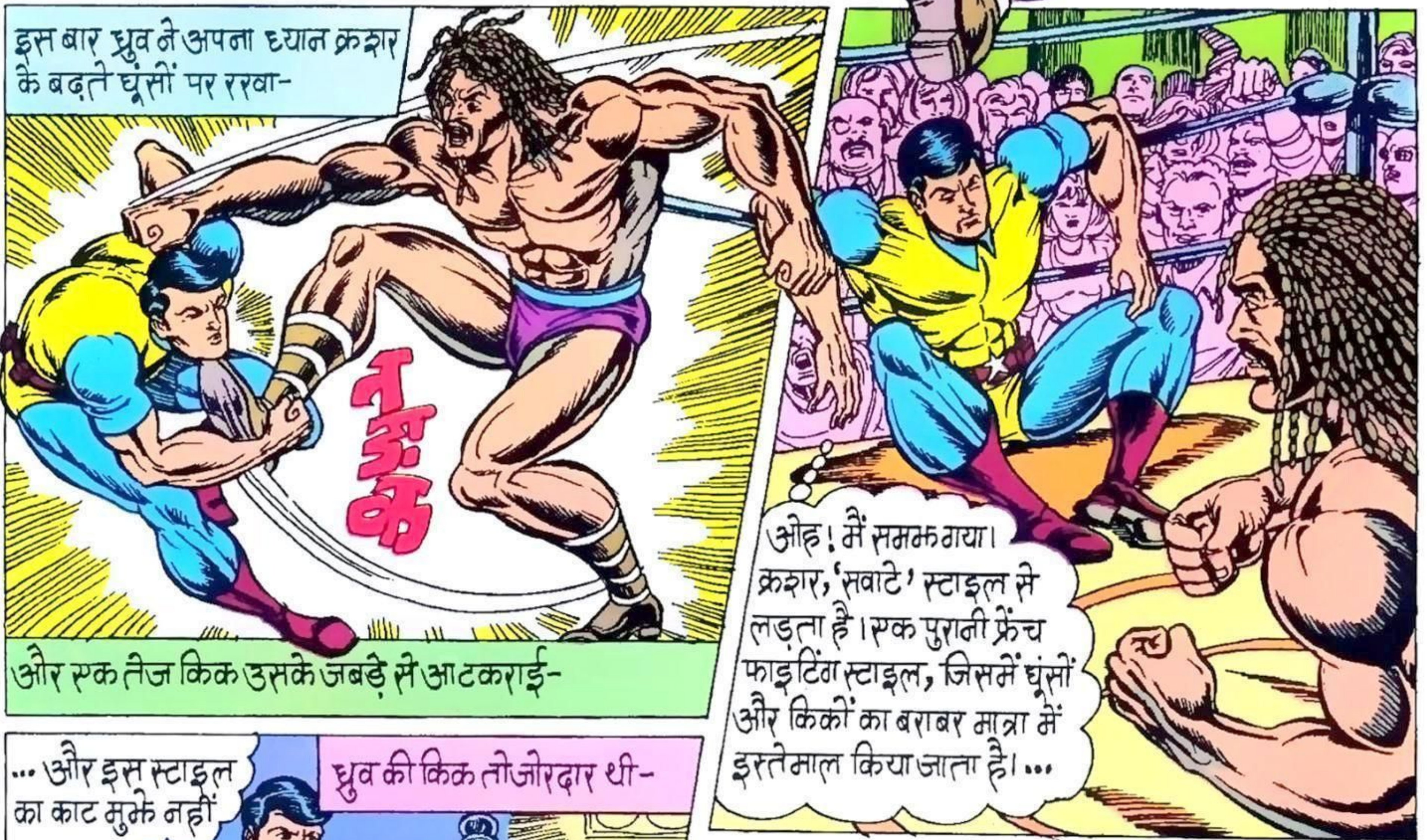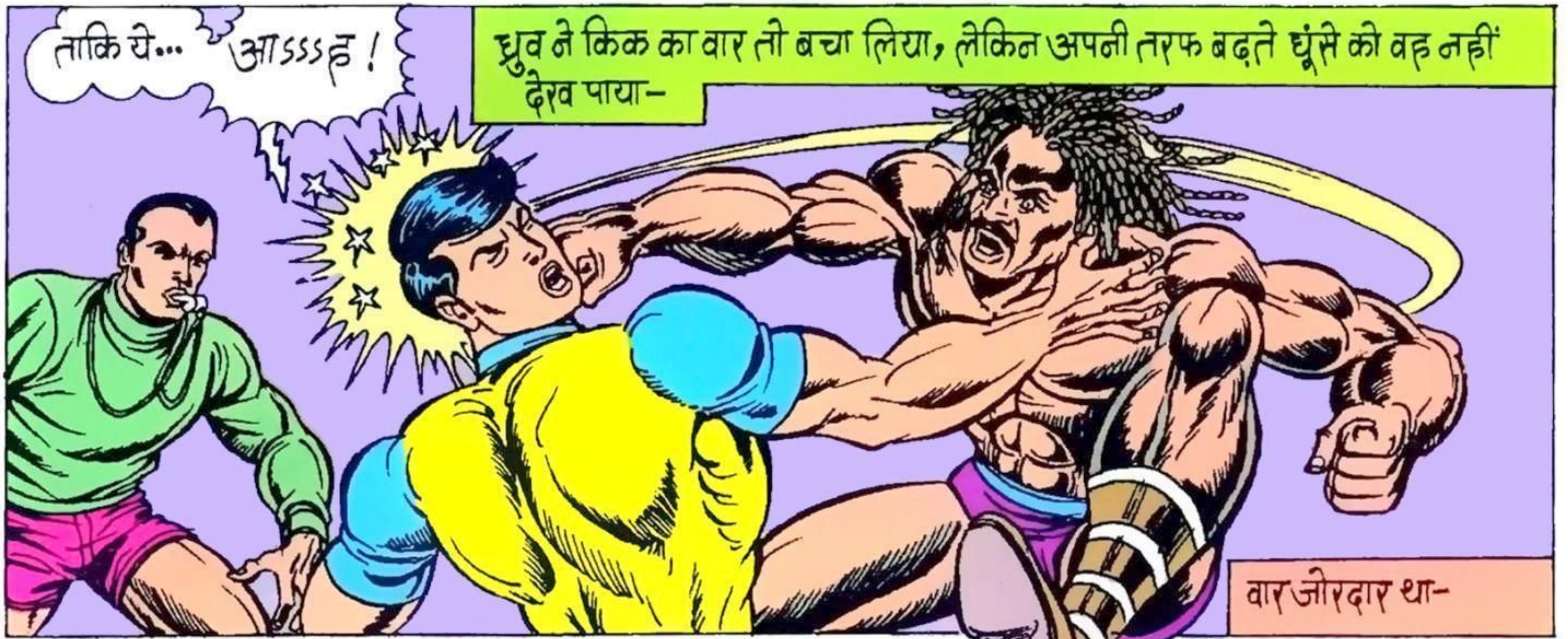
लेकिन इससे पहले कि उसका पैर दूसरा वार करने के लिए हवा में लहरा पाता–

कड़कक

क्रशर की लात हवा में लहरा उठी। और ध्रुव को ऐसा लगा, मानो किसी ने उसकी गर्दन को धड़ से अलग कर दिया है–

और उसके बाद ध्रुव के शरीर पर वार, घन की तरह लगातार बरसने लगे–

आऽऽह

इतना सबक तेरे लिए काफी होना चाहिए हिन्दुस्तानी कीड़े...

...जा, टांगों के बीच में दुम दबाकर हिन्दुस्तान वापस लौट जा। अपने कातिल बाप का अतीत जानने का ख्वाब छोड़ दे...

वर्ना तेरे शरीर का सारा हिन्दुस्तानी खून इसी रिंग में बहा...

...ओह! तू फिर से खड़ा हो रहा है। लड़ेगा मुझसे? तो फिर आ! मरने वाले की आखिरी इच्छा हम जरूर पूरी करते हैं!

बहुत हो गया, क्रशर! मैं न तो तेरी तरह क्रूर हूं, और न ही पेशेवर फाइटर!...

...लेकिन कसम है मुझे अपनी रगों में बहते हिन्दुस्तानी खून की! अब अगर तू मेरे बदन को अपने हाथों से छू भी सका, तो मैं हिन्दुस्तान लौट जाऊंगा!

ऐसा है तो... लेSSSSSSSSS

तड़ाक

ध्रुव का शरीर, अब ज्यादातर समय हवा में ही बिता रहा था–

और क्रशर के बढ़ते हाथ ध्रुव के शरीर के बजाए, उसके शरीर को छूकर आती हवा की ही टटोल पा रहे थे–

खटाक

अब क्रशर की लग रहा था मानो उसका पूरा शरीर पत्थर तोड़ने वाली मशीन से कई बार गुजर कर निकला हो–

और आखिरकार - क्रशर की सहन-शक्ति भी उसका साथ छोड़ गई-

और उसकी टांगों की शक्ति भी-

कुछ पलों तक तो चारों तरफ घनघोर सन्नाटा छाया रहा-

और फिर एक कड़कदार आवाज गूंजी-

सात्रे की आवाज-

स्वाटे बैंड! आकर खत्म कर दो इस छोकरे को!

EXIT

किसी अनहोनी की आशंका से पूरे हॉल में लोगों का बाहर की तरफ भागना शुरू हो गया था-

जब तक ध्रुव की कुछ समझ में आ पाता-

तब तक वह चारों तरफ से घिर चुका था-

शेर का शिकार करने के लिए जंगली कुत्तों की टोली आ गई थी-

और उन्होंने हमला शुरू कर दिया था-

ओह! मुझे घेरकर मारने का प्लान है।...

...और ये प्लान उसी आदमी ने बनाया होगा, जिसने स्वाटे बैंड को बुलाया है।...

...शायद ये कामयाब भी हो जाएं। क्योंकि क्रशर से हुई लड़ाई ने मुझे बुरी तरह से थका दिया है।...

...मुझे लड़ने के लिए रिंग से बाहर निकलकर खुली जगह पर जाना होगा!

सवाटे बैंड आसानी से ध्रुव का पीछा छोड़ने वाला नहीं था–

तड़ाक

और ध्रुव भी इतनी आसानी से सवाटे बैंड के अपनी जान लेने के इरादे को कामयाब होने नहीं दे रहा था–

धड़ाक

तड़ाक

ताड़

लेकिन हमलावरों की तादाद ज्यादा थी। और ध्रुव पर कमजोरी धीरे-धीरे हावी हो रही थी–

तड़ाक
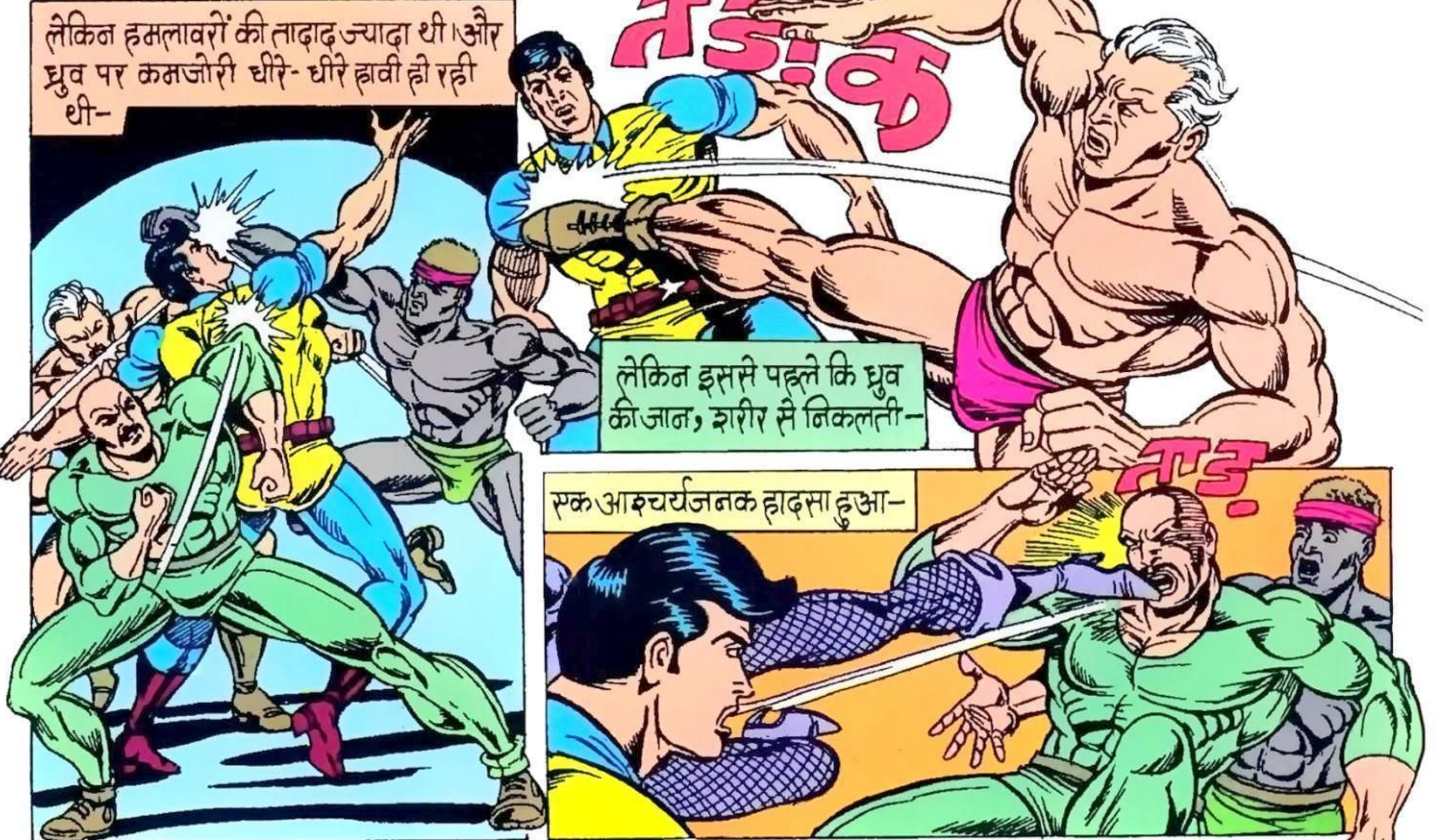
लेकिन इससे पहले कि ध्रुव की जान, शरीर से निकलती–

एक आश्चर्यजनक हादसा हुआ–

ताड़

सवाटे बैंड पर कोई और बिजली बनकर टूट पड़ा था-

या यूं कहिए कि टूट पड़ी थी-

धड़ाक

ताड़.

अरे! यह कौन लड़की यहां पर ध्रुव की मदद करने के लिए आ गई?
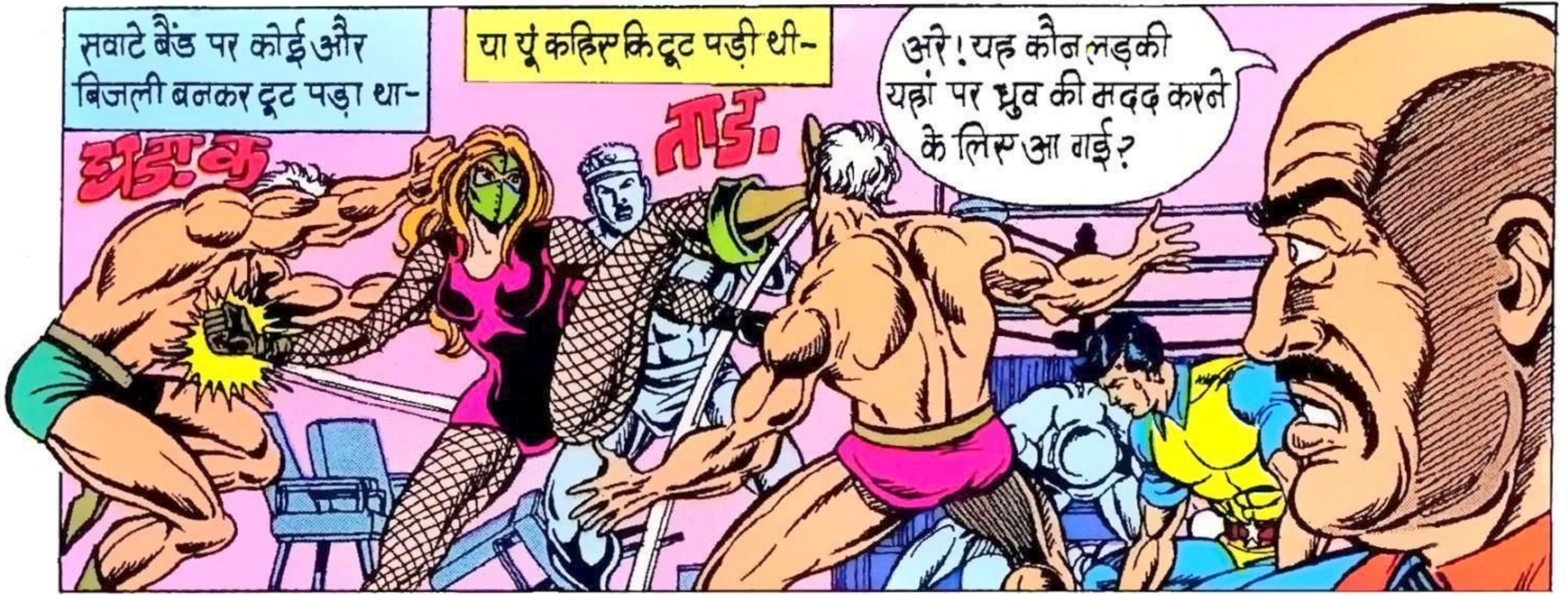
ध्रुव, खुद भी चकित था-

फ्रांस में मेरा मददगार कहां से पैदा हो गया? यह लड़की भी सवाटे की एक्सपर्ट लगती है!

... खैर, जो भी हो! इस व्यवधान ने मुझे संभलने का इतना मौका जरूर दे दिया है...

...कि अब मैं खुद भी सवाटे बैंड से निपट सकता हूं।

तड़ाक
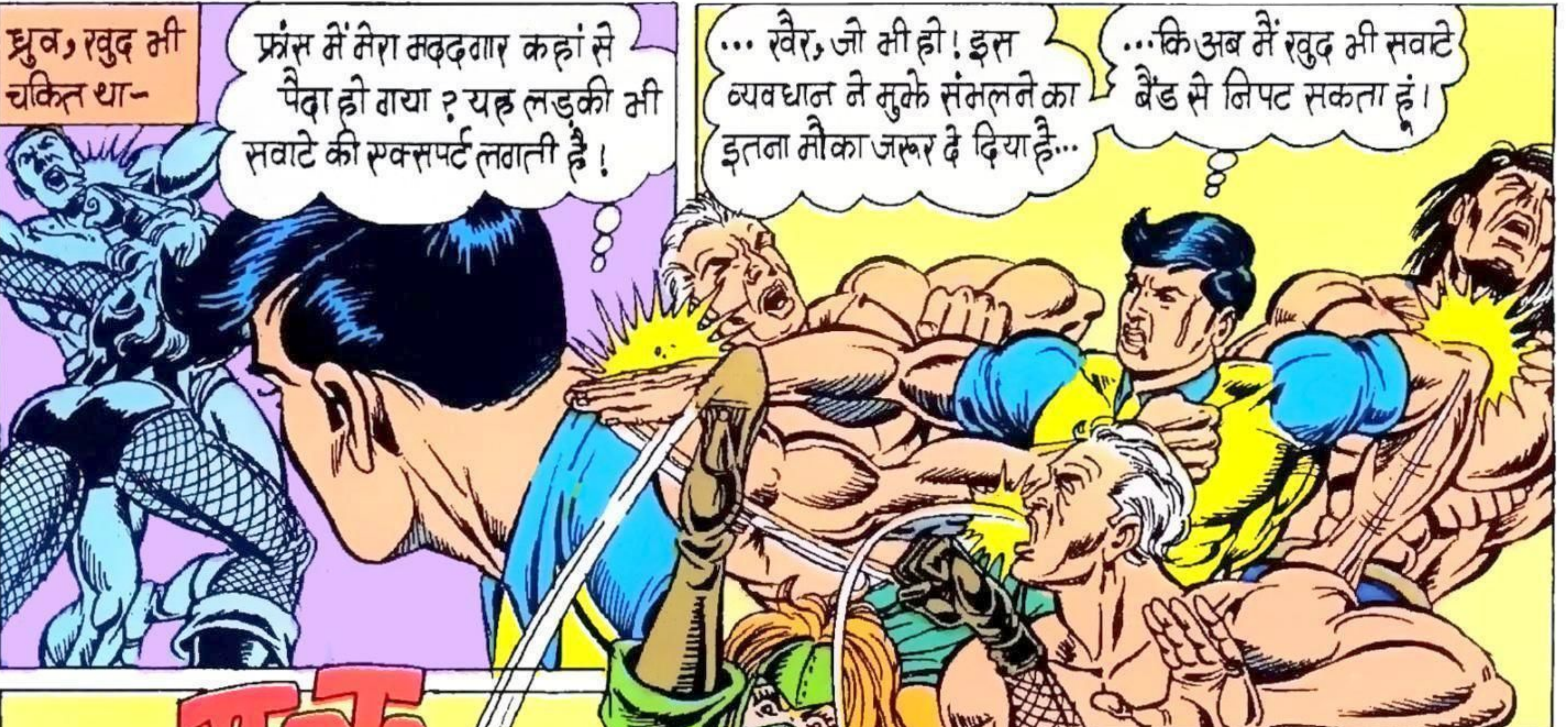
ये प्लान भी टांय-टांय फिस्स हो गया लगता है। फिलहाल तो यहां से निकल लेना चाहिए।
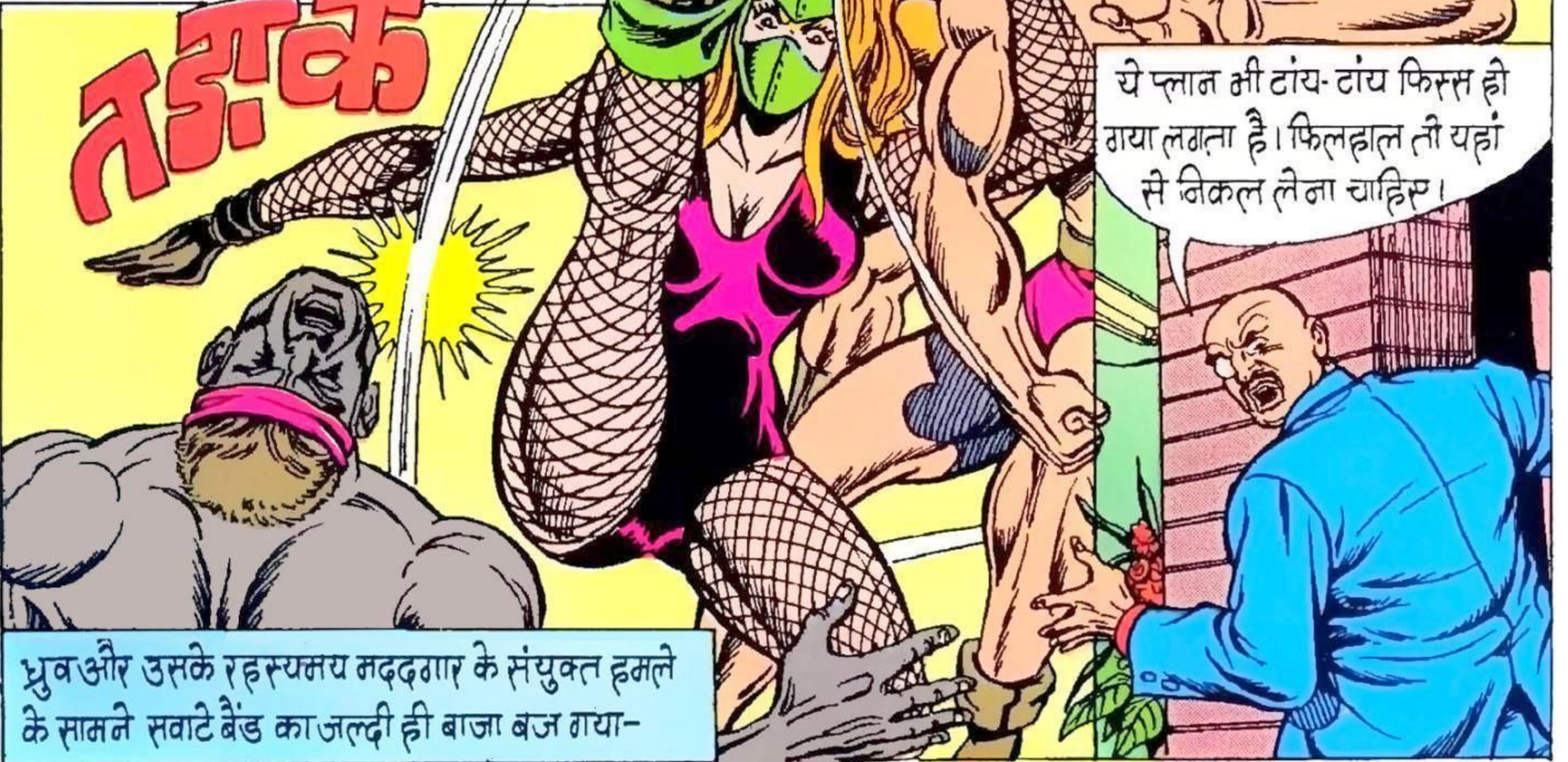
ध्रुव और उसके रहस्यमय मददगार के संयुक्त हमले के सामने सवाटे बैंड का जल्दी ही बाजा बज गया-

पूरी लड़ाई के दौरान, ध्रुव की नजरें, सात्रे पर ही जमी हुई थीं-

ओह! इस षड्यंत्र का सूत्रधार तो दुम दबाकर भाग रहा है। और अगर ये भाग गया तो फिर कुछ जान पाने का एक और रास्ता हाथ से निकल जाएगा!

ध्रुव, सात्रे के पीछे लपका-

लेकिन सात्रे तक पहुंच नहीं पाया-

तड़ाक

ओह! यह क्या? तुमने मुझ पर हमला क्यों किया? मैं तो समझ रहा था कि तुम मेरे साथ हो!

तुम गलत समझ रहे थे। मैंने 'सवाट बैंड' को सिर्फ इसलिए पीटा क्योंकि वे तुम्हारी जान लेने जा रहे थे।...

...और मैं तुम्हारी जान किसी और को लेने नहीं दे सकती!...

...क्योंकि तुम्हारी जान पर मेरा हक है! सिर्फ मेरा!

तड़

ओह! तुमने तो एक नया रहस्य खड़ा कर दिया। खैर हम अपना झगड़ा बाद में भी निपटा सकते हैं।...

...फिलहाल मुझे उस मोटे के पीछे जाना है। वर्ना दूसरा मौका मुझे न जाने कब मिलेगा!

दूसरे मौके की तो तुमको जरूरत ही नहीं पड़ेगी। क्योंकि मैं तुमको अभी और यहीं पर खत्म कर दूंगी!

ओह! वह तो निकल गया। और यह खबर न तो मेरे लिए अच्छी है, और न ही तुम्हारे लिए!

क्योंकि अब तुम मेरा एकमात्र सूत्र बन गई हो। वैसे भी मैं यह जानना चाहता हूं...

तड़ंक

...कि तुम्हारा मुझ पर हमला करने का क्या कारण है?

वैसे तो यह मैं तुझे तभी बताती, जब तेरी जिन्दगी के सिर्फ चंद पल बचे होते। लेकिन अभी बताने में भी कोई हर्ज नहीं है, क्योंकि तेरी जिन्दगी चंद पलों में न सही, चंद मिनटों में खत्म हो जाएगी...

...सुन! तेरे हत्यारे बाप रघुवंशी ने दोस्ती की आड़ में एक पुलिस इंस्पेक्टर को अपने घर ले जाकर उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे।...

...और वह भी सिर्फ इसलिए क्योंकि वह इंस्पेक्टर जान गया था कि रघुवंशी का असली धंधा सरकारी लैबोरेट्रियों से तकनीकों को उड़ाना...

...और फिर उनको दुनिया भर के आतंकवादी संगठनों के हाथों में बेचना था!

उस दिन रघुवंशी ने इंस्पेक्टर का खून तो जमीन पर बहा दिया, पर वह यह नहीं जानता था कि बहने से पहले वह खून मेरी रगों में दौड़ना शुरू हो गया था। वह इंस्पेक्टर मेरे पिता थे, और उस वक्त मैं अपनी मां की कोख में थी...

...बरसों तक मां ने यह राज मुझसे छिपाए रखा। पर मरने से पहले वह मुझे सब-कुछ बता गई... तुम्हारा मक्कार बाप रघुवंशी मेरे पिता का गहरा दोस्त था। उस दिन जब पिताजी को रिपोर्ट मिली कि रघुवंशी की स्टेट में चुराई गई तकनीकों को बेचा गया है...

CARGO

...तो उन्होंने रघुवंशी को हमारे घर पर बुलाकर इस बारे में पूछताछ की। रघुवंशी ने इन सब बातों से अंजान होने का नाटक किया, और पिताजी को अपनी स्टेट की तलाशी लेने को आमंत्रित किया।

दोस्त पर विश्वास करके पिताजी अकेले ही तलाशी लेने गए... और फिर वे कभी वापस नहीं आए।

टुकड़ों-टुकड़ों में उनकी लाश वापस आई!

तड़ाक

यह कहानी जानने के बाद मैंने पागलों की तरह रघुवंशी को ढूंढा! पर वह लापता हो चुका था। उसके खून से अपने दिल की आग बुझाने की हसरत मेरे दिल में ही रह गई...

...और फिर तेरे आने से यह पता चला कि श्याम नाम का बहुरूपिया रघुवंशी मर चुका है... लेकिन वह बलि चढ़ाने के लिए तुझे छोड़ गया। और इसलिए मैं आज तुझे नर्क में भेजकर अपने पिता की श्रद्धांजलि दूंगी और अपने दिल की आग बुझाऊंगी!

ओह! अगर तुम इतना कुछ जानती हो तो रघुवंशी का पता भी जरूर जानती होगी।

और बगैर वह पता जाने मैं तुमको यहां से भागने नहीं दूंगा!

तू भूल रहा है ध्रुव कि मैं यहां पर भागने के लिए नहीं आई। भागने तो मैं तुझे नहीं दूंगी।

मैं ज्यादा देर तक इससे लड़ नहीं पाऊंगा। क्योंकि मैं थकान महसूस कर रहा हूं। इसको काबू में करने का कोई न कोई रास्ता जल्दी ही निकालना होगा।

लेकिन ध्रुव को रास्ता निकालने की जरूरत नहीं पड़ी-

ओह! यह क्या?

पीं पीं पीं पीं पीं पीं पीं

यह 'पेजर' का सिग्नल है। इसके दस्ताने में कोई 'पेजर' रखा हुआ है।

उस लड़की ने पेजर पर मैसेज पढ़ा-

ओह!

और उसकी नजरों में परेशानी तैरने लगी-

और अगले ही पल वह बाहर की तरफ भागी-

अचानक ऐसा क्या हो गया कि ये मेरी जान लेना भूलकर भाग रही है?

खैर, कुछ भी हो, ये अगर भाग गई तो फिर मुझे हाथ पर हाथ धरकर बैठना होगा!

लेकिन ध्रुव के उस तक पहुंच पाने से पहले ही वह एक मोटरसाइकल सवार से मोटर साइकल छीन चुकी थी-

बचाओ!

यह तो लगता है भागने में सफल हो जाएगी। क्योंकि मैं इसका पीछा... आह!..

...वह स्केटबोर्ड वाला बच्चा! इससे मेरा काम बन सकता है।

मैं तुम्हारा 'स्केटबोर्ड' ले जा रहा हूं बेटे!...

...तुम नया स्केट बोर्ड खरीद लेना!

REN DEZVO

तेज ट्रैफिक के बीच से लहराकर निकलते ध्रुव के दिमाग में विचारों की आंधियां चल रही थीं-

ध्रुव की टूटी-फूटी फ्रेंच भाषा तो उस बच्चे के पल्ले नहीं पड़ी, लेकिन नोटों की भाषा ने उसे सब समझा दिया-

इस लड़की को आखिर ऐसा कौन सा मैसेज मिल गया, जिसने इसे मुझे छोड़कर जाने पर बाध्य कर दिया?...

...और इससे भी बड़ा सवाल यह है कि इसे पता कैसे चला कि रघुवंशी का बेटा ध्रुव पेरिस में आया हुआ है?

मेरे और इसके बीच की दूरी बढ़ती जा रही है!

SUBWAY

स्केट बोर्ड की स्पीड, मोटरसाइकल की स्पीड का मुकाबला नहीं कर पा...

...अरे! ये धमाके कैसे?

धड़ाम

ध्रुव का ध्यान, एक पल के लिए धमाकों पर गया-

और उस एक पल में वह लड़की न जाने कौन से मोड़ से मुड़ गई थी-

अरे! वह लड़की तो न जाने कहां गायब हो गई है। वैसे भी धमाकों की आवाज से भगदड़ मच गई है।...

... अब उस लड़की को ढूंढ़ पाना असंभव है।

शायद उस लड़की के इधर आने और इन धमाकों में कुछ संबंध है। इन धमाकों का कारण मुझे जानना ही होगा।

इन धमाकों का केन्द्र थी, फ्रेंच सरकार की 'रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिफेंस लैब' की इमारत-

DEFENCE &

पीछे रहो! पीछे रहो! कोई पुलिस बैरियर पार करने की कोशिश न करे!

वेरा! यह सब क्या हो रहा है? ये धमाके कैसे हैं?

FIRE

POLICE

ध्रुव! तुम यहां पर कैसे? खैर! जल्दी से जल्दी यहां से निकल जाओ! 'जिगसा' नाम के एक खतरनाक अपराधी ने इस लैब में से एक नई तकनीक चुराने की कोशिश की है।...

...वह इस वक्त अन्दर ही है। बाहर निकलने की कोशिश में वह भयंकर गोला-बारी करेगा। जान जाने का खतरा है। तुम जाओ यहां से!

मैं उनको पकड़ने में तुम्हारी पुलिस की मदद कर सकता हूं वेरा! मुझे अन्दर जाने दो!

वहीं रुक जाओ, ध्रुव! कमिश्नर साहब के सख्त आदेश हैं कि किसी भी बाहरी व्यक्ति को बैरियर के पार न आने दिया जाए!

कहां हैं कमिश्नर साहब? मैं खुद उनसे बात करता हूं!

वे इस वक्त यहां पर नहीं हैं। और फ्रेंच पुलिस को तुम्हारी मदद की कोई जरूरत नहीं है!

मुझे अन्दर तो जाना ही होगा वेरा! मैं किसी की तलाश में यहां तक आया हूं।...

...और मुझे पूरा यकीन है कि वह इसी इमारत के आस-पास कहीं पर छुपी हुई है।

अगर तुम अन्दर जाने के लिए मजबूर हो तो मैं भी अपने फर्ज के कारण तुमको रोकने के लिए मजबूर हूं!...

...और इसके लिए मुझे सचमुच खेद है।

POLIC
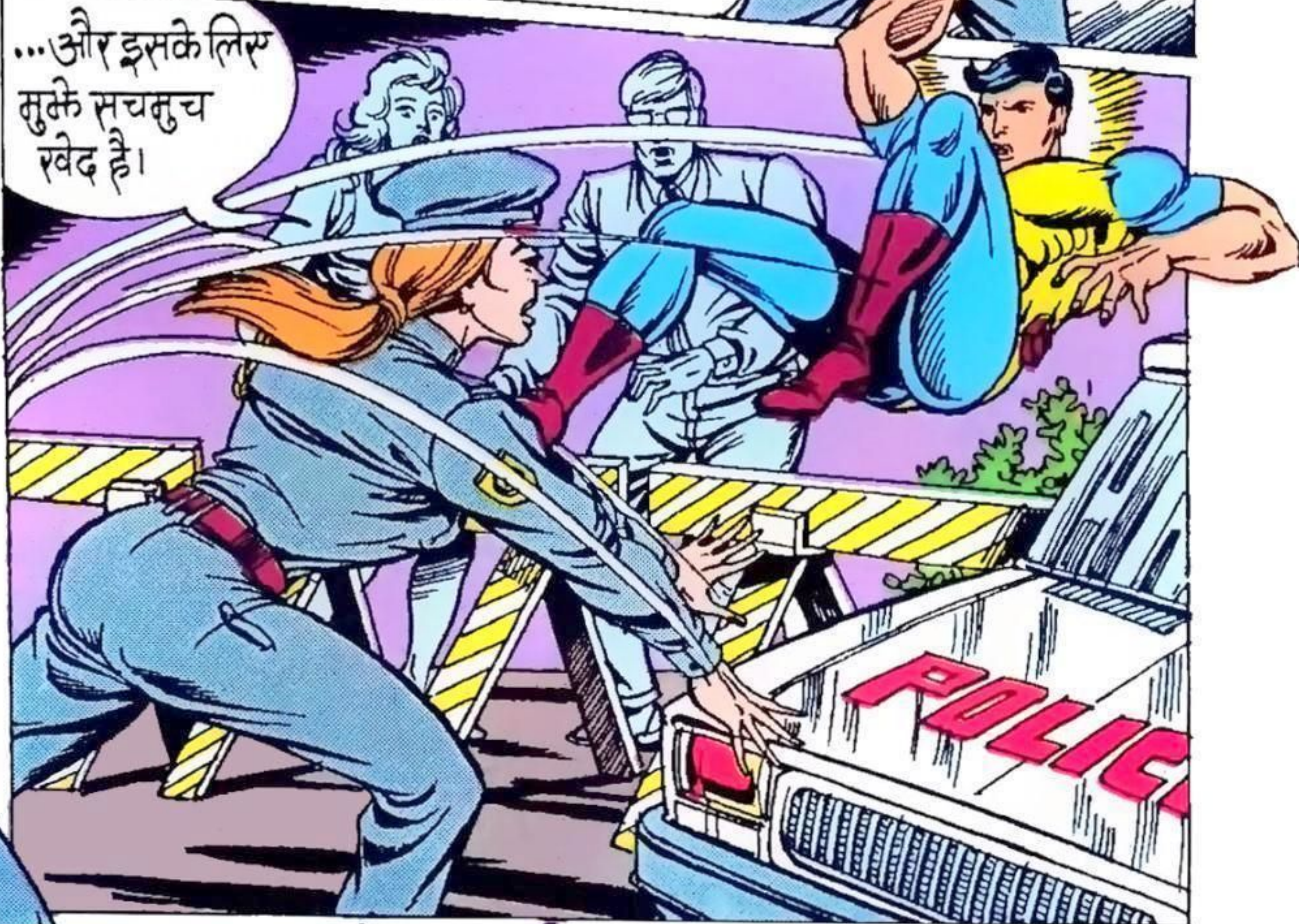
हवा में उड़ता हुआ ध्रुव का शरीर बैरियर के पार जाकर गिरा—

लेकिन इससे पहले कि ध्रुव जमीन से उठकर कुछ और कर पाता–

अरे! यह तो वही मोटरसाइकल है, जिस पर वह लड़की...

उसकी नजर बगल में खड़ी मोटरसाइकल पर पड़ी–

तभी उसकी नजर पड़ी इमारत की छत से बंधे उड़ रहे गुब्बारे पर। जो रस्सी टूट जाने के कारण हवा में उड़ता हुआ दूर जा रहा था–
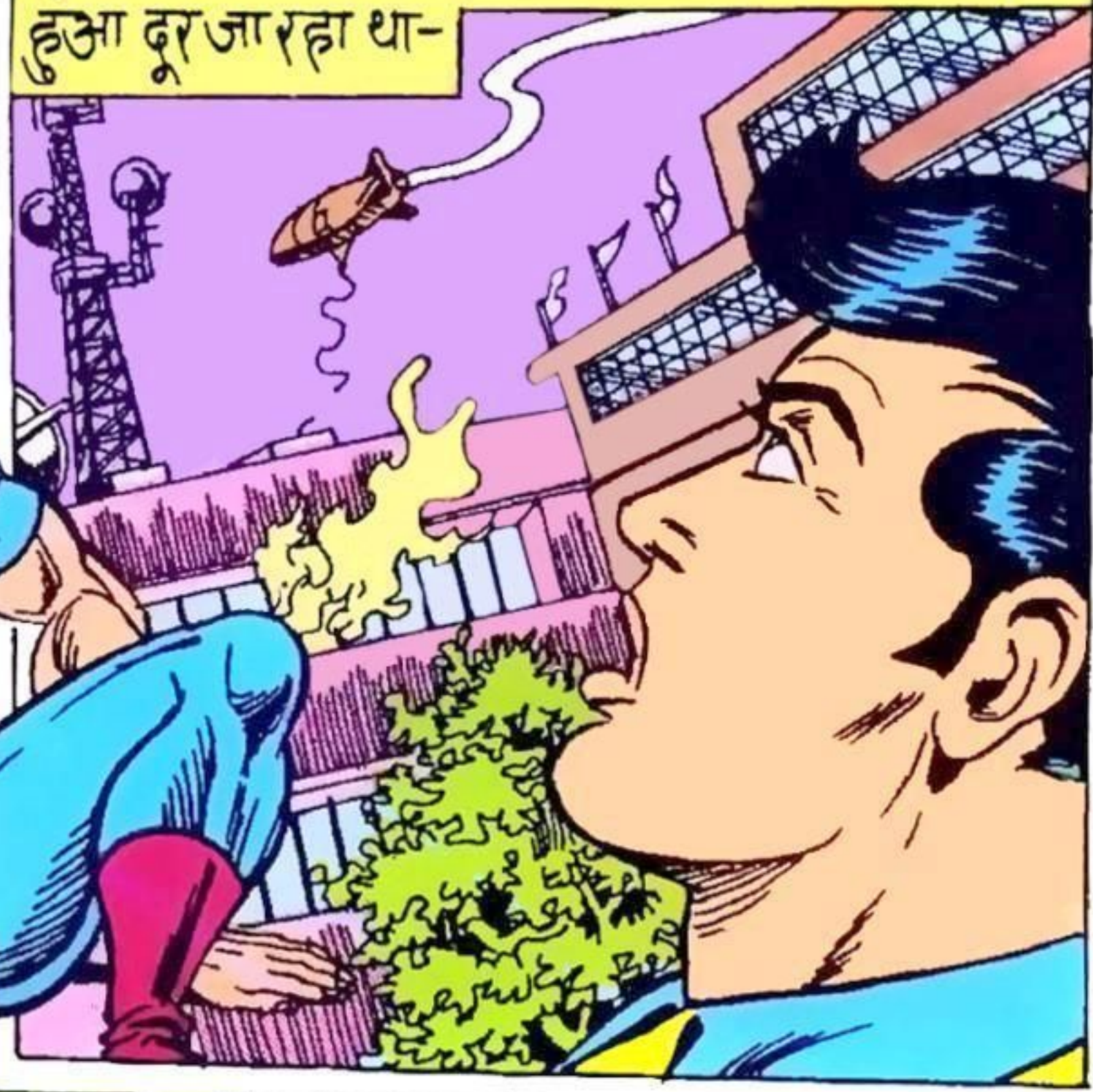
और इस दृश्य ने, ध्रुव के दिमाग से मोटरसाइकल की याद निकाल दी–

अरे! यह 'ब्लिंप' हवा में उड़कर पूर्व की तरफ जा रहा है, जबकि छत पर लगा वह झंडा बता रहा है कि हवा पश्चिम की तरफ चल रही है।...★

...यानी यह ब्लिंप अपने-आप नहीं उड़ रहा, बल्कि उड़ाया जा रहा है। मतलब साफ है। इस ब्लिंप के अन्दर कोई बैठा हुआ है। और वह वही आदमी हो सकता है, जिसने लेबोरेट्री पर हमला किया है। जिग्सा!...

...फिलहाल मुझे उस रहस्यमय लड़की की परवाह नहीं है! उसको तो अब मैं ढूंढ ही लूंगा! इस वक्त मेरा पहला फर्ज मेरी आंखों के सामने हो रहे अपराध को रोकना है... और यह काम मुझे अकेले ही करना होगा।...

हैलो! हैंडसम!

ANCO MOVERS

★ ब्लिंप (BLIMP) = सिगार की आकृति का गुब्बारा

...क्योंकि जब तक मेरे पास मेरी बात का कोई ठोस सुबूत नहीं होगा, तब तक फ्रांसीसी पुलिस मेरी बात पर भरोसा नहीं करेगी।

अरे! यह 'ब्लिंप' तो एफिल टॉवर की तरफ जा रहा है।...

...और इसकी गति भी धीमी हो रही है।...

...अब मैं समझ गया कि इन अपराधियों के भागने का रास्ता क्या है! ये ब्लिंप से 'एफिल टॉवर' पर उतरकर भाग निकलना चाहते हैं। रास्ता तो अच्छा चुना है। लेकिन मैं अभी इनकी अच्छी किस्मत को खराब किस्मत में बदल देता हूं।..

ध्रुव का ख्याल एकदम सही था-

'जिगसा' ब्लिंप से एफिल-टॉवर पर उतर रहा था-

वह रहा! लेकिन मैं इसके नीचे आने का इन्तजार नहीं करूंगा!
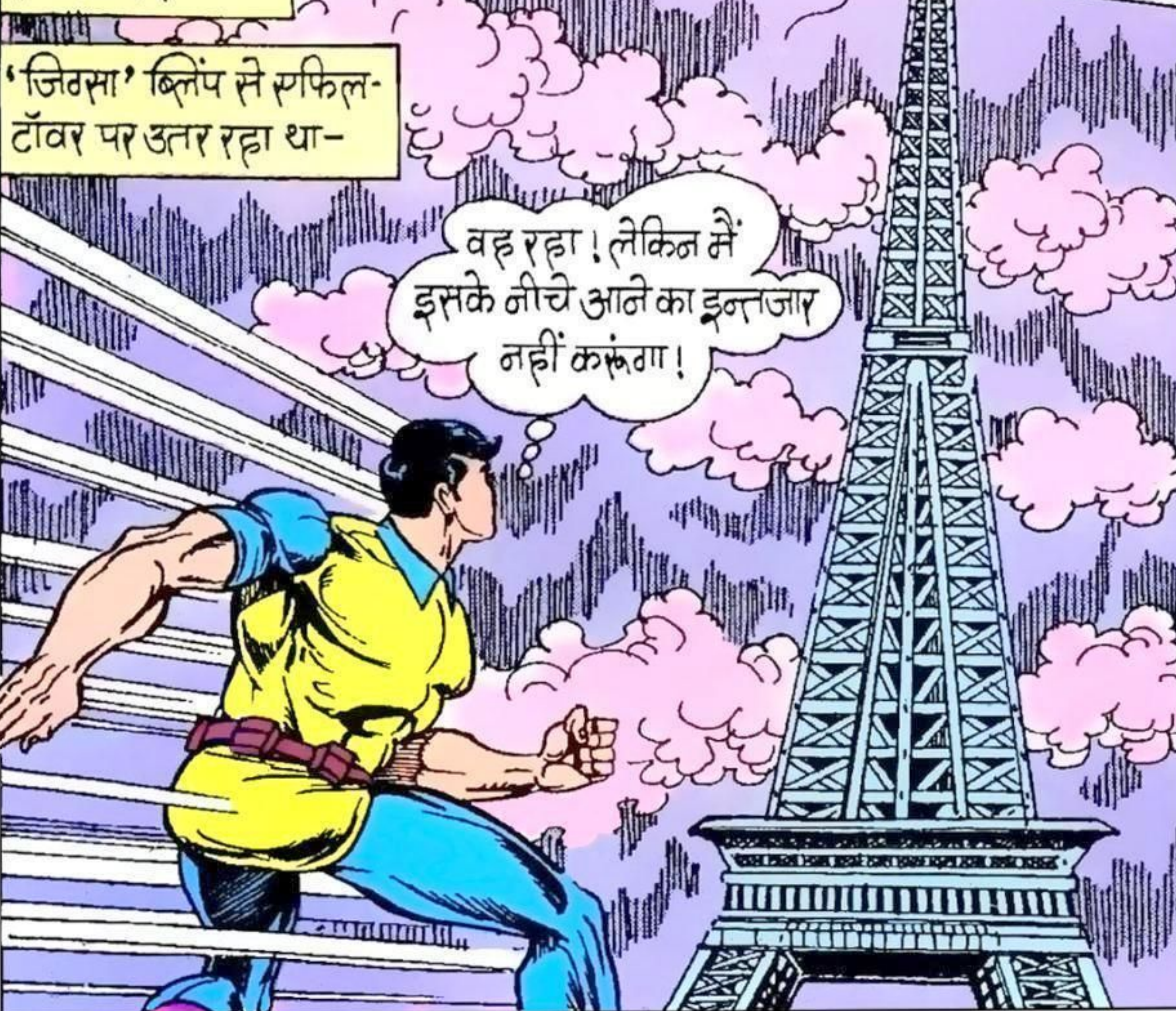
मैं इसे ऊपर जाकर 'ब्लिंप' सहित ही पकड़ूंगा। रंगे हाथों!

जिगसा न जाने इतनी देर तक ऊपर ही क्यों रुका हुआ था-

मेरा काम लगभग पूरा हो गया है। अब यहां से चुपचाप निकल लेना चाहिए!

चुपचाप का काम वही करते हैं जिनके दिल में चोर हो जिगसा! ...

... लेकिन तुम तो साक्षात चोरों के चोर हो!
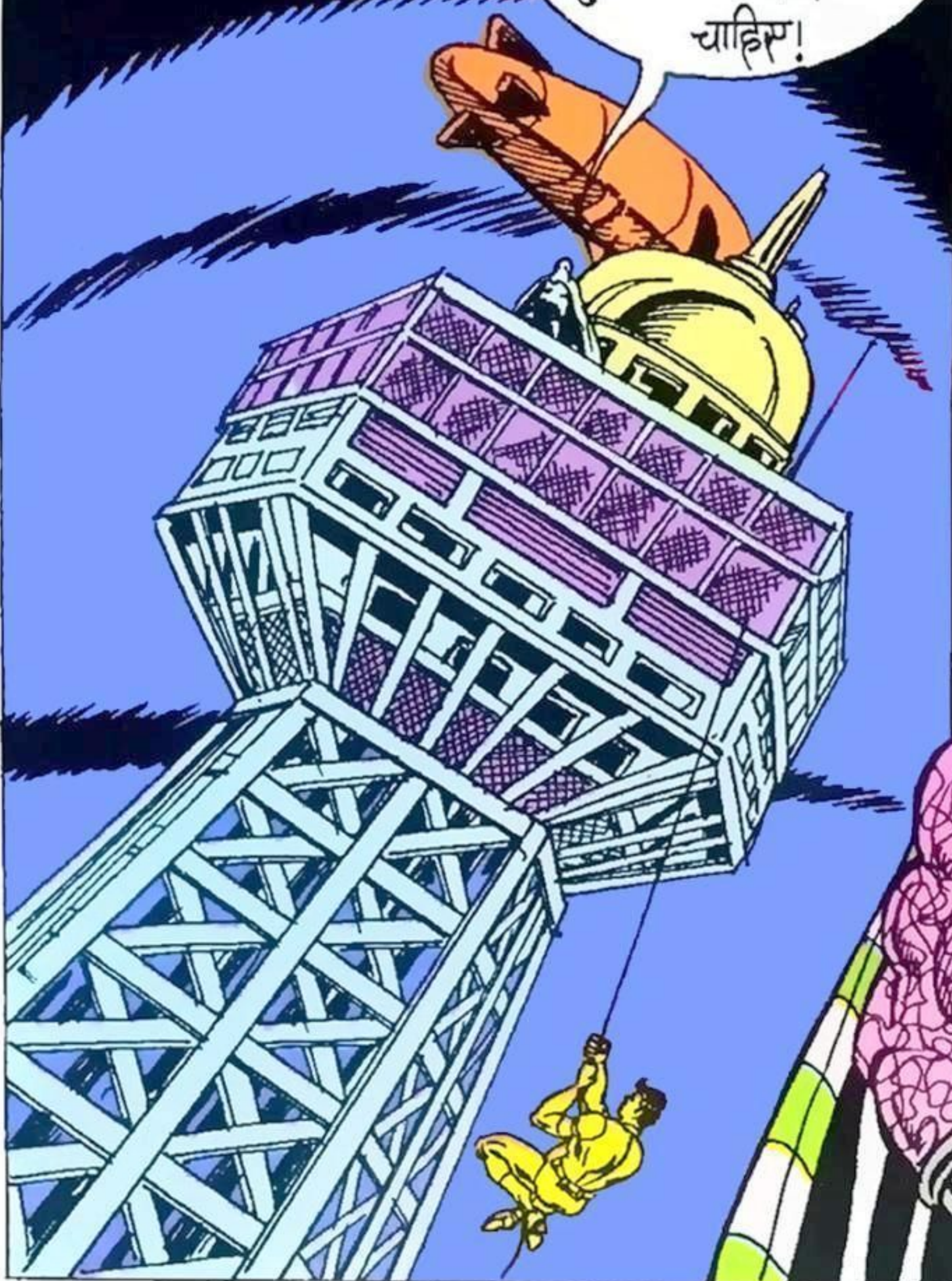
ध्रुव! ओफ, आखिर वही हुआ जिसका मुझे डर था।

तू मेरे काम में टांग अड़ाने यहां तक पहुंच गया!

तुम्हारी बातों से ऐसा लग रहा है कि तुम मेरे बारे में काफी कुछ जानते हो! पर कैसे?

सच जानना चाहते हो? दरअसल हमारा- तुम्हारा धंधे का भी संबंध है, और खानदान का भी!

इसलिए झगड़ा छोड़कर हाथ मिला लो तो हमारा भी फायदा है...

...और तुम्हारी भी चांदी ही चांदी है!

हाथ तो जरूर मिलाऊंगा, जिगसा! लेकिन जरा जोर से... आखिर हमारा- तुम्हारा खानदानी संबंध है, तुम्हारे हिसाब से!...

...इसलिए जरा नकाब हटाकर तुम्हारा चेहरा देख लिया जाए। और मुंह दिखाई भी दे दी जाए।...

तड़ःककक

मुझे सचमुच बड़ा आश्चर्य है कि तू यहां तक मेरे पीछे-पीछे पहुंच गया। लेकिन शायद यम-राज की इच्छा यही है।...

...कि तेरी जान मेरे हाथों से निकले!

आह! इसके वार में तो वैसी ही अमानवीय शक्ति है, जैसे लूका में थी।...

...यानी इसका और लूका का आपस में जरूर कुछ संबंध है। और इस तर्क के अनुसार तो इसका और मेरा संबंध भी कुछ न कुछ तो जरूर होगा!

तड़ाक

शायद इसके इस कथन में सच्चाई है कि मेरा और इसका खानदानी संबंध है।...

...और अगर ऐसा है तो यह अकेला ही मेरी सारी परेशानियों की दूर कर सकता है!

लेकिन इसको बगैर काबू में करे, कुछ भी पूछ पाना असंभव है। और इसको काबू में करना, बिल्ली के गले में घंटी बांधने के बराबर है।...

...सिर्फ एक ही चीज मेरी मदद कर सकती है। इसका लबादा! लेकिन उसके लिए मुझे अपनी सारी फुर्ती का इस्तेमाल करना होगा!

?

इससे पहले कि 'जिवसा' ध्रुव की योजना को समझ पाता...

वह अपने ही लबादे के घेरे में कसा जा चुका था-

और उसके निकलने की कोशिश कर पाने से पहले ही-

ध्रुव उस पर बुरी तरह से टूट पड़ा था-

तड़ाक
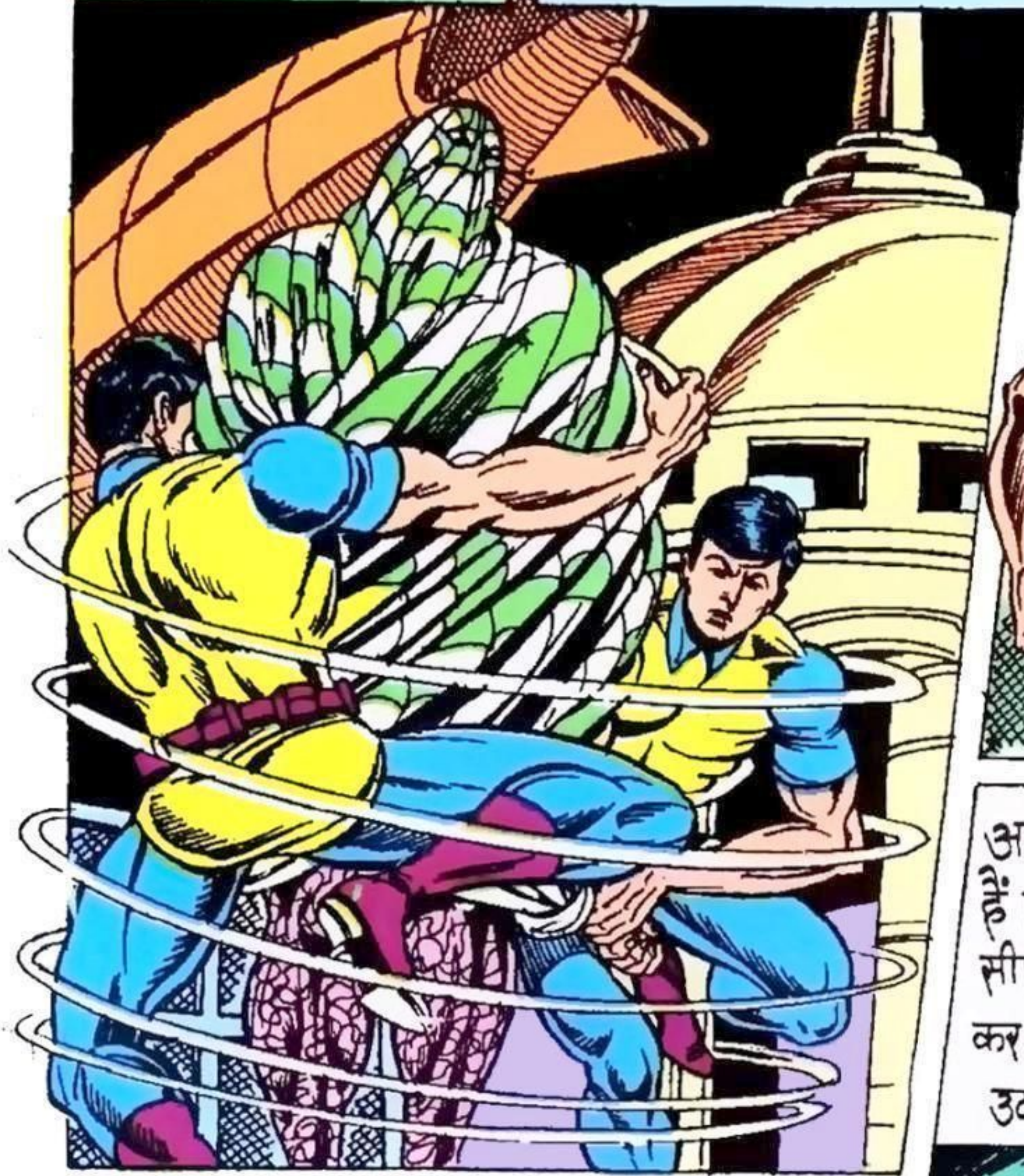
अब तेरे कस बल ढीले हो चुके हैं जिग्सा! अब मैं तुझे ले जाकर सीधे कमिश्नर साहब के हवाले कर दूंगा। वही तुझसे उगलवाएंगे कि...

इसको ले जाने की कोई जरूरत नहीं है ध्रुव बेटे...

...मैं यहीं पर आ गया हूं।

कमिश्नर साहब! ओ थैंक गॉड! आप भी जरूर ब्लिंप का पीछा करते-करते यहां तक आए होंगे!

नहीं, बेटे! मेरा यहां पर इस वक्त आना तो बहुत पहले से ही तय हो चुका था...

...क्योंकि 'जिग्सा' के इस 'ब्लिंप' से उतरने के बाद...

...मुझे ही इसे एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना था...

क्या!

यानी... यानी तुम इस अपराधी से मिले हुए हो!

ठीक समझे! पर हिलना मत...

..क्योंकि मैं सात्रे जैसा मूर्ख नहीं हूं, जो तुमको 'क्रशर' के हाथों मरवाने की मामूली योजना तक को अंजाम न दे सका।

ओह! यानी तुम शुरू से ही मुझे मरवाने की योजनाओं को जानते थे?

जानते थे? अरे, उनमें से कई योजनाएं तो मैंने खुद बनाई हुई थीं!

जिग्सा, फिलहाल तुम ब्लिंप पर ही चढ़कर यहां से निकल लो!...

... अभी मिस्टर ध्रुव को खत्म करने से पहले मुझे इनको कुछ बातें बतानी हैं! ताकि मरने के बाद इनकी आत्मा भटकती न रहे।

जिग्सा, तेजी से 'ब्लिंप' पर रस्सी के सहारे चढ़ने लगा-

और कुछ ही पलों बाद, ब्लिंप में सवार जिग्सा, एफिल टॉवर से दूर जा रहा था-

हां, तो ध्रुव बेटे, मैं बता रहा था कि तुमको मारने की कुछ योजनाएं मैंने ही सात्रे को सुझाई थीं...

दरअसल सिर्फ तुमको मारने की नहीं, बल्कि तुम्हारे बाप को मारने की योजना भी मैंने ही बनाई थी...

ओह! यानी हमारा तुम्हारा नाता काफी पहले से ही शुरू हो चुका था।

हां! और मेरा वश चलता तो इस नाते को मैं पच्चीस साल पहले ही खत्म कर देता...

...उस वक्त मैं एक इंस्पेक्टर था। और पुलिस की नौकरी मैंने इसी लिए ज्वाइन की थी, ताकि जिग्सा की उसके धंधे में मदद कर सकूं।...

...लेकिन हमारे डिपार्टमेंट के कुछ पुलिस वालों की ईमानदारी की खुजली हो गई थी। इंस्पेक्टर ल्यूबेक भी उन्हीं में से एक था!

... वह तुम्हारे बाप रघुवंशी का गहरा दोस्त भी था। उसको न जाने कहां से 'जिग्सा' के ठिकाने के बारे में जानकारी हाथ लग गई। उसने मुझसे जिग्सा के अड्डे पर रेड करने के लिए एक पुलिस पार्टी तैयार करने को कहा ...

...और तब मैंने एक और कुटिल योजना तैयार कर ली! मैंने उससे रेड करने से पहले रघुवंशी की मदद लेने को कहा!

रघुवंशी की मदद क्यों?

वह कैसे मदद कर सकते थे?

हाहा हा! यह बता दूंगा तो 'जिग्सा' के कई राज खुल जाएंगे। क्योंकि मैंने सुना है कि एफिल टॉवर के भी कान होते हैं।...

...खैर! श्याम यानी रघुवंशी, ल्यूबेक को अपने साथ ले गया... वहां पर जहां पर हम सब पहले से ही उन दोनों का इन्तजार कर रहे थे!...

... ल्यूबेक को तो हमने वहीं पर काट डाला। लेकिन रघुवंशी हमारे हाथों से बचकर भाग निकला...

... हमने रघुवंशी को ल्यूबेक का कातिल घोषित कर दिया! और चारों तरफ पुलिस फोर्स उसको ढूंढने के लिए फैला दी!

लूका से मुझे पता चला था कि जैकब ने तुमको बताया था कि उसने एक पुलिस वाले को दो गुंडे टाइप लोगों से बातें करते सुना था। वे दोनों सात्रे के आदमी थे। और वह पुलिस वाला मैं था।

पच्चीस साल पहले मैं इंस्पेक्टर था। और अब तरक्की करते-करते कमिश्नर बन गया हूं।

जब मुझे पता चला कि तुम फ्रांस आ रहे हो तो रघुवंशी से संबंधित सारी जानकारी को मैंने मिटा दिया। और अब मैं तुमको भी मिटा दूंगा!

नहीं कमिश्नर!...

... तेरे जिन्दगी लेने के दिन खत्म हुए। अब तू किसी मच्छर तक को मारने के काबिल नहीं रहेगा...

...क्योंकि मैं तुझे अब तभी छोड़ूंगी जब तू एक जिन्दा लाश में तब्दील हो जाएगा!

ताड़,
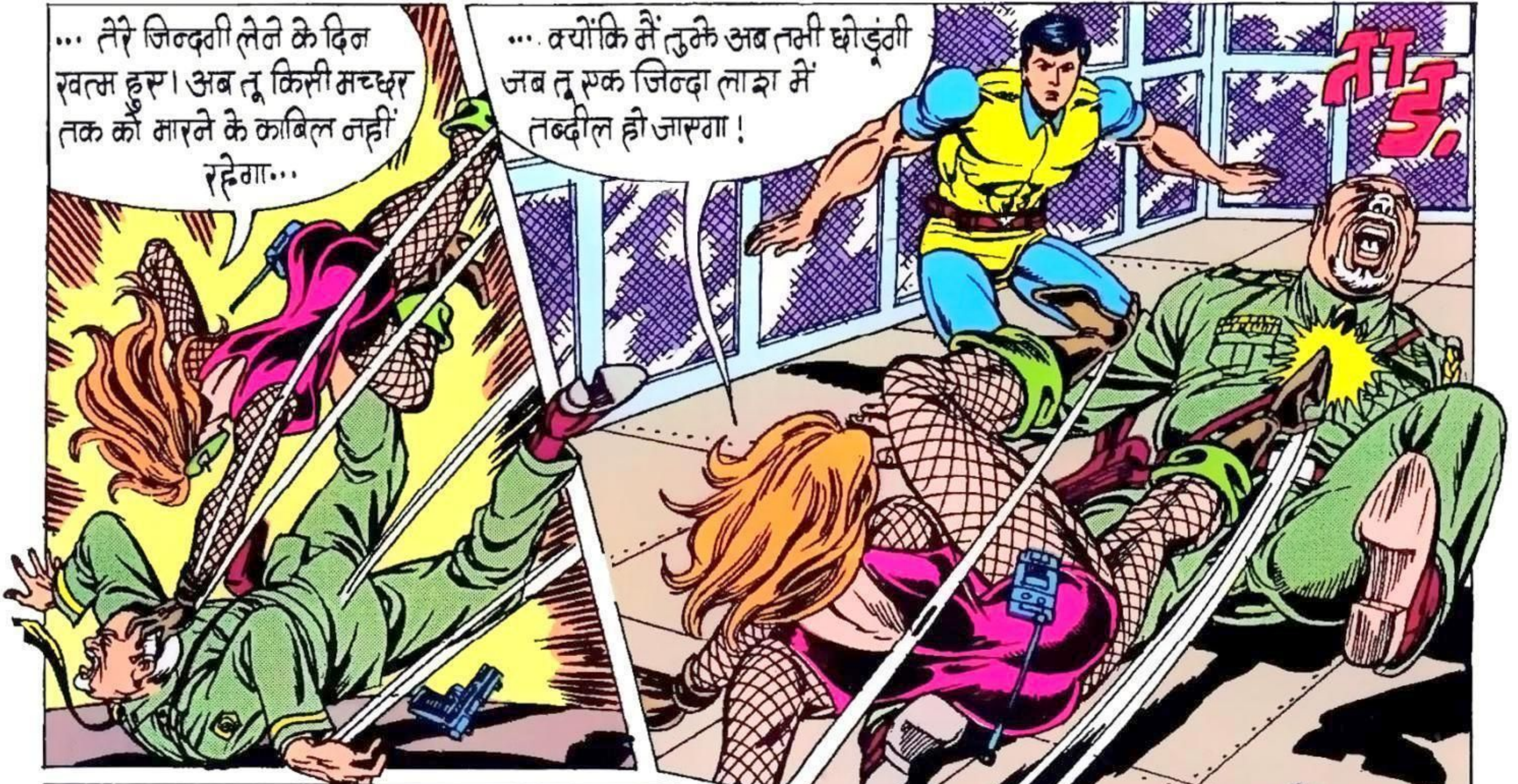
ओह! यानी ध्रुव पहले से ही मदद लेकर आया था! और उसके साथ तूने भी मेरी सारी बातें सुन ली हैं! पर कोई बात नहीं। तुम लोग मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। क्योंकि तुम लोगों के पास मेरे खिलाफ कोई सुबूत नहीं है। और तुम लोगों की बात का कोई यकीन नहीं करेगा!

सुबूत की जरूरत अब किसे है, हत्यारे! ये देख! इस पुलिस ट्रांसमीटर को तो तू पहचानता ही होगा! जब तू ध्रुव को अपना कारनामा सुना रहा था, तभी मैंने इसको ऑन कर दिया था। और इसके जरिए तेरा पूरा बयान हर पुलिस कार और हर पुलिस चौकी पर सुना जा चुका होगा।...

ये... ये ट्रांसमीटर तुम्हारे पास कैसे आया? कौन हो तुम? आज से पहले तो मैंने तुम्हारे बारे में कभी नहीं सुना...

कमाल है, कमिश्नर! तुम अब तक उस लड़की को नहीं पहचान पाए, जिसके बाप ल्यूबेक को तुमने काट कर डाल दिया था!

और जो इतने दिनों तक तुम्हारे ही डिपार्टमेंट में काम कर रही थी...

...मिलिए मिस वेरा से!

वेरा!
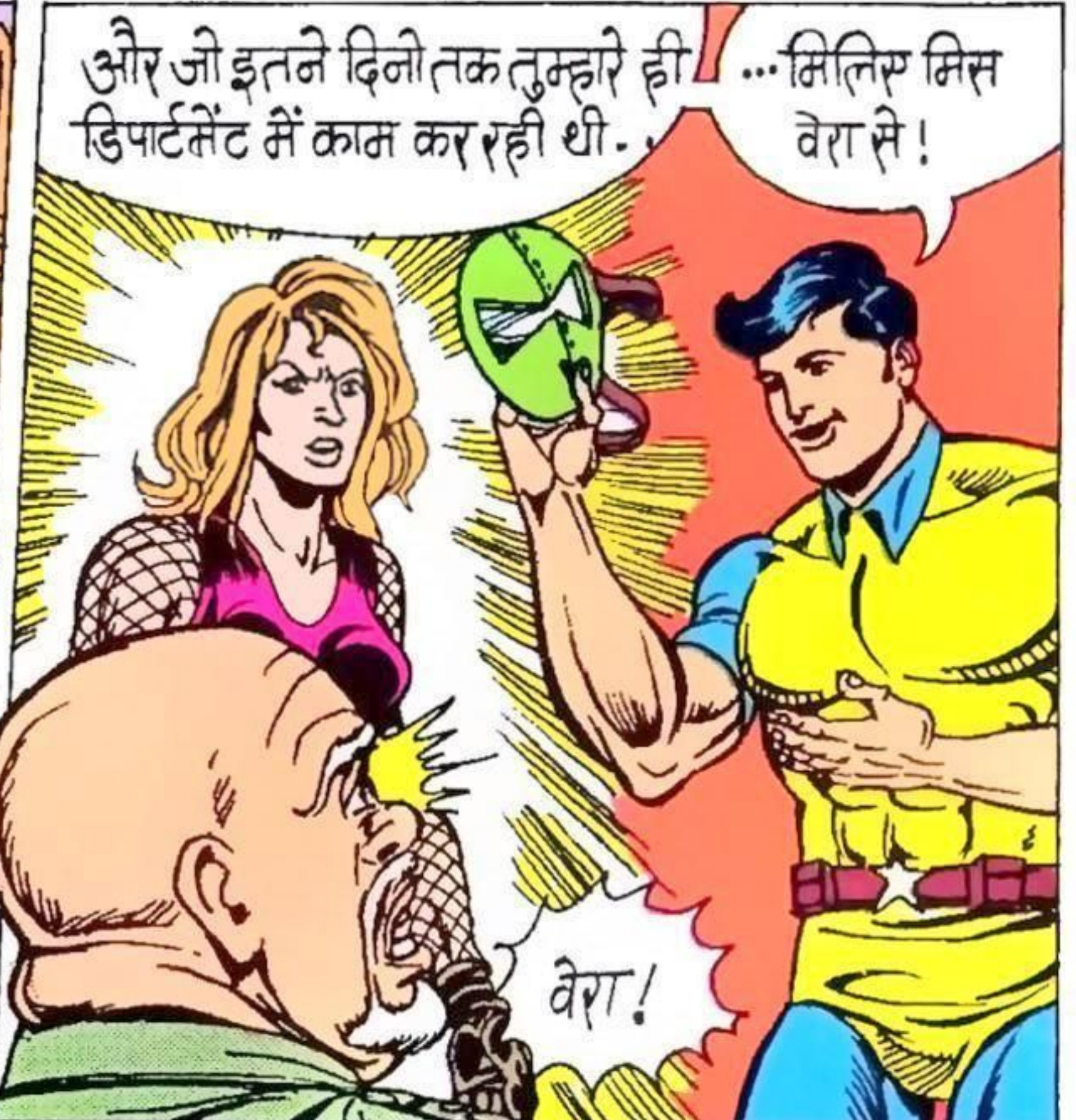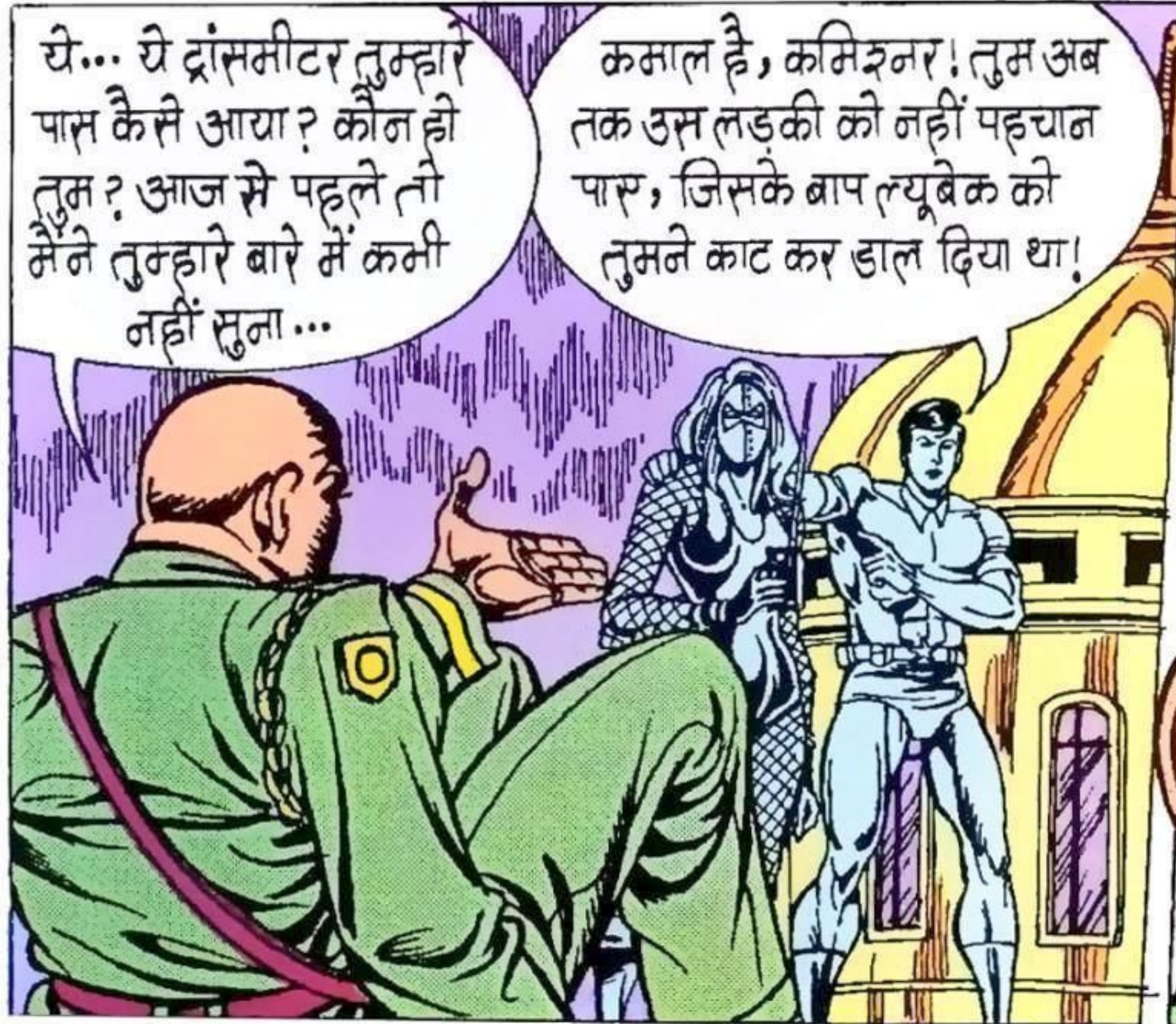
हां, वेरा! तुम्हारी साजिश की वजह से मैं ध्रुव को अपना अपराधी मानकर उसका पीछा कर रही थी। लेकिन ध्रुव का पीछा करने की वजह से ही मुझे असली कातिल यानी तुम्हारा पता चल गया।...और अब बचने की सारी उम्मीदें छोड़ दो...

...क्योंकि मेरे मैसेज के कारण चारों तरफ से पुलिस पेट्रोल कारों ने आकर एफिल टॉवर को घेर लिया है।

अगर मेरा मरना निश्चित है तो तुम दोनों भी मेरे साथ ही मरोगे।

तू भूल गया कमिश्नर! मैंने अभी तुझे बताया था कि तेरे जान लेने के दिन खत्म हो गए हैं!
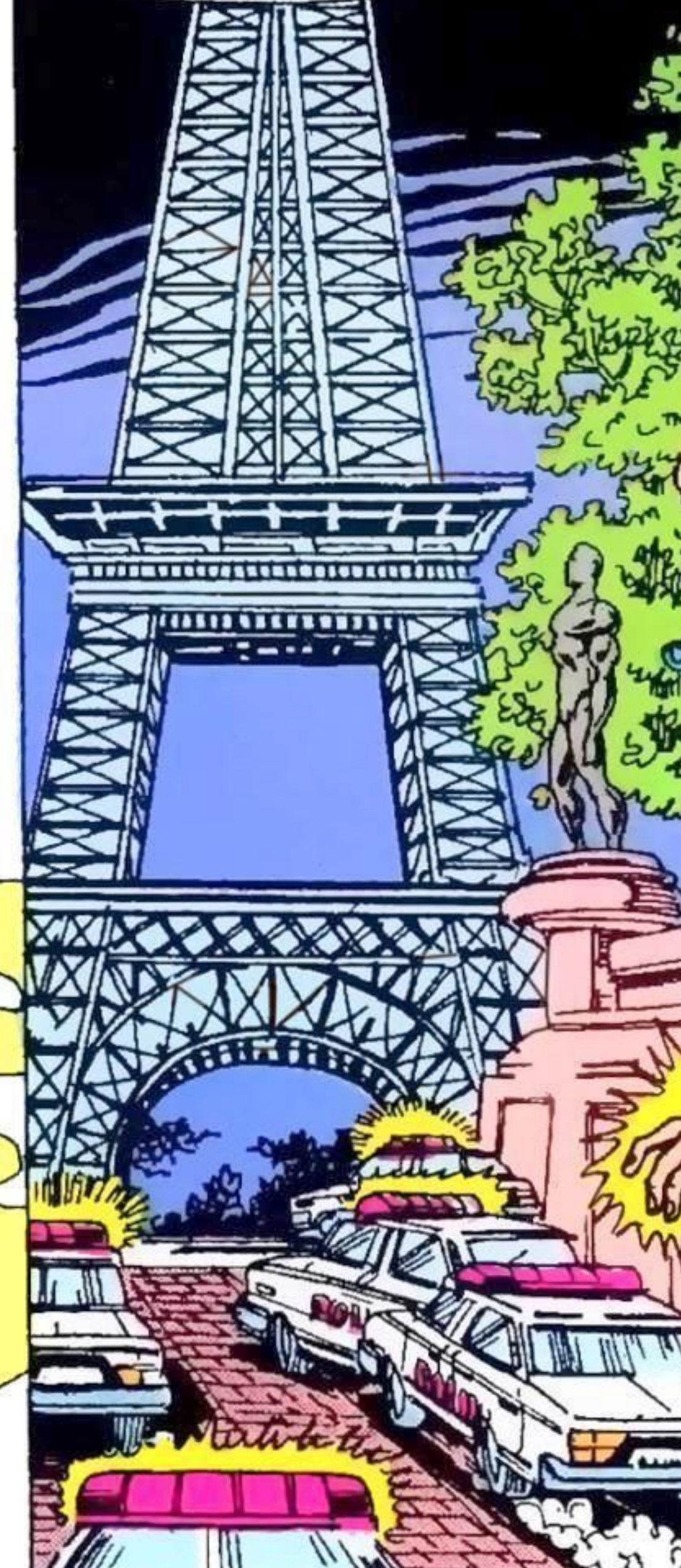
अब तेरे अपने पापों की गिनने और अपने साथियों का नाम बताने के दिन आ गए हैं कमिश्नर!

ध्रुव का वार कमिश्नर को काफी जोर से लगा था–

तड़.

इसीलिए न तो वेरा को दूसरा वार करने की जरूरत पड़ी और न ही ध्रुव को–

ये तो बड़ा कमजोर निकला! एक ही वार में बेहोश हो गया!

खैर, इसको तो पांच मिनटों के अन्दर पुलिस वाले आकर ले ही जाएंगे। पर तुमने मुझे कैसे पहचान लिया ध्रुव?

जब मैं तुम्हारा पीछा करते-करते लैब तक पहुंचा तब तक मैंने तुमको नहीं पहचाना था। लेकिन जब तुमने वेरा के रूप में मुझे उठाकर बैरियर के पार फेंक दिया तो मैं तुम्हारी फाइटिंग स्टाइल को पहचान गया।

और जब गिरने के बाद मैंने बगल में खड़ी मोटर साइकल देखी तो मेरा रहा-सहा शक भी दूर हो गया।

मैं समझ गया कि तुम ही फुर्ती में अपना वेष बदलकर घटना-स्थल पर आ गई हो!

मैं बेकार ही अपने-आपको ज्यादा चालाक समझ रही थी।

जबकि तुम... अरे!

बचो वेरा!

ध्रुव ने वेरा को तो उस किक से बचा लिया...

...मगर खुद नहीं बच पाया–

नीचे गिरते हुए भी ध्रुव ने अपने होशोहवास कायम रखे-

अब भी बचने का एक रास्ता खुला हुआ है। जिस स्टार लाइन से मैं ऊपर चढ़ा था, वह अभी भी टॉवर से लटक रही है। अगर मैं अपने गिरने की दिशा जरा सी बदल सकूं तो स्टार लाइन मेरे हाथ में आ सकती है।

लेकिन अपनी पूरी कोशिशों के बाद भी ध्रुव, स्टार लाइन तक नहीं पहुंच पाया-

ये कोशिश करनी बेकार है! ये टॉवर नीचे से चौड़ी होती जाती है। किसी तरह इसके किसी कोने को ही पकड़ना होगा...

... वर्ना मेरा बच पाना असंभव... अरे! यह क्या? यह तो काकातुआ है!

कुछ ही पलों बाद, स्टार लाइन ध्रुव के हाथ में थी-

शाबाश, काकातुआ! तू मेरे पीछे-पीछे फ्रांस तक शायद मेरी जान बचाने के लिए ही आया है!

ध्रुव की जान तो बच गई थी-

लेकिन बेरा की जान, खतरे में पड़ गई थी-

तड़.

तू क्या समझती है, लड़की?...

... मैं तुम दोनों को सच्चाई बताने के बाद जिन्दा छोड़ दूंगा? नहीं! कभी नहीं!

वेरा का पूरा शरीर झनझना उठा-

तड़ाक

और फ्रांस्वा ने अपने ध्यान को ध्रुव की तरफ मोड़ दिया-

ओह! तू बच गया है। लेकिन ज्यादा देर तक के लिए नहीं!

तू एक बार गिरकर बच गया है ध्रुव! लेकिन किस्मत हर बार साथ नहीं देती!

अब मैं तेरी स्टार लाइन के साथ-साथ तेरी जिंदगी की डोर भी काट दूंगा!

चाकू की धार पर 'स्टार-लाइन' आ टिकी। और धीरे-धीरे नाइलो-स्टील से बुने ताने-बाने कटने लगे-

खचखचखच

ध्रुव समय रहते फ्रांस्वा तक नहीं पहुंच सकता था-

लेकिन कोई और फांस्वा तक पहुंच सकता था-

हवा में पंख फड़फड़ाए और फ्रांस्वा जब तक पलटकर कुछ देख पाता-

टांय

तब तक उसका शरीर नीचे की तरफ रवाना हो चुका था-

तड़ाक

आssssह!

और ध्रुव की तरह, उसको बीच में रोक लेने के लिए कोई चीज नहीं थी-

और ऊपर-

ओह! तुम बच गए ध्रुव? शुक्र है भगवान का!
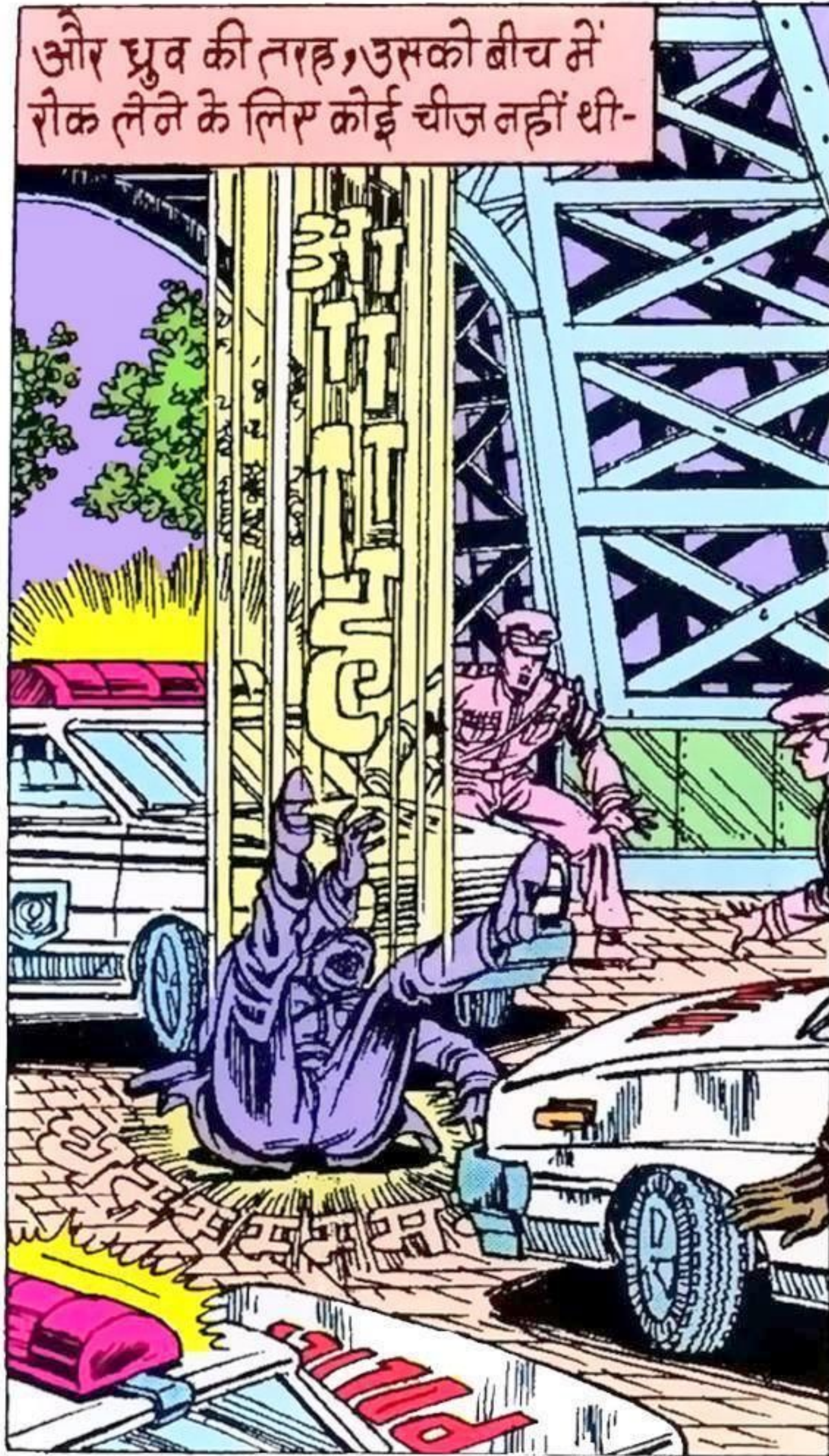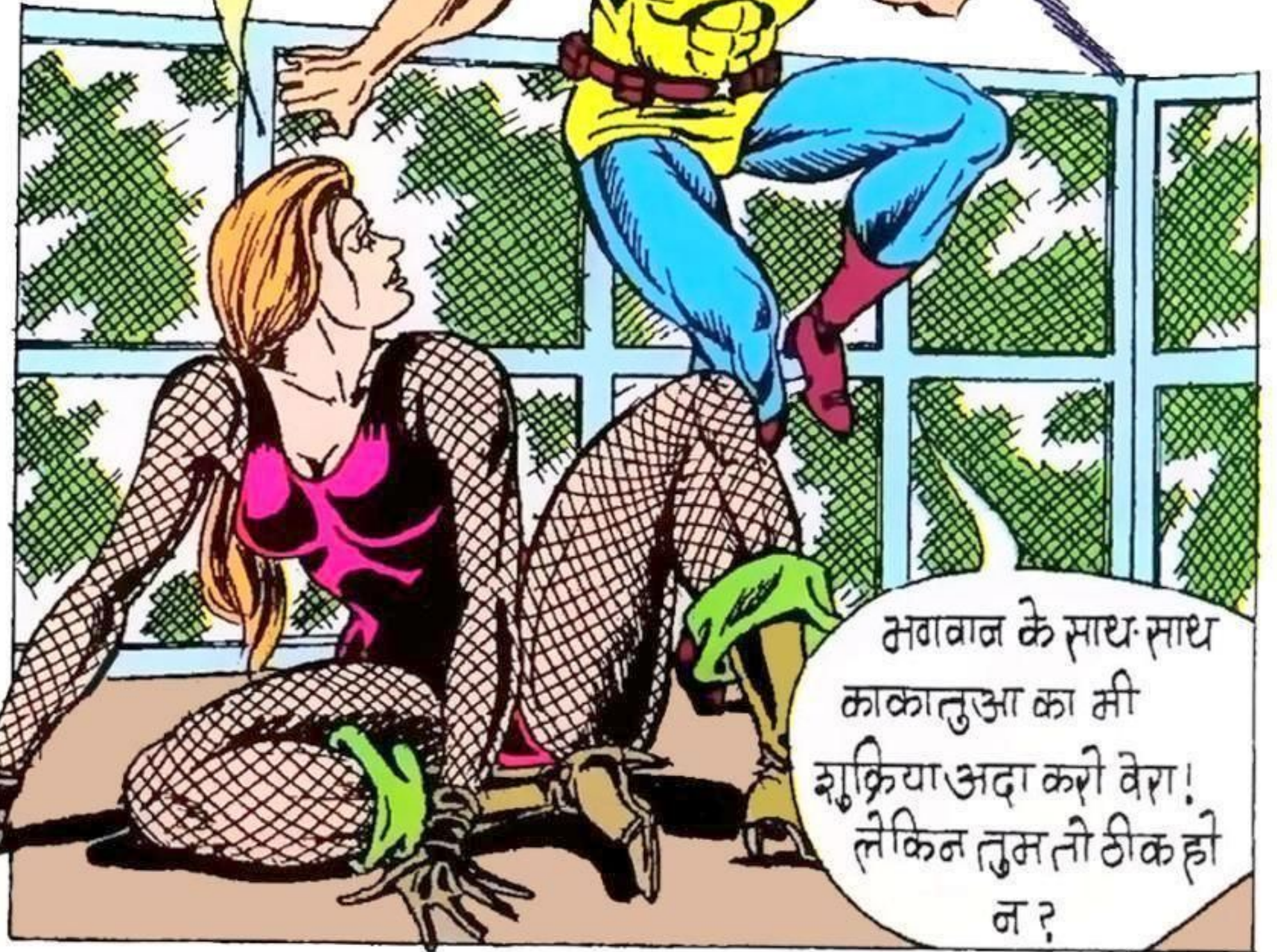
भगवान के साथ-साथ काकातुआ का भी शुक्रिया अदा करो वेरा! लेकिन तुम तो ठीक हो न?

आज से ज्यादा ठीक मैं कभी नहीं थी। आज मेरा बदला पूरा हो गया। ठंडक पड़ गई मेरे दिल को!

ओह! एक बात तो मैं तुमसे पूछना भूल गया वेरा! उस पेजर पर ऐसा क्या मैसेज आया था, जो तुम तुरंत रँदेवू डेन से भाग खड़ी हुई थीं?

हमारी पुलिस फोर्स में हर पुलिस वाले के पास पेजर रहता है। ताकि अगर कार-फोन से किसी कारण संपर्क न हो सके तो पेजर के जरिए सूचना दी जा सके। मेरे पेजर पर, लैब पर जिग्सा के अटैक का ही मैसेज आया था!

और हर पुलिस वाले को वहां पर पहुंचने की सख्त ताकीद की गई थी। इसीलिए मुझे तुरन्त भागना पड़ा!

ओह! समझा! लेकिन कमिश्नर की मौत के साथ-साथ मेरे सामने के कई रास्ते बन्द हो गए हैं। अब मैं उन लोगों तक कैसे पहुंचूंगा, जिन्होंने मेरे पिता को फंसाने का षड्यंत्र रचा!

तुम ठीक कहती हो। और अब तो काकातुआ भी हमारे साथ है। अब मुझे मेरी मंजिल मिलकर ही रहेगी!

मैं अब भी तुम्हारी एस्टेट को ढूंढ सकती हूं ध्रुव! शायद इसी तरह से मैं तुम्हारा एहसान चुका सकूं!

समाप्त...

ध्रुव की ज़िंदगी में आया एक तूफ़ान! उसे पता चला अपने खूनी खानदान का! और वह फ्रांस पहुंच गया, ढूंढ़ने के लिए अपना अतीत...

...लेकिन अपने सवालों का जवाब ध्रुव तभी ढूंढ़ पाएगा, जब वह सुलझा लेगा अपने जीवन की सबसे बड़ी पहेली...

by अनुपम

...पहेली... जिसका नाम है...

जिगसा

सारे रहस्यों की पर्तें दर पर्तें उधेड़ता हुआ आ रहा है, 'खूनी खानदान' और 'अतीत' का समापन अंक!

राज कॉमिक्स में सुपर कमांडो ध्रुव का रोमांचक कॉमिक विशेषांक

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 रुपए

जिगसा

सुपर कमांडो ध्रुव

एक आकर्षक
स्टीकर मुफ्त

इन्सान हमेशा से अपने भविष्य की खोज में व्यस्त रहता है, लेकिन अपने बीते हुए वक्त की तरफ मुड़कर भी नहीं देखता! पर जो इन्सान अपने अतीत को ढूंढ़ने पर मजबूर हो जाता है, वही समझ सकता है कि अपने भूतकाल की तलाश करना कितना मुश्किल होता है। खासतौर से ऐसा इन्सान जिसका अतीत होता तो है, पर उसके बारे में उसने न तो कभी सुना होता है और न देखा। जैसे सुपर कमांडो ध्रुव !

मैं जबसे अपना अतीत ढूंढ़ने निकला हूं, तब से तुम मेरे रास्ते में रोड़े अटका रहे हो, जिगसा ! मैं तब तक अपने अतीत तक नहीं पहुंच पाऊंगा जब तक मैं यह पहेली नहीं सुलझा लेता कि तुम कौन हो!

यह रहस्य मेरे अलावा या तो मेरे कुछ चुनिन्दा विश्वसनीय आदमी जानते हैं, और या फिर ऊपर वाला ...

... कुछ ही पलों में तुम ऊपर ही पहुंच जाओगे। फिर खुद ही ऊपर वाले से जान लेना इस पहेली का हल, कि कौन है...

जिगसा

कथा एवं चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विठ्ठल कांबले
सुलेख व रंग : सुनील पाण्डेय
सम्पादक : मनीष गुप्ता

यह एक युद्ध था, जिसका रणक्षेत्र था- फ्रांस-

कुछ पता चला वेरा कि जिवसा ने 'रिसर्च सेन्टर' पर किस चीज के लिए हमला किया था? क्या ले गया वह वहां से ?

कुछ पता नहीं चला ध्रुव ! सिर्फ इतना पता है कि जिवसा वहां से एक खास और गुप्त आविष्कार उड़ाकर ले गया है। उसने उस आविष्कार से संबंधित सारे वैज्ञानिकों को मार डाला है।

इसलिए अभी तक हमको कुछ खास जानकारी नहीं मिल पाई है। वैसे दूसरे सूत्रों के जरिए जानकारी जुटाई जा रही है। जानकारी मिल तो जाएगी, पर उसमें कुछ वक्त लगेगा।

मैं बड़ी दुविधा में फंस गया हूं। इतना तो मुझे पता चल गया है कि मेरा अतीत त्यीन में है। पर ये जिवसा बार-बार मुझे वहां पहुंचने से रोक रहा है। जिवसा का जरूर मेरे त्यीन पहुंचने से कुछ संबंध है...

...और ये संबंध जाने बगैर त्यीन जाकर भी कुछ हासिल होने वाला नहीं है।

काकातुआ शायद ऐसा कुछ जानता हो, जिससे तुमको मदद मिल सके!

काकातुआ कुछ बोल नहीं पा रहा है, वेरा! शायद अपने मालिक पर हुए हिंसक हमले के सदमे के कारण यह अपनी आवाज खो चुका है।

पालतू पशु-पक्षियों में ऐसा हो जाना एक सामान्य बात है। ...

...पर अब भी यह हमें त्यीन की एस्टेट तक जरूर पहुंचा सकता है!

फिलहाल जिवसा, त्यीन में नहीं, यहीं पेरिस में ही है। पर कहां, यह किसी को नहीं पता।

मैं पता लगा लूंगा वेरा! जिवसा एक बड़ा सुबूत पीछे छोड़ गया है। अपना 'ब्लिंप' और उसके उड़ाने की दिशा!

उड़ने की दिशा से मुझे इतना तो पता लग ही गया है कि वह पेरिस के उत्तर-पूर्व भाग में है। और इतने बड़े ब्लिंप को वह आसानी से छिपा नहीं सकता! ...

... वह या तो उसकी हवा निकालकर छत पर छिपाएगा, और या फिर टुकड़े-टुकड़े करके फेंक देगा। और अगर उसने इन दोनों में से एक भी काम किया तो मैं उसकी गर्दन तक पहुंच जाऊंगा!

जिग्सा को भी ध्रुव की क्षमताओं का एहसास हो रहा था–

तुझ पर भरोसा करके मैंने बहुत बड़ी भूल की थी सात्रे! तू ध्रुव को 'क्रशर' के हाथों मरवा नहीं पाया। उल्टे ध्रुव उसको हराकर 'रिसर्च सेंटर' तक पहुंच गया, और उसने तो लगभग मुझे पकड़ ही लिया था। अगर फ्रांस्वा वक्त पर वहां न पहुंच जाता, तो मैं तो फांसी चढ़ने के रास्ते पर चल चुका था!

हमने दुश्मन को बहुत कमजोर समझा था जिग्सा। सोचा था चींटी की तरह मसल देंगे। पर यह तो डायनासौर निकला। पर अब मैं...

अब तुम कुछ नहीं करोगे। अब जिग्सा ध्रुव को समझ गया है। क्योंकि मेरे पास ध्रुव से संबंधित सारी जानकारी आ चुकी है।...

अब उसका अगला कदम होगा, मुझ तक पहुंचना और मैं उसको खुद ही उस 'जिग्सा पजल' के टुकड़े सप्लाई करूंगा, जिसको सुलझाते सुलझाते वह अपनी मौत तक पहुंच जाएगा!...

...और उस 'पजल' का पहला टुकड़ा होगा यह 'क्लिप का कतरा हुआ टुकड़ा।

और एक बार यह कांटा हमारे सीने से निकल गया तो फिर हमको कोई नहीं रोक पाएगा... फिर हमारी बंधक होगी सारी दुनिया, और हम वसूलेंगे अपनी कीमत!

यह कांटा तो निकल ही जाएगा, पर फिर भी मैं कोई कमी नहीं छोड़ना चाहता!

मार्सेल, तुम तुरन्त ल्योन के लिए रवाना हो जाओ! वहां की सारी तैयारी तुम करोगी!

और अगर ध्रुव अपनी किस्मत के सहारे हमसे बचकर ल्योन तक पहुंच ही गया, तो तुमको पता ही है कि तुमको क्या करना है?

आई नो डार्लिंग! तुम फिक्र मत करो!

फिक्र करने की जरूरत तो दूसरे लोगों को थी। लगभग पाँच खरब इन्सानों को–

क्योंकि मुसीबत तो उन पर ही टूटने वाली थी। इस बात को जिवसा और उसके सहयोगियों के अलावा सिर्फ दो और लोग ही जानते थे–
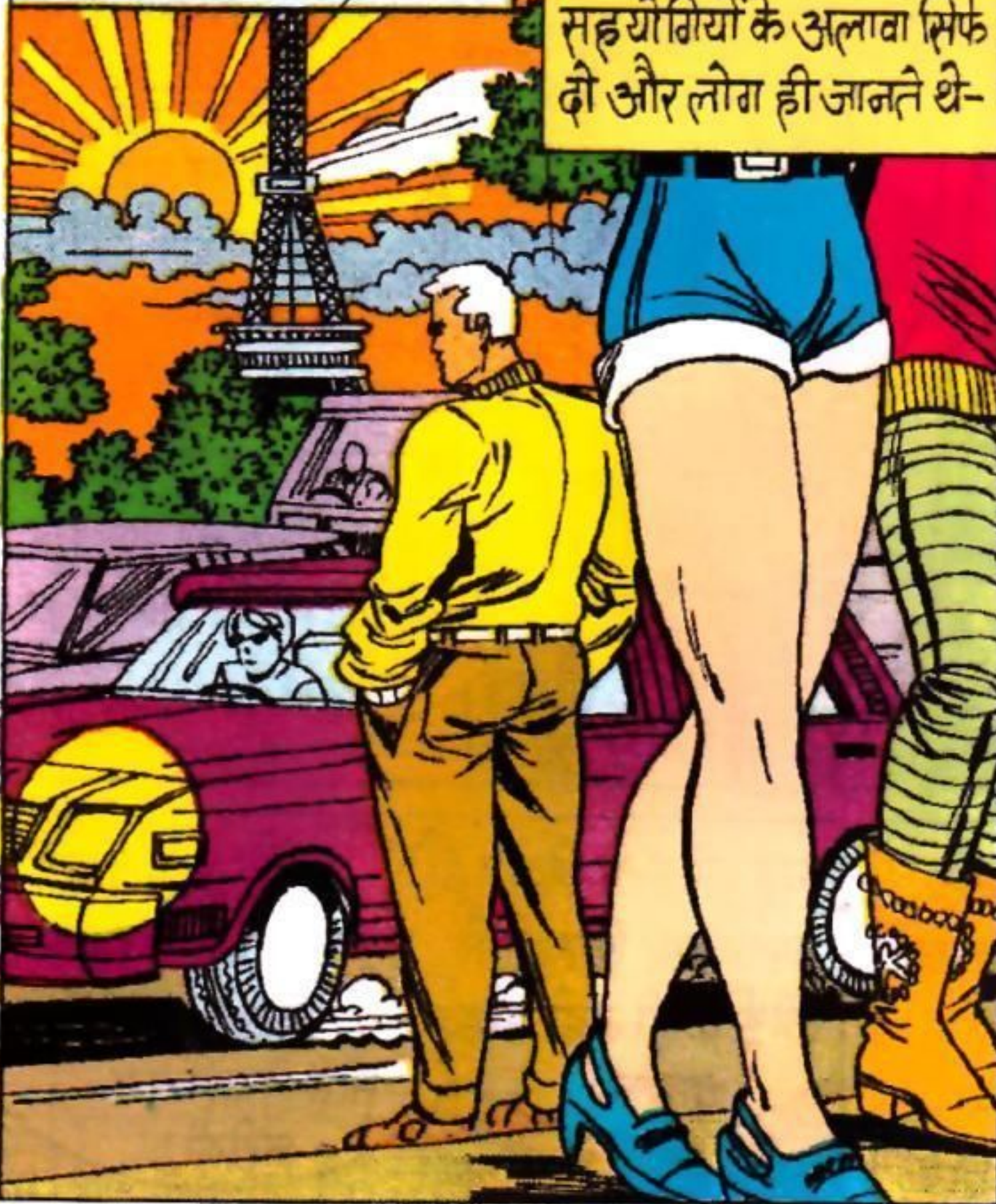
ध्रुव और वेरा–

कल सारी रात और आज पूरा दिन तुम न जाने कहां-कहां घूमते रहे ध्रुव!

और फिर एकदम से तुम आकर कहते हो कि मैं इस रूप में तुम्हारे साथ चलूं। आखिर हम जा कहां रहे हैं?

हम जिवसा के पास जा रहे हैं, वेरा! और तुम को मैंने इसलिए साथ चलने को कहा है, क्योंकि तुम पेरिस को मुझसे ज्यादा अच्छी तरह से जानती हो!...

...और ये रूप इसलिए क्योंकि मैं किसी पुलिस वाले को साथ ले जाना नहीं चाहता!
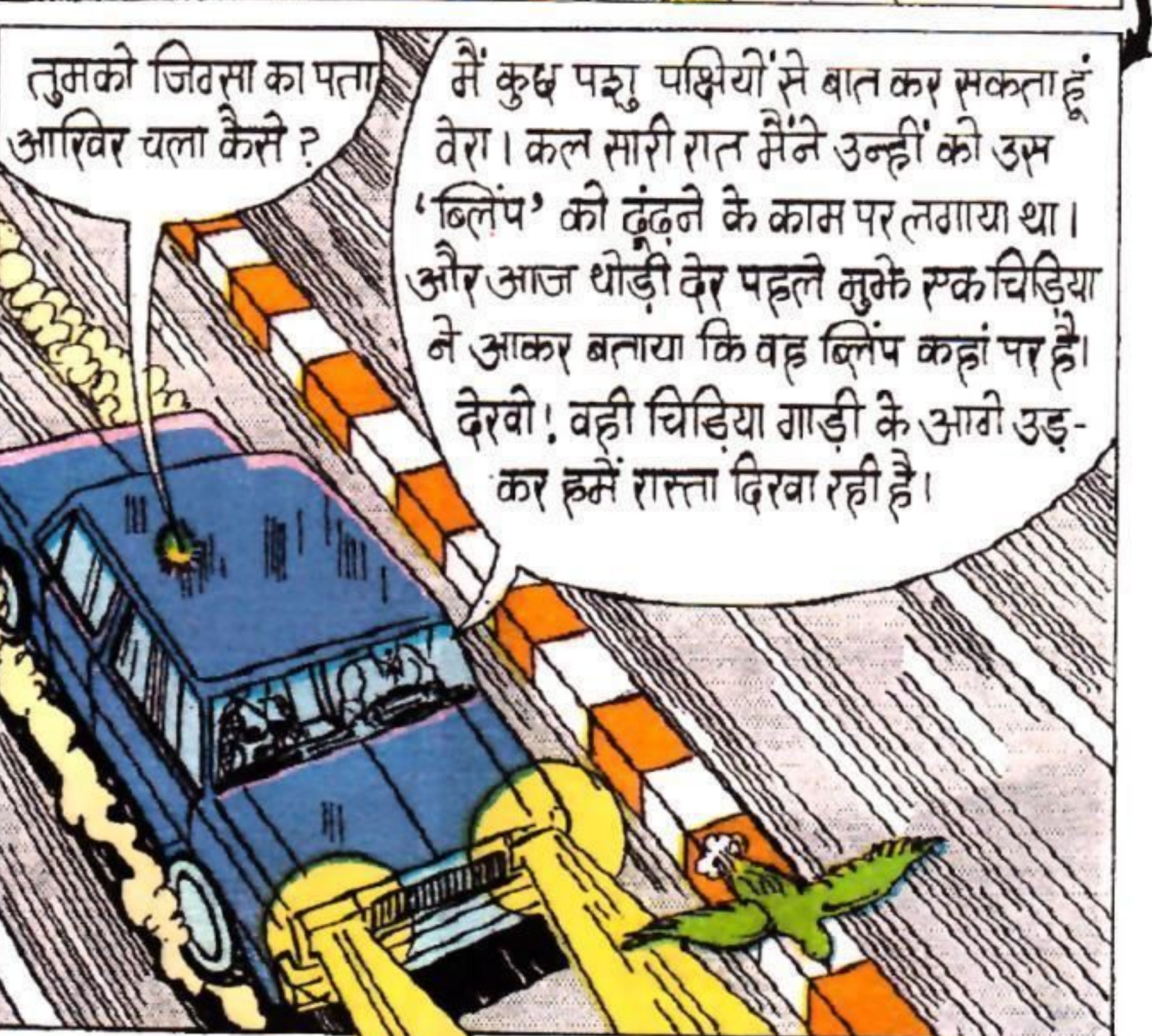
तुमको जिवसा का पता आखिर चला कैसे?

मैं कुछ पशु पक्षियों से बात कर सकता हूं वेरा। कल सारी रात मैंने उन्हीं को उस 'ब्लिप' को ढूंढने के काम पर लगाया था। और आज थोड़ी देर पहले मुझे एक चिड़िया ने आकर बताया कि वह ब्लिप कहां पर है। देखो! वही चिड़िया गाड़ी के आगे उड़कर हमें रास्ता दिखा रही है।

तुम तो कमाल के आदमी हो ध्रुव!

पर मुझे अब तक यह नहीं पता कि तुम जिवसा के पीछे-पीछे फ्रांस तक कैसे आ गए?

तुम्हारे 'अतीत' का ये क्या चक्कर है?

वेरा के इस सवाल का ध्रुव जवाब देने ही वाला था कि तभी–

वेरा खुद ही चिंहुक उठी–

अरे! यह चिड़िया तो 'पोर्शे-हाईट' की तरफ जा रही है!

पोर्शे हाईट? उसमें ऐसी क्या खास बात है?

'पोर्शे हाईट' ऊंची बर्फीली पहाड़ियों से घिरा हुआ इलाका है ध्रुव! वहां पर सिवाय स्कीइंग के और कुछ नहीं होता।...

उम्मीद है कि वहां पर हम ठंड के मारे जम नहीं जाएंगे।

एक्शन, वेरा! एक्शन से हमारे शरीरों में गर्मी बनी रहेगी। वैसे भी हम पर इतना गोला बारूद दागा जाएगा कि ठंड लगने का सवाल ही पैदा नहीं होगा!

वह देखो, ध्रुव! एक कॉटेज!

चिड़िया भी यहीं पर उतर रही है। यानी यही कॉटेज हमारी मंजिल है।

लेकिन बड़े आश्चर्य की बात है। कॉटेज तो एकदम सुनसान लग रहा है।

और तुम गोले-बारूद की बात कर रहे थे!

या तो अन्दर कोई है नहीं, और या फिर जिग्सा सतर्क हो गया है...

...अपने कॉटेज की तरफ आती हुई हमारी कार को उसने देख लिया होगा। यहां से हमको पैदल जाना पड़ेगा, वेरा।

आओ!

हल्की बर्फ से ढकी चट्टान पर अपने हाथों और पैरों को जमाते हुए वेरा और ध्रुव ऊपर चढ़ने लगे—

और कुछ ही देर में वे दोनों कॉटेज के पास थे—

ये देखो! यही है उस 'ब्लिप' का टुकड़ा!

यानी हम सही जगह पर तो पहुंच गए हैं लेकिन पंछी उड़ चुका है। क्योंकि अन्दर किसी जिन्दा प्राणी के होने कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं।

फिर भी यह कोई जाल हो सकता है।

मैं चिड़िया को देखने के लिए अन्दर भेजता हूं।

लेकिन कुछ ही पलों में चिड़िया कॉटेज का चक्कर लगाकर बाहर आ गई—

चूं चूं!

चिड़िया कह रही है कि कॉटेज के अन्दर कोई नहीं है!

ओह! यानी हमारा यहां तक आना बेकार ही गया।

नहीं, वेरा! ब्लिंप के टुकड़े से यह तो साफ हो गया है कि जिग्सा यहीं पर उतरा था। शायद इस कॉटेज के अन्दर हमको ऐसा कोई सूत्र मिल सके, जो हमको जिग्सा तक पहुंचा सके। आओ, कॉटेज की जांच-पड़ताल करते हैं!

कॉटेज के अन्दर सीलन और बदबू के अलावा और कुछ भी नहीं था–

यहां तो पैरों के निशान भी नहीं मिलेंगे ध्रुव! क्योंकि इस बर्फीले इलाके में धूल होती ही नहीं है!

ऊपर देखते हैं। कोई न कोई चीज ऐसी जरूर मिलेगी, जो जिग्सा से संबंधित हो!

ऊपर पहुंचते ही–

श श श!

वेरा! यहां पर कोई है! चुपचाप पीछे आना।

लेकिन कैसे? चिड़िया ने तो बताया था कि अन्दर कोई भी नहीं है।

उसने शायद ठीक से नहीं देखा होगा...

आओ! देखते हैं कि यहां पर कौन है।

वैसे परछाई से तो मुझे आभास हो रहा है कि ये परछाई...
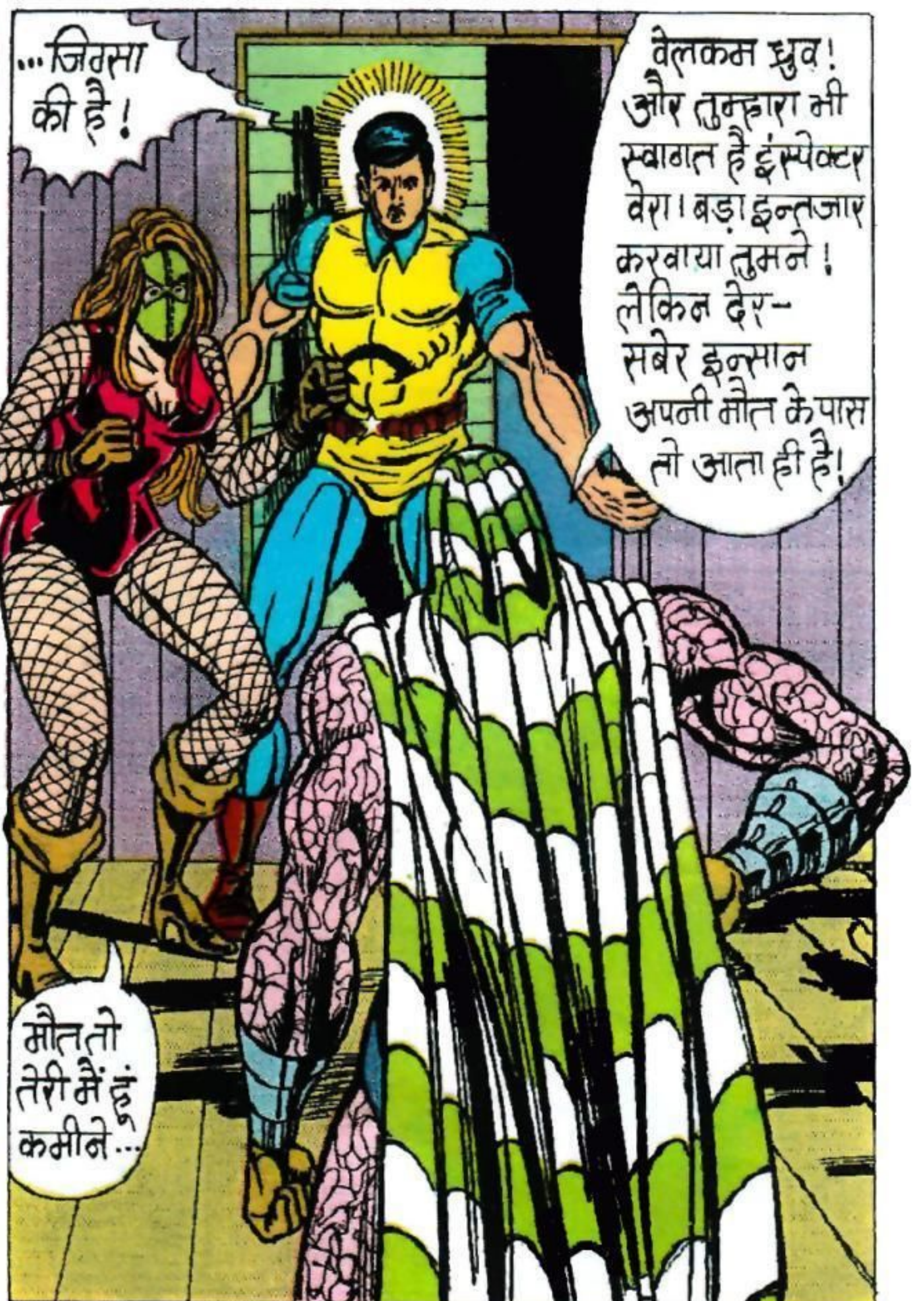
...जिग्सा की है!

वेलकम ध्रुव! और तुम्हारा भी स्वागत है इंस्पेक्टर वेरा। बड़ा इन्तजार करवाया तुमने! लेकिन देर-सबेर इन्सान अपनी मौत के पास तो आता ही है!

मौत तो तेरी मैं हूं कमीने...

...तूने ही फ्रांस्वा के हाथों मेरे पिता ल्यूबेक का खून करवाया था न! अब उस खून का जो वजन मेरे दिल पर है, उसे तेरा बहता खून ही हल्का कर सकता है!

वेरा का शरीर एक घातक सवाटे किक जड़ने के लिए हवा में उछला-

जिग्सा, किक से बचने के लिए एक सूत भी नहीं सरका-

और उसी पल ध्रुव सारा माजरा समझ गया-

नहीं, वेरा! रुक जाओ!

लेकिन क्रोध से सुलगती वेरा की किक, जिग्सा की गर्दन से टकरा चुकी थी-

'कड़ाक' की एक आवाज के साथ, जिग्सा की गर्दन टूटकर हवा में उड़ गई-

और वेरा की आंखें फैल गईं-

यह तो पुतला था!

हा हा हा! हां, बेजान पुतला! जैसे मुर्दा बेजान होता है। जैसे अभी दो सेकंडों में तुम बेजान होने वाले हो!

क्योंकि धक्का लगते ही पुतले के अन्दर लगा बम फटने वाला है!

वेरा, बाहर कूदो!

दोनों के शरीर अभी हवा में ही थे-

धड़ाममममम

कि तभी जिगसा का पुतला, एक कर्णभेदी आवाज के साथ फट पड़ा। और साथ ही साथ उस जर्जर कॉटेज के भी टुकड़े-टुकड़े हो गए—

विस्फोट के उस भीषण धक्के ने ध्रुव और वेरा को भी हवा में उछालकर दूर फेंक दिया—

लेकिन ऐन समय पर कूद जाने के कारण दोनों को ही कोई शारीरिक क्षति नहीं पहुंची—

ओह। जिगसा को पहले से ही हमारे यहां तक पहुंचने की आशंका थी। इसीलिए उसने अपने पुतले में बम और कैसेट रखकर तैयारी कर रखी थी।

नहीं, वेरा! वह कैसेट नहीं थी! जिगसा को पहले से यह नहीं पता हो सकता था कि मेरे साथ तुम भी आ रही हो!

याद करो! उसने मेरे साथ तुमको भी 'स्वागतम' कहा था!

ओह! तुम ठीक कह रहे हो। यानी वह टेप नहीं, स्पीकर था! पर इसका क्या मतलब हो सकता है?

इसका मतलब है कि इस वक्त भी जिगसा हमको कहीं से देख रहा है! और उसको पता है कि हम बच चुके हैं।

लेकिन अब वह कुछ नहीं कर सकता ध्रुव! उसका वार तो खाली चला गया!

ध्रुव का ख्याल सही था, और वेरा का अन्दाजा एकदम गलत-

दूर ऊंचाई पर खड़ा जिग्सा, दोनों की एक-एक हरकत को देख रहा था, और उसने एक प्लान फेल हो जाने की सूरत में दूसरा प्लान भी तैयार करके रखा हुआ था-

ओफ़! ध्रुव का दिमाग बहुत तेज है। वह जरूर पहले ही समझ गया होगा कि वह मैं नहीं, मेरा पुतला है। और वहां पर पुतला होने का एक ही अर्थ हो सकता था कि उसमें बम रखा हुआ है।

यानी आप भी मेरी तरह असफल रहे जिग्सा?

जिग्सा कभी असफल नहीं होता सात्रे। जानता है क्यों? क्योंकि जिग्सा असफलता को भी हराने की तैयारी करके रखता है। तू देखता जा जिग्सा का कमाल!

तुम जिग्सा के पुतले पर वार होने से पहले ही समझ गए थे कि वह पुतला है। अंधेरे में भी तुमने यह कैसे समझ लिया ध्रुव?

सबसे पहले तो जिग्सा खुद कॉटेज में होने का खतरा कभी मोल नहीं लेता। दूसरे चिड़िया ने बता ही दिया था कि अन्दर कोई नहीं है। यानी कोई जिन्दा या मुर्दा प्राणी नहीं है। और तीसरा तुम्हारे वार से बचने की उसने कोई कोशिश नहीं की। तीनों बातें मिलाकर मैं सच्चाई जान गया!

कमाल है। तुम्हारा दिमाग है या बुलेट ट्रेन!

अब क्या करना है?

फिलहाल तो यहां से जितनी जल्दी हो, निकल लो। जिग्सा के दूसरे हमले का इन्तजार करना बुद्धिमानी नहीं है वेरा।...

लेकिन इससे पहले कि दोनों अपनी कार की तरफ बढ़ पाते-

दो-तीन धमाके एक साथ हुए-

धड़ाम

भड़ाम
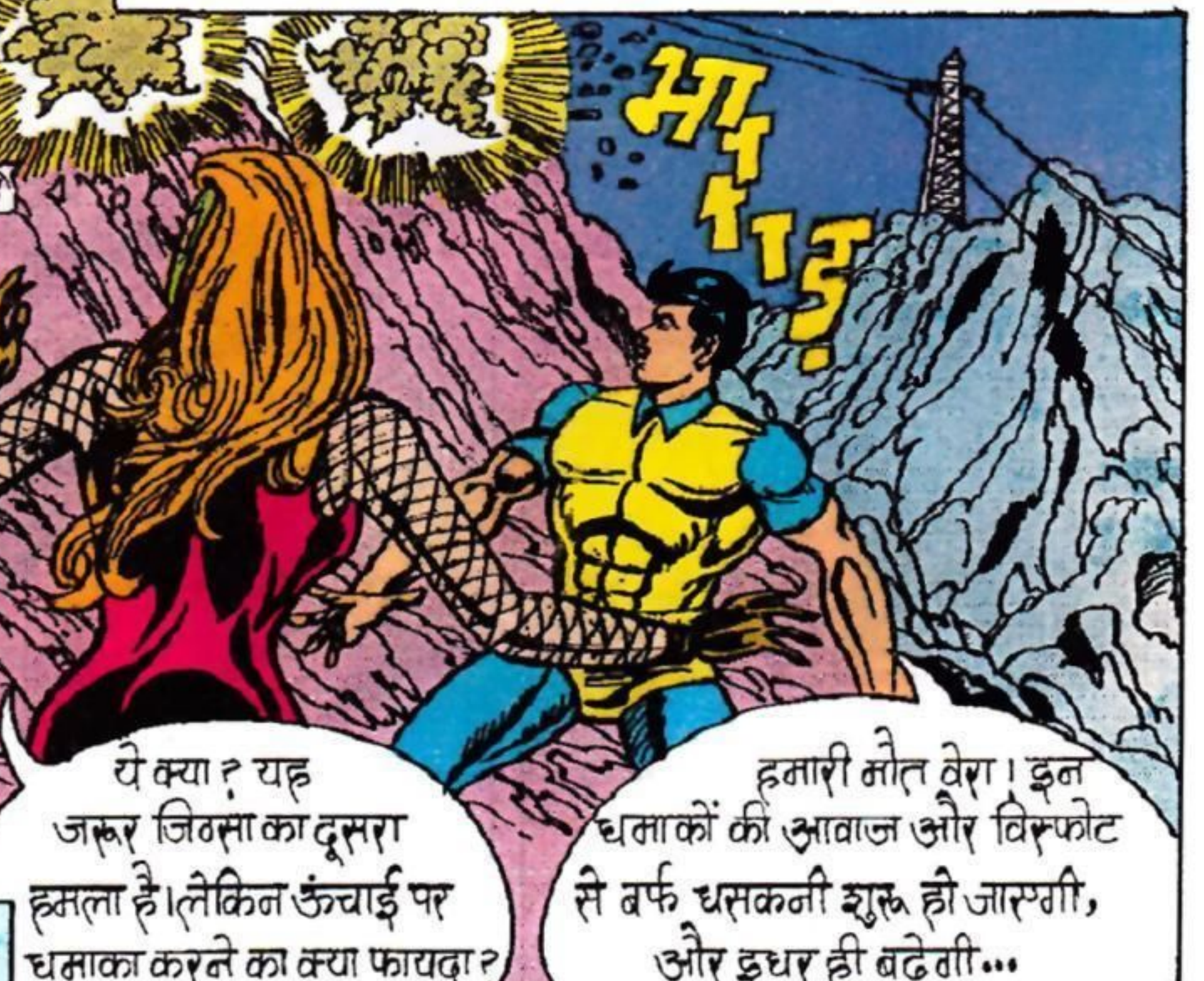
ये क्या? यह जरूर जिग्सा का दूसरा हमला है। लेकिन ऊंचाई पर धमाका करने का क्या फायदा?

हमारी मौत वेरा। इन धमाकों की आवाज और विस्फोट से बर्फ धसकनी शुरू हो जाएगी, और इधर ही बढ़ेगी...

ओ माई गॉड! पूरा बर्फ का पहाड़ हमारी ओर गिर रहा है!...

...हम बचकर भाग नहीं पाएंगे।

ये लकड़ी का तख्ता, जो केबिन के फटने से टूटकर यहां पर आ गिरा है, हमको बचा सकता है वेरा!

मुझे कस कर पकड़ लो!

लकड़ी के तख्ते को 'स्की' की तरह इस्तेमाल करते हुए ध्रुव और वेरा बर्फीली ढलान पर नीचे की तरफ फिसलने लगे-

और बर्फ की गिरती दीवार तेजी से उनका पीछा करने लगी-

हा हा हा!

देखा, जिगसॉ का कमाल!

अब ध्रुव इससे बचकर दिखाए तो मैं भी उसको मान जाऊंगा!

ध्रुव ने मौत को कई बार छकाया था, लेकिन इस बार मौत की रफ्तार कुछ ज्यादा ही तेज थी-

आह! बर्फ हम तक पहुंच चुकी है ध्रुव! कुछ ही पलों में इसके नीचे दबकर हमारी कब्र बन जाएगी!

हिम्मत मत हारो वेरा!...

...हर मुसीबत एक ऐसी सुरंग होती है जिससे निकलने का रास्ता भी होता है!...
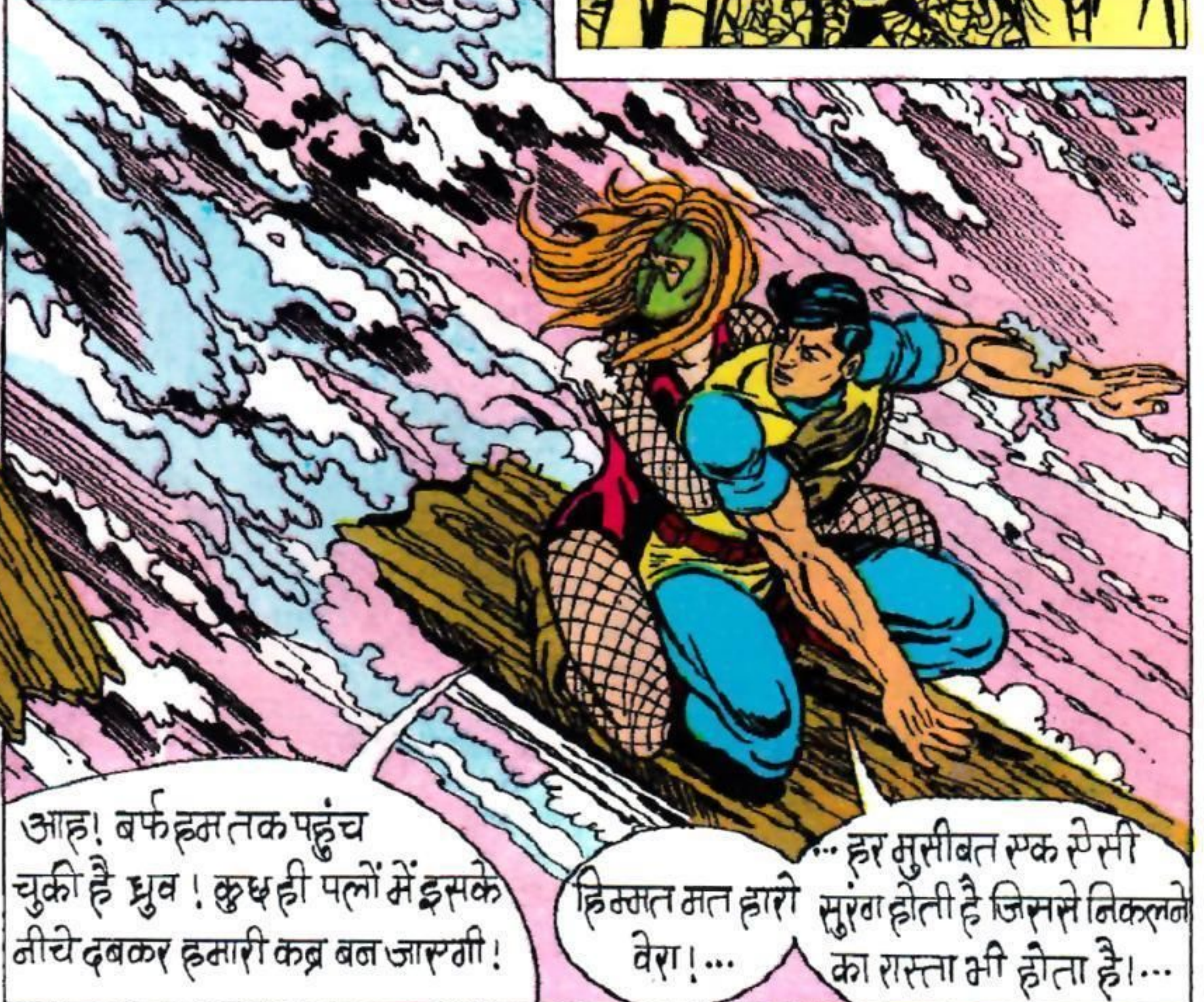
इस मुसीबत से निकलने का भी कोई रास्ता मिलेगा... मिल गया। वे हाईटेंशन केबल!

अपने दस्ताने उतार कर मुझे देना, वेरा!

कुछ ही पलों बाद, हाथों में दस्ताने पहने हुए ध्रुव, अपनी नाइलो-स्टील की स्टार लाईन को हवा में उछाल रहा था-

हवा में उड़ती हुई स्टार लाईन 'हाई-टेंशन के केबलों के ऊपर से होती हुई...

... वापस ध्रुव के हाथों में आ टिकी-

आह! बर्फ हमको दबा रही है ध्रुव!

अब चिन्ता की कोई बात नहीं वेरा!...

... बस, मुझे कसकर पकड़े रहना!

अगले ही पल- बर्फ की गिरती दीवार नीचे ही रह गई-

और ध्रुव और वेरा के शरीर 'हाईटेंशन केबल' को 'रोप-वे' की तरह इस्तेमाल करते हुए नीचे की तरफ लहरा गए-

वाह, ध्रुव, वाह! लेकिन तुम्हें मेरे दस्ताने की जरूरत क्यों आ पड़ी?

मेरी स्टार-लाईन' में स्टील के तार भी हैं वेरा, और उनके कारण मुझे शॉक लग सकता था!

लेकिन तुम्हारे चमड़े के दस्तानों के कारण वह खतरा नहीं रहा!

यह दृश्य देख रहा जिग्सा, क्रोध से पागल हो गया-

बच गया कमीना ? हाईटेंशन केबल पर झूलकर बच गया ?

उस तरफ तो मेरा ध्यान ही नहीं गया था !

हा हा हा ! कह रहे थे कि जिग्सा 'असफलता' को भी हरा सकता है !

हंस मत सात्रे ! हंस मत । जिग्सा की योजना तो सही थी, बस उसकी किस्मत खराब थी !

तड़ाक

मैंने ध्रुव पर सारी जानकारी मंगाई। उससे यह अनुमान लगा लिया कि वह मुझे ढूंढने के लिए पशु-पक्षियों की मदद लेगा मैंने उसकी ही मदद के लिए जान बूझकर ब्लिंप का टुकड़ा यहां कॉटेज के बाहर छोड़ दिया था !

फिर सब कुछ वैसे ही हुआ, जैसे मैंने सोचा था।...

...पर जरा सी गफलत के कारण ध्रुव बच गया !

सचमुच, मेरी किस्मत ही खराब रही होगी !

अब आपके ख्याल से ध्रुव क्या करेगा, जिग्सा ?

अब वह ल्योन के लिए रवाना होगा, लूका बेटे ! क्योंकि वह समझ चुका होगा कि मैं जान गया हूं कि वह मुझे ढूंढ रहा है, और अब मैं सतर्क हो गया हूं ।

अब पेरिस में वह मुझे ढूंढ नहीं सकता ! अब वह मुझे और अपने अतीत को ल्योन के छोर की पकड़कर ढूंढने की कोशिश करेगा !

और सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमको भी अब ल्योन जाना है, और वहीं जाना है, जहां पर ध्रुव जा रहा है !

लेकिन इस सात्रे का क्या करना है जिग्सा ! यह हमारे बारे में काफी कुछ जानता है, और अब यह हमारे किसी काम का नहीं रहा है !

धैर्य रखो लूका ! इसके बारे में मैंने पहले ही सोच रखा है। पहले अपने पेरिस वाले हेड-क्वार्टर पर चलो !

जिगसा ने ध्रुव के बारे में गलत अनुमान नहीं लगाया था-

जिगसा के इस हमले से साफ जाहिर है वेरा कि उसको मेरी हरकतों की पूरी जानकारी है। इस हमले के विफल होने के बाद वह और अच्छी तरह से छिप जाएगा। अब यहां रहकर उसको ढूंढ़ने की कोशिश करनी बेकार है!

तो फिर तुम अब क्या करोगे ध्रुव?

यहां समय बेकार हो रहा है। अब मैं ल्योन जाऊंगा, शायद वहां से मुझे कुछ और जानकारी मिल सके!

अगर ऐसा है तो मुझे पहले घर जाना पड़ेगा, और फिर पुलिस स्टेशन!

क्योंकि घर जाकर मुझे कपड़े बदलने होंगे और पुलिस स्टेशन जाकर यह पता करना होगा कि जिगसा ने 'डिफेंस रिसर्च लैब' से क्या उड़ाया है। शायद यह पता चलने से जिगसा के इरादों का भी पता चल सके और उसके छिपने के स्थान का भी!

साथ ही साथ में कुछ दिनों की छुट्टी के लिए भी एप्लाई कर दूंगी ताकि तुम्हारे साथ ल्योन जाकर तुम्हारी एस्टेट ढूंढ़ने में तुम्हारी मदद कर सकूं।

और फिर- पेरिस के पुलिस हैडक्वार्टर में-

सबसे पहले तो हम आपसे माफी चाहते हैं मिस्टर ध्रुव कि हमने आपके स्वर्गीय पिता रघुवंशी उर्फ श्याम पर हत्या का आरोप लगाया!

हमारे भ्रष्ट कमिश्नर फ्रांस्वा के मृत्युपूर्व बयान से यह जाहिर हो गया है कि आपके पिता रघुवंशी को इंस्पेक्टर ल्यूबेक की हत्या की साजिश में फंसाया गया था!

हम यह भी जान चुके हैं कि यह साजिश जिगसा के इशारे पर रचाई गई थी। बस हमको यह पता नहीं चला कि आखिर जिगसा का आपसे या आपके परिवार से क्या संबंध है! उसने आखिर ऐसा किया क्या? और वह भी पच्चीस साल पहले।

मैं फिलहाल ल्योन जा रहा हूं, डिप्टी कमिश्नर साहब। और मुझे उम्मीद है कि वहां से आपके सवालों के जवाब लेकर ही वापस आऊंगा!

अभी तो आप मुझको यह बताइए कि जिगसा ने रिसर्च लैब से क्या चुराया है?

ये जानकारी तो गुप्त है, ध्रुव! लेकिन जिग्सा से तुम्हारे संबंध और तुम्हारे अपराध के खिलाफ अभियान को देखते हुए मैं तुमको बताने में कोई हर्ज नहीं समझता!

दरअसल, जिग्सा एक ऐसा अपराधी है, जो सिर्फ ऐसे आविष्कार और तकनीकों को ही चुराता है जो या तो प्रायोगिक चरण में हों और या पूर्णतया की स्थिति में पहुंचने वाले हों!

इस बार भी उसने वही किया है। एक ऐसा आविष्कार चुराया है उसने जो लगभग पूरा हो चुका था। उस आविष्कार का नाम है...

...स्क्रैमबलर!

यह कोई हथियार है क्या?

हथियार ही समझो! 'स्क्रैमबलर' एक ऐसा यंत्र है जो टीजी 'नामक अदृश्य तरंगें छोड़ सकता है। इन तरंगों को किसी भी कंप्यूटर सिस्टम पर फोकस करके दूर से ही उस सिस्टम की प्रोग्रामिंग को बदला जा सकता है!

आजकल पूरी दुनिया में तैनात लगभग सारे सुरक्षा सिस्टम, जैसे मिसाइल वगैरह कंप्यूटर सिस्टम से ही जुड़े रहते हैं!

इस 'स्क्रैमबलर' के जरिए किसी भी मिसाइल सिस्टम के प्रोग्राम को बदलकर, अपने कब्जे में लिया जा सकता है!

योरोप के इस भाग में अमेरिका और ब्रिटेन सहित कई देशों की आणविक मिसाइलें तैनात हैं...

...स्क्रैमबलर के जरिए जिग्सा, इन सारी मिसाइलों की प्रोग्रामिंग बदलकर, उनमें अपनी प्रोग्रामिंग डाल सकता है, और इस तरह मिसाइलों को अपने कब्जे में कर सकता है!...

ओह! तब तो जिग्सा तक पहुंचना अब और भी जरूरी हो गया है। बन्दर के हाथ में तलवार आ गई है मुझे इजाजत दीजिए डी॰सी॰पी॰साहब!

बेस्ट ऑफ लक, ध्रुव! कोई काम लायक जानकारी मिले तो हमको भी सूचित करना!

जरूर, सर!

वेरा के घर की तरफ वापस जाते हुए, ध्रुव के दिमाग में कई नए सवाल उमड़ने लगे थे-

हम ल्योन कार से ही चलेंगे, ध्रुव! कोई दस-बारह घंटे का रास्ता है। मैं घर से कुछ कपड़े और कैमरा लेकर तुरन्त चल दूंगी!

कैमरा क्यों?

जिग्सा को कोर्ट तक पहुंचाने के लिए सुबूतों की जरूरत पड़ेगी ध्रुव! और वे सुबूत कैमरा इकट्ठे कर सकता है!

जिग्सा ने भी फिर से अपनी चाल चलनी शुरू कर दी थी-

यह... यह क्या कर रहे हो? मुझे बांध क्यों रहे हो?

हम तुझे ध्रुव को खत्म करने का एक मौका और दे रहे हैं!

इस 'न्यूक्लियर डेसीमेटर' से निकलने के बाद तू खुद एक हथियार बन जाएगा! इस तकनीक को मैंने एक अमेरिकी लैब से चुराया था... पर उसका इस्तेमाल तेरे जरिए मैं पहली बार फ्रांस में करूंगा!

मशीन में से तीव्र रेडिएशन तरंगें निकलकर, सात्रे के शरीर को सुईयों की तरह भेदने लगीं-

ईयाssssss ऊऊऊऊऊऊ
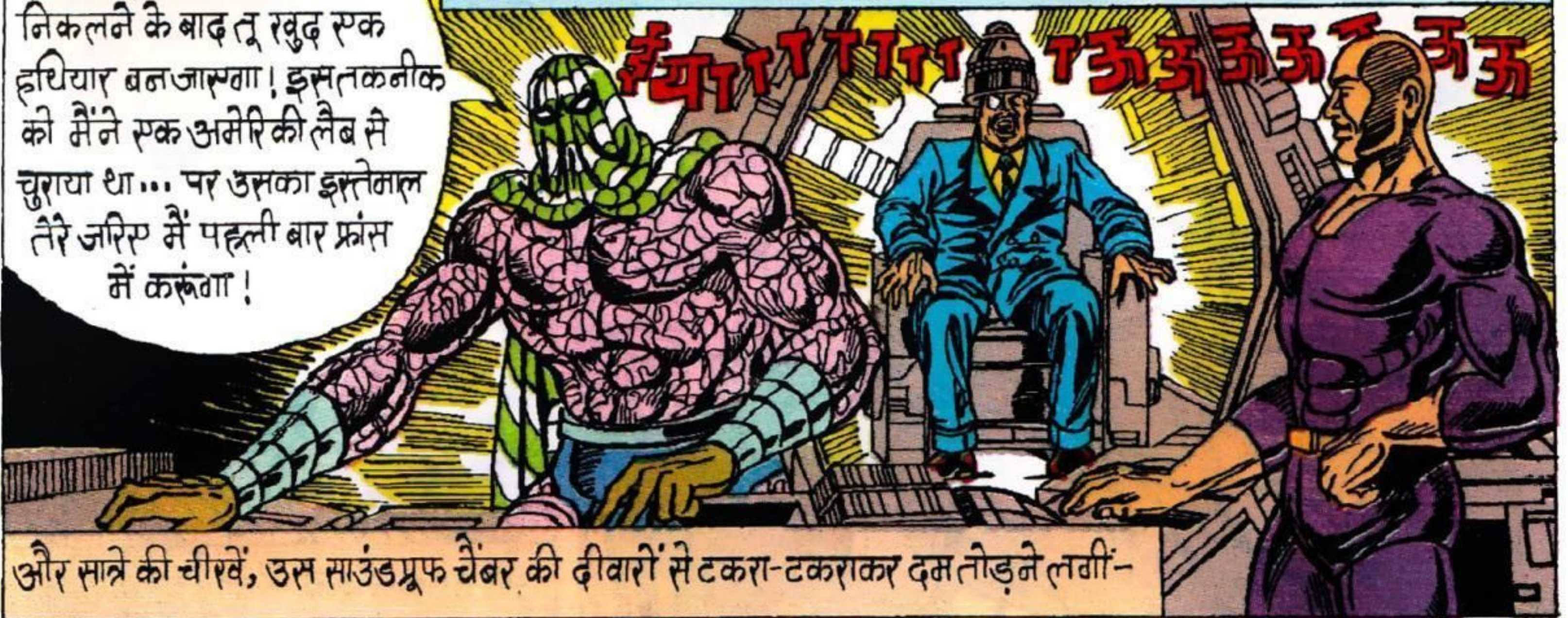
और सात्रे की चीखें, उस साउंडप्रूफ चेंबर की दीवारों से टकरा-टकराकर दम तोड़ने लगीं-

ध्रुव को ल्योन तक पहुंचने से रोकने के लिए एक और रुकावट का जन्म हो रहा था-

लेकिन ध्रुव पहले ही ल्योन के लिए रवाना हो चुका था-

FILSBURG 210 MILES

LYON 223 MILES

इस वक्त ट्रैफिक काफी कम रहता है ध्रुव! शाम होते-होते हम ल्योन तक पहुंच जाएंगे।...
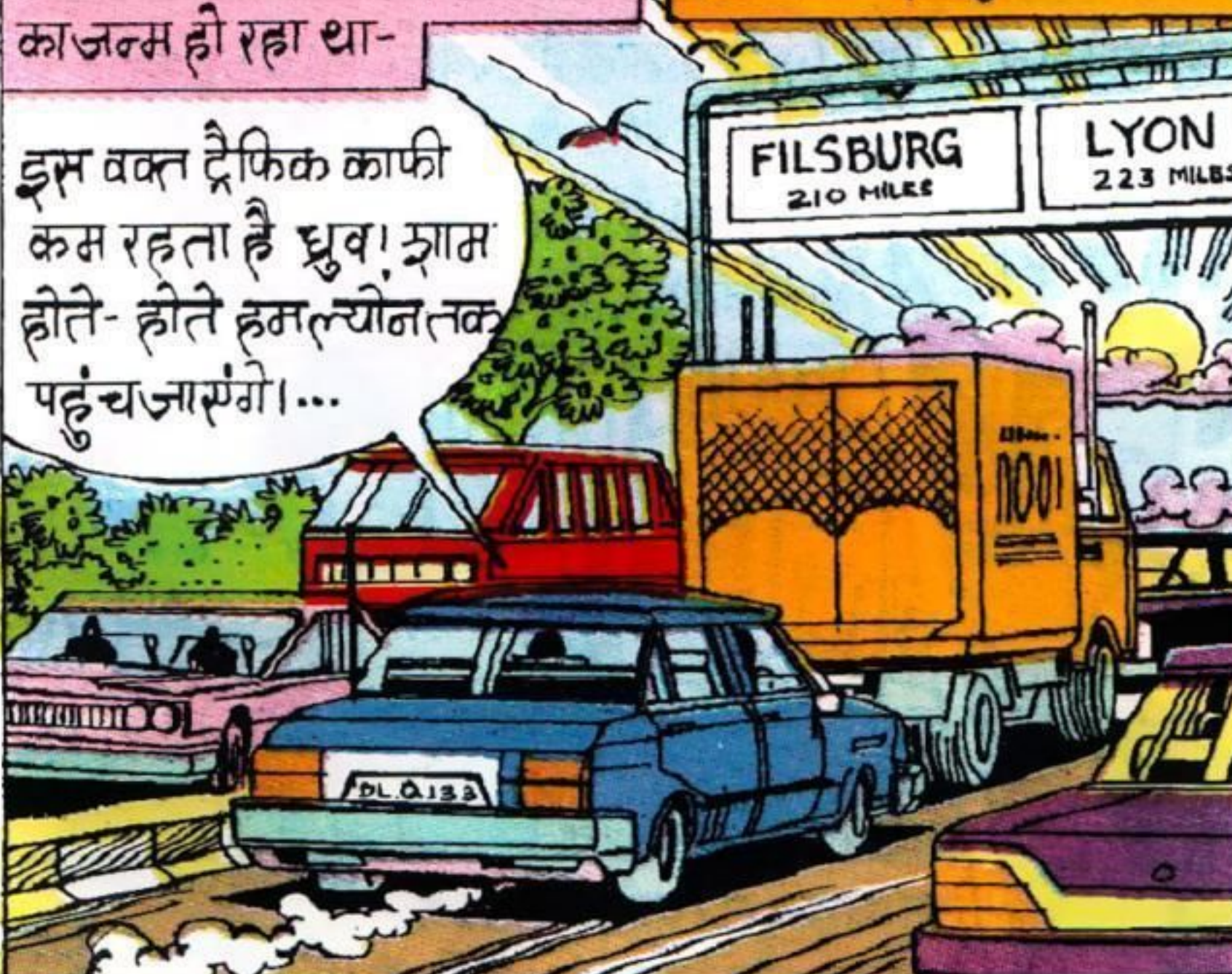
और तुमको रघुवंशी अंकल का पता बताकर मैं तुमको तुम्हारा अतीत ढूंढने का रास्ता दिखा दूंगी।...

... लेकिन तुम्हारे अतीत का यह चक्कर क्या है? अपना अतीत ढूंढते-ढूंढते तुम फ्रांस तक कैसे आ गए?

लम्बी कहानी है वेरा! लेकिन मैं तुमको संक्षेप में बताता हूं।

ध्रुव के दिमाग में घुमड़ती यादें, उसकी जबान से शब्द बनकर हवा में गूंजने लगीं-

और ध्रुव के दिमाग में ताजा होने लगा वह घटनाक्रम राजनगर में जो एक फोन कॉल से शुरू हुआ था-

तुम्हारा बाप श्याम जिसका असली नाम रघुवंशी था, फ्रांस से भागा हुआ एक हत्यारा था ध्रुव! पुलिस को आज भी उसकी तलाश है। सच्चाई जानना चाहते हो तो आर्टीफीशियल वॉटर फॉल पर पहुंचो। अकेले!

वॉटर फॉल पर ध्रुव की मुलाकात एक नकाबपोश और एक 'बुल्स आई' नाम के हत्यारे से हुई-

दोनों ने ही ध्रुव पर हमला किया-

बुल्स-आई को ध्रुव ने अपने दिमाग से परास्त कर दिया-

और नकाबपोश को उस गुरिल्ले से टकराना पड़ा, जो न जाने कहां से वॉटर फॉल पर ध्रुव की मदद के लिए आ गया था-

ध्रुव ने मदद बुलाने के लिए 'सिग्नल फ्लेयर' को हवा में दागा-

और उसकी रोशनी में ध्रुव को नजर आया ऊपर खड़ा हुआ एक रहस्यमय शख्स-

ध्रुव के ऊपर पहुंचने तक वह गायब हो चुका था-

और ध्रुव के नीचे उतरकर आने तक नकाबपोश और बुल्स आई दोनों ही भाग चुके थे, और वहां पर रह गया था सिर्फ एक बेहोश गुरिल्ला-

ओह! नकाबपोश ने गुरिल्ले को हरा दिया। अद्भुत शक्ति रही होगी नकाबपोश में।

गुरिल्ले को ध्रुव ने 'सिविल हॉस्पीटल' में भर्ती करवा दिया-

और कमांडो हैडक्वार्टर पहुंचकर करीम से रघुवंशी नाम के अपराधी की तलाश करने को कहा! जल्दी ही 'इंटरपोल' की फाइलों से जानकारी मिल गई-

उस फाइल में रघुवंशी उर्फ श्याम के फिंगर और डेंटल प्रिंट भी थे ★

समस्या थी तो ये कि उन निशानों का मिलान कैसे करें-

और इस समस्या के हल का रास्ता दिखाया वैशाली नाम की रिपोर्टर ने-

जुपिटर सर्कस पर आर्टिकल लिखते-लिखते उसके हाथ श्याम के डेंटल-प्रिंट लग गए थे-

मिलान करने पर पता चला कि वे दोनों निशान एक ही आदमी के थे। यानी श्याम और रघुवंशी एक ही आदमी थे-

MATCH

ध्रुव को नकाबपोश की बातों में सच्चाई नजर आने लगी-

★ डेंटल प्रिंट : दांतों के निशानों की प्रतिलिपि

कहानी 19 व पृष्ठ से जारी

लेकिन ध्रुव को इस खबर पर ज्यादा सोचने का वक्त नहीं मिला-

क्योंकि उसी वक्त मिली उसे एक और खबर-

हां, इंस्पेक्टर खत्री! हॉस्पीटल से बोल रहे हैं आप? हां... उस गुरिल्ले के शरीर पर एक निशान है? गोले में बना 'जे'। मैं अभी आता हूं!

यह निशान तो जुपिटर सर्कस के जानवरों पर लगा होता था। यानी वह गुरिल्ला जुपिटर सर्कस का है।

अस्पताल में ध्रुव की मुठभेड़ हुई एक और हत्यारे 'बी-यर्ड' से, जिसकी दाढ़ी पर जहरीले डंक वाली मक्खियां चिपकी हुई थीं-

ध्रुव ने इस मुसीबत से भी निपटने का रास्ता खोज लिया-

तड़ाक

और वहीं पर स्टोर रूम में ध्रुव को मिला एक और आश्चर्य-

ध्रुव की मुलाकात उसी हैट कोटधारी से हुई जिसको ध्रुव ने वॉटर फॉल पर देखा था। और वह था-

आप जुपिटर सर्कस वाले अंकल जैकब हैं सर्कस के मालिक!

हां, ध्रुव!

पर आप सर्कस में लगी आग से बचे कैसे? और अब तक आप मुझसे मिले क्यों नहीं?

जवाब में ध्रुव को सुनने को मिली वह कहानी, जिसने कुछ रहस्यों पर के पर्दों को उठा दिया-

मुझे गुरिल्ले किंगकांग ने बचाया था ध्रुव! मैं बेहोश हो चुका था। उसने मुझे एक नाव में डाला और समुद्र में ले गया। काकातुआ तोता भी उड़कर नाव में ही आ गया था। उसने मॉरिशस जा रहे एक जहाज को ढूंढ निकाला!

मॉरिशस ही मेरा घर है। होश में आने पर मैंने अपने भाई को सूचना भेजी और मॉरिशस में ही मेरा इलाज होने लगा। स्वस्थ होने में और ताकत वापस आने में मुझे सालों लग गए। मेरे भाई को डर था कि शायद सर्कस में आग मेरी जान लेने को ही लगाई गई है। इसलिए उसने किसी को भी मेरे बचने की खबर नहीं दी। यही कारण है कि मैं तुमसे मिल नहीं सका। मेरे सर्कस का बचा-खुचा सामान भी मॉरिशस भेज दिया गया। और उसी में मिली मुझे...

... श्याम की वह सन्दूकची, जो श्याम के पास उस वक्त थी, जब वह घायल अवस्था में मुझे फ्रांस के एक शहर ल्योन में मिला था, जहां पर उस वक्त मेरा सर्कस चल रहा था!

ल्योन में? पिताजी वहां क्या कर रहे थे?

वह फ्रांस में ही रहता था। और उसके घायल अवस्था में मिलने के ठीक बाद मैंने एक पुलिस वाले और दो गुंडों को उसको मारने के लिए उसका पीछा करते देखा। उसकी जान खतरे में जानकर मैं उसे अपने सर्कस में छिपाकर भारत ले आया!

वह ठीक तो हो गया, लेकिन सिर में गोली का घाव होने के कारण उसकी याददाश्त जाती रही। वह एक कुशल कलाबाज तो बन गया, लेकिन अपनी कहानी मुझे कभी बता नहीं पाया। उसको 'श्याम' नाम भी मैंने ही दिया था...

...हां, तो मैं बता रहा था कि जब मुझे श्याम की संदूकची मिली तो मैंने उसे खोलकर देखा! उसमें श्याम की उसके परिवार के साथ की एक फोटो थी।

बैकग्राउंड में एक भव्य बंगला भी था।...

...उसी बंगले के सहारे मैं ल्योन पहुंच गया ताकि श्याम के परिवार वालों को ढूंढकर मैं उनको श्याम के बारे में दुखद समाचार सुना सकूं।

लेकिन उस एस्टेट को ढूंढ कर...

लूका!

बस, बुड्ढे! आगे तू कुछ नहीं बता पाएगा। कभी भी नहीं।

उसी स्टोर में कोई छिपा हुआ था-

जो अंकल जैकब के लिए मौत का फरिश्ता साबित हुआ-

लूका, अंकल जैकब को खत्म तो नहीं कर पाया-

खच

आह!

लेकिन वहां से भागने में सफल जरूर हो गया-

और इस हत्या के प्रयास का इल्जाम आया ध्रुव पर-

जैकब के एक नाखून के नीचे मिले त्वचा के एक टुकड़े के डी.एन.ए. टेस्ट से यह तो साबित हो गया कि वह न तो ध्रुव की त्वचा का टुकड़ा था और न ही जैकब की त्वचा का-

लेकिन टेस्ट से यह भी पता चला कि उस त्वचा के टुकड़े का मालिक ध्रुव का नजदीकी रिश्तेदार था-

बाद के घटनाक्रम से यह बात पता चली कि लूका, बी-यर्ड और बुल्स आई के साथ फ्रांस की तरफ रवाना हो चुका था-

और यह जानने के बाद ध्रुव को लूका के पीछे-पीछे अपना अतीत जानने के लिए फ्रांस आना ही पड़ा-

रास्ते में ही उसको रोकने की कोशिश की गई। लेकिन ध्रुव ने उसे विफल कर दिया-

पेरिस पहुंचकर ध्रुव वहां के पुलिस कमिश्नर फ्रांस्वा से मिला, जिनके नाम ध्रुव के दत्तक पिता राजन मेहरा ने एक चिठ्ठी दी थी–

लेकिन फ्रांस्वा से ध्रुव को पता चला कि श्याम उर्फ रघुवंशी के केस से संबंधित सारी जानकारी किसी के द्वारा मिटाई जा चुकी थी–

DELETED

ध्रुव के सामने अपने अतीत को ढूंढ़ने के रास्ते बन्द होते जा रहे थे–

कि तभी– उसको होटल में एक मैसेज मिला–

अगर तुम रघुवंशी के बारे में जानना चाहते हो तो 'रॉन्देवू डेन' कैवियर स्ट्रीट पर आकर क्रशर से मिलो!

2013

Ritz

ध्रुव, क्रशर से मिलने पहुंचा। लेकिन क्रशर ने कुछ भी बताने की कीमत मांगी। और वह कीमत थी क्रशर को हराना। ध्रुव समझ गया कि यह उसको मौत के घाट उतारने की चाल थी। फिर भी उसने चुनौती को कुबूल कर लिया–

क्रशर को तो ध्रुव ने हरा दिया–

लेकिन एक दूसरे आदमी ने, ध्रुव पर एक साथ कई फाईटरों से हमला करा दिया। और यहां पर ध्रुव को मदद मिली एक रहस्यमय मददगार से–

उस लड़की की मदद से, ध्रुव सबको हराने में कामयाब हो गया–

लेकिन जल्दी ही यह साफ हो गया कि वह 'मददगार' मददगार नहीं थी–

मैंने तुमको सिर्फ इसलिए बचाया है ताकि मैं तुमको अपने हाथों से मार सकूं। क्योंकि तुम्हारा बाप मेरे पिता का कातिल था।

ओह! यानी मेरे पिता पर जिसकी हत्या का आरोप है, यह उसकी बेटी है।

दोनों में न जाने कब तक लड़ाई चलती। लेकिन एक 'पेजर मैसेज' ने उस लड़की को कहीं और जाने पर मजबूर कर दिया–
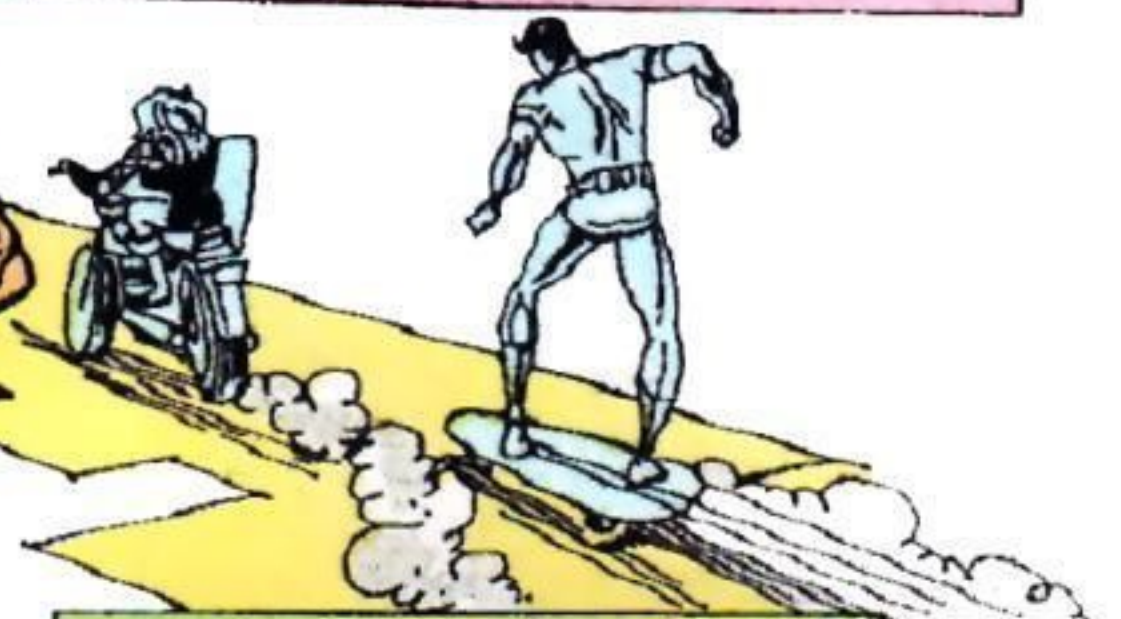
ध्रुव ने उसका पीछा किया–

उस रहस्यमय लड़की का पीछा ध्रुव को एक ऐसे घटनास्थल पर ले गया, जहां पर 'डिफेंस रिसर्च लैब' में जिग्सा द्वारा हमला किया गया था–

ध्रुव की तेज नजरों ने एक सिगारनुमा गुब्बारे को घटनास्थल से जाते देखा। ध्रुव समझ गया कि जिग्सा इसी में है। उसने गुब्बारे का पीछा किया–

वह गुब्बारा एफिल टॉवर पर जाकर टिक गया–

और वहां ध्रुव की मुलाकात हुई जिग्सा से। घमासान लड़ाई के बाद ध्रुव ने जिग्सा को पकड़ लिया। लेकिन उसी वक्त घटनास्थल पर आ गया फ्रांस्वा–

मैं ही वह पुलिस वाला हूं ध्रुव! जिसको जैकब ने गुंडों से बात करते सुना था!

मैंने और जिग्सा ने ही उस पुलिस वाले की हत्या करके रघुवंशी को फंसाया था। अब तुझे भी तेरे बाप के पास ही भेज दूंगा।

लेकिन फ्रांस्वा ऐसा कर नहीं सका–

क्योंकि वह रहस्यमय लड़की वहां घटनास्थल पर पहुंच गई थी–

मैं इंस्पेक्टर वेरा हूं कमिश्नर! और मेरे पुलिस बैंड ट्रांसमीटर के जरिए तुम्हारा बयान हर पुलिस चौकी और हर पुलिस कार में सुना जा चुका है।

जिग्सा तो भाग चुका था, पर कमिश्नर फ्रांस्वा अपनी नियति से बचकर भाग नहीं सका–

उसने ध्रुव को मारने की कोशिश की–
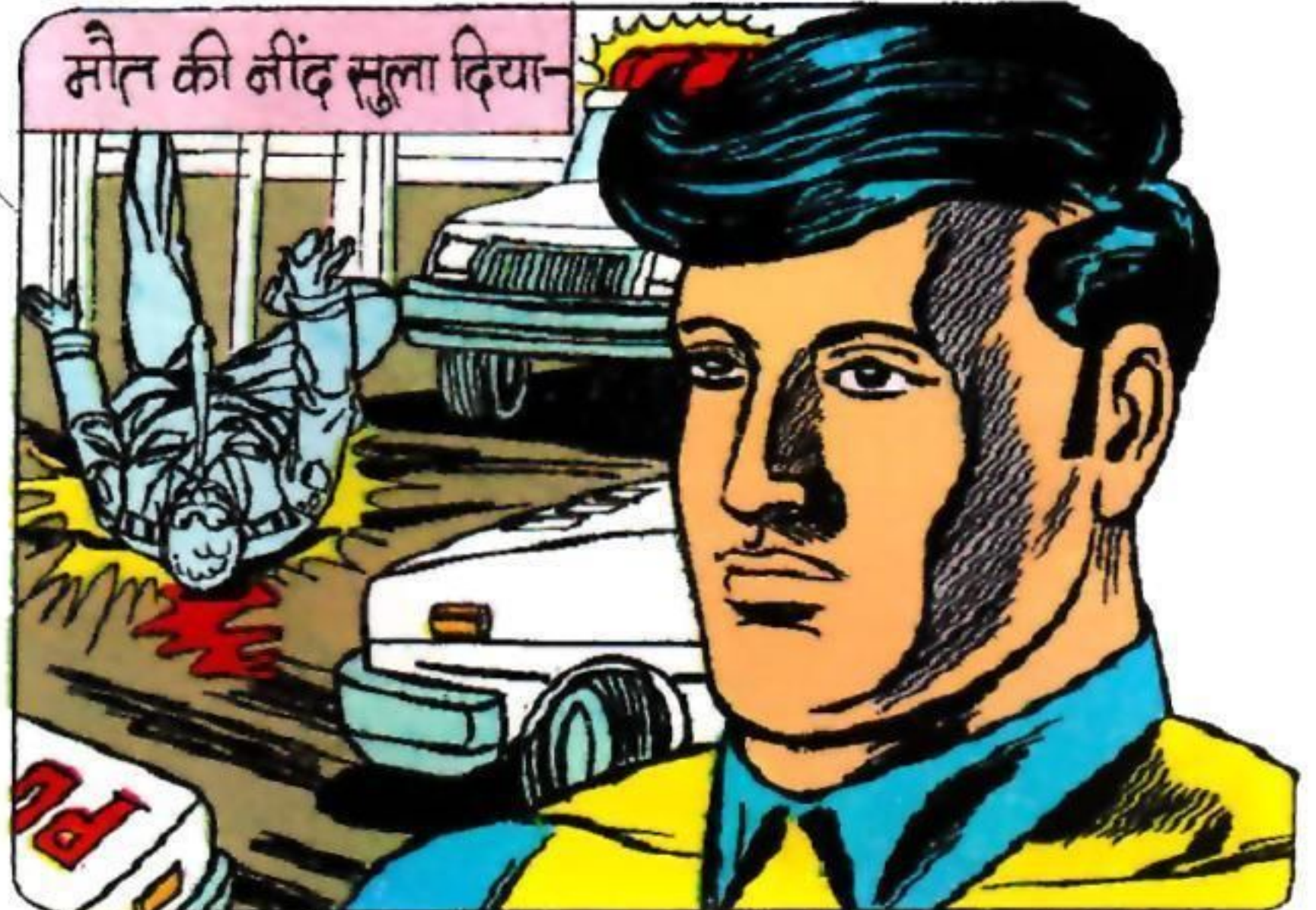
लेकिन ऐन वक्त पर काकातुआ तोते ने वहां पहुंचकर उसको ही–

मौत की नींद सुला दिया–

ओह! तुमने इतने खतरनाक-खतरनाक मुजरिमों को भी धूल चटा दी। मैं तुम्हारे बारे में जितना जानती जा रही हूं, उतनी ही तुम्हारे लिए मेरे दिल में इज्जत बढ़ती ही जा रही है।

मुझे काफी सोचने के बाद भी एक बात समझ में नहीं आई।

इतने सालों तक तो मुझे न अपना अतीत पता था, और न ही मैंने उसे कभी जानने की कोशिश की थी।

लेकिन इतने सालों बाद आखिर लूका या जिग्सा को मुझ तक आने की और मुझे मेरा अतीत बताकर मारने की क्या जरूरत पड़ गई?
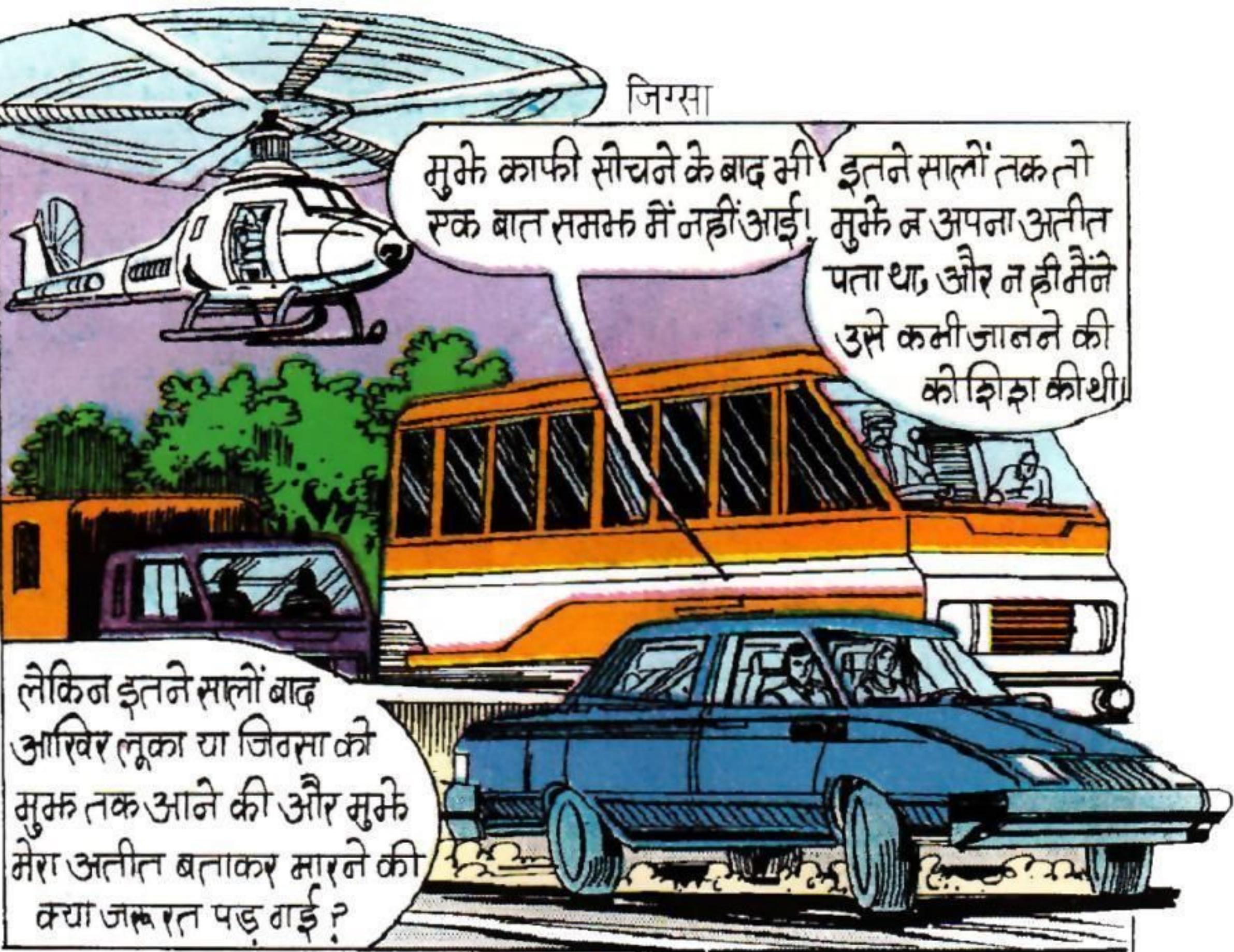
जवाब हवा में उड़ता हुआ ध्रुव के पीछे आ रहा था-

हा हा हा! वे रहे हमारे दुश्मन! आज के बाद से हमको ध्रुव की चिन्ता करने की कभी जरूरत नहीं पड़ेगी। और इसकी मौत के बाद हम एस्टेट को आराम से बेच सकेंगे।

कार्टन नीचे गिरा दो लूका! और फिर उड़ चलते हैं ल्यीन की तरफ!

ये ल्यीन पहुंचने का छोटा रास्ता है ध्रुव!

'हाईवे' बन जाने के बाद अब कोई इसका इस्तेमाल नहीं करता!
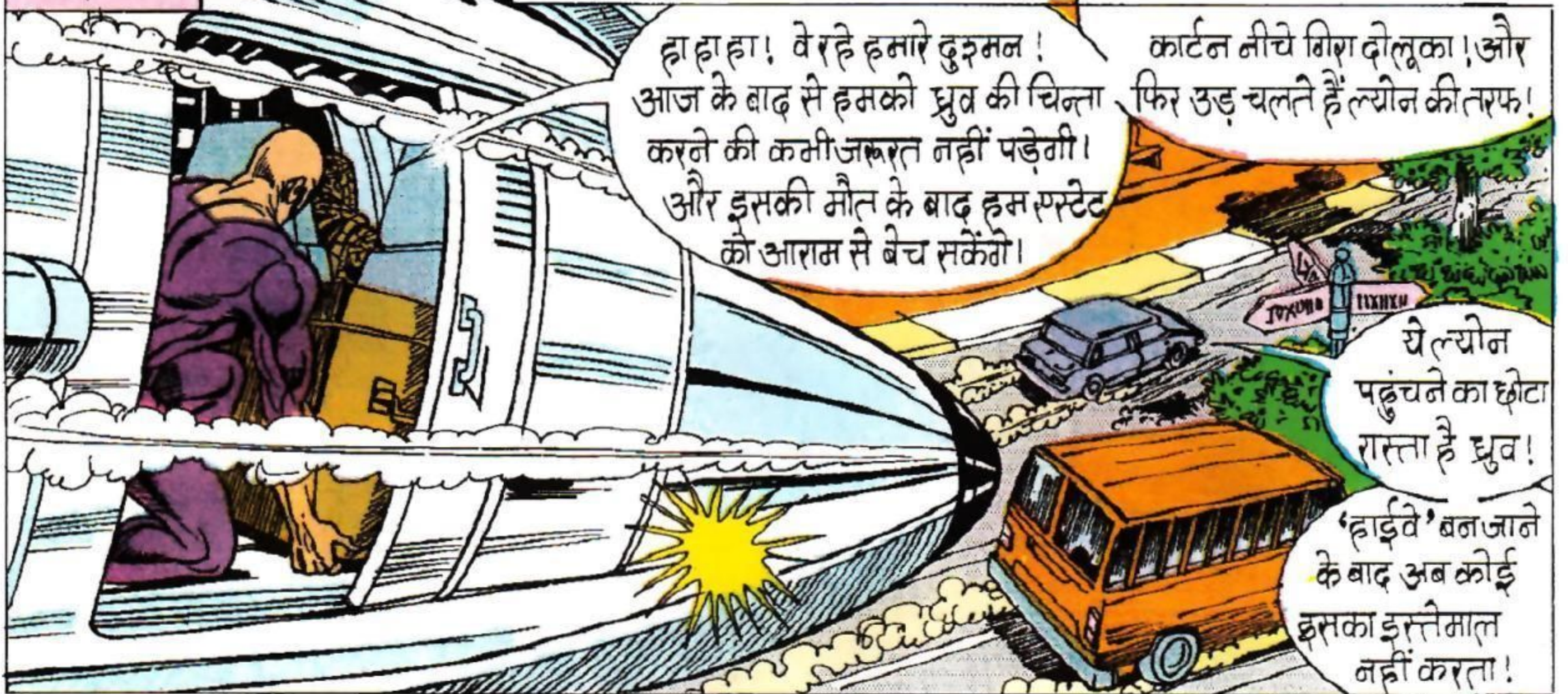
इससे हमारा करीब सत्तर मील का रास्ता बच... अरे!

वह हेलीकाप्टर कोई बॉक्स गिरा रहा है!

गुडबाय ध्रुव!

घबराना मत! ल्यीन में हम तुम्हारी अंत्येष्टि का जोरदार इंतजाम करके रखेंगे!

जिग्सा! और साथ में लूका भी है!
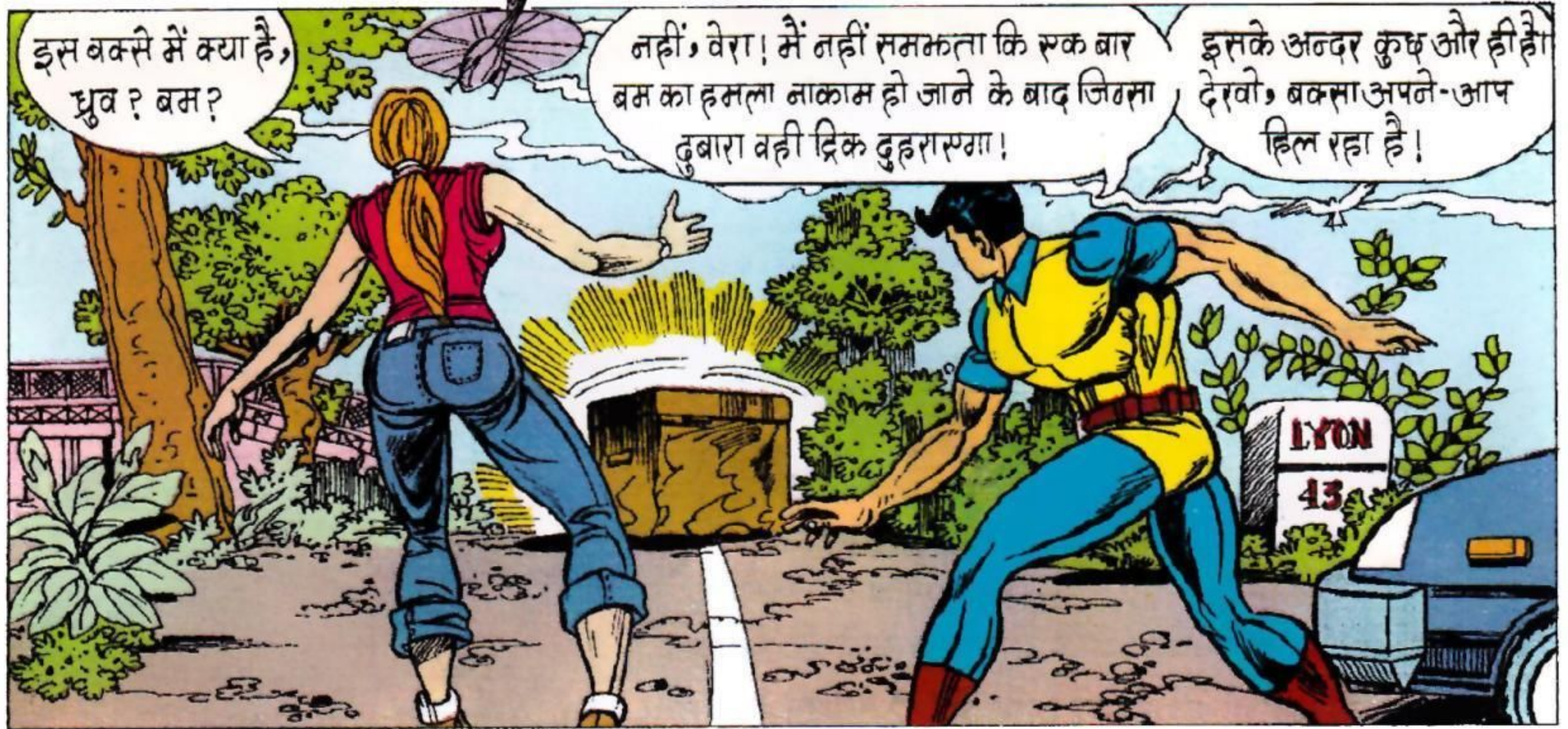
इस बक्से में क्या है, ध्रुव ? बम?

नहीं, वेरा! मैं नहीं समझता कि एक बार बम का हमला नाकाम हो जाने के बाद जिग्मा दुबारा वही ट्रिक दुहराएगा!

इसके अन्दर कुछ और ही है! देखो, बक्सा अपने-आप हिल रहा है!

LYON 43

बक्सा खुल रहा है ध्रुव! नहीं! कोई उसे खोल रहा है।

बक्से का ढक्कन खुला-

और उसके अन्दर से एक ऐसी भयंकर आकृति ध्रुव और वेरा के सामने आकर खड़ी हो गई जैसी सिर्फ बुरे सपनों में ही दिखाई देती है।

ये हम पर हमला कर रहा है वेरा! बचो! अरे! ... मेरी 'स्टार-बेल्ट' में लगा 'रेडिएशन इंडीकेटर' सिग्नल दे रहा है। यानी इसके शरीर से रेडियोधर्मी विकिरण निकल रहे हैं।

पी पी पी पी
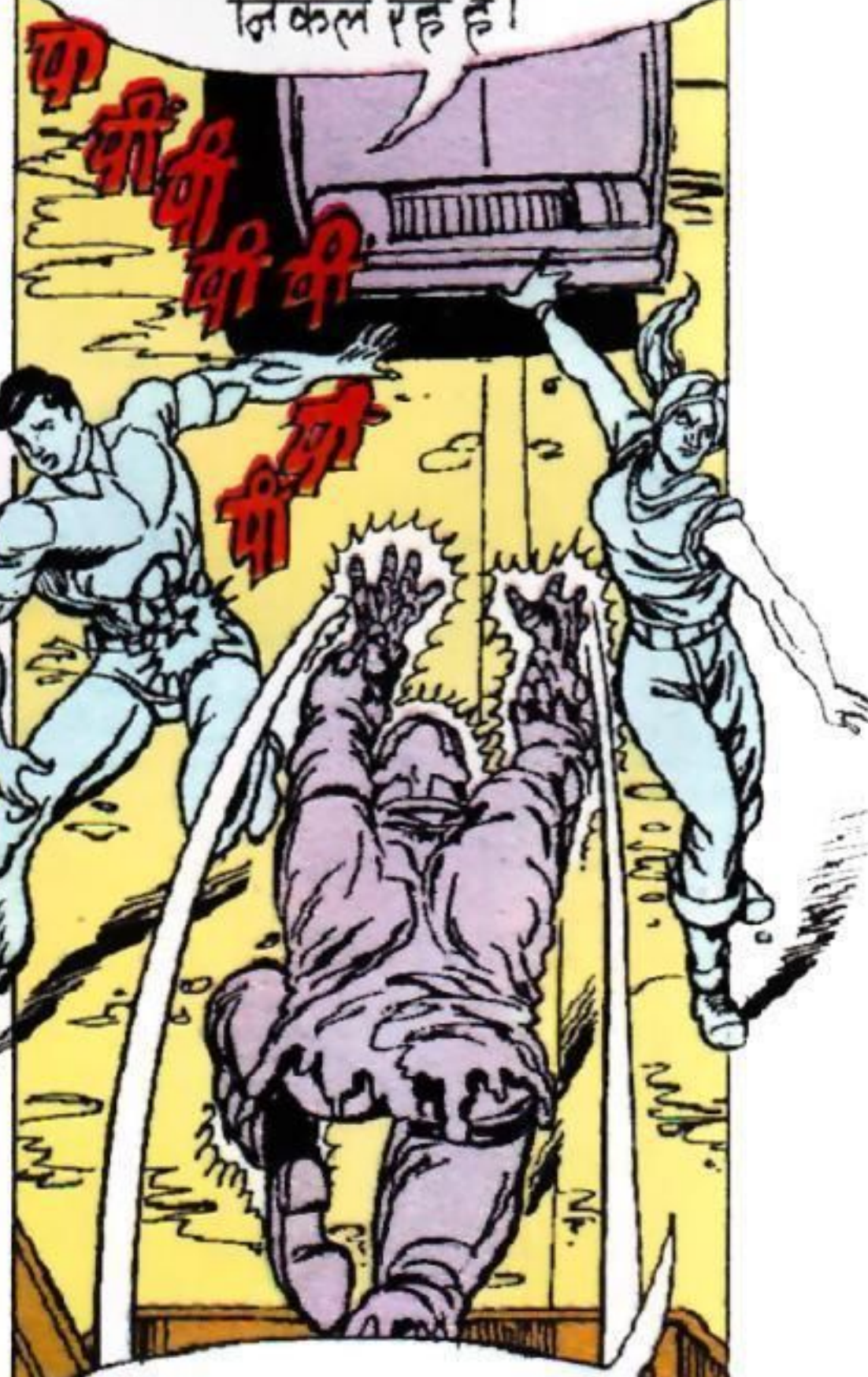
ओ गॉड! ये... ये क्या है?

यह... यह तो सात्रे है! जिसने मुझ पर रांदेवू जिम में हमला करवाया था, और बाद में जिसका जिक्र फ्रांस्वा ने किया था। ★

मैं समझ गई ध्रुव! इसकी हालत देखकर मुझे वह गुप्त रिपोर्ट याद आ गई जो लगभग तीन माह पहले हमारे पास इंटरपोल से आई थी।

★ यह जानने के लिए पढ़ें : अतीत

जिग्सा ने एक अमेरिकी लैब से एक ऐसी तकनीक को चुराया था, जो एक आम इन्सान को 'रेडिएशन युक्त प्राणी' में बदल सकती थी! इससे उस प्राणी में असाधारण शक्तियां आ सकती हैं। लेकिन वे शक्तियां क्या थीं, इसका उस रिपोर्ट में जिक्र नहीं था। ...उसने शायद इसी तकनीक के प्रयोग से सात्रे को एक खतरनाक हथियार में बदल दिया है।

वेरा ने सात्रे के आगे बढ़ते हाथों को एक तरफ हटकर छकाया—

और सात्रे का शरीर एक पेड़ से जा टकराया—

धमम्मम

कुछ क्षणों तक सात्रे अपना सन्तुलन खोकर उस पेड़ से चिपका रहा—

और उतनी ही देर में वह हरा-भरा पेड़ एक ठूंठ में बदल गया—

ओह! मैं समझ गया। यह अपने शरीर से रेडिएशन छोड़ता है, जो किसी भी जिन्दा वस्तु की जीवन ऊर्जा खींचकर उसे मृत बना देता है...

...इसको अपने शरीर का स्पर्श करने देना मूर्खता साबित होगी।

इसलिए इसको मैं इस पेड़ से ही बांध देता हूं।

कहीं इसने तुम्हारी स्टार लाईन को भी तोड़ दिया तो? मैं कार से अपना बैग ले आती हूं, जिसमें कुछ हथियारों के साथ-साथ मेरी पुलिस रिवॉल्वर भी है।

उसकी जरूरत नहीं पड़नी चाहिए वेरा। मैं नहीं समझता कि यह नाइलो स्टील की बनी स्टार लाईन को तोड़ सकता है।

ध्रुव का ख्याल सही था। वह सिर्फ यह नहीं जानता था कि सात्रे बिना स्टारलाईन को तोड़े भी आजाद हो सकता था—

गर्र्र्र्र

अरे! स्टार लाईन बगैर इसके शरीर को नुकसान पहुंचाए इसके शरीर से आर-पार हो रही है। ...

...जैसे... जैसे इसका शरीर ठोस न होकर किसी लिजलिजे द्रव से बना हुआ हो। यानी रेडिएशन ने इसके शरीर को 'जेली' जैसा बना दिया है!

इससे पहले कि आश्चर्य के सागर में गोते लगा रहा ध्रुव, उससे उबर पाता-

सात्रे ने एक आश्चर्यजनक गति से आगे बढ़कर ध्रुव को दबोच लिया-

आआईई ईई

आह! पूरे शरीर की शक्ति तेजी से कम होती जा रही है। अब तो चीखने तक की ताकत नहीं बची है।...

...इसके बंधन तोड़ पाना तो बहुत दूर की बात है।

कुछ ही पलों में जान शरीर से अलग हो जानी थी-

और ध्रुव के शरीर से खिंचती जीवन ऊर्जा ने उसकी चीखें निकलवा दीं-

लेकिन हो नहीं पाई। कुछ गोलियां दगीं-

धाँय धाँय
धाँय
धाँय धाँय
धाँय

और गोलियों के धक्कों ने सात्रे के शरीर को हवा में उठाकर दूर फेंक दिया-

ध्रुव!
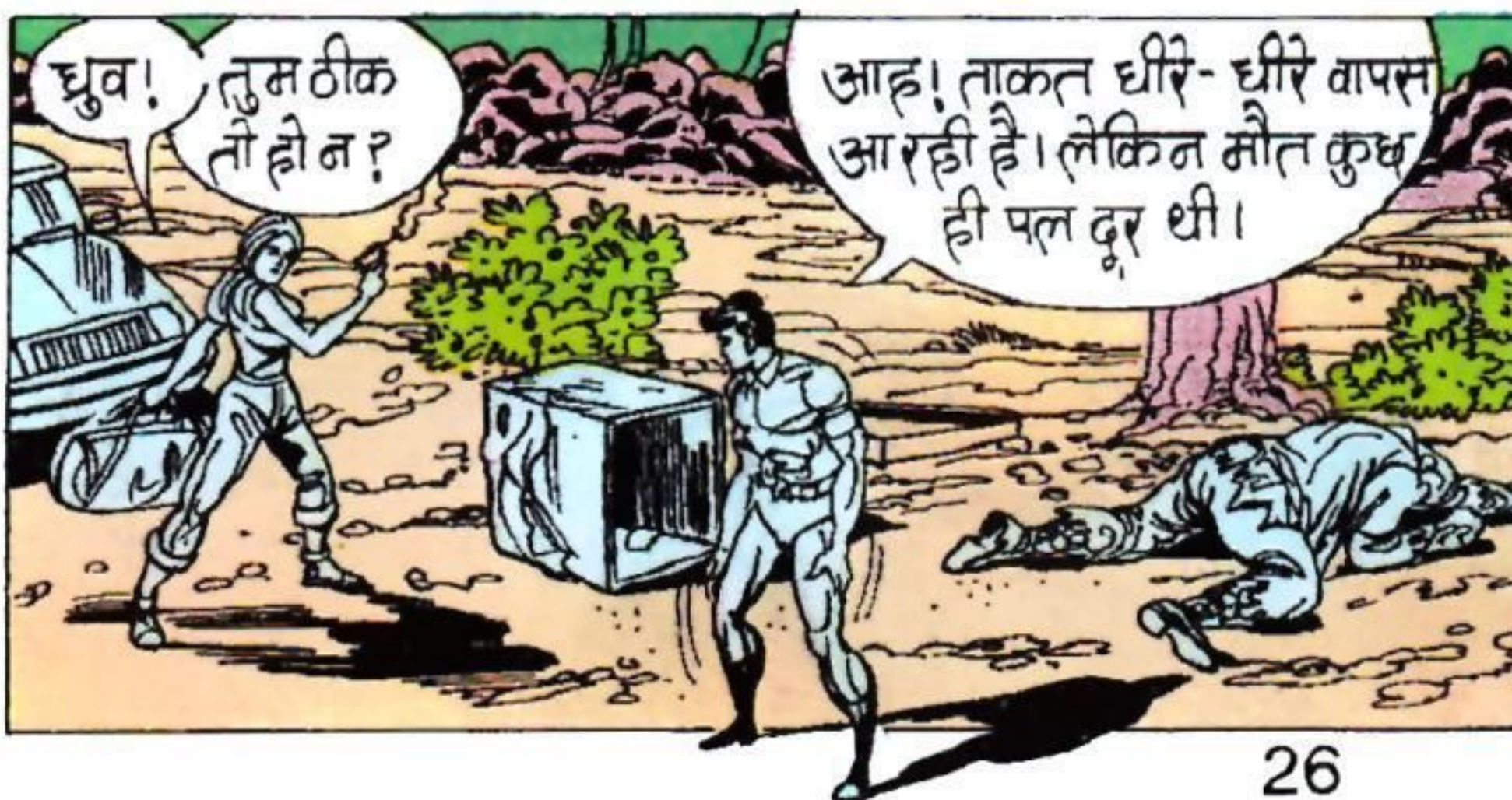
तुम ठीक तो हो न?

आह! ताकत धीरे- धीरे वापस आ रही है। लेकिन मौत कुछ ही पल दूर थी।

अब चिन्ता की कोई बात नहीं है।

मैंने पूरी छः की छः गोलियां इसके बदन में उतार दीं... ओह!

इस पर तो गोलियों का कुछ भी असर नहीं हुआ!

गर्र्र्र

असर होना भी नहीं था। क्योंकि इसका शरीर 'जेली' जैसा पिलपिला हो गया है।

गोलियां इसके शरीर में धंस कर बेकार हो गई होंगी।

बचो, वेरा!

ध्रुव के सावधान करने तक सात्रे का शिकंजा, वेरा की दबोच चुका था-

इस बार ध्रुव की बारी थी वेरा की मदद करने की-

उम्मीद है कि जूतों से इसको छूने से मुझ पर कोई असर नहीं होगा!

तड़ाक

कम से कम ध्रुव का यह ख्याल सही निकला-

और वेरा की जान में फिर जान आ गई-

इसको रोक पाना मुश्किल ही नहीं असंभव लगता है ध्रुव! मेरी मानो तो गाड़ी में बैठकर यहां से भाग लो! इसको रोकने की कोशिश करके अपनी जान देने से कुछ भला होने वाला नहीं है।

कैसी बात कर रही हो वेरा! इसको ऐसे छोड़ देने से यह कहीं और तबाही मचाएगा। अपनी मुसीबत को मैं दूसरों पर नहीं डाल सकता। वैसे भी मुझे पूरा विश्वास है कि यह हमारा पीछा छोड़ने वाला नहीं है।

तो फिर इसे रोकें तो रोकें कैसे?

कोई न कोई रास्ता तो जरूर... वह बक्सा। जिसमें बन्द करके जिगसा ने इसको नीचे गिराया था। यही वह रास्ता है।

जिगसा ने इसको इस बॉक्स में इसलिए बन्द किया होगा, क्योंकि अगर यह खुला होता तो जिगसा पर ही हमला कर देता। और यह बक्सा इसकी मुख्य शक्ति रेडिएशन को रोककर रख सकता है।

तुम्हारा मतलब है कि हम इसको वापस बक्से में बंद कर दें?

हां! इसके लिए हमको इसे बक्से की तरफ धकेलना पड़ेगा!

और उसके लिए हमको इस पर संयुक्त हमला करना पड़ेगा!

तड़ाक

धड़ाक

मैं समझ गई ध्रुव!

शायद यह बॉक्स सीसे यानी लेड का बना हुआ है। क्योंकि लेड की चादरें विकिरणों को आसानी से रोक लेती हैं।

ध्रुव और वेरा दो फुटबाल खिलाड़ियों की तरह सात्रे को फुटबाल समझकर खेलते हुए बक्से रूपी गोल तक तो ले आए—
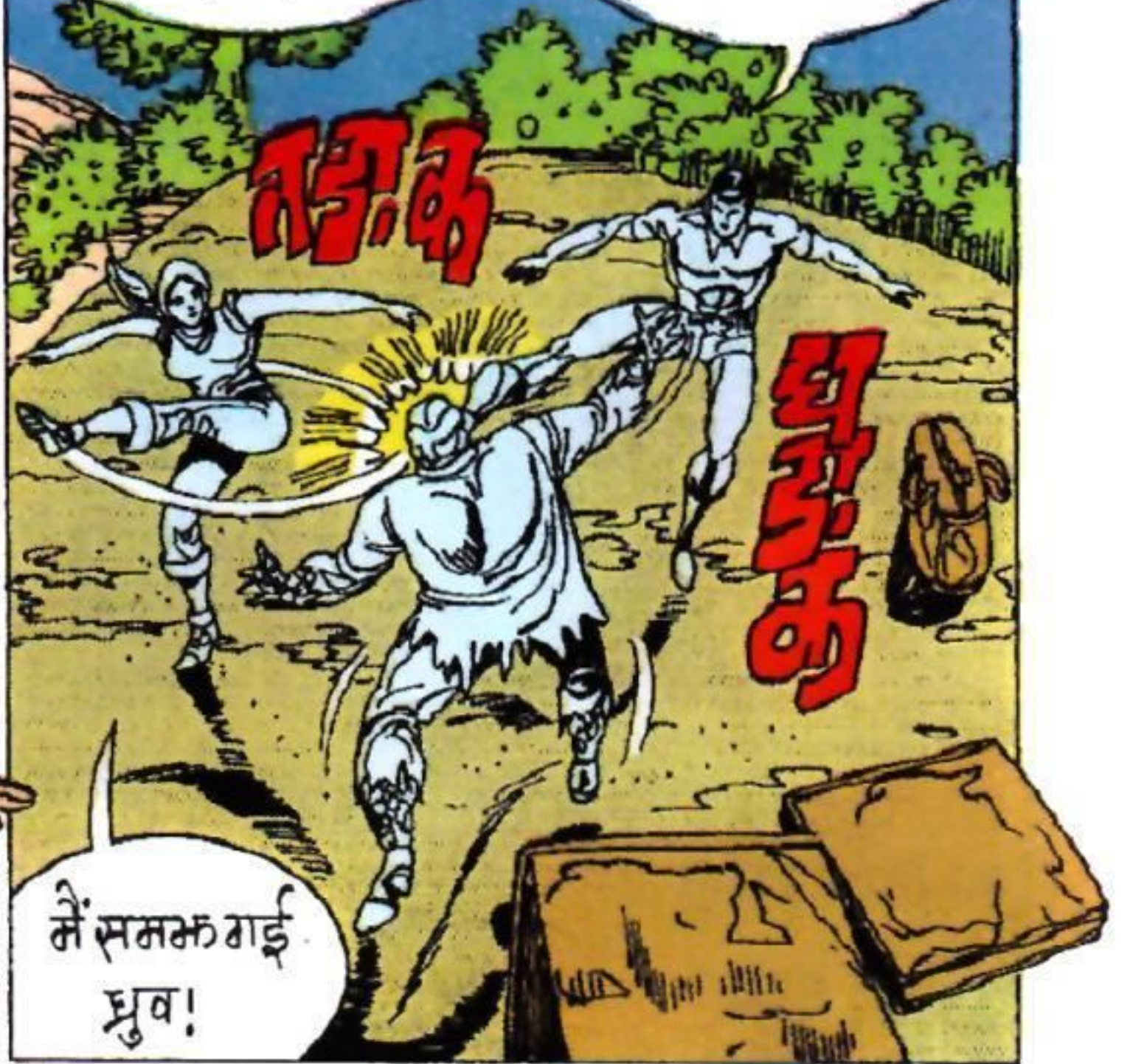
लेकिन उनकी मंशा पूरी नहीं हो सकी—

क्योंकि सात्रे भी उनकी स्कीम को समझ गया था—

और अब उसका वापस पिंजरे में बन्द होने का कोई इरादा नहीं था—

कड़ड़ड़...

उसके एक ही शक्तिशाली वार से बक्से की चादरें टूटकर—

हवा में उड़ती हुई नीचे बहती नदी में जा गिरीं—

ओह! अब हम क्या करेंगे ध्रुव?

यह तो अब मुझे भी नहीं समझ आ रहा वेरा…

आऽऽह!

इस पर गोलियां असर नहीं करतीं। लेकिन मेरे पास रिवॉल्वर के अलावा 'पुलिस नाइफ' भी है, जो इसके टुकड़े-टुकड़े कर सकता है।

नहीं, वेरा! यह एक इंसान है।…

…और एक इंसान की जान लेना अनुचित है, चाहे वह किसी भी रूप में क्यों न हो।

हमने इस पर हमला नहीं किया ध्रुव, बल्कि इसने हम पर बिना किसी उकसावे के जानलेवा हमला किया है! और आत्मरक्षा में किसी को मार डालने का हक कानून भी सबको देता है।

ध्रुव के कुछ और कर पाने से पहले ही वेरा के हाथ में थमा चाकू चमक उठा था–

खचाक

और सात्रे का सिर धड़ से जुदा होकर, हवा में उछल चुका था–

लेकिन–

ओ… ओ गॉड! सिर कटने के बाद भी यह हरकत कर रहा है!

यह… इंसान है या भूत!

घबराहट में वेरा के हाथ, पागलों की तरह घूमने लगे–

और सात्रे के शरीर के टुकड़े कट-कटकर सड़क पर तड़पने लगे–

कमाल है! पूरा शरीर अलग-अलग हो गया! लेकिन खून का एक कतरा तक नहीं निकला!

खैर! आखिरकार किस्सा खत्म हुआ! मुझे यह काम पहले ही कर देना चाहिए था…

…अब यहां से चलो ध्रुव! हम अगले पुलिस स्टेशन पर इस घटना की रिपोर्ट लिखवा देंगे! और पुलिस इसके टुकड़े बटोर लेगी।

ध्रुव, वेरा के साथ कार की तरफ बढ़ा–

लेकिन कार तक पहुंचने से पहले ही वे वापस घसीट लिए गए-

धाड़

तड़ाक

अरे! यह क्या? कटने के बाद अलग-अलग होकर भी इसके अंग हम पर हमला कर रहे हैं।

इसका मतलब इसका शरीर जीवन ऊर्जा से नहीं, आणविक ऊर्जा से चल रहा है। क्योंकि गर्दन कटने के बाद तो जीवन ऊर्जा वैसे ही समाप्त हो जाती है।

गर्रर्र! तू ठीक समझा ध्रुव! मेरा मस्तिष्क इस वक्त भी आणविक तरंगों के जरिए अपने अंगों को नियंत्रित कर रहा है। एक बार तुम दोनों को खत्म कर लूं, फिर मैं अपने अंगों को फिर से आणविक ऊर्जा द्वारा जोड़ लूंगा।

और उसके बाद जिग्सा मुझे फिर से पहले जैसा बना देगा।

ओह! तो जिग्सा ने इसे यह प्रलोभन दिया है।

लेकिन मैं समझता हूं कि जिग्सा इसको ठीक नहीं कर सकता। क्योंकि अगर वह ऐसा कर सकता तो इसको छोड़कर भागता नहीं, बल्कि मुझे मारने में इसकी मदद करता।

खैर! वह तो बाद की बात है। फिलहाल तो इन अंगों से निपटने का तरीका सोचा जाए। क्योंकि इनके स्पर्श से मेरे शरीर की जीवन ऊर्जा तेजी से खिंच रही है।

इससे पहले कि ध्रुव कोई तरीका सोच पाता, वेरा की ताकत ने जवाब दे दिया-

उसका शरीर बेहोशी के आलम में कड़ी सड़क से टकराया-

और वेरा को दबोचने वाले शरीर के अंग भी ध्रुव की तरफ लपक गए-

अब ध्रुव को दो के बजाय चार अंगों से निपटना था-

और चारों तरफ से हो रहे प्रहारों ने पहले ही उसकी शक्ति को क्षीण कर दिया था-

आह! अब मैं और मुकाबला नहीं कर सकता! और इनसे बचने का कोई रास्ता भी नहीं सूझ रहा है।

तू लाख दिमाग और ताकत लगाले ध्रुव, लेकिन मैं अपने अंगों से तब तक तुझ पर वार करता रहूंगा, जब तक तू मर नहीं जाता!

इसका सिर! यह खुद तो हिल नहीं पा रहा है लेकिन अपनी आणविक मानसिक तरंगों से अपने अंगों को नियंत्रित करके मुझ पर वार करा रहा है। अगर मैं इस सर को कहीं दूर फेंक सकूं, तो शायद इसके अंगों पर से इसका संपर्क टूटकर नियंत्रण खत्म हो जाए!

तड़ाक

अगले ही पल ध्रुव की एक सधी हुई किक से सात्रे का कटा सर उड़ता हुआ, झाड़ियों और पत्थरों के बीच में जा गिरा-

लेकिन ध्रुव के इस वार से उस पर हो रहे हमले में कोई फर्क नहीं पड़ा-

आऽऽह! सात्रे के सिर के चट्टान के पीछे गिरने से भी कोई फर्क नहीं पड़ा। अपने अंगों से उसका आणविक मानस संपर्क नहीं टूटा है, क्योंकि झाड़ियां और चट्टानें आणविक किरणों को रोक नहीं पा रही हैं!
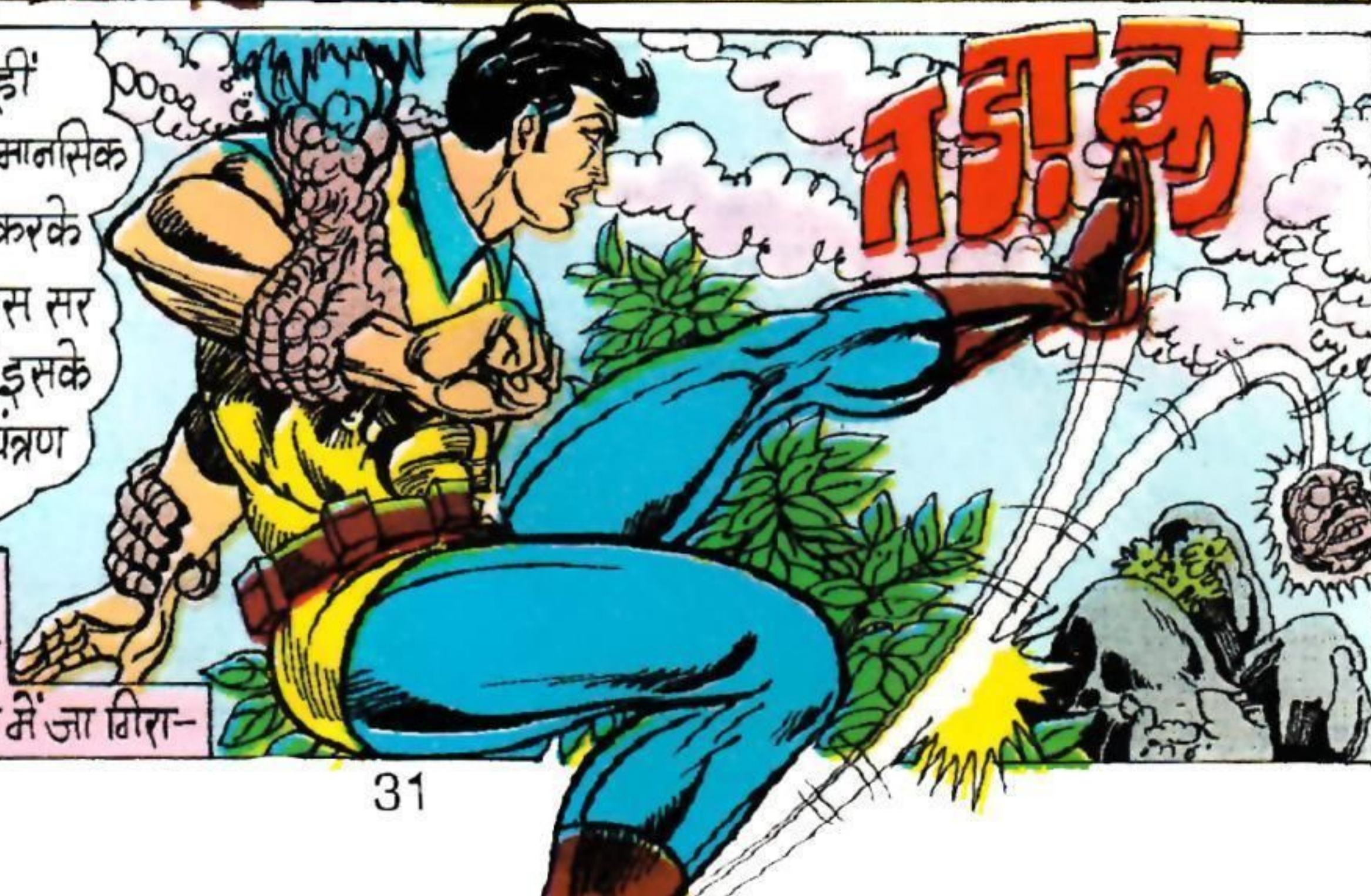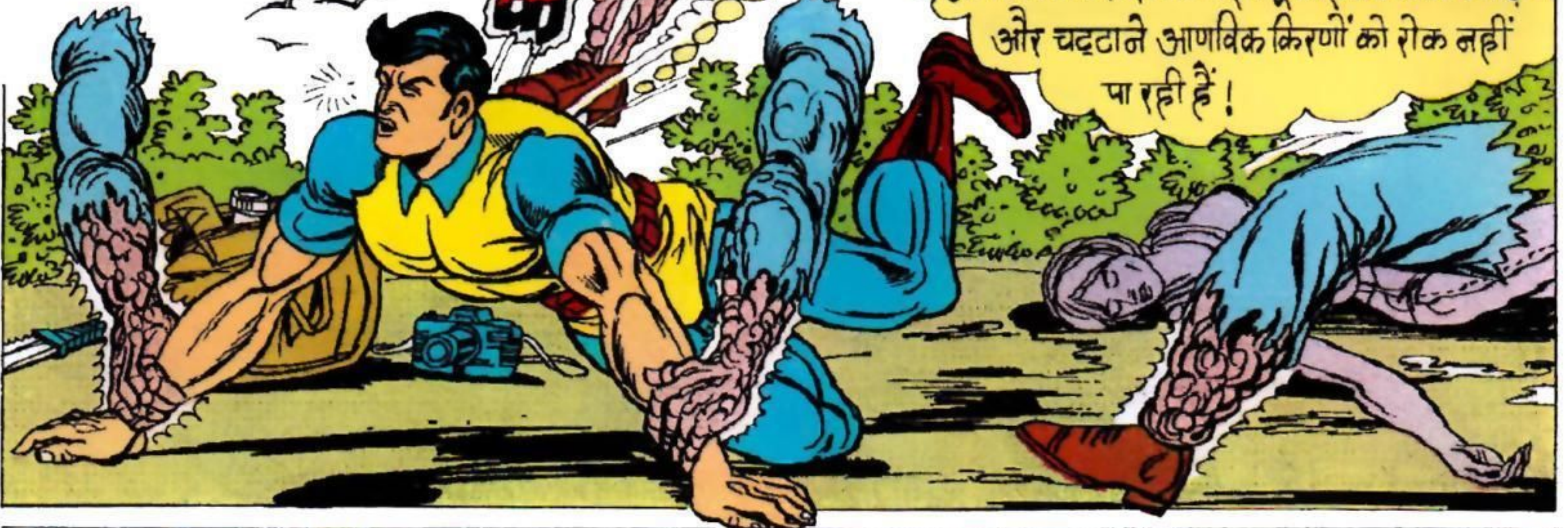
आणविक किरणों को सिर्फ 'लेड' की चादर ही रोक सकती है। और लेड की सारी चादरें सात्रे ने पहले ही नदी में फेंक दी हैं।

और अब मुझमें न तो संघर्ष करने की शक्ति बची है, और न ही इस मुसीबत से बचने का कोई रास्ता सोचने... आह!

वेरा का कैमरा! यह शायद मेरी मदद कर सके!

अब मुझे अपनी सारी बची-खुची शक्ति को समेटकर सात्रे के कटे सिर के पास पहुंचना होगा।

ध्रुव अपनी सारी ताकत का प्रयोग करके सात्रे के सिर तक पहुंचा-

लेकिन कैमरे की मदद से ध्रुव आखिर करना क्या चाहता है?

हा हा हा! मरते वक्त मेरा चेहरा देखना चाहता है, ध्रुव? देखले, देखले!

तू भी मेरी शक्ल देखले सात्रे! क्योंकि इसके बाद पता नहीं तू कुछ देख पाए या नहीं!

ध्रुव के एक ही प्रहार से कैमरा चकनाचूर हो गया-

और-

मेरा सोचना ठीक निकला। कुछ आधुनिक कैमरे की तरह इस कैमरे में भी लेड की लाइनिंग★ है। और यह लाइनिंग इसके मस्तिष्क को ढकने के लिए पर्याप्त है। एक बार इसका मस्तिष्क लेड की चादर से ढक गया तो फिर आणविक मानस तरंगें निकलनी बन्द हो जाएंगी...

★ लाइनिंग : सुरक्षा पर्त

... और मानसिक आणविक तरंगों का निकलना बन्द होते ही अंगों से इसका संपर्क टूट जाएगा...
... और वे दिशाहीन वस्तु की तरह शान्त हो जाएंगे।
सात्रे के शरीर के अंग कुछ देर तक तो जमीन पर गिरी मछली की तरह तड़पते रहे-
और फिर-
अरे! ये अंग तो गल रहे हैं। और साथ में सात्रे का सिर भी जलते मोम की तरह गलता जा रहा है। तो यह है उस 'आणविक मानव' बनाने की तकनीक का अंजाम। एक बार आणविक ऊर्जा खत्म होनी शुरू हो जाए तो शरीर के कण आपस में बंधे नहीं रह पाते!
शायद इसीलिए अमेरिकी वैज्ञानिकों ने खुद कभी इस तकनीक का प्रयोग नहीं किया।
ध्रुव! तुमने सात्रे के अंगों को नष्ट कर दिया! पर कैसे?
तुम होश में आ गई वेरा! शुक्र है भगवान का!
सात्रे को मैंने तुम्हारे कैमरे की मदद से खत्म किया। लेकिन माफ करना, उसके लिए मुझे तुम्हारे कैमरे को तोड़ना पड़ा!
कोई बात नहीं! लेकिन कैमरा तोड़कर तुमको मिला क्या?
लेड! यानी सीसा। कैमरा देखते ही मुझे याद आया कि कुछ कैमरों में 'लेड लाईनिंग' होती है। ताकि अगर कैमरों को एयरपोर्ट जैसी जगहों पर एक्सरे मशीन से गुजारा जाए तो रील को नुकसान न पहुंचे!
क्योंकि लेड रेडिएशन के साथ-साथ एक्स किरणों को भी रोक सकता है। बस, मैंने तुम्हारा कैमरा तोड़ा। और उसमें किस्मत से लेड लाईनिंग निकल आई! बस फिर क्या था!
मैंने उस लेड से सात्रे के कटे सर को ढक दिया। और उसका संपर्क उसके अंगों से कट गया। फिर वे अंग अपने-आप ही गल-कर पानी बन गए!
अच्छा हुआ कि मैं कैमरा साथ लेती आई।
अब यहां से निकल लो!...
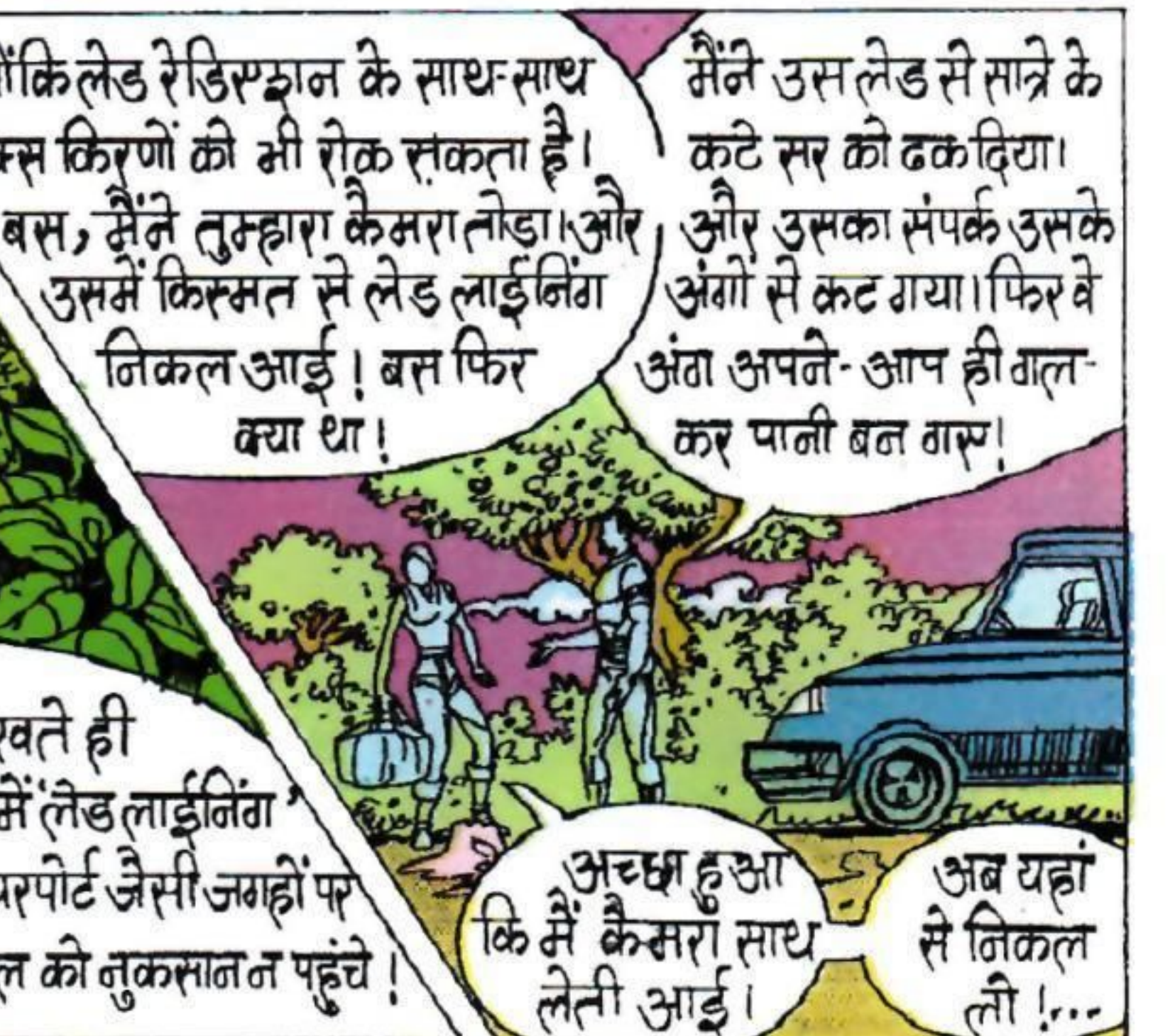
... क्योंकि जिगसा भी ल्योन पहुंच चुका है। इससे पहले कि वह तुम्हारे रास्ते में अड़चन डालने की कोई और योजना बना सके, हमको भी ल्योन पहुंच जाना चाहिए!

अभी भी ल्योन पहुंचने में हमको कम से कम छः, सात घंटे और लगेंगे।
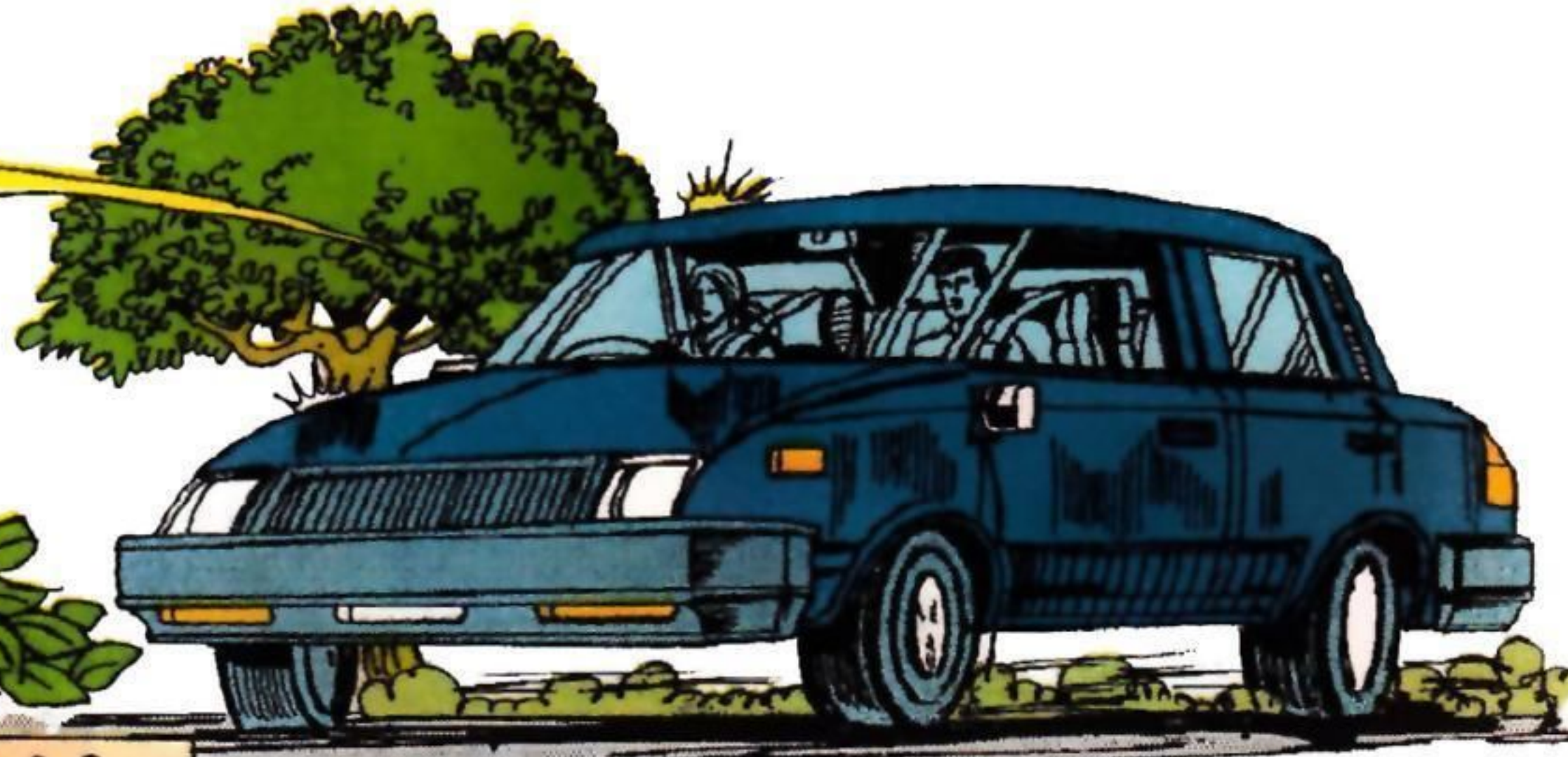
ध्रुव और वेरा, ल्योन की तरफ तेजी से बढ़ते रहे थे-

लेकिन हैलीकॉप्टर और कार की गति में बहुत फर्क होता है। जिगसा और लूका, ल्योन पहुंच चुके थे-

वेलकम, जिगसा! और ध्रुव की मौत पर बधाई हो। क्योंकि अब तक तो सात्रे ने उसे खत्म कर ही दिया होगा।

हां, मैंने हैलीकॉप्टर से तुमको मैसेज तो यही भेजा था। लेकिन अब मुझे किसी भी चीज पर भरोसा नहीं रह गया है! यह भी हो सकता है कि ध्रुव को सात्रे न मार पाए। तुम यहां पर सतर्क रहो, क्योंकि ध्रुव यहां तक पहुंच सकता है।

मैं सतर्क हूं। और यहां पर बाकी तैयारी भी पूरी हो चुकी है!

तुम एक बार कंट्रोल रूम में जाकर सब देख आओ!

जिगसा ने अपने शक्तिशाली हाथों से दीवार से चिपकी विशाल घड़ी को दरवाजे की तरह खोला, और नीचे जा रही सीढ़ियां साफ दिखने लगीं-

चींईईईई

सीढ़ियां, जो खत्म होती थीं उस गुप्त कंट्रोल रूम में-

जहां पर दुनिया की तबाही की कहानी लिखी जाने वाली थी-

परफेक्ट! अब हमको देर नहीं करनी चाहिए। हो सकता है कि ध्रुव यहां तक पहुंच ही जाए...

...उससे पहले ही हमको अपना 'ऑपरेशन रैंसम' शुरू कर देना चाहिए!

अगले आधे घंटे तक जिगसा की उंगलियां कंट्रोल बोर्ड पर थिरकती रहीं-

और योरोप के लगभग सभी 'आणविक मिसाइल सेंटरों' पर गड़बड़ी होनी शुरू हो गई-

अरे! यह क्या हो रहा है? हमारे कंप्यूटर के सारे कमांड बदलते जा रहे हैं।

ऐसे तो मिसाइलें हमारे कमांड में नहीं रहेंगी।

ऐसे ही दृश्य हर मिसाइल सेंटर पर देखे जा सकते थे-

हमारे सारे 'कोड वर्ड' और 'पास वर्ड' बदलते जा रहे हैं सर! कोई जानबूझकर ये काम कर रहा है। और अब वह मिसाइलों को कंट्रोल कर सकता है।

ओ माई गॉड! हम पूरे कंप्यूटर-सिस्टम को बन्द नहीं कर सकते क्या?

कर सकते हैं सर! लेकिन इस सिस्टम को बन्द करते ही मिसाइलों के अन्दर लगी कंप्यूटर प्रणाली अपने-आप चालू हो जाएगी, और फिर हम मिसाइलों को पहले से ही फिक्स निशानों पर छूटने से रोक नहीं पाएंगे!

हर जगह इसी की चर्चा होने लगी-

अमेरिका स्थित व्हाइट हाउस में भी-

तो फिलहाल हम क्या कर सकते हैं?

कुछ नहीं मिस्टर प्रेसीडेंट! हम कोई रास्ता ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल पूरी दुनिया उस राक्षस के रहमो-करम पर है, जिसने यह गड़बड़ की है।

वैसे अभी-अभी फ्रेंच दूतावास से आई रिपोर्ट के अनुसार 'जिगसा' नामक एक अपराधी...

...अरे! कंप्यूटर पर कोई मैसेज आ रहा है!

ATTENTION MR. PRESIDENT

मैसेज जिगसा द्वारा ही भेजा जा रहा था-

ओह! यह तो जिगसा का ही सन्देश है। सारे योरोप की आणविक मिसाइलें मेरे कब्जे में हैं। अगले चौबीस घंटे के अन्दर-अन्दर अगर मुझे पचास खरब डालर मूल्य का सोना मेरे बताए पते पर न भेजा गया, तो सारी मिसाइलें एक साथ दाग दी जाएंगी!

यही मैसेज आपके देश अमेरिका के अलावा, योरोप के बाकी देशों की सरकारों के पास भी भेजा जा रहा है।... जिग्सा!
यह जिग्सा तो बहुत तेजी से काम कर रहा है। अब हम क्या करें, मिस्टर प्रेसीडेंट?
सभी मित्र देशों के पास सूचना भिजवा दो कि वे अपने-अपने हिस्से का सोना तैयार रखें। अगर अगले तेईस घंटे तक इस मुसीबत को रोकने का उपाय न मिले तो चौबीस घंटे में सोना दे दिया जाए।...
...क्योंकि मुझे आभास हो रहा है कि यह जिग्सा कोरी धमकी नहीं दे रहा है। अब या तो इस दुनिया को हमारे वैज्ञानिक बचा सकते हैं, और या फिर भगवान!
अमेरिकी राष्ट्रपति यह नहीं जानते थे कि इन दोनों के अलावा एक तीसरा शख्स भी था, जो जिग्सा को रोक सकता था-
और वह जिग्सा के पास तक पहुंच चुका था-
यही है वह एस्टेट जहां रघुवंशी अंकल रहते थे ध्रुव! देखो ककातुआ भी शायद यही बता रहा है!
हां, वेरा! आखिरकार मैं ल्योन में पिताजी के घर तक पहुंच ही गया!
अब देखना यह है कि मेरे परिवार में और कौन-कौन लोग रहते हैं, और वे लोग मेरा स्वागत करते हैं या तिरस्कार!
और सबसे बड़ा सवाल यह है कि वे मुझे जिग्सा के बारे में क्या बता सकते हैं।
घंटी बजी-
और अंदर इंतजार कर रही मार्सेल की सांसें, सीने में ही रुककर रह गईं-
यह तो ध्रुव है! सात्रे को मारकर यहां तक पहुंच गया? यह लड़का है या शैतान!
लेकिन मार्सेल ने इस स्थिति से भी निपटने की तैयारी कर रखी थी-
कौन हो तुम लोग? क...क्या चाहते हो?
मैं ध्रुव हूं। रघुवंशी का बेटा!

रघुवंशी ? कौन रघुवं…? ओह! तुम मेरे देवर रघुवंशी के बेटे हो ? उसी रघुवंशी के बेटे, जिसने एक बेगुनाह इंस्पेक्टर के खून से अपने हाथ रंगकर इस खानदान के माथे पर हमेशा के लिए कलंक लगा दिया।…

… और उसके बाद न जाने कहां भाग कर छुप गया। कहां है वह कलंकी ? और तुम्हारी यहां आने की हिम्मत कैसे हुई ?

आपने मेरे पिता रघुवंशी को देवर कहा। यानी आप उनकी भाभी और मेरी ताई हुईं। लेकिन आप तो बिना मेरे कुछ बोले ही बरस पड़ीं।

मुझे अपने पिता के बारे में कुछ दिनों पहले ही पता चला। और मैं उनके नाम पर लगा दाग छुड़ाने फ्रांस तक आ गया। और यहां आकर मैंने साबित कर दिया कि वे निर्दोष थे। उनको फंसाया गया था।

ध्रुव ठीक कह रहा है मिसेज ?

मार्सेल! मेरा नाम मार्सेल है।

मैं रघुवंशी के बड़े भाई रघुपति की पत्नी हूं।

हां, तो मिसेज मार्सेल! मेरा नाम वेरा है। मैं पेरिस में एक पुलिस इंस्पेक्टर हूं। ध्रुव के पिता पर मेरे पिता ल्यूबेक की हत्या का ही आरोप था। लेकिन पिछले दिनों यह साबित हो गया है कि मेरे पिता की हत्या पुलिस कमिश्नर फ्रांस्वा और जिग्सा नाम के एक अपराधी ने मिलकर की थी…

… और रघुवंशी को उस हत्या में फंसा-कर हत्यारा बना दिया गया था।

ओह! यानी… यानी जिग्सा तब से हमारे खानदान के पीछे पड़ा हुआ है।

लेकिन देवरजी कहां हैं? वे तुम्हारे साथ क्यों नहीं आए?

आओ! अन्दर आओ!

वे और मेरी मां हिन्दुस्तान में हुए एक हादसे में नहीं रहे। लेकिन आपने जिग्सा का नाम ऐसे लिया, जैसे आप उसको बहुत पहले से जानती हो ? कौन है जिग्सा ?

किससे बात कर रही हो मार्सेल ?

ओह! आइए! देखिए, कौन आया है ? आपका भतीजा यानी रघुवंशी का बेटा ध्रुव !

ये तुम्हारे ताऊ हैं ध्रुव! मेरे पति रघुपति।

ध्रुव!

हां, डार्लिंग! लेकिन अब तुम इस पर बरसने मत लगना। इंस्पेक्टर वेरा ने अभी-अभी बताया है कि रघुवंशी निर्दोष था। उसे फंसाया गया था। बेचारा निर्दोष साबित होने से पहले ही इस दुनिया से चल बसा।

रघुवंशी मर गया? मर गया मेरा भाई?

बीती बातें सोचकर दुखी मत हो! आज तो खुशी का दिन है।

हमारा भतीजा पहली बार अपने घर में आया है!

आप जिग्सा के बारे में कुछ बता रहीं थीं!

हां, जिग्सा! वह इसी इलाके का एक बदनाम शख्स था। इस स्टेट पर कब्जा करना चाहता था। लेकिन रघुवंशी ने उसकी सारी चालें विफल कर दीं। जरूर इसीलिए उसने रघुवंशी को हत्या के आरोप में फंसा दिया होगा।

और यह लूका कौन है?

लूका!... लूका हमारा बेटा है!...

तुम्हारा बड़ा भाई! लेकिन वह भी अब न होने के बराबर है!

ऐसा क्यों?

जिग्सा ने उसको अपने जाल में फंसाकर उसको भी अपने जैसा बना दिया है। वह अब हमारे साथ नहीं, जिग्सा के साथ ही रहता है।

और अब जिग्सा उसके जरिए इस स्टेट पर कब्जा करना चाहता है!

ओह! शायद तभी लूका ने मुझे मारने की इतनी कोशिशें कीं। उसको किसी तरह से मेरे बारे में पता चल गया होगा।...

...और वह जायदाद में हिस्सेदार नहीं चाहता होगा! इसीलिए जिग्सा और लूका मेरे पीछे पड़ गए। और मुझे ल्योन आने से रोकने लगे।

ध्रुव ने अपने-आप ही मार्सेल को झूठ सोचने की मुसीबत से छुटकारा दिला दिया था–

ओह! तुम पर भी हमला हुआ? जरूर यह जिग्सा की ही साजिश होगी, जिसमें उसने लूका बेचारे को अपना मोहरा बनाया है!

पीं पीं पीं पीं

यह आवाज?

ओह! मेरे 'पेजर' पर कोई मैसेज आ रहा है!

पेजर पर मैसेज पढ़ते ही वेरा चौंक उठी–

ध्रुव, इधर आओ! मुझे तुमसे कुछ जरूरी बात करनी है।

अभी-अभी पेजर पर 'पुलिस मैसेज' आया है कि जिग्सा ने 'स्क्रैम्बलर' से योरोप की सारी मिसाइलों को अपने कब्जे में ले लिया है, और चौबीस घंटे के अन्दर पचास बिलियन डॉलर का सोना मांगा है।

ओह! लेकिन जिग्सा ने हैलीकॉप्टर में जाते हुए कहा था कि वह ल्योन जा रहा है। यानी यहीं पर!

हां, पुलिस डिपार्टमेंट भी यह जानता है कि जिग्सा फ्रांस में ही है। इसलिए ऑर्डर आया है कि हर पुलिस वाला जिग्सा की तलाश में जुट जाए।

ठीक है। जिग्सा, ल्योन में ही है। और ल्योन में रह चुकने के कारण तुम्हारे यहां पर काफी संपर्क होंगे। तुम अपनी तलाश शुरू कर दो। मैं भी यहां पर सब निपटाकर तुम्हारा साथ देने आता हूं।

वेरा, तुरन्त जिग्सा की तलाश में वहां से रवाना हो गई—

यह इंस्पेक्टर कहां गई ध्रुव?

वह पहले ल्योन में ही रहती थी। अपने जान-पहचान वालों से मिलने गई है।

मैं तो आपलोगों के बारे में एकदम अंजान हूं ताईजी। आप दोनों और लूका के अलावा मेरे परिवार में और कौन-कौन है?

तुम्हारे दादा हैं ध्रुव। दर-असल उनके सिर्फ दो ही बेटे हुए। एक तुम्हारे पिता रघुवंशी, जो अब नहीं रहे, और दूसरे उनके बडे भाई रघुपति, जो मेरे पति हैं।

तो... दादाजी अब कहां हैं?

रघुवंशी पर कातिल होने का आरोप लगाने और उसके लापता हो जाने के बाद से ही दादाजी की तबियत खराब रहने लगी थी।...

...और फिर लगभग पांच साल पहले उन पर पक्षाघात यानी 'पैरालिसिस' का अटैक पड़ा, और तब से वे न हिल सकते हैं, और न बोल सकते हैं।...

...वैसे मैं उनकी देखभाल करती हूं। और जब मैं यहां नहीं रहती तो किसी नर्स को बुला लेती हूं। वे ऊपर कमरे में रहते हैं।

ऊपर कमरे में? मैं... मैं जाकर उनसे मिल सकता हूं!

हां, क्यों नहीं।

आओ!

और फिर-

ये रहे!

दादाजी!

अगर इस बूढ़े के ठीक होने और इस पर दबाव डालकर अपने नाम वसीयत करवा सकने की आशा न होती, तो इसको कभी का मरने के लिए छोड़ दिया होता।

दादाजी! आंखें खोलिए दादाजी! मैं ध्रुव हूं। रघुवंशी का बेटा। बहुत दूर से आपको ढूंढ़ता-ढूंढ़ता यहां तक आया हूं!

ऐसे बहुत कम अवसर आते थे जब ध्रुव की आंखें आंसुओं से छलछला उठें—

लेकिन दादाजी के लगभग बेजान शरीर पर न तो ध्रुव की आवाज का असर हुआ और न ही आंसुओं का—

बोलना बेकार है ध्रुव! ये तुम्हारी न तो आवाज सुन सकते हैं, और न ही तुम्हारी उपस्थिति को यहां पर महसूस कर सकते हैं!

अब आओ! डॉक्टर ने इनको ज्यादा परेशान नहीं करने को कहा है।

इनके ठीक होने के कितने चांस हैं ताईजी?

उम्मीद तो कम है। वैसे डॉक्टर ने हवा-पानी बदलने को कहा है। शायद उससे कुछ असर पड़े। इसीलिए हम इस एस्टेट को बेचकर यहां से कहीं दूर जाने की सोच रहे हैं।

मार्सेल बड़ी चतुराई से असली मुद्दे पर आ रही थी—

लेकिन ध्रुव के जवाब ने उसकी सारी आशाओं पर पानी फेरकर रख दिया-

एस्टेट को बेचने की क्या जरूरत है ताईजी? यह तो हमारे पुरखों की निशानी है। आपको जितने पैसों की जरूरत हो...

...मुझसे कहिए। मैं कहीं न कहीं से कोशिश करके पैसों का इंतजाम कर दूंगा।

ये पट्ठा तो सारी बात ही गोल कर गया।

खैर! ये बातें तो होती ही रहेंगी।

चलो, पहले चाय पी लो!

तुम डिनर कितने बजे लेते हो ध्रुव?

डिनर के लिए मैं नहीं रुकूंगा। मुझे अभी वेरा के पास काम से जाना...

...अरे! वह कौन है?

उस रहस्यमय आकृति के गमले को पकड़े हुए हाथ घूमे-

और गमला हवा में उड़ता हुआ-

ध्रुव के पैरों के पास आकर गिरा-

शायद गमला फेंकने वाले में ज्यादा शक्ति नहीं थी-

ओह!

रघुपति! पकड़ो उसे!

रघुपति और मार्सेल के साथ, ध्रुव भी ऊपर की तरफ भागा। लेकिन-

अरे! कहां गायब हो गया? कहीं नजर नहीं आ रहा है!

दादाजी को देखिए! कहीं वह उनको तो नुकसान पहुंचाने नहीं आया था?

नहीं! तुम्हारे दादाजी एकदम सुरक्षित हैं।

तो फिर वह कौन था? और यहां पर करने क्या आया था? मुझ पर गमला फेंकने?

या वह जिग्सा का कोई आदमी था जो मुझे चेतावनी देने यहां तक आ गया था?

यह तो मुझे भी नहीं पता कि वह रहस्यमय इंसान कौन था? इससे पहले तो कभी उसको देखा नहीं। वह अन्दर तक कैसे आ गया, और फिर कहां गायब हो गया?

नहीं, ताईजी! फिलहाल मैंने जाने का इरादा बदल दिया है। न जाने क्यों मुझे थकान सी महसूस हो रही है।

तुम चिन्ता मत करो ध्रुव! उसका पता चल ही जाएगा। तुम उस... क्या नाम है... वेरा के पास जाने की बात कर रहे थे न? तुम अपना काम निपटाकर आराम से आओ!

ह...हां, हां! क्यों नहीं होगी। इतने लम्बे सफर से जो आ रहे हो! चलो! मैं तुमको तुम्हारा कमरा दिखा दूं। तुम फ्रेश हो लो और थोड़ा आराम कर लो। तब तक मैं डिनर की तैयारी करती हूं।

धन्यवाद ताईजी!

अपने कमरे में पहुंचकर, अकेले होते ही ध्रुव के दिमाग में विचारों की रेल, तेज गति से दौड़ने लगी–

पहले तो सब-कुछ ठीक लग रहा था। लेकिन उस रहस्यमय आकृति के एकदम दिखाई पड़ने से कुछ गड़बड़ लग रही है... ...मुझ पर गमले से हमला करना कोई बेवकूफ ही सोच सकता है। शायद वह मुझ पर हमला नहीं, बल्कि मुझे कुछ बताने की कोशिश कर रहा था। पर क्या?

उसने गमला उठाया, फेंका। गमला मेरे पैरों के पास आकर गिरा। आवाज हुई... ओह! मैं समझ गया! वह नकाबपोश मेरी मदद कर रहा था। पर उसने मुझे जो बताया, उसके लिए मुझे रात गहराने का इन्तजार करना होगा!

ध्रुव अपनी चाल चलने की तैयारी कर रहा था–

और मोहरे दूसरी तरफ से भी बढ़ाए जा रहे थे–

उसको कुछ शक हो गया है जिगसा! तभी उसने यहां से जाने का इरादा एकाएक बदल दिया!

कहो तो आज ही रात उसको मौत की नींद सुला दूं जिगसा!

नहीं! उसकी मौत से यहां पर पुलिस की भीड़ उमड़ पड़ेगी। क्योंकि वह वेरा उससे मिलने जरूर आएगी!

अगर ध्रुव उसको जिन्दा नहीं मिला तो कातिल की तलाश में पुलिस इस इमारत का चप्पा-चप्पा छान मारेगी। शायद यहां बेसमेंट तक भी पहुंच जाए, और फिर हमारा पचास बिलियन डॉलर वसूलने का प्लान, एक सपना बनकर रह जाए। उसको मारो मत, सिर्फ हम तक पहुंचने से दूर रखो!

ठीक है! ऐसा इंतजाम कर देता हूं कि आज रात वह जगे ही नहीं!

ठीक है! तब तक मैं उस रहस्यमय नकाबपोश को ढूंढ़ने की कोशिश करती हूं। न जाने कहां से यहां पर घुस आया, और चाहता क्या है?

उसका पता लगाना बहुत जरूरी है मार्सेल! मुझे ध्रुव से ज्यादा खतरनाक, वह शख्स लग रहा है।

रात गहराने लगी। सभी अपने बिस्तरों की गोद में घुसकर नींद की दुनिया की सैर करने लगे—

फिस्स्स्स्स
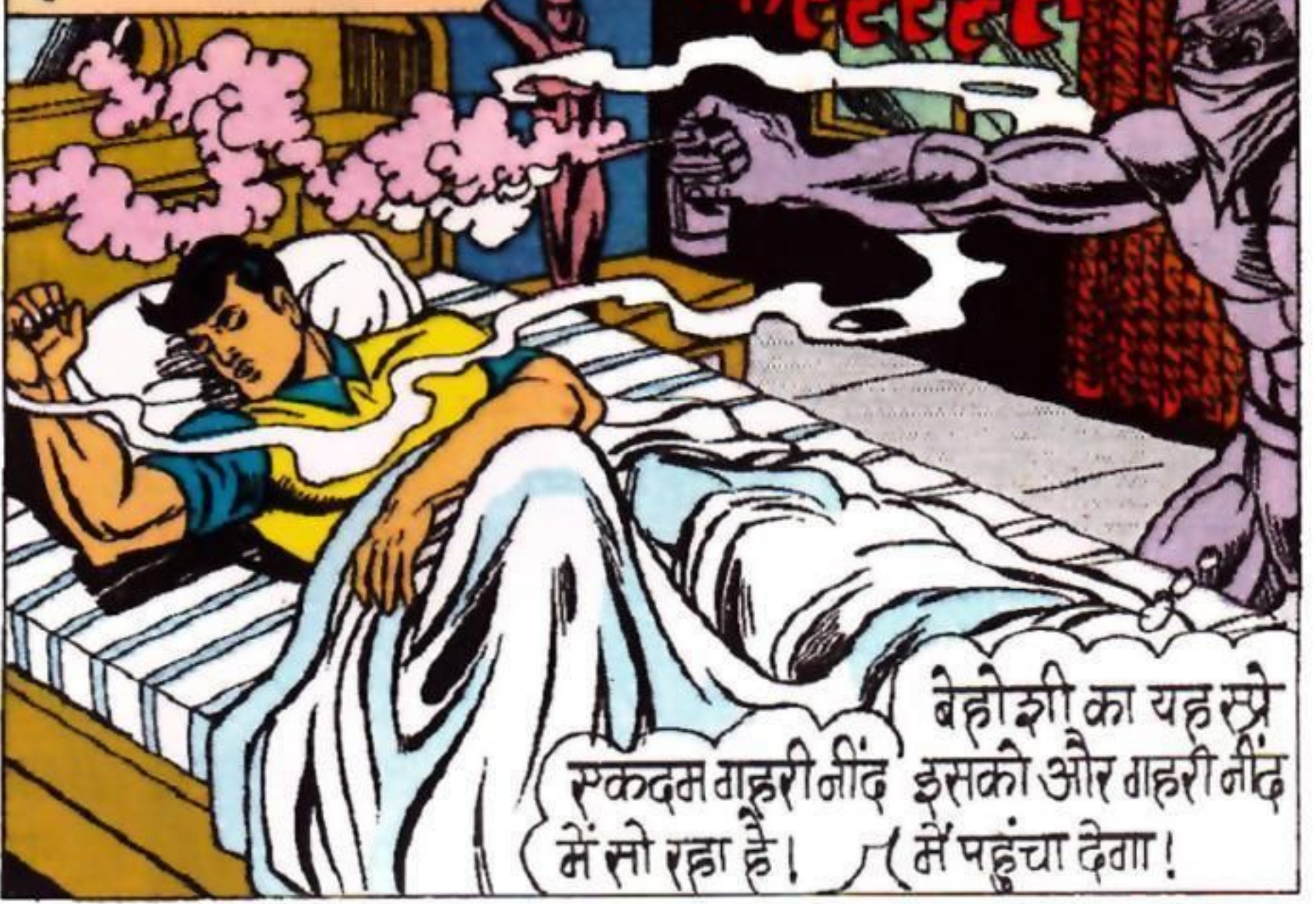
एकदम गहरी नींद में सो रहा है।

बेहोशी का यह स्प्रे इसको और गहरी नींद में पहुंचा देगा!

अब रास्ता साफ है। जब इसकी नींद खुलेगी तब तक हम फिरौती के पैसे बटोरने के लिए यहां से रफूचक्कर हो चुकेंगे।
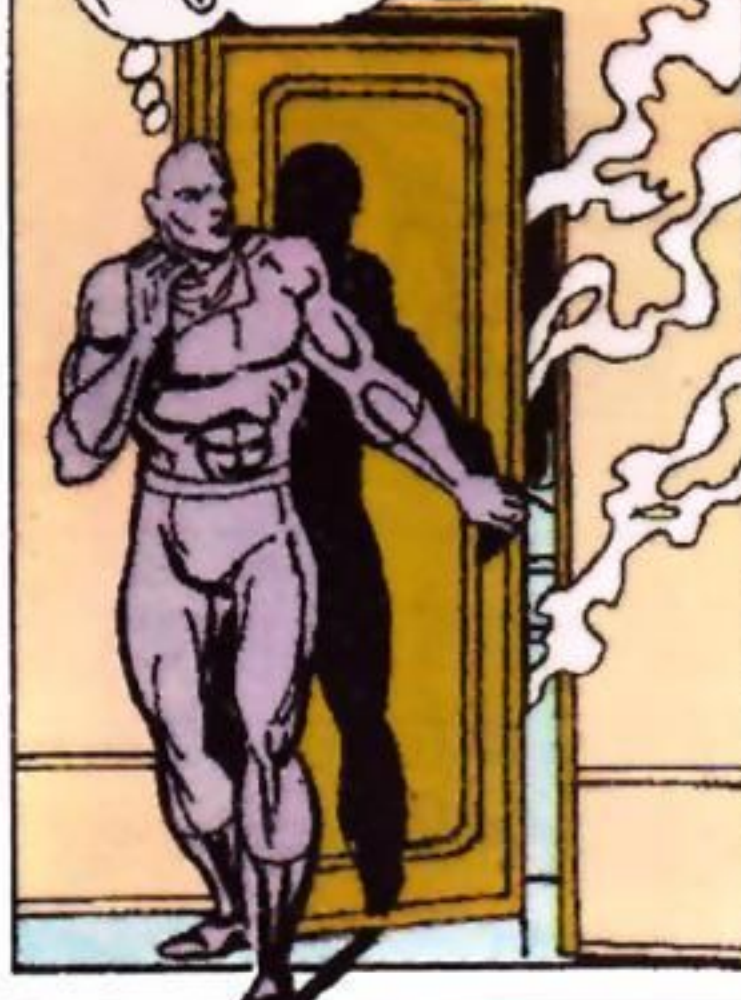
लेकिन अकसर जिसकी उम्मीद करो, वह काम नहीं होता है—

प्राणायाम करके सांस रोकने का अभ्यास आज काम आ गया!

बेहोशी का यह स्प्रे फैलाने कौन आया था, यह तो मैं नहीं देख पाया। लेकिन पांच मिनट हो चुके हैं।

अब तक दुश्मन निश्चिन्त हो गया होगा। छान-बीन करने का वक्त आ गया है।...

...गमला जब मेरे पैरों के पास गिरा था तो ऐसी आवाज हुई थी, जैसे कि फर्श नीचे से खोखली हो। यानी इस इमारत के नीचे तहखाना बना हुआ है। और वह नकाबपोश मुझे यही बताना चाहता था।

टक

पर ये कैसे पता चलेगा कि नीचे जाने का रास्ता कहां से... अरे!...

...यह तो वही नकाबपोश है। उस घड़ी की तरफ इशारा कर रहा है। यानी उसी घड़ी के पीछे से नीचे जाने का रास्ता होना चाहिए।

ध्रुव के आगे बढ़ते ही—

वह नकाबपोश तेजी से एक तरफ हटकर परछाईयों में गुम हो गया—

अरे! कहां गया? कौन है यह मेरा मददगार और जैकब की तरह यह मेरे सामने आना क्यों नहीं चाहता? ★

खैर! अभी यह सब सोचने का वक्त नहीं है!

★ यह जानने के लिए पढ़ें : खूनी खानदान

ध्रुव की तरफ से निश्चिन्त जिग्सा, मार्सेल और लूका सपनों के सागर में गोते लगा रहे थे-

पचास बिलियन डॉलर का सोना मैंने प्रशान्त महासागर में स्थित किंलासी नामक देश में मंगवाया है। वह एक द्वीप है, और उसका तानाशाह शासक मेरा पुराना दोस्त है। एक बार सोना वहां पहुंच जाए, उसके बाद किंलासी के मालिक हम होंगे!

और एक स्वतंत्र देश होने के कारण कोई हमें छू भी नहीं सकेगा। पर इस ध्रुव का क्या करें?

वैसे तो अब हमें न तो उससे मतलब है, और न ही उसकी जरूरत! फिर भी वह भविष्य में हमारे लिए खतरा बन सकता है। इसलिए जाने से पहले हम उसे और बूढ़े, दोनों को ठिकाने लगा जाएंगे।

ध्रुव को ठिकाने लगाना इतना आसान नहीं है, जिग्सा...

?

... क्योंकि ध्रुव को तुम्हारे ठिकाने का पता लग चुका है।

ध्रुव! तू... तू बेहोश नहीं हुआ? पर यहां का पता कैसे लगा लिया तूने?

मैं अगर बेहोश हो जाता तो तुम लोगों को बेहोश कैसे करता, ताई?

और रही यहां पहुंचने की बात, तो भला हो उस नकाबपोश फरिश्ते का जिसने मुझे यहां का रास्ता बताकर तुमलोगों की दुनिया को बंधक बनाकर सोना ऐंठने की स्कीम पर, पानी फेरने के लिए यहां भेज दिया!

मैं कह रहा था मार्सेल कि वह नकाबपोश ज्यादा खतरनाक है। उसको ढूंढो! पर तुमने मेरी बात की गंभीरता से नहीं... आह!

घबराओ मत जिग्सा! ये एक है, और हम तीन! यह यहां से जिन्दा बचकर नहीं जाएगा, और न ही हमको पकड़ पाएगा!

तड़ाक

अभी मैं तुम लोगों को पकड़ने की सोच भी नहीं रहा हूं लूका भइया! फिलहाल तो मेरा इरादा तुम लोगों की मशीनें तोड़ने का है। क्योंकि मुझे आभास हो रहा है कि ये मशीनें ही तुम लोगों की गन्दी स्कीम का सेंटर है।

इसे रोको, लूका! रोको!

ध्रुव को पकड़ पाना इतना मुश्किल नहीं था-

तो इतना आसान भी नहीं था-

लेकिन उस 'कंट्रोल सेंटर' में कलाबाजी खाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी-

और ध्रुव के दुश्मन, तीन तरफ से वार कर रहे थे-

इस संकरी जगह में मुझे फुर्ती दिखाने में थोड़ी दिक्कत हो रही है!

ये तीनों मिलकर मुझ पर हावी तो हो सकते हैं, लेकिन उससे पहले मैं दुनिया को बचाने का इन्तजाम जरूर करूंगा!...

...इस कंट्रोल सेंटर को तोड़ कर। चाहे उससे मेरी जान ही क्यों न चली जाए!

ध्रुव अपना सारा ध्यान 'कंट्रोल पैनल' तोड़ने में लगा रहा था, और यह बात उसको मंहगी पड़ने जा रही थी–

ओह! लूका और जिग्गा में 'पॉवर कैप्सूलों' को खाने की वजह से जबरदस्त शक्ति है। मैं इनके शिकंजे से छूट नहीं पा रहा हूं। ★

इस वक्त अगर मुझे थोड़ी सी मदद मिल जाए तो अब मैं पहले इनको पीटूंगा और फिर 'कंट्रोल पैनल' को तोड़ूंगा। कितना अच्छा हो, अगर वेरा मुझे ढूंढ़ते-ढूंढ़ते यहां आ जाए, या फिर वह रहस्यमय नकाबपोश कहीं से प्रकट हो जाए।

लेकिन दोनों में से कोई भी नहीं आया–

मदद कहीं और से ही आ गई–

इमारत के बाहर काफी देर से बैठा हुआ काकातुआ, ध्रुव से मिलने को एकाएक बेताब हो उठा था–

टॉय टॉय टॉय

काकातुआ! वाह प्यारे। तू फिर से मेरी मदद करने आ गया!

काकातुआ के आगमन ने ध्रुव को वह मौका दे दिया था, जिसकी उसे तलाश थी–

तुम लोगों ने ही आज से पच्चीस साल पहले मेरे पिता श्याम पर झूठा कलंक लगाकर उसे गुमनामी की जिन्दगी जीने पर मजबूर कर दिया था। आज मैं तुम लोगों की शक्लें इतनी बिगाड़ दूंगा कि चेहरा रहते हुए भी तुम लोग गुमनाम हो जाओगे! ...

... क्योंकि कोई तुम लोगों को तब पहचान ही नहीं पाएगा!

यह तो पागलों की तरह लड़ रहा है। इसके दिल में बदले की भावना जाग उठी है। अब इसको रोक पाने का एक ही तरीका है ...

... इस तोते को बंधक बना लूं।

रुक जा ध्रुव! वर्ना तेरे इस प्यारे तोते की गर्दन मरोड़ दूंगा!

★ यह जानने के लिए पढ़ें : खूनी खानदान

ओह! जिग्सा ने काकातुआ को पकड़ लिया है। और अगर मैं नहीं रुका तो यह निश्चित रूप से इसकी गर्दन मरोड़ देगा! ...

... नहीं! काकातुआ ने दो बार मेरी मदद की है। और अब मेरी बारी है। इसकी मदद करने की।

लो, जिग्सा!

मैंने अपने हाथों को रोक लिया!

अब मैं इसकी खोपड़ी के टुकड़े हवा में उड़ते देखना चाहती हूं।

नहीं, मार्सेल! मजा नहीं आएगा, और फर्श भी गन्दा हो जाएगा। इसको तो अगरबत्ती की तरह सुलगा-सुलगाकर मारने में मजा है।
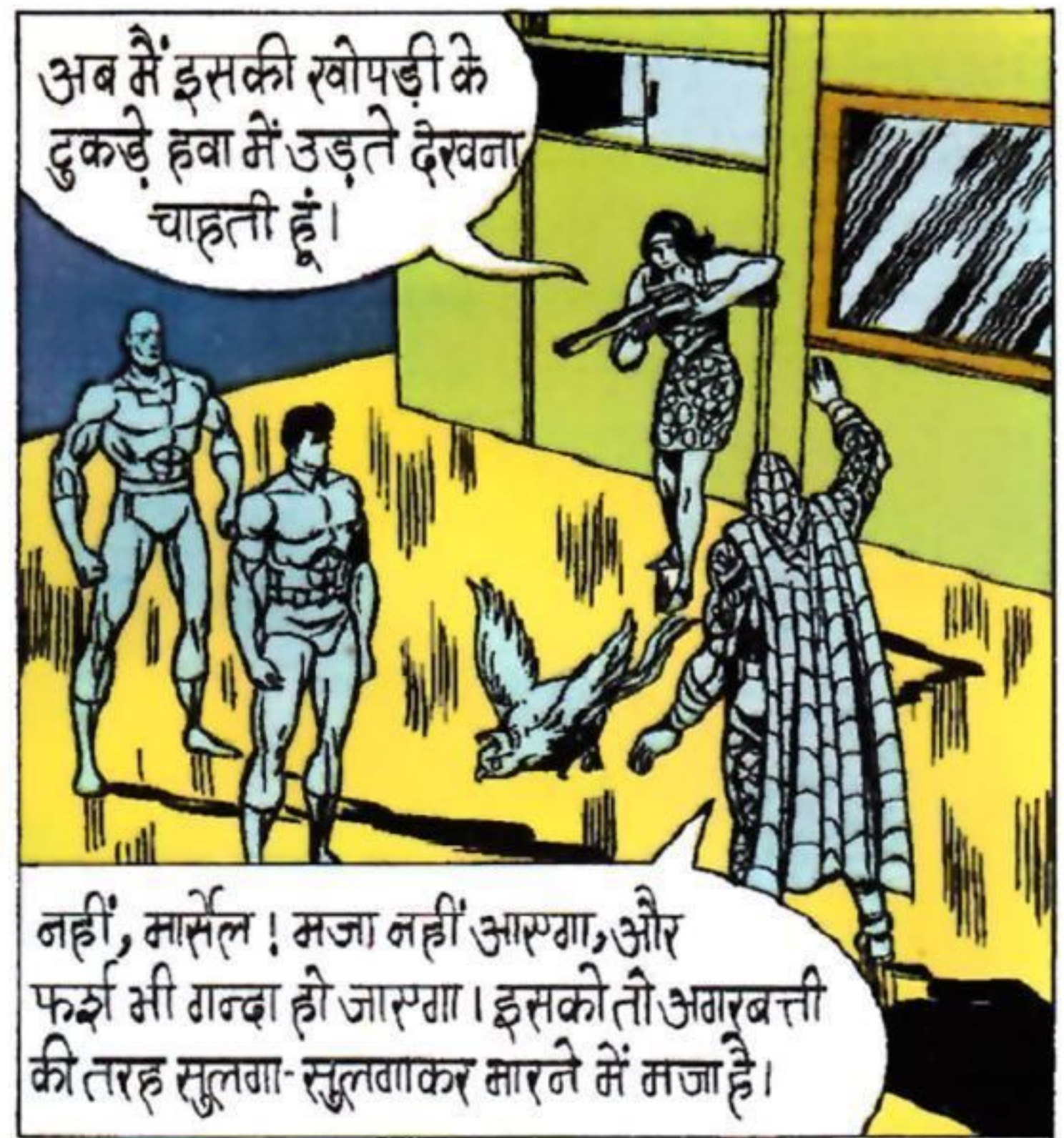
इसको टॉर्चर-रूम में ले चलो! वहीं जहां पर हमने वेरा के बाप ल्यूबेक के टुकड़े-टुकड़े करके, उन टुकड़ों को लॉन में बिखेर दिया था।

कुछ ही देर बाद, ध्रुव को बलि चढ़ाए जाने वाले बकरे की तरह बांध दिया गया था—

तू शुरू से हमारा नुकसान पर नुकसान करता आ रहा है ध्रुव! इस बार तो तू बहुत बड़ा नुकसान कर डालता!

पर तूने सिर्फ कंट्रोल-पेनल को नुकसान पहुंचाया। जबकि असली चीज तो 'स्क्रैमबलर' है! और वह जहां पर फिट है, वहां तक पहुंचने की तो तुम सोच भी नहीं सकते!

इतना सब कुछ तुम इस मार्सेल और लूका की बदौलत ही कर पाए हो जिग्सा! लेकिन ये तुम्हारी चमचागिरी क्यों करते हैं? आखिर तुम हो कौन?

यह या तो मेरे कुछ खास लोग जानते हैं और या फिर भगवान। अभी 'हाइड्रोलिक प्रेशर' से दबने वाले 'पंचिंग-किलर' का दरवाजा बन्द होगा। कीलें तेरे शरीर में धीरे-धीरे घुसेंगी। खून के फव्वारे एक साथ फूटेंगे और तेरे मुंह से कई सारी चीखें एक-एक करके निकलेंगी।...

...उसके बाद तू खुद ही भगवान के पास पहुंच जाएगा। उसी से पूछ लेना कि कौन है जिग्सा!

'हाइड्रोलिक प्रेशर' धीरे-धीरे बढ़ने लगा। और दरवाजा बंद होने लगा-

कीलें, ध्रुव के शरीर को छेदने के लिए बेताब होने लगीं-

दरवाजा कहीं अटक रहा है जिग्सा!

अटक नहीं रहा है। भतीजे का बदन जरा कड़ा है। कीलें इसके शरीर के अंदर घुसने में थोड़ा समय तो लेंगी ही!

और फिर दरवाजा एक तेज आवाज के साथ बंद हो गया-

और साथ ही गूंज उठी ध्रुव की एक तेज चीख-

भड़ाक ईयाऽऽ

हाहाहा! देखा कितनी मीठी चीख थी। मजा आ गया।

अब जरा दरवाजा खोलकर इसकी छलनी हुई लाश देख... अरे!

ठक ठक ठक ठक

ऊपर से आवाज आ रही है।...

...फर्श पर कोई चल रहा है। कौन हो सकता है यह?

जरूर वह नकाबपोश होगा। चलो! जल्दी कंट्रोल रूम में चलो। कहीं वह हमारे पीछे से कुछ तोड़-फोड़ न कर डाले!

तीनों, ध्रुव की लाश का नजारा देखना भूलकर-

कंट्रोल रूम में पहुंचे-

यहां तो कोई भी नहीं है।

अब चलने की आवाज भी नहीं आ रही है!

मार्सेल! तुम ऊपर जाकर देखो! और अगर कोई हो तो स्थिति को संभाल लेना!

लेकिन इससे पहले कि मार्सेल ऊपर जाने के लिए कदम बढ़ाती--

TURE

अरे! 'पंचिंग किलर' का दरवाजा अपने-आप उड़ता हुआ कैसे आ रहा है?

अपने-आप नहीं, ताईजी, इसको मैं लेकर आ रहा हूं।

धुब!

तुम्हारा 'कंट्रोल-पैनल' एक ही वार में नष्ट करने के लिए!

ओह नो!

चड़ड़ड़

कुड़ड़ड़

दरवाजे की कीलें, कंट्रोल पैनल में अलग-अलग स्थानों पर धंसती चली गईं। और पूरा पैनल शार्ट-सर्किट से चमक उठा--

तू... तू बच कैसे गया? मैंने तो तेरी चीख सुनी थी।

यह कमाल उस एसिड कैप्सूल का है, जिगसा, जिसको मैंने बंधने से पहले अपनी बेल्ट से निकालकर अपने मुंह में रख लिया था।

...उस वक्त मैं दरवाजे की एक कील को अपनी बेल्ट में लगी स्टार से अड़ाकर दरवाजे को रोके हुए था।

और जब तक दरवाजा अटका हुआ था तब तक मैंने अपने दांतों से कैप्सूल को दबाकर एसिड की धार से तुम्हारे 'पंचिंग किलर' की पीछे की दीवार को काट डाला था!

तुमको ताईजी की वह बात ध्यान से सुननी चाहिए थी जिगसा, जब इन्होंने कहा था कि दरवाजा अटक रहा है।...

ईईस्स

और उसके बाद मेरी चीख की आवाज तुमने सुनी थी, वह सिर्फ इसलिए थी ताकि उसके शोर में तुम पीछे की दीवार टूटने की आवाज न सुन सको।...

...और आजाद होने के बाद मैंने एसिड कैप्सूलों का प्रयोग करके अपने हाथों और पैरों को आजाद कर लिया।

तू सिर्फ 'पंचिंग किलर' से ही आजाद नहीं हुआ है लड़के। तूने अपनी जिन्दगी से आजाद होने का भी रास्ता ढूंढ लिया है। मेरी सारी स्कीम का सत्यानाश कर दिया तूने! अब तू नहीं बचेगा।

ठक
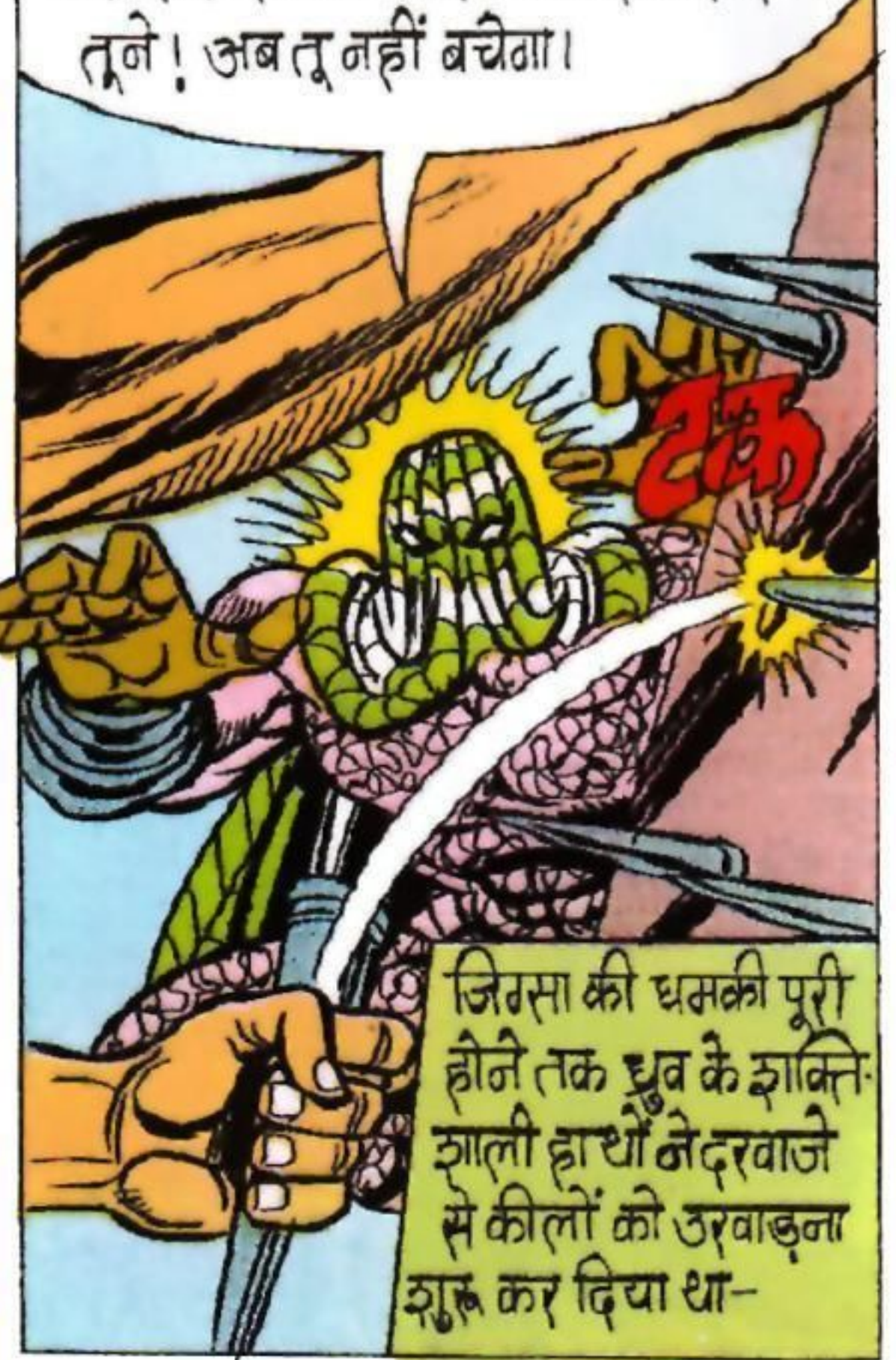
जिग्सा की धमकी पूरी होने तक ध्रुव के शक्तिशाली हाथों ने दरवाजे से कीलों को उखाड़ना शुरू कर दिया था-

अब बचोगे तो तुम लोग नहीं। क्योंकि तुम लोग न सिर्फ कमीने, विश्वासघाती और खूनी हो, बल्कि तुम लोग पूरी दुनिया के गुनहगार हो।... और गुनहगारों को ध्रुव कभी नहीं छोड़ता।

ठक
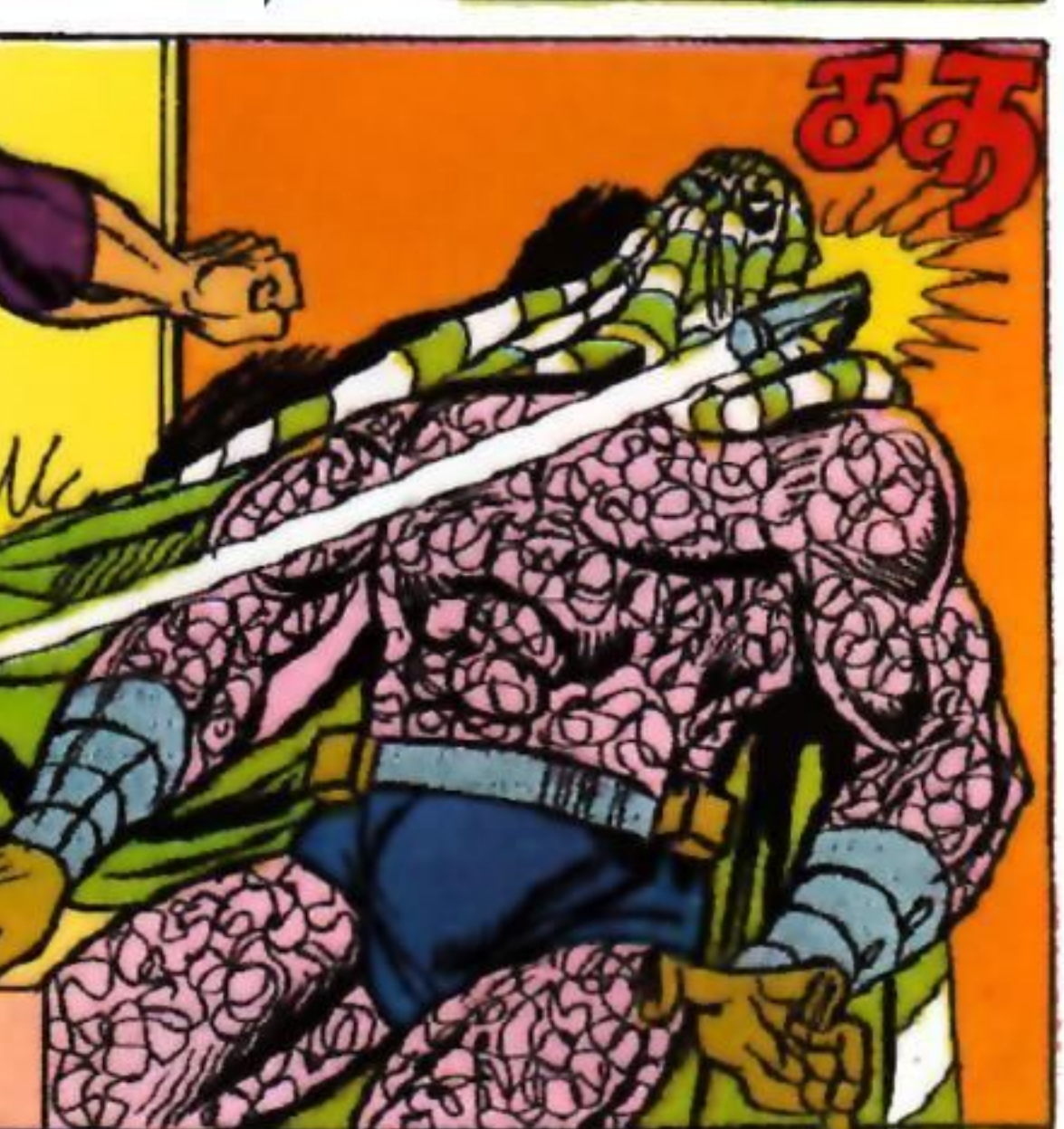
इधर ध्रुव अपने दम पर तीनों षड्यंत्रकारियों का अकेला मुकाबला कर रहा था-

और उधर दुनिया वाले चैन की सांस ले रहे थे-

जिग्सा का कंप्यूटर कमांड हट गया है सर! अब हम फिर से अपने कमांड कंप्यूटर में भर सकते हैं।

थैंक गॉड! यानी अब पृथ्वी को उस पागल से कोई खतरा नहीं रहा। पर इस खतरे को टाला किसने?

दुनिया पर आए खतरे को टालने वाला अपने ऊपर आए खतरे को टालने की कोशिश कर रहा था–
धड़ाक
तू लड़ता भी बहुत अच्छा है, और तुझमें दिमाग भी बहुत है ध्रुव! लेकिन तुझमें एक कमी है। तू जानलेवा हमला नहीं करता।
और हम अपने दुश्मन पर जानलेवा वार से कम कभी करते नहीं।
तू जरा दूर हट लूका, तो मैं इसके बदन में छेद कर पाऊं।
लेकिन मार्सेल के निशाना लगा पाने से पहले वह खुद निशाना बन गई–
कौन?
धांय
टाक
मैं इंस्पेक्टर वेरा! और मेरी रिवॉल्वर में अभी पांच गोलियां और बची हैं। ... तुम लोग सिर्फ तीन हो। हिलना मत!
ओह! तो फर्श पर चलने की आवाज तेरे जूतों की थी!
जिगसा परिस्थिति को पूरी तरह से भांप गया था–
लूका, मार्सेल! बाहर जाने वाले दूसरे दरवाजे की तरफ भागो!
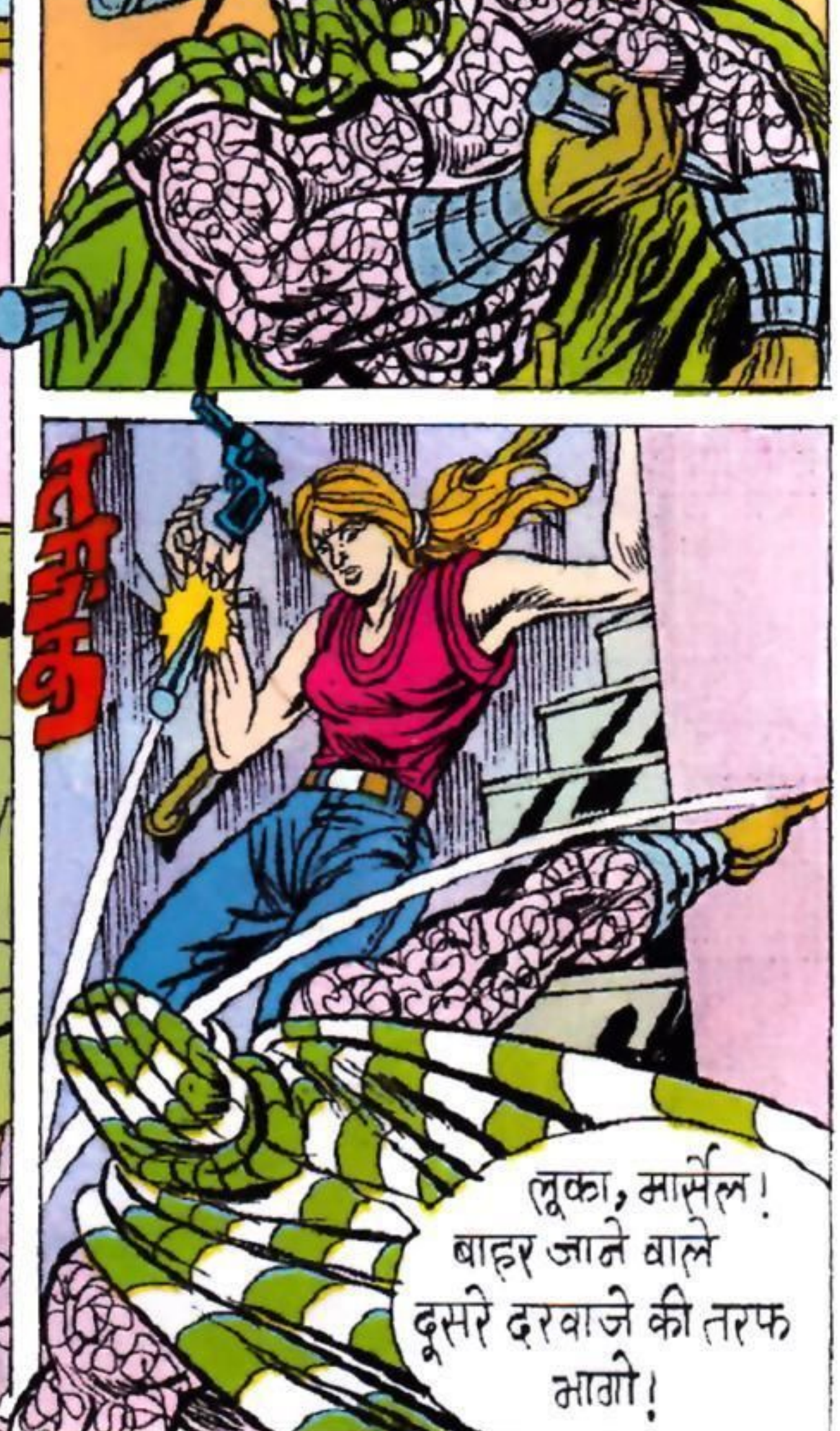
लूका और मार्सेल भी समझ गए कि अब यहां रुककर लड़ाई करने का कोई फायदा नहीं है–

आह!

तड़ाक

इससे पहले कि ध्रुव, संभलकर लूका, मार्सेल या जिग्सा को रोक पाता–

वे तीनों एक दरवाजे में घुस चुके थे–

दरवाजा बंद कर दो!

ध्रुव के दरवाजे तक पहुंच पाने से पहले ही दरवाजा बंद हो चुका था–

आह! बड़ा मजबूत दरवाजा है।

धड़ाक

दरवाजा तोड़ने में समय बर्बाद मत करो ध्रुव! वे जरूर इस रास्ते से ऊपर ही गए होंगे।

हम दूसरे रास्ते से ऊपर जाकर उनको पकड़ सकते हैं!

तुम ठीक कह रही हो! आओ!

लेकिन तुम एकाएक यहां पर कैसे आ गई?
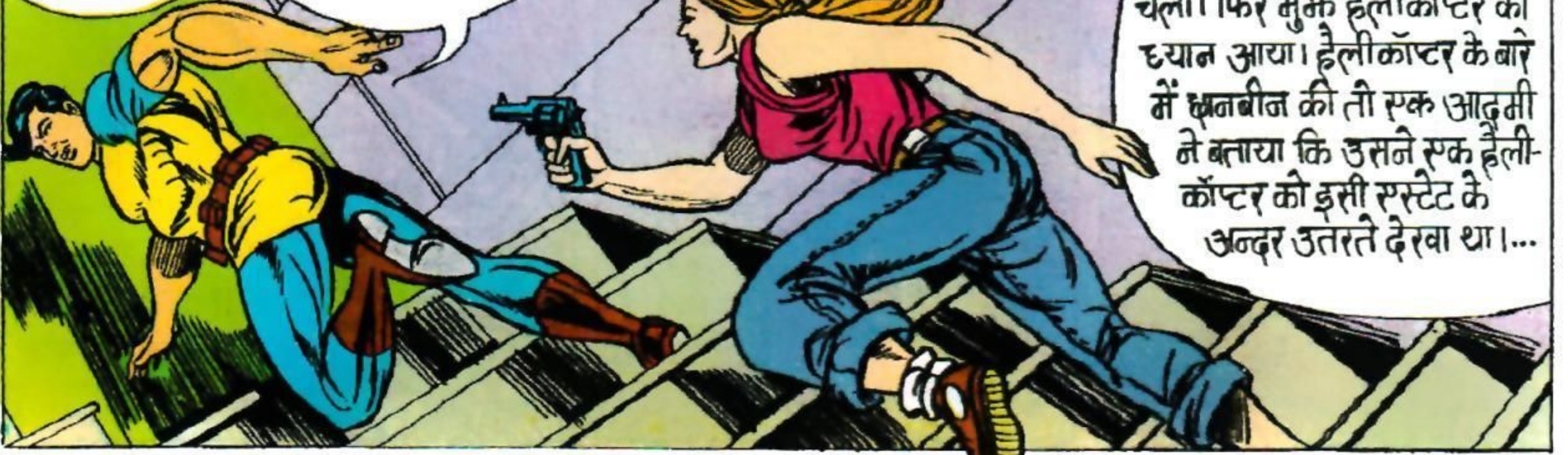
मैंने इस इलाके में बहुत पूछ-ताछ की। पहले तो कुछ पता नहीं चला। फिर मुझे हेलीकॉप्टर का ध्यान आया। हेलीकॉप्टर के बारे में छानबीन की तो एक आदमी ने बताया कि उसने एक हेलीकॉप्टर को इसी एस्टेट के अन्दर उतरते देखा था।...

मैं भागी- भागी यहां पर आई ! तुमको सावधान करने के लिए। लेकिन यहां पर तो सन्नाटा पड़ा हुआ था। थोड़ी देर तक तो मैंने इधर- उधर तलाश की, लेकिन कोई नजर नहीं आया।..

... मैं वापस जाने ही वाली थी कि तभी एक नकाबपोश न जाने कहां से आ गया। इससे पहले कि मैं उस पर हमला करती, उसने मुझे शान्त रहने का इशारा करके इस घड़ी के पीछे से नीचे जाने का रास्ता दिखा दिया।

और फिर, जब मैं नीचे पहुंची तो उसके बाद की बात तो तुम जानते ही हो

हां। लेकिन अब यह कैसे पता चलेगा कि इतनी बड़ी एस्टेट में वे तीनों कहां पर बाहर निकले हैं ?

कहीं वे उसी हैलीकॉप्टर के जरिए भाग न निकलें।

हैलीकॉप्टर से वे भाग नहीं सकते। क्योंकि यहां आने से पहले मैंने उस हैलीकॉप्टर को ढूंढ कर उसकी सुरक्षा के लिए कुछ पुलिसवालों को वहां पर तैनात कर दिया था।

यह तुमने अक्लमंदी का काम किया। कम से कम जिग्सा के भागने का एक रास्ता तो बन्द कर दिया !

अब उनको काफी देर तक इसी एस्टेट में रहना...

...अरे ! यह आवाज कैसी थी ?

ऐसा लगा जैसे कुछ टूटा हो और साथ में कोई धड़ाम से गिरा हो। आओ ! आवाज उधर से आई है।

धम्मममम

कड़ाक

ध्रुव और वेरा भागकर, आवाज की दिशा का पीछा करते हुए—

घटनास्थल तक पहुंच गए—

जहां पर एक आश्चर्य उनका इंतजार कर रहा था—

जिग्सा ! यह तो जिग्सा है।

टूटने की आवाज गमले की होगी और गिरने की आवाज जिग्सा की !

दरवाजा खुला हुआ है, और फर्श पर कई पैरों के बाहर जाने के निशान हैं। जरूर यह काम मार्सेल और लूका का है। वे समझ गए होंगे कि पुलिस अब जिग्सा का पीछा नहीं छोड़ेगी, और जिग्सा के कारण वे लोग भी खतरे में फंस जाएंगे।...

... इसीलिए उन लोगों ने डबल क्रास किया। जिग्सा के सिर पर गमला मारकर बेहोश कर दिया ताकि जिग्सा गिरफ्तार हो जाए, और वे लोग आराम से कहीं छुप सकें!

हो सकता है कि तुम्हारी थ्योरी सही हो वेरा!

लेकिन पहले यह तो देखा जाए कि यह जिग्सा आखिर है कौन?

ध्रुव के हाथ जिग्सा के मॉस्क को सरकाने लगे-

और सच्चाई ध्रुव के दिल पर हथौड़ा बनकर गिरी-

यह... यह तो मेरे ताऊ हैं वेरा!

रघुपति!

ये... ये ही जिग्सा हैं। ओह!

ओह! यह तो हम लोगों को पहले ही समझ जाना चाहिए था!

मार्सेल और लूका इसीलिए इसके प्रति स्वामिभक्त थे। क्योंकि एक इसकी बीवी थी, और दूसरा इसका बेटा! तुम्हारे पिता श्याम यानी रघुवंशी को भी इसने इसीलिए रास्ते से हटा दिया होगा, क्योंकि वे और मेरे पिता ल्यूबेक सच्चाई के काफी करीब पहुंच गए होंगे।

हूम! जो कुछ हम देख रहे हैं, उस पर तुम्हारी एक-एक बात खरी उतरती है वेरा! लेकिन इसमें वह नकाबपोश कहां फिट होता है।

मालूम नहीं! लेकिन एक बार पुलिस आकर पूरी इमारत की तलाशी लेगी तो वह नकाबपोश भी मिल जाएगा और उसकी असलियत का भी पता चल जाएगा।

मैं पुलिस को मैसेज भेजकर बुला लेती हूं।

लगभग पन्द्रह मिनट के अन्दर ही पूरी स्स्टेट पुलिस वालों से भर गई थी। जिग्सा उर्फ रघुपति को पुलिस ने कड़ी सुरक्षा में गिरफ्तार कर लिया था-

हमने पूरी बिल्डिंग का चप्पा-चप्पा छान मारा है ध्रुव! लेकिन न तो किसी नकाब पोश का पता मिला, और न ही मार्सेल और लूका का!

खैर! वे बचकर कहां जास्गें? जिग्सा पकड़ लिया गया है। तो वे भी पकड़े ही जास्गें। स्क बार जिग्सा होश में आ जास तो उससे सब उगलवा लेंगे।

हुम! सुनो वेरा! इधर आओ!

मुझे तुमसे कुछ काम है।

मुझे स्क हैलीकॉप्टर चाहिस। मुझे जल्दी से जल्दी पेरिस पहुंचना है। अब तुम क्यों और किसलिस जैसे सवाल मत पूछना। क्योंकि अभी मेरे पास कोई जवाब नहीं

ओ० के० ध्रुव! मुझे तुम पर भरोसा है कि तुम जो भी करोगे, उसके पीछे कुछ न कुछ मतलब जरूर होगा!

वैसे अगर तुमको किसी तरह की मदद की जरूरत हो तो...

मैं अपनी मदद का इंतजाम खुद कर लूंगा। फिलहाल तुम जल्दी करो!

और जब तक मैं कोई खबर न भेजूं तब तक तुम दादाजी के पास ही रहना!

इधर ध्रुव पेरिस जाने की तैयारी कर रहा था-

और उधर सुबह का सूरज, पेरिस को अपनी सुनहरी रोशनी में नहला रहा था-

जल्दी करो! हम यहां पर ज्यादा देर तक रुक नहीं सकते!
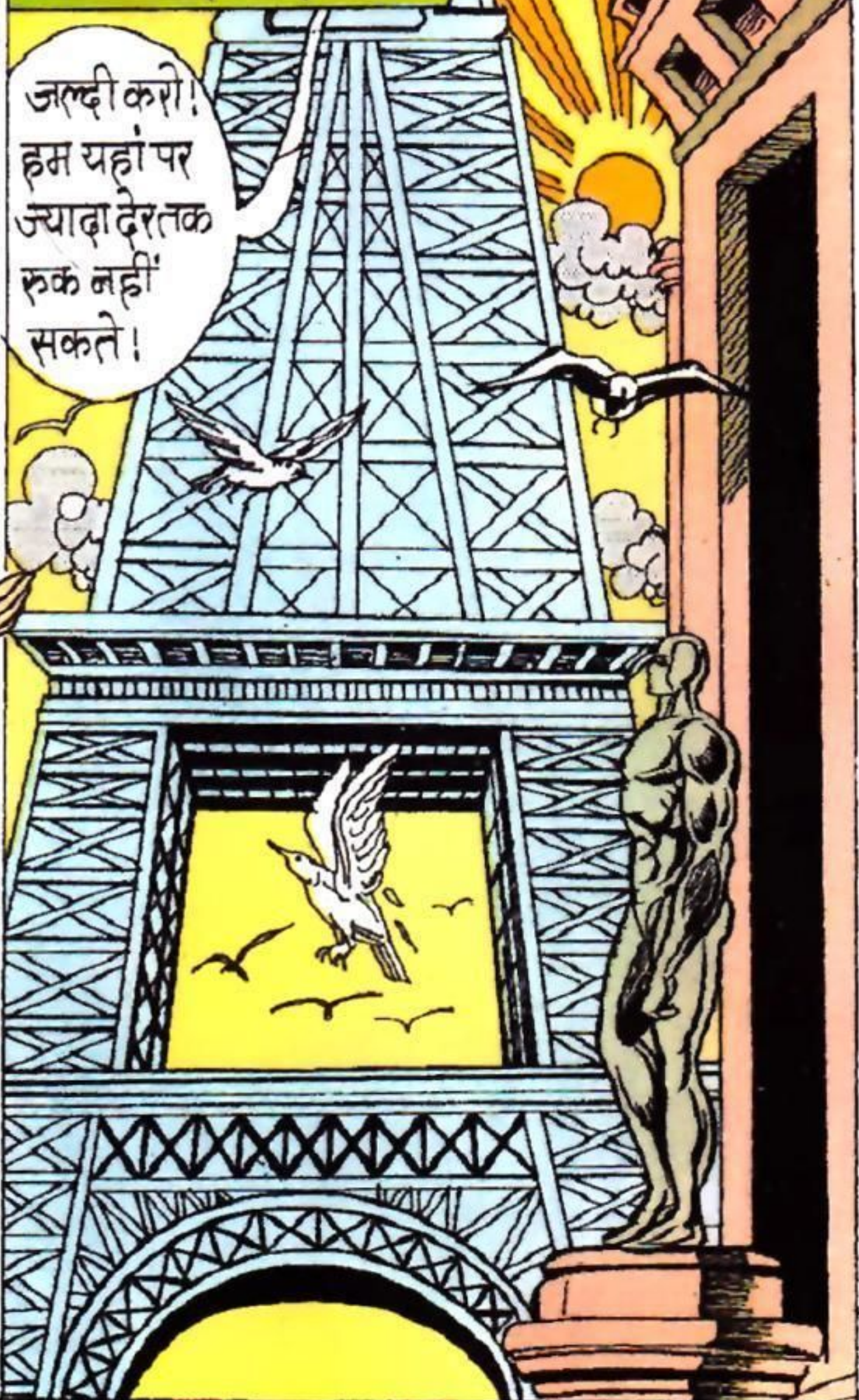
जल्दी कैसे करूं ? 'स्क्रैमबलर' तो मिल ही नहीं रहा है। यहीं पर फिट किया था न ?

तुम लोग कहीं इसे तो नहीं ढूंढ़ रहे हो ?

ध्रुव !

तू... तू यहां तक कैसे आ गया ?

तुम लोगों को बॉय-बॉय कहना तो भूल ही गया था। और तुम लोगों के लिए जेल के तीन वन-वे टिकट कटाए थे। वे भी देने थे।

मैं तो काफी देर से तुम लोगों का यहां पर इंतजार कर रहा था!

धड़ाकक

पर... पर तू यहां तक कैसे आ गया? और तुझे यह कैसे पता चला कि रघुपति जिवसा नहीं है ?

क्योंकि 'स्क्रैमबलर' मिलने के बाद यह पक्का हो गया था कि तुम लोग यहीं पर आओगे!

वैसे भी मुख्य अपराधी जिवसा को पकड़ना बाकी था न!

यहां तक आने में तो तुमने ही मेरी मदद की है जिवसा! बेसमेंट में लड़ाई के दौरान तुमने ही स्क्रैमबलर का जिक्र करके यह बताया था कि वह एक गुप्त जगह पर लगा है! ...

... उसके बाद जब मैंने अपनी और तुम्हारी मुलाकात के बारे में सोचा तो मुझे एफिल टॉवर का ध्यान आ गया। मैंने सोचा कि स्क्रैमबलर जैसे यंत्र को किसी बहुत ऊंची जगह पर ही फिट किया गया होगा, ताकि उसकी किरणें दूर-दूर तक फैल सकें। बस, ये दोनों बातें ध्यान में आते ही मैंने एफिल टॉवर को चेक करने का चांस लिया...

... और किस्मत की बात थी कि तुम लोग यहीं पर मिल गए!

और रही यह समझने की बात कि मेरे ताऊ रघुपति जिग्सा नहीं थे, बल्कि बनाए गए थे। तो जब मैं तुमसे बेसमेंट में लड़ रहा था तो मैंने एक-दो घूंसे तुम्हारे सिर पर भी लगाए थे। और उस समय मुझे तुम्हारे सिर पर बालों के होने का आभास हो गया था...

... और ताऊजी के सिर पर बाल तो क्या, बाल का एक रोयां तक नहीं है। बस इतना यह समझने को काफी था कि ताऊजी को जिग्सा बनाकर फंसाया जा रहा है।

जब तू इतना समझ गया है तो यह भी समझ गया होगा कि बगैर स्क्रैमबलर लिए हम यहां से जाने वाले नहीं हैं। चाहे उसके लिए हमको तेरी लाश ही क्यों न गिरानी पड़े।

ओह ताईजी...

... तुम तो बात-बात में बन्दूक-पिस्तौल निकाल लेती हो! बस जिग्साजी एक बार अपनी शक्ल दिखा दें तो यह स्क्रैमबलर मैं मुंह-दिखाई में दे दूंगा।

ज्यादा होशियारी नहीं भतीजे! हमको बातों में मत उलझाओ। चुपचाप स्क्रैमबलर हमारे हवाले कर दो वर्ना...

अब आप लोग तो मेरे कहने से तो कुछ करेंगे नहीं। तो मैं उनसे कहता हूं जो मेरी बात को मानते भी हैं, और मेरी भाषा भी समझते हैं।

चिं चीं चीं चीं! चूं, चूं चियां... चियां!

ध्रुव के मुंह से निकली उस आवाज के जवाब में–

सुबह के आसमान में तैर रहीं बेशुमार चिड़ियां, एफिल टॉवर के ऊपर उतर आईं–

चिड़ियों के लगातार हमलों ने मार्सेल और जिग्सा के कसबल ढीले कर दिए–

अब बोल जिग्सा! खुद नकाब उठाएगा, या चिड़ियों से उठवा दूं?

उठाता हूं। उठाता हूं मेरे बाप!

पहले चिड़ियों को तो रोको!

ध्रुव ने एक सीटी बजाकर चिड़ियों को रोक दिया, और–

जिग्सा ने नकाब उठाने में एक पल की भी देर नहीं की–

ओह! चेहरा तो बहुत खूबसूरत है तुम्हारा। लेकिन तुम हो कौन, और तुम्हारे चेहरे का कटपीस कैसे हो गया?

मेरा असली नाम सॉटर है। मैं... मैं मार्सेल का भाई हूं। लूका का मामा। बचपन में एक जगह से चोरी करके भागते समय मैं अपने मुंह से खिड़की का कांच तोड़कर बाहर कूद पड़ा था...

... उसी से मेरा चेहरा जगह-जगह से कट गया था। बेशुमार टांके लगवाने पड़े; लेकिन फिर मेरे चेहरे पर कटने की लाइनें बची रह गईं। तभी से मेरे आदमियों ने मुझे 'जिग्सा पजल' की तर्ज पर जिग्सा कहना शुरू कर दिया।

धीरे- धीरे जब मेरा अपराध क्षेत्र फैलने लगा तो मुझे एक सुरक्षित जगह की जरूरत महसूस हुई। मेरी तलाश रघुपति की एस्टेट पर आकर रुक गई। क्योंकि एक तो वह एस्टेट काफी बड़ी और शान्त जगह पर थी...

... और दूसरे रघुपति के खानदान की पूरे इलाके में काफी इज्जत थी। रघुपति को फंसाने के लिए मैंने अपनी बहन मार्सेल का सहारा लिया। मार्सेल ने रघुपति को अपने रूपजाल में फंसाकर उससे शादी कर ली...

... फिर भी मैंने तब तक इन्तजार किया, जब तक उनके एक बेटा नहीं हो गया। उसका नाम लूका रखा गया। जब लूका छः-सात साल का हुआ तब मैंने अपना जाल फैलाना शुरू कर दिया।

रघुपति का छोटा भाई रघुवंशी बाहर रहकर पढ़ता था। इसीलिए रघुपति और उसके बाप को अंधेरे में रखकर मैंने अपना हैडक्वार्टर उसी एस्टेट में बना लिया। गड़बड़ तब शुरू हुई जब अपनी पढ़ाई पूरी करके रघुवंशी वापस आया।

थोड़ा शक उसे हुआ और बाकी की कसर उसके दोस्त इंस्पेक्टर ल्यूबेक की छानबीन ने पूरी कर दी। लेकिन इससे पहले कि वह हम तक पहुंचते, ल्यूबेक को मैंने मरवा डाला, और उसकी हत्या का इल्जाम रघुवंशी पर लगवा दिया।

मार्सेल ने रघुवंशी को यह कहकर भगा दिया कि अगर वह पकड़ा गया तो उसे फांसी हो जाएगी। रघुवंशी डरकर भाग गया और आगे की कहानी तो तुम जानते ही हो।...हुश, हुश!

हां! अब और आगे की कहानी मैं तुमको बताता हूं! तुम तीनों को मैं पुलिस के हवाले करने जा रहा हूं, और...

...अब से मरने तक तुम तीनों अपनी उम्र जेल में काटोगे। अगर तुम लोगों को फांसी नहीं हुई तो।

और फिर बाद में ल्योन की एस्टेट में-

तुमने तो कमाल कर दिया ध्रुव! वर्ना तो मैं कहता रहता कि मैं जिग्सा नहीं हूं और कोई यकीन ही नहीं करता।

मेरे रहते ऐसा हो ही नहीं सकता था ताऊजी!

सारी गुत्थियां सुलझ गईं। बस एक गुत्थी बाकी रह गई है। वह नकाबपोश कौन था?

उसका भी पता चल जाएगा वेरा! पहले दादाजी को देखकर आते हैं। आओ!

लेकिन एक बात तो बताइए ताऊजी! जब आप पहले से ही जिग्सा की सच्चाई जानते थे तो फिर आपने मुझे बताया क्यों नहीं?

जिग्सा ने पिताजी को मारने की धमकी देकर मुझे आतंकित कर दिया था। मैं जुबान खोलने का साहस ही नहीं कर पाया।

जल्दी ही तीनों दादाजी के पास खड़े थे-

उठिए दादाजी! अब न तो आपको पक्षाघात का रोगी बने रहने की एक्टिंग करनी है, और न ही नकाबपोश बनने की।...

...क्योंकि जिग्सा नाम का खतरा खत्म हो चुका है।

कमाल है मेरे बच्चे! तू कैसे समझ गया कि मैं ही नकाबपोश था और पक्षाघात का रोगी होने की एक्टिंग कर रहा था!

यह बात तो रघुपति के अलावा और कोई नहीं जानता था!

मैं भी आपका ही पोता हूं दादाजी!...

...एक तो वह नकाबपोश मेरा दोस्त था, और दूसरे वह पुलिस तक को पूरी इमारत का चप्पा-चप्पा छानने के बाद भी नहीं मिला, यह दोनों बातें सिर्फ आप पर ही फिट होती थीं!

यह सोचकर मेरा सीना चौड़ा हुआ जा रहा है कि मेरा वारिस इतना बुद्धिमान और इतना जांबाज इन्सान है।

हम तो तुझे नहीं ढूंढ़ पाए लेकिन तूने ही हमें ढूंढ़ निकाला। अब तू आ गया है तो इस एस्टेट की देखभाल कर, और हमको रिटायरमेंट दे दे।

नहीं दादाजी! मेरा यहां पर रह पाना संभव नहीं है।

इन्सान को जिन्दगी तो भगवान देता है, लेकिन उसका पालन-पोषण तो पृथ्वी ही करती है। आप मेरे लिए भगवान के स्थान पर जरूर हैं...

...लेकिन मेरी पृथ्वी राजनगर है। मेरा स्थान उन लोगों के पास है जिन्होंने मुझे तब अपनाया, जब मेरा कोई नहीं था!

वैसे मैं आपलोगों से मिलने जल्दी-जल्दी आता ही रहूंगा...

...और आप लोग भी जब दिल चाहे, मेरे पास आ सकते हैं!

फिलहाल तो मुझे जल्दी से जल्दी राजनगर वापस पहुंचना है। न जाने मेरे पीछे से अपराधियों ने उसका क्या हाल कर दिया हो!

ठीक है ध्रुव! अगर किस्मत ने मिलाया तो फिर मिलेंगे।

बॉय, वेरा!

और तुम्हारी मदद के लिए धन्यवाद!

भारत की तरफ वापस लौटते हुए ध्रुव इस बात से खुश भी था कि उसने अपना अतीत ढूंढ़कर अपने पिता पर लगे कलंक को धो डाला था–

और इस बात से उदास भी कि उसको अपने परिवार से दूर जाने को मजबूर होना पड़ रहा था–

समाप्त

बस नागराज, बस!
तुमने 'राज' का एक कायर के रूप में बहुत इस्तेमाल कर लिया। आज से राज नागराज का छद्म रूप बनकर नहीं जिएगा। आज से राज की अपनी जिन्दगी होगी। और वह नागराज से भी आगे बढ़कर दिखाएगा। अब से अपराधियों का पीछा राज करेगा, नागराज नहीं।...

...अब से यहां पर होगा राज का राज!

आह! यह कैसे हो सकता है? राज का रूप मुझसे अलग कैसे हो सकता है? और...और अलग होकर वह इतना शक्तिशाली कैसे बन गया कि मुझे भी आसानी से मात दे सके।

अनुपम

स्थिति यकीन करने के लायक तो नहीं है पर यह सच है। मुखौटे ने चेहरे पर से उतरकर एक जिंदा रूप धारण कर लिया है। आखिर यह रहस्य है क्या? यही तो नागराज जानना चाहता है, हम भी और शायद आप भी।...

...चलिए मिलकर ढूंढ़ते हैं...

राज का राज

राज कॉमिक्स में नागराज का एक सुपर सस्पेंसफुल विशेषांक

तुम लोगों ने मेरा ममीकृत शरीर और मेरा खजाना कब्र से निकालकर घातक भूल की है। अब मैं अपनी कब्र खोदने के जुर्म में पूरे राजनगर को एक रेगिस्तानी कब्रगाह बना डालूंगा।

ओफ्फ! इसके घूमते शरीर से निकलती रेत तो मुझे अंधा किए दे रही है।

by अनुपम Vinod

और मुझे अभी तक यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि ये सचमुच की ममी है या ममी का रूप धरकर नाटक करने वाला कोई इंसान। अब मैं कैसे बचाऊं राजनगर पर टूटने से...

ममी का कहर

इस राज कॉमिक्स विशेषांक को आप सदियों तक सुरक्षित रखना चाहेंगे। यह ममी का वादा है।

इस 'अल्फा मैन' को रोकें तो कैसे? हमारे वार तो इसके आर-पार हो रहे हैं।

कोशिश करते रहना ही एकमात्र रास्ता है, शक्ति!

तुम्हारी अग्नि के कारण ये नजर आ रहा है। वर्ना हम तो इसे देख भी न पाते।

कुछ भी हो जाए दोस्तो, पर इसे, इस अंधी बच्ची तक नहीं पहुंचने देना है क्योंकि सिर्फ यही एक है जिसकी दृष्टि इसके रेडिएशन रूप को देख सकती है।...अगर इसे कुछ हो गया, तो अल्फा मैन मचाता रहेगा, पूरी दिल्ली में...

by अनुपम

120 पृष्ठों में फैली राज कॉमिक्स की एक गौरवशाली भेंट

अप्रैल 2000 में उपलब्ध

कोहराम

ऐसा कहर न तो पहले कभी पृथ्वी पर बरसा है और न ही बरसेगा।